

REGISTERED No. D-(D)-73

भारत की राजपत्र The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित PUBLISHED BY AUTHORITY

सं०

नई विल्ली, शनिवार, फरवरीं 23, 1980 (फाल्गुन 4, 1901)

No. 81

NEW DELHI, SATURDAY, FEBRUARY 23, 1980 (PHALGUNA 4, 1901)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके (Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III--खण्ड 1 PART III--SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियन्त्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

केल्द्रीय सतर्कता ग्रायोग

नई दिल्ली, दिनांक 30 जनवरी 1980

सं०एन० 9 आर० सी०टी० 21—केन्द्रीय सतर्कता श्रायोग की श्रिष्टिम्चना दिनांक 15-10-1979 को निरस्त करते हुए, केन्द्रीय सतर्कना ग्रायुक्त एतद्द्वारा श्री एस० पाल, स्थायी सहायक को स्थानापन्न रूप से नीचे दिये गये ग्रविधयों में श्रमुभाग ग्रिथिकारी नियुक्त करते हैं।

26-9-77 से 24-12-77

26-12-77 से 25-3-78

27-3-78 से 24-6-78

26-6-78 से 23-9-78

25-9-78 4 23-12-78

26-12-78 中 25-3-79

27-3-79 से 24-6-79

26-6-79 से 23-9-79

25-5-79 मे 23-12-79

261-2-79 से 24-3-80

कृष्ण लाल मल्होत्रा ग्रवर सचिव इते केन्द्रीय सतर्कता श्रायुक्त गृह मन्नालय

कार्मिक एवं प्रशासनिक सुधार विभाग

केन्द्रीय अन्वेषण ब्युरो

नई दिल्ली, दिनांक 30 जनवरी 1980

सं० ए०-31015/1/75प्रशा० I — केन्द्रीय सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियन्त्रण एवं प्रपील), नियमावली, 1965 के नियम 9(2) के द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, निदेशक, केन्द्रीय ग्रन्वेषण ब्यूरो एवं पुलिस महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना, एतद्द्वारा, निम्नलिखित श्रिधिकारियों को दिनांक 7-10-78 से केन्द्रीय ग्रन्वेषण ब्यूरो में मूल रूप से वरिष्ठ वैज्ञानिक सहायक, केन्द्रीय न्याय वैद्यक विज्ञान प्रयोगशाला नियुक्त करते हैं:—

नाम		जन्म तिथि
सर्वश्री 1. जी० डी० गुप्ता 2. के० के० भ्ररोरा 3. एन० के० प्रसाद	कनिष्ठ वैज्ञानिक भ्रधिकारी वरिष्ठ वैज्ञानिक श्रधिकारी वरिष्ठ वैज्ञानिक श्रधिकारी	2-6-42 11-2-41 29-2-40

1	2	3	4
		वरिष्ठ वैज्ञानिक श्रिधिकारी	10-5-43
		वरिष्ठ वैज्ञानिक श्रधिकारी	28-11-45
6.	एस० के० मुख्यो-	वरिष्ठ वैज्ञानिक	4-7-43
	पाध्याय	सहाय क	
7.	एच० म्रार० स्रग्रव	ाल, वरिष्ठ वैज्ञानिक सहायक	24-5-47
		ा, वरिष्ठ वैज्ञानिक सहायक	2-7-45
9.	श्रार० एस० कोटां- गला	- वरिष्ठ वैज्ञानिक सहायक	5-9-46
10.	बी० डी० ब्रह्मचारी	ो, वरिष्ठ वैज्ञानिक सहायक	12-6-48
	रूप सिंह	वरिष्ठ वैज्ञानिक सहायक	12-4-41

दिनांक 4 फरवरी 1980

सं० ए० 35018/15/79-प्रशा०- — पुलिस उपंमहानिनिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना, एतद्द्वारा श्री मनी लाल राय
चौधरी, पुलिस उप-निरीक्षक, पश्चिम बंगाल को दिनांक 1
जनवरी, 1980 के पूर्वीह्न से अगले आदेश तक के लिए केन्द्रीय
अन्वेषण ब्यूरों के दिल्ली विशेष पुलिस स्थापना प्रभाग की
कलकत्ता (सामान्य अपराध स्कन्ध) शाखा में अस्थायी रूप से
प्रतिनियुक्ति, पर पुलिस निरीक्षक नियुक्त करते हैं।

की० ला० ग्रोवर प्रशासनिक ग्राधकारी (स्था०) केन्द्रीय ग्रन्वेषण ब्यूरो

भारत के महापंजीकार का कार्यालय नई दिल्ली-110011, दिनांक 30 जनवरी 1980

ंसं० 11/73/79प्रशा०-1-3416—राष्ट्रपति, भारतीय प्रशासनिक सीमान्त सेवा के प्रधिकारी और इस समय नागा-लैण्ड सरकार के शिक्षा विभाग में विशेष सचिव के पद पर कार्यरत श्री डेनियल कैन्ट को तारोख 4 जनवरी, 1980 के प्रपराह्म से श्रगले श्रादेशों तक नागालैण्ड में पदेन जनगणना कार्य निदेशक के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

श्री कैन्ट का मुख्यालय कोहिमा में होगा।

पी० पद्मनाभ भारत के महापंजीकार

मद्रण निवेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 30 जनवरी, 1980

मं० जे०(7)/प्रशासन-II—निवर्तन को श्रायु प्राप्त करने पर, श्री के० सी० जोहन, सहायक प्रबंधक (तकनीकी), भारत सरकार मुद्रणालय, राष्ट्रपति भवन. नई दिल्ली मुद्रण निदेशालय 31 दिसम्बर, 1979 के श्रपराह्म की सरकारी सेवा से निवृत हो गए।

त्रजेन्द्र नाथ मुखर्जी संयुक्त निदेशक, (प्रशासन)

वित्त मंत्रालय

प्रतिभृति कागज कारखाना

होणंगाबाद, दिनांक 30 जनवरी 1980

सं० 7(46)/10882—श्री ए० पी० निमाडे को दिनांक 26-12-1979 के पूर्वाह्म से श्राटिस्ट इनग्रेवर के पद पर वेतनमान २० 650-30-740-35-810-ई० बी०-35-880-40-1000 ई० बी०-40-1200 में नियुक्त किया जाता है। वे 2 वर्ष तक परीवीक्षाधीन रहेंगे।

श० रा० पाठक महाप्रबन्धक

भारतीय लेखा परीक्षा तथा लेखा विभाग निदेशक लेखा परीक्षा का कार्यालय, पश्चिम रेलवे

बम्बई, दिनांक फरवरी 1980

सं० एस० ए०/एच० क्यू०/प्रशासन/पी० सी०/6896—श्री म० वा० पटवर्धन, स्थायी लेखा परीक्षा श्रधिकारी, दिनांक 31-1-1980 के श्रपराह्न से निवर्तमान श्रायु होने पर सरकारी सेवा से निवृत हो गए।

सु०प० भोबे लेखा परीक्षा म्रधिकारी (प्रशासन)

रक्षा मंद्रालय

म्रार्डनेन्स फैक्टरी बोर्ड भारतीय म्रार्डनेन्स फैक्टरियां सेवा

कलकत्ता, दिनांक 19 जनवरी 1980

सं० 65/जी०/80—वार्धक्य सेवा निवृत्ति श्रायु प्राप्त कर, निम्नित्विखित श्रिधिकारीगण प्रत्येक के सामने दर्णाई गई तारीख से सेवा निवृत्त हुए:---

ऋम सं० नाम एवं	पद	सेवा-निवृत्ति तारीख
1. श्री पी० एम० स्थानापन्न उ	प प्रबन्धक	31-8-79 (श्रपराह्म)
2. श्रीवी० जी० स्थानापम्न उ	४ं स्थायी सहायक प्रव विडवन्स प-प्रबन्धक (मौलिव तहायक प्रबन्धक)	30-9-79 (श्र प राह्न)
 श्री भ्रार० एम स्थानापन्न उ एवं स्थायी प 	प-प्रबन्धक (मौलिक	30-9-79 (श्रपराह्न) ा
	ाहायक प्रबन्धक i स्थायी सहायक	31-8-79 (भ्रपराह्म)

1	2	3
5.	श्री के० एस० विक्वनाथन,	30-9-79 (ग्रपराह्न)
	स्थानापन्न सहायक प्रबन्धक	
	(मौलिक एवं स्थायी फौरमैन)	
6.	श्री वी० ग्रार० ग्रातुर्कर,	31-10 - 79 (म्रपराह्न)
	स्थानापन्न सहायक प्रबन्धक	
	(मौलिक एवं स्थायी फौरमैन)	
7.	श्री वी० कृष्णमृर्ति	31-10-79 (ग्रपराह्न)
	स्थानापन्न उप-प्रबन्धक	
	(मौलिक एबं स्थायी फौरमैन)	
8.	श्री के० एन० श्रीवास्तवा,	31-10-79 (भ्रपराह्न)
	स्थानापन्न सहायक प्रबन्धक	
	(मौलिक एवं स्थायी स्टाफ	
	ग्रसिस्टैंट)	

दिनांक 24 जनवरी 1980

सं० 1/80/जो०—राष्ट्रपति श्री बी० श्रार० चौधरी, स्थानापन्न पी० एम० श्रो० (तदर्थ ग्राधार पर) को उसी ग्रेड में नियमित ग्राधार पर, दिनांक 14 मितम्बर, 1979 से ग्रागामी श्रादेण न होने तक नियक्त करते हैं।

> बी० के० मेहता सहायक महानिदेशक, श्रार्डनेस फैक्टरियां

वाणिज्य एवं नागरिक श्रापूर्ति मंत्रालय मुख्य नियंत्रक श्रायात-निर्यात का कार्यालय नई दिल्ली, दिनांक 29 जनवरी 1980 श्रायात-निर्यात व्यापार नियंत्रण (स्थापना)

सं० 1/2/79-प्रणासन (राज०) 586—-राष्ट्रपित केन्द्रीय सिंचिवालय सेवा के अनुभाग अधिकारी वर्ग के स्थायी अधिकारी श्री जे० एस० सहोटा को उसी सेवा के वर्ग-1 में 5-11-79 से 21 दिसम्बर, 1979 तक की अविध के लिए स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

 राष्ट्रपित, श्री जे० एस० सहोटा की उपर्युक्त श्रविध के लिए मुख्य नियंत्रक, ग्रायात-निर्यात के कार्यालय में उप-मुख्य नियंत्रक, श्रायात-निर्यात के रूप में भी नियुक्त करते हैं। सी० एस० ग्रायं

उप-मख्य नियंत्रक श्रामात-निर्यात कृते मुख्य नियंत्रक, श्रामात-निर्यात

उद्योग मंत्रालय (ग्रोद्योगिक विकास विभाग) विकास ग्रायुक्त (लघु उद्योग) का कार्यालय नईदिल्ली-110011,दिनांक 28 जनवरी 1980

सं० ए०-19018(136)/74-प्रशा० (राज०)---राष्ट्र-पतिजी, लघु उद्योग माखा संस्थान, भ्रगरतला के सहायक निदेशक, ग्रेड-2, श्री बी० बी० चटर्जी जो दिनांक 24 सितम्बर, 1979 (पूर्वाह्म) से श्रगले श्रादेश तक, लघु उद्योग सेवा संस्थान, कलकत्ता में तदर्थ श्राधार पर सहायक निदेशक, ग्रेड-1 (श्राधिक श्रन्वेषण/उत्पादन सूचकांक) नियुक्त करते हैं।

महेन्द्रपाल गुप्त उप निदेशक (प्रशासन)

दिनांक 30 जनवरी 1980

सं०ए-19018(444)/79-प्रणासन (राजपितत)—विकास प्रायुक्त (लघु उद्योग), लघु उद्योग सेवा संस्थान, हैंदराबाद के स्थायी लघु उद्योग संवर्धन प्रधिकारी (प्रार्थिक प्रन्वेषण व सांख्यिकी) श्री श्रीगिरि रेड्डी ई० रेड्डी को दिनांक 19 सितम्बर, 1979 (पूर्वाह्म) से श्रगले श्रादेशों तक, लघु उद्योग सेवा संस्थान, बम्बई में सहायक निदेशक, ग्रेड-2 (ग्रार्थिक श्रन्वेषण/डाटा बैंक) के रूप में तदर्थ आधार पर नियुक्त करते हैं।

दिनांक 2 फरवरी 1980

सं० ए०-19018(449)/79-प्रशासन (राजपत्नित)— विकास श्रायुक्त (लघु उद्योग), लघु उद्योग सेवा संस्थान, मद्रास के स्थायी लघु उद्योग संवर्द्धन श्रधिकारी (श्राधिक श्रक्वेषण व सांख्यिकी) श्री मुनीस्वामी जयरामन को दिनांक 19 सितम्बर 1979 (पूर्वाह्म) से श्रगले श्रादेशों तक, लघु उद्योग सेवा संस्थान, कानपुर में सहायक निदेशक, ग्रेष्ठ-2 (श्राधिक श्रन्वेषण/डाटा बैंक) के रूप में तदर्थ श्राधार पर नियुक्त करते हैं।

दिनांक 5 फरवरी 1980

सं० 12(7)/61-प्रशा० (राज०)—-राष्ट्रपतिजी, विकास ग्रायुक्त (लघु उद्योग) के कार्यालय, नई दिल्ली के उप निदेशक (चर्म-पादुका),श्री एस० पी० सिंगाराम को दिनांक 7 जनवरी, 1980 (पूर्वाह्म) से ग्रगले ग्रादेशों तक, इसी कार्यालय में तदर्थ ग्राधार पर निदेशक, ग्रेड-2 (चर्म/पादुका) नियुक्त करते हैं।

सं० ए०-19018(459)/79-प्रशासन (राजपितत)--विकास प्रायुक्त (लघु उद्योग), लघु उद्योग सेवा संस्थान,
कटक के श्री बी० सी० मिलक, स्थाई लघु उद्योग संवर्द्धन
प्रधिकारी (ग्राधिक अन्वेषण एवं सांख्यिकी) को दिनांक 16
प्रक्तूबर, 1979 (पूर्वाह्म) से भ्रगले प्रादेशों तक, लघु उद्योग
सेवा संस्थान गोहाटी में सहायक निदेशक, ग्रेड-2 (ग्राधिक
ग्रन्वेषण/डाटा बैंक) के रूप में तदर्थ ग्राधार पर नियुक्त करते
हैं।

महेन्द्र पाल गुप्त उपनिदेशक (प्रशा०)

वस्त्र धायुक्त का कार्यालय बम्बई-20, दिनांक 1 फरवरी 1980

आवेश

सं० 18(1)/80-सी०एल०बी०- ---कृत्निम रेशमी वस्त्र (उत्पादन ग्रीर वितरण) नियंत्रण ग्रादेश, 1962 के खण्ड 12 में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए श्रीर केन्द्रीय सरकार की पूर्व-स्वीकृति से मैं एतद्द्वारा वस्त्र श्रायुक्त के मुख्यालय या प्रादेशिक कार्यालयों के सभी श्रधिकारियों को, जो सहायक निदेशक या सहायक प्रवर्तन श्रधिकारी की श्रेणी से नीचे के न हों, उक्त श्रावेश के उप-खण्ड (3) में मुझे प्रदत्त शक्तियों का मेरी श्रोर से उपयोग करने का श्रधिकार देता हं।

एम० सी० सुवर्ण वस्त्र श्रायुक्त

पूर्ति विभाग

पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय (प्रशासन प्रनुभाग-6)

नई दिल्ली, दिनांक 28 जनवरी, 1980

सं० प्र० 6/247/(400)/62-II—राष्ट्रपति जमशेदपुर निरीक्षणालय के ग्रधीन भिलाई में सहायक निरीक्षण ग्रधिकारी (धातु) श्री डी० रामानुजम को दिनांक 3-12-79 (पूर्वाह्न) से ग्रागामी ग्रादेशों तक (भारतीय निरीक्षण सेवा ग्रुप ए, के ग्रेड-III धातुकर्मशाला) में तदर्थ ग्राधार पर उसी कार्यालय में स्थानापन्न सहायक निरीक्षण निदेशक (धातु) के रूप में नियुक्त करते हैं।

श्री रामानुजम ने सहायक निरीक्षण श्रिष्ठिकारी (धातु) का पदभार छोड़ दिया श्रीर 3-12-79 (पूर्वाह्न) में जमणेदपुर निरीक्षणालय के श्रधीन भिलाई में सहायक निरीक्षण निदेणक (धातु) का पदभार सम्भाल लिया।

> कृष्ण किशोर उप निदेशक (प्रशासन)

भारतीय सर्वेक्षण विभाग महासर्वेक्षक का कार्यालय देहरादून, दिनांक 2 फरवरी 1980

सं० स्था-1-5594/724-एफ० श्रो० एस०--श्री के० रामास्वामी को भारतीय सर्वेक्षण विभाग में सहायक भण्डार ग्रधिकारी, सामान्य केन्द्रीय सेवा ग्रुप 'बी' (राजपित्रत) के ग्रस्थाई पद पर 550-25-750-द० रो०-30-900 क० के संशोधित वेतन मान में दिनांक 17 जनवरी 1980 पूर्वाह्र से स्थानापन्न रूप में नियुक्त किया जाता है।

के० एल० खोसला मेजर जनरल, भारत के महासर्वेक्षक

श्राकाशवाणी महानिदेशालय (सिविल निर्माण स्कंघ)

नई दिल्ली-110001, दिनांक 24 जनवरी 1980

सं० ए०-35018/2/78 सी० डब्ल्यू०-I—महानिदेशक, भ्राकाशवाणी, नई दिल्ली, केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग के सहायक इंजीनियर, श्री गुरबख्ण सिंह को सिविल निर्माण स्कंघ, श्राकाश-वाणी, नई दिल्ली में दिनांक 1-1-80 पूर्वाह्म से प्रथमतः एक वर्ष की श्रवधि के लिए सहायक निर्माण सर्वेक्षण (सिविल) के पद पर रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०401200/- के वेतनमान में प्रतिनियुक्ति के श्राधार पर नियुक्त करते हैं।

2. श्री गुरबखण सिंह का वेतन श्रीर भत्ते समय-समय पर संशोधित वित्त मंद्रालय के का० ज्ञापन सं० 10/24/ई०-III/ 60, दिनांक 4-5-1961 के श्रनुसार नियमित किए जायेंगे

सं० ए०-35018/2/78-सीं० डब्स्यू०-І—महानिदेशक, ध्राकाशवाणी, नई दिल्ली, केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग के सहायक इंजीनियर, श्री भ्रार० पी० साधुर को सिविल निर्माण स्कंघ, श्राकाशवाणी, कलकत्ता में दिनांक 10-12-1979 पूर्वाह्न से प्रथमतः एक वर्ष की भ्रवधि के लिए सहायक निर्माण सर्वेक्षण (सिविल) के पद पर र० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200/- के वेतन-मान में प्रतिनियुक्ति के श्राधार पर नियुक्त करते हैं।

2. श्री भ्रार० पी० माथुर का वेसन और भत्ते समय-समय पर संशोधित वित्त मंत्रालय के का० ज्ञापन सं० 10/24/ई०-III/60, दिनांक 4-5-1961 के ग्रनुसार नियमित किए जाएंगे।

्रस० रामास्वामी

श्रपर मुख्य इंजीनियर (सिविल) के इंजीनियरी श्रधिकारी कृते महानिदेशक

सूचना भौर प्रसारण मंद्रालय विज्ञापन भौर दृश्य प्रचार निदेशालय नई दिल्ली, विनांक 29 जनवरी 1980

सं० ए०-31014/1/79 स्थापना—विज्ञापन भौर वृश्य प्रचार निवेशक, निम्नलिखित श्रधिकारियों को 21 जनवरी, 1980 से इस निदेशालय में वरिष्ठ ब्रार्टिस्ट के पदों पर स्थायी रूप से नियुक्त करते हैं:—

- 1. श्री उमेश वर्मा
- 2. श्री ए० के० मुखर्जी
- 3. श्री एस० बी० घोरपाड़े
- श्री रामिकशोर यादव
- श्री समर दलागुप्त
- श्री सुन्नत दास
- 7. श्री एच० एन० भट्टाचार्य
- श्री एन० बी० पनिक्कर

दिनांक 2 फरवरी 1980

सं० ए०-12025/1/79-स्थापना—विज्ञापन और दृश्य प्रभार निदेशक, श्री हरदीप सिंह को सीनियर श्राटिस्ट के पर मस्यायी रूप से 28 जनवरी, 1980 से श्रगले भादेश तक नियुक्त करते हैं।

> जनकराज लिखी उप निदेशक (प्रशासन) कृते विज्ञापन श्रौर दृश्य प्रचार निर्देशक

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 17 दिसम्बर 1979

सं०ए० 19012/12/79-स्टोर-1—सेवा निवृत्ति की ग्रायु के हो जाने पर (सहायक डिपो मैंनेजर) श्री एन० एल० गास्त्री ने 29 नवम्बर, 1979 ग्रपराह्न को (30 तारीख को छुट्टी का दिन होने के कारण) सरकारी चिकित्सा सामग्री भण्डार, बम्बई से सेवा निवृत्त हो गये।

दिनांक 29 जनवरी 1980

सं० ए० 32014/4/79-भण्डार-1—इस निवेशालय की दिनांक 21 जुलाई, 1979 की अधिसूचना संख्या ए० 32014/4/79-भण्डार-1 में उल्लिखित आदेशों के कम में स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने सरकारी चिकित्सा सामग्री भण्डार, कलकत्ता के आफिस सुपरिन्टेन्डेन्ट श्री के० डी० लाहिरी को 19 दिसम्बर, 1979 अपराह्म से आगे और छः महीने की अवधि के लिये अथवा जबतक यह पद नियमित आधार पर नहीं भरा जाता, जो भी पहले हो उसी डिपो में सहायक डिपो मैनेजर केपद पर तदर्थ आधार पर नियुक्त किया है।

शिव दयाल उप निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 14 जनवरी 1980

सं० ए० 19019/39/77-के० स्वा० से०-I—डा० म्रार० के० मिश्रा ने केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, मेरठ से केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, कानपुर में प्रपना तबादला हो जाने के फलस्वरूप 22 जून, 1979 प्रपराह्न को केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, मेरठ के प्रधीन होम्योपैथिक फिजिशियन के पद का कार्यभार छोड़ दिया तथा 23 जून, 1979 पूर्वाह्म से केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, कानपुर के प्रधीन होम्योपैथिक फिजिशियन के पद का कार्यभार संभाल लिया है।

दिनांक 28 जनवरी 1980

सं० ए० 12023/1/79 के० स० स्वा० यो०-I—केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, दिल्ली में प्रपत्ती नियुक्ति के फलस्वरूप स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंद्रालय में प्रनुभाग प्रधिकारी श्री पी० के० घई ने 27 दिसम्बर, 1979 पूर्वाह्म से केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, दिल्ली के ग्रधीन प्रशासनिक श्रधिकारी के पद का कार्यभार संभाल लिया है।

एन० एन० घोष उप निदेशक प्रशासन नई दिल्ली, दिनांक 18 जनवरी 1980

सं० ए० 22013/1/79-प्रशासन-I (भाग-2)—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय में स्थायी सहायक तथा स्थानापश्च रूप से धनुभाग ध्रिषकारी के पद पर कार्य कर रहे श्री ए० डी॰ शर्मा सेवा निवृत्ति की ग्रायुके हो जाने पर 31 दिसम्बर, 1979 अपराह्म को सरकारी सेवा से रिटायर हो गये हैं।

शाम लाल कुठियाला उप निवेशक प्रशासन (सं० एवं प०)

कृषि ग्रौर सिंचाई मंत्रालय (कृषि विभाग)

विस्तार निवेशालय.

नई दिल्ली, दिनांक 17 जनवरी 1980

सं० 5-65/79 स्थापना-I—सहायक प्रदर्शनी श्रिष्ठकारी (कोटि प्रथम) के पद पर श्री एन० शिवारामा कृष्णन् की तद्दर्थ नियुक्ति 1 मार्च, 1979 से झागे 29 फरवरी, 1980 तक बनी रही।

बद्रीनाथ **पड्**ढा निदेशक प्रशासन

राष्ट्रीय शर्करा संस्था (खाद्य विभाग)

कानपुर, दिनांक 30 जनवरी 1980

सं० प्रसा० 19(6) — भी एस० के० नुष्ता, ज्येष्ठ तक्रनीकी सहायक की कनिष्ठ तक्रनीकी अधिकारी (एस० टी०) के पद पर तदर्थ प्राधार पर दिनांक 25-1-80 पूर्वाह्न से ग्रागामी ग्रादेशों तक के लिये स्थानायम नियुक्ति की जाती है।

> **ए**न० ए० रामय्या निदेशक

परमाणु ऊर्जा विभाग नरौरा परमाणु विद्युत् परियोजना बुलन्दशहर, दिनांक 29 जनवरी 1980

1980 के पूर्वाह्न में अग्निम श्रादेशों तक के लिये नियुक्त करते हैं।

> सुभाष चन्द्र जैन सहायक कार्मिक ग्रधिकारी

ऋय एवं भंडार निदेशालय

बम्बई-400 001, दिनांक 4 जनवरी 1980

सं० डी० पी० एस०/2/1(25)/77-प्रणा०/137-- परमाणु ऊर्जा विभाग के ऋय एवं भंडार निदेशालय के निदेशक, परमाणु ऊर्जा विभाग के श्रस्थायी सहायक लेखा श्रिधकारी श्री पी० एस० राव को 30 नवम्बर, 1979 से ग्रगले श्रादेश तक के लिये ऋय श्रीर भंडार निदेशालय के कोटा क्षेत्रीय लेखा यूनिट में रु० 840-40-1000-ई० बी०-40-1200 के वेतनमान में स्थानापन्न लेखा श्रिधकारी II नियुक्त करते हैं। यह नियुक्ति श्री सी० के० राषवन, लेखा श्रिधकारी-II के स्थान पर की गई है

जिनका ग्रंतरण परमाणु ऊर्जा विभाग, बम्बई के प्रधान लेखा कार्यालय को कर दिया गया है।

> के० पी० जोसफ प्रशासन ग्रधिकारी

राजस्थान परमाणु विद्युत् परियोजना ग्रणुशक्ति, दिनांक 30 जनवरी 1980

सं० रापविप/04627/1(468)/प्रशा०/स्थ०/6802— विद्युत् परियोजना इंजीनियरिंग प्रभाग के एक स्थायी सहायक फोरमैन तथा इस परियोजना में त्रैजानिक ग्रिधिकाारी/इंजीनियर ग्रेड एस० बी० के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्यरत श्री के० सी० तनेजा ने नरौरा परमाणु विद्युत् परियोजना डाक०— नरौरा जिला बुलन्दशहर (उ० प्र०) में स्थानान्तरित होने के परिणामस्वरूप 31 दिसम्बर, 1979 के ग्रपराह्न से इस परियोजना में ग्रपने पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

> गोपाल सिंह प्रशासन मधिकारी (स्था०)

- ग्रंतरिक्ष विभाग इसरो उपग्रह केन्द्र

बंगलौर-560058, दिनांक 15 जनवरी 1980

सं० 020/3(061)/पी०/80—इसरी उपग्रह केन्द्र के निदेणक अंतरिक्ष विभाग के इसरी उपग्रह केन्द्र, बंगलौर में निम्नलिखित प्रिक्षिकारियों को उनके नामों के सामने दिये गए पदों पर और नारीखों के पूर्वीह्न से श्रागामी ब्रादेश तक पूर्णतया औस्थायी और श्रनन्तिम रूप में पदोन्ननि करते हैं:—

ऋ०सं० नाम			t	द स्रौर ग्रेड जिससे पदोन्नति	पद और ग्रेड जिसमें पदोन्नति	तारीख
सर्वश्री 1. ए० शिवलिनैया				वैज्ञानिक सहायक सी०	श्रभियंता एस० बी०	1-10-1979
2. एस० वी० के० शर्मा	•	-		17	11	**
 ग्रार० सी० महाजन 				"	n	"
4. एम ० एस० नागराज	-			$^{\prime}$ $^{\prime}$ $^{\prime}$	"	71
5. वी० सी० मारीमृत् —————————		_ .		<u>n</u>		<u> </u>

एस० सुब्रह्मण्यम प्रशासन ग्रधिकारी II

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय नई दिल्ली, दिनांक 21 जनवरी 1980

सं० ए० 32014/2/79-ई० ए०--श्री एच० वी० राय, सहायक विमान क्षेत्र श्रिधकारी, कलकत्ता एयरपोर्ट, दमदम, को दिनांक प्रथम जनवरी, 1980 से विमान क्षेत्र सहायक के पद पर प्रत्यावर्तित किया जाता है।

> विश्व विनोद जौहरी सहायक निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 28 जनवरी 1980

सं० ए० 32013/10/79—ई०—І—इस कार्यालय की दिनांक 19—9—1979 की श्रधिसूचना मं० ए० 32013/

10/79-ई०-1 के कम में महानिदेशक नागर विमानन ने इस विभाग के स्थाई लेखाकार, श्री एस० ग्रार० भाटिया की नागर विमानन विभाग में लेखा ग्रिधकारी के पद पर तदर्थ नियुक्ति 20-10-79 से 14 दिन के लिए श्री पी० ग्रार० लोरोइया के स्थान पर ग्रीर दिनांक 3-11-79 से 17-12-79 तक 45 दिन की ग्रवधि के लिये श्री एस० सी० भाटिया के स्थान पर जारी रखने की मंजूरी देही है। जित्तरंजन कुमार वस्स

सहायक निवेशक प्रशासन

केन्द्रीय उत्पाद शुल्क व सीमा गुल्क समाहर्तालय मदुरई-625002, दिनांक 28 जनवरी 1980

सं० 1/80---केन्द्रीय उत्पाद शुल्क के निम्नलिखित वरिष्ठ श्रेणी निरीक्षकों को ग्रगले ग्रादेश होने तक

रु० 65030740358 ों०401200 के वेतनम			1	. 2	3	4
प्रुप 'बी' के पद पर उनकी रूप में कार्यभार ग्रहण कि नाम के सामने दिखाए	ा नियुक्ति की गई। ए गयेस्थान तथा	ग्रधीक्षकों के	8.	एम० एम० वेल्	स्रारुमुगनेरी एम० स्रो० स्रार० तिरु- नेलवेली प्रभाग	31-12-79
ऋ ०सं० श्रधिकारी का नाम		कार्यभार	9.	ए० विश्वनाथन	मुख्यालय, मदुरई	2-1-80
		ग्रहण की गई तारीख	10.	ग्रार० गणेशन	सीमा-णुल्क (निवारक)	7-1-80
(1) (2)	(3)	(4)			टूटीकोरीन	
सर्वश्री 1. स्रो० क्रुपा राव	सीमा-शुल्क	12-10-79	11.	एन० प्रानिवार	मात्तूर-एम० श्रो० ग्रार०1 शिवकाशी प्रभाग	9-1-80
	(निवारक) चि≂ंतरण सम्बद्ध		12	टी० मृत्तस्या	मुख्यालय, मदुरई	9-1-80
2. सीं० बाल <i>कृष्</i> णन्	चिदंबरम, कडलूर प्रभाग प्रभागीय कार्यालय	20 10 70	13.	ए० एन ० धन सिंह	राजपालयम –एम० ग्रो० श्रार्र० शिव-	12-1-80
2. साठबालकृष्णम्	त्रमागाय कायालय रामनाथपूरम	30-10-79			काशी प्रभाग	
 ई० पी० रोलन्ड के० कृष्ण मुरारी 	मुख्यालय, महुरई	151279 221279	14.	एम० पूसामी	सीमा-शृत्क सर्किल रामेक्वरम्	19-1-80
5. एस० गुहसामी	एम० भ्रो० ग्रार० –सात्त्र, शिव-	28-12-79	उपसम् श्रमले द०	गहर्ता कार्यालय, क - श्रादेश होने तक रो∘~35~88 0 ~40-	ि डी० लिल्ली, कार्यात नेयम्बतूर, मद्राम समा ६० 650−30−740 1000-द० रो०40 रूप से प्रशासनिक	हर्तालय, को −35−810− ⊢1200 के
 वी० के० भेखरन एस० गृख्यस्या 	काशी प्रभाग सीमा-शुल्क सर्किल रामेश्वरम् विरुधुनगर एम०	28-12-79 31-12-79	रूपः तिक्	में उनकी नियुक्तिः लिवेली प्रभाग में त	की गई। केन्द्रीय उत्पा १० 26–11–1979 क स्ता कार्यभार ग्रहण वि	दन शुल्क के ो प्रशासनिक
	ग्रो० ग्रार०, णिव काणी, प्रभाग ।				श्रार	० जयरामन समाहर्ता

मद्राम-600034, दिनांक 30 जनवरी 1980

मं० IV/16/384/78 सी० एक्स० एडज०-II-केन्द्रीय उत्पादन गुल्क (सातवां संशोधन) नियमावली, 1976 के नियम 232-'क' के उपनियम (1) के ब्रन्तर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए जो कि दिनांक 21-2-1976 से प्रभावी है, यह घोषित किया जाता है कि उपनियम (2) के ब्रन्तर्गत निर्दिष्टित केन्द्रीय उत्पादन शुल्क तथा नमक श्रिधिनियम, 1944 की धारा 9 के ब्रंतर्गत न्यायालय द्वारा दोशी ठहराए गए व्यक्तियों श्रीर उन व्यक्तियों के नाम पते व ब्रन्य विवरण जिन पर पूर्वोक्त श्रिधिनियम की धारा 33 में तिर्दिष्टित श्रिधिकारी द्वारा 10,000.00 रुपये या उससे श्रिधिक की शास्ति श्रिधिरोपित की गई है नीचे दिये जाते हैं:--

क्र०सं व्यक्तिकानाम	पना	ग्रधिनियम के उल्लंधिन उपवंश	श्रधिरोपित भास्ति की रा णि
1 2	3	4	5
1 श्री जनार्घनन ग्रौर श्री वेलुपामी .		भारतीय दण्ड संहिता 1860 की धारा 259 श्रीर 260 के साथ पठित केन्द्रीय उत्पादन	केन्द्रीय उत्पादन शुल्क श्रिधिनियम की धारा 9 (1) (खख) (11) के

1 2	3	4	5
		णुल्क नियमावली 1944 के नियम, 65, 174 स्रौर 231	श्रंतर्गत प्रत्येक को दोषी ठहराया गया श्रांग 200 क जुर्माना श्रदा करने की सजा सुनाई, ऐसा न करने पर 2 महीने का कठोर कारावास श्रीग प्रत्येक को प्रत्येक भारतीय दंड संहिता के श्रंतर्गत 400 रु जुर्माना श्रदा करने की सजा, ऐसा न करने पर 2 महीने का कठोर कारावास श्रीर न्यायालय का समय समाप्त हो जाने (ऐ० टि० श्रार० सी०) तक कारावास की सजा सुनायी गयी है।
2. श्रीमती पप्पामल, ग्रौर श्री एस० पी० नट- राजन, (लाइसेन्सी का पावर एजेन्ट)	ग्ल० 5 सं० 38/77, गोबि- पलायम पोस्ट, गोबी तासुक	केन्द्रीय उत्पादन शुल्क निय- मावली 1944 के नियम 144, 151—ग स्रौर 223 (1) श्रौर केन्द्रीय उत्पादन शुल्क तथा नमक श्रधिनियम 1944 की धारा 9 (1) (ख) श्रौर 9(1) (ख)1	दोनों मुलिजिमों को दोषी ठहराया गया श्रौर प्रत्येक को 200 ६० जुर्माना श्रदा करने या 2 महीने के कठोर कारावास की सजा सुनाई।
3. श्री सी० वेंकटचालम 🍴	एल० 5 सं० 19/68, दासम्पलग्यम, पुलियमपट्टी, जिला पेरियार	केन्द्रीय उत्पादन मुल्क नियमा- वली, 1944 के नियम 151 (ग) भौर केन्द्रीय उत्पादन मुल्क श्रौर नमक श्रधिनियम 1944 की धारा 9(1) (ख) श्रौर 9(1) (ख ख)	
 4. 1. साथियामूर्षी 2. टी० परमेश्विम (शिवमं एण्ड कंपनी के भागीदार) 3. शिवम एण्ड कम्पनी 4. ए० थन्गावेलु (एल० 2 सं० 125/74) 	शिवमं एण्ड कम्पनी बीडी फैक्टरी 13, सुझामनिया- स्वामी, कोयल स्ट्रीट, वेलोर एल० 2 सं० 125/74 डी० सं० 25, श्राक्ष्मुगामुङ्खलियार स्ट्रीट, सलवानपेट्ट, वेलुर।		चारों मुलजिमों को प्रत्येक श्रभियोग के लिये 100 रु० (श्रथित् प्रत्येक को 200 रु०) जुर्माना श्रदा करने की सजा मुनाई।
	1 1—विभागीय न्या णून्य	य निर्णय	

बी॰ **गार॰ रेड्डी** समाहर्ती

पटना, दिनांक 2 फरबरी 1980

सं० II (7) 2-स्था०/79/695--इस कार्यालय के स्थापना ग्रादेश सं० 358/78 विनांक 28/12/78, 48/79 दिनांक 31-1-79, 76/79 दिनांक 17-2-79, 300/79 दिनांक 1-9-79 ग्रोर 381/79 दिनांक 24-12-79 के अनुसार निम्नलिखित निरीक्षको को ६० 650-30-740 35-810-द रो०-35-880-40-1000-द० रो०- 40-1200- तथा नियमान्तर्गत देय मामान्य भत्तों के महित बेतनमान पर स्थानापन्न ग्राधीक्षक, समूह 'बी' केन्द्रीय उत्पाद/सीमा गुरुक के रूप में प्रोन्नत किया गया। उपर्युक्त ग्रादेशों के अनुसरण में उनके नाम के सामने दिखाये गये स्थान, तिथि ग्रीर ममयानुसार कार्यभार ग्रहण किया।

क ०सं० नाम	जहां पदस्थापित	कार्यभार
	किये गये	ग्रहण करने
		की तिथि
1 2	3	4
सर्वश्री		
1. कन्हैया सिंह	श्रधीक्षक, केन्द्रीय	26-2-79
	उत्पाद (निवारण)	(पूर्वाह्न)
	पटना।	(1)
 राम रतन सिन्हा 	ग्रधीक्षक, केन् <mark>त्रीय</mark>	2 -4-79
	उत्पाद कल्याणपुर	(पूर्वास्त्र)
	रेंज।	
3. धर्मनाथ प्रसाद	ग्रधीक्षक, सीमा	6-3-79
1	शुल्क, जय नग र	(पूर्वाह्न)
4. बालदेव प्रमाद नं० 2	ग्रधीक्षक, केन्द्रीय	27-2-79
	उत्पाद, लालगज, ~~	(पूर्वाह्म)
5. कें ंपी० पी धरी	रेंज। अधीक्षक (छट्टी	23-3-79
- 1. (1 (ta) · 1	रिजर्व), केन्द्रीय	(पूर्वाह्न)
	उत्पाद, जमशेवपुर	(461)
6. ताराकान्त् मा	ग्रधीक्षक, केन्द्रीय	4-6-79
	उत्पाद करनपुरा	(पूर्वाह्म)
	(एस० म्रार० पी०	
7. दिनेश झा	ग्रधीक्षक, सीमा	8-3-7 9
•	शुल्क, निर्मली	(पूर्वाह्म)
8. जार्जविक्टर जे० एक व ा	ग्रधीक्षक, केन्द्रीय	9-3-79
	उत्पा द, समस्तीपुर	(पूर्वाह्न)
9. विकटर केलीस्टिन टोपनों	ग्रधीक्षक, केन्द्रीय	19-3-79
	उत्पाद, हाजीपुर	(पूर्वाह्न)
	रेंज।	(4) (1)
0. चन्द्र नाथ भगत	ग्रधीक्षक, केन्द्रीय	30-3-79
	उत्पाद, ताजपुर	(पूर्वाह्न)
	~	*** **/
	रेंज।	
ा. द्वारिका प्रसाद नं०ा	रज। श्रधीक्षक, सीमा	25-9-79

2-446GI/79

1 2	3	4
12. मी० एच० बास्की	ग्रधीक्षक, सीमा	26-9-79
	गु ल्क, ग्राररिया	(पूर्वाह्न)
13. रामेश्वर प्रसाद	ग्रधीक्षक, केन्द्रीय	17-10-79
	उत्पाद, जमशेदपुर	(पूर्वाह्न)
14. महादेव लाल	ग्रधीक्षक, केन्द्रीय	17-9-79
	उत्पाद, गया	(पूर्वाह्न)
15. गम्भी रदास	ग्रधीक्षक, सीमा	31-12-79
	सुल्क, बीरपुर	(पूर्वाह्न)
	एस० ए०	गोबिन्दराज
		समाहर्ता
	केन्द्रीय उत्पा	द शुरूक पटना

नौवहन श्रीर परिवहन मंत्रालय नौवहन महानिदेशालय

बम्बई-400 038, दिनांक 30 जनवरी 1980

सं० 25-प्रशा०(2)/79---संघ लोक सेवा द्रायोग की सिफारिश पर राष्ट्रपति श्री ए० कन्नन को तारीख 20-12-1979 पूर्वाह्न से अगले आदेशों तक नीवहन महानिदेशालय, अम्बई में अस्थायी तौर पर नौबहन सहायक महानिदेशालय, के रूप में नियुक्त करते हैं।

बी० के० प्रवार नीवहन उप महानिदेशक

बम्बई-400 001, विनांक 1 फरवरी 1980

सं० 56-एम० व्ही० (1)/79--विभागीय पदोन्नति समिति की सिफारिश पर नौबहन महानिदेशक एतवद्वारा श्री पी० राधाकृष्णन, श्रद्यीक्षक, प्र० पो० "राजेन्द्र", को 13 दिसक्बर, 1979 से श्रस्थाई तौर पर क्षेत्रीय श्रिथिकारी (पाल) जामनगर के रूप में नियुक्त करते हैं।

> एस० एम० श्रोचाणी नौवहन उप महानिदेशका

बम्बई-400 001, दिनांक 4 फरवरी 1980

स० 11-टी० ग्रार० (4)/73-गरीब इंजीनियरिंग प्रशिक्षण निवेशालय, कलकत्ता में कार्यशाला प्रयवेक्षक श्री के० राजमनी ने, उनके त्यागपन की स्वीकृति के परिणाम स्वरूप, ग्रपने पद का कार्यभार तारीख 22 जनवरी, 1979 (ग्रपराह्म) सं छोड़ दिया है।

सं० 11—टी० म्रार० (2)/78—मरीन इंजीनियरी प्रशिक्षण निदेशालय, कलकत्ता में व्यवहारिक विज्ञान के प्राध्यापक, श्री जियाउद्दीन ने, उनके त्यागपत्र की स्वीकृति के परिणाम स्वरूप, श्रपने पद का कार्यभार तारीख 30 म्रप्रैल, 1979 (ग्रपराह्म) से छोड़ दिया है।

> के० एस० सिधू, नौबद्दन उप महानिदेशक

निर्माण महानिदेशालय

केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग

नई दिल्ली, दिनांक 29 जनवरी, 1980

सं० 23/2/77-ई० सी० II—केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग के निम्नलिखित ग्रधिकारी प्रत्येक के ग्रागे लिखी नारीकों से बार्धक्य की ग्रायु (58 वर्ष) प्राप्त करने पर सरकारी सेवा से निवृत्त हो गये हैं।

ऋ० सं०	नाम श्रौर पद		· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·	सेवा निवृत्ति की तारीख	वर्तमान पद्यनाम
1. श्री सी० र	ी० धर्मानी, श्रधीक्षक इंजीनियरिंग (सिविल)		•	301179 दोपहर बाद	ग्रधीक्षक इंजीनियर, दिल्ली केन्द्रीय परिमण्डल सं० 5, के० लो० नि० वि०, नई दिल्ली।
2. श्री एन०।	र्न० चोपड़ा, कार्यपालक इंजीनियर (सिविल) 		٠	30–11–79 दोपहर बाद ं	दीन दयाल उपाध्याय हस्पताल प्रोजेक्ट (दिल्ली प्रशासन), नई दिल्ली
3 श्रीकुलवन	त सिंह, कार्यपालक इंजीनियर (सिविल)		•	31–12–79 (दोपहर बाद	मंयुक्त निदेशक (ग्रभि- कल्पन) राष्ट्रीय भवन निर्माण संगठन, नई दिल्ली
4. श्री राधे र	नाल, कार्यपालक इंजीनियर (मूल्यन) .		•	311279 दोपहर बाद	कार्यपालक इंजीनियर (मू- त्यन) श्रायकर विभाग, नागपुर।
5. श्रीकी० ^ই	के० किशानानी, कार्यपालक इं <mark>जीनियर (सिविल)</mark>			311279 दोपहर बाद	कार्यपालक इंजीनियर, मेन्टे- नेन्स धौर नौमिस मण्डल के० लो० नि० वि०, नई दिल्ली।
6 श्रीए०वे	हे० मजुमदार, कार्यपालक इंजीनियर (मृत्यन)	٠		31-12-79	कार्यपालक इंजीनियर (मूस्यन) घायकर विभाग, कलकत्ता।
7 श्रीयू०स	ी० सूद, कार्यपा लक इंजी नियर (मिविल) .	٠	٠	31−12−1979 दोपहर बाद	कार्यपालक इंजीनियर (सिविल) राम मनोहर लोहिया हस्पताल मण्डल के० लो० नि० वि०, नई दिल्ली।

² एफ० ग्रार० 56 (जे०) के ग्रन्तर्गत ग्रनिवार्य सेवा निवृत्ति

श्री ग्रार० ग्रार० सिंह, कार्यपालक इंजीनियर (सिविल) के० लो० नि० वि० संख्या 11 (दिल्ली प्रशासन), नई दिल्ली 30-11-1979 दोपहर बाद को ग्रावास तथा निर्माण मंत्रालय के ग्रादेश सं० सी० 13011/5/76-ए० वी० III दिनांक 22-11-1979 के ग्रन्तर्गत ग्रानिवार्य सेवा-निवृत्त किया गया है।

श्री जे॰ पी॰ जैन, कार्यपालक इंजानियर, (सिविल) जो कि निर्माण सर्वेक्षक के रूप में कार्यपालक ग्रधीक्षक निर्माण सर्वेक्षक (खाद्य), के॰ लो॰ नि॰ विभाग, नई दिल्ली में काम कर रहे थे स्थेच्छा से एफ॰ ग्रार॰ 56 (के॰) के ग्रन्तर्गत सरकारी सेवा से 31–12–1979 (दोपहर बाद) निवृत्त हुए हैं।

एस० एस० पी० राव प्रशासन उप-निदेशक कर्ते महानिटेशालय (निर्माण)

³ एफ० ग्रार० 56 (के०) के श्रन्सर्गत ग्रनिवार्य सेवा निवृत्ति

विश्वि, न्याय तथा कम्पनी कार्य मंत्रालय (अस्पनी कार्ये विभाग) कम्पनी विधि बोर्ड

कम्बनियों के रजिस्ट्रार का कार्यालय

- कम्पनी ग्रधिनियम 1956 <mark>ग्री</mark>र कलममिया <mark>ग्राफोफोन</mark> कं० ग्रव इण्डिया प्राइवेट लि० के विषय में।

कलकसा, दिनांक 29 जनवरी 1980

सं० 14345/560(2)--कम्बनी ग्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के प्रनुसरण में एतरद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के श्रव-सान पर कलमिया ग्राफोफोन कं० भ्रव इण्डिया प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृत कारण दशित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा धौर उक्त कम्पनी विषटित कर दी जाएगी।

> एन० ग्रार० सरकार कम्पनियों का सहायक रजिस्ट्रार (परिचम बंगाल)

कमानी प्रधिनियम 1956 श्रीर "ऐ० के० वि० चिट फंड एंड फैनानंस प्राइवेट लि०" के विषय में।

पांडिवेरी, दिनांक 1 फरवरी 1980

सं० 85/560(3)--ह्र≠ानी ग्रधिनियम, 1956, की धारा 560 को उन धारा (3) के अनुसरण में एतदहारा यह मुबना की जाती है कि इस तारीख से तीन मास के ग्रवमान पर "ऐ० के० वि० चिट फंड एंड फैनानंस प्राइवेट लिमिटेड'' का नाम इसके प्रतिकृत कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा ग्रीर उक्त कम्पनी विषटित कर दी जाएगी।

> एस० ग्रार० वी० वी० सत्यनारायना कम्पनियों का रजिस्ट्रार, पांडिचेरी

कम्पनी ऋधिनियम, 1956 श्रीर मेसर्स फेंबरीट पैकेजींग प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

श्रहमदाबाद, दिनांक 2 फरवरी 1980

मं० 560/2195-- कम्पनी श्रधिनियम, 1956 की धारा 560 की उप-धारा (3) के भ्रतुमरण में एतदद्वारायह सूचना दी जाती है कि, इस तारीख से तीन मास के अवसान पर मेसर्स फ्रेबरीट पैकेजींग प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृत कारण दणित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा भ्रोर उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

जे० गो० गाधा प्रमंडल पंजीयक गुजरात राज्य, अहमदाबाद

कायलिय ग्रायकर ग्रायुक्त, (संवर्ग नियंत्रण प्राधिकारी)

कानपुर, दिनांक 28 जनवरी 1980 आबेश

स्थापना---केन्द्रीय सेवायें---ग्रुप "बी"--राजपत्निस---श्रायकर ग्रधिकारी-पदोन्नति-स्थानान्तरण एवं पद-स्थापन (पोस्टिंग)

सं० 72--निम्नलिखित ग्रायकर निरीक्षकों को स्थानापन्न आयकर अधिकारी "प्रुप "बी" के रूप में रु० 650-30-740-35-810-द रो०--880--40--1000--द० रो०--40-1200 के वेतनमान में उनके कार्यभार ग्रहण करने की तिथि से ग्रौर ग्रग्निम ग्रादेशों तक नियमत किया जाता है। यदि यह पाया गया कि उनकी यह नियुक्तियां, विद्यमान रिक्तियों से ग्रधिक हैं, तो वे पदावनस किये जाने के योग्य होंगे। परोन्नति पर उनकी सेवायें उनके सामने उल्लिखित भ्रायकर भ्रायुक्त के श्रधीन रखी जाती हैं।

करु सं० कर्मवारी का नाम

ग्रायकर भ्रायुक्त जिसके **प्रधीन सेवायें रखी गई**

हें

1. श्री ग्रार० पी० सक्सेना, मेरठ

मेरठ

2. श्री एस० एन० कपूर, श्रागरा

ग्रागरा

31 जनवरी, 1980 को भ्रयराह्म श्री टी० बी० बजाज, ग्रायकर ग्रधिकारी के सेवानिवृत्ति होने एवं श्री धर्म प्रकाश, ग्रायकर ग्रधिकारी के स्वेच्छा सेवानिवृत्ति होने के फल-स्त्रका होते वाली रिक्तियों पर उक्त कर्मचारी 1 फरवरी, 1980 को या उसके बाद कार्यभार ग्रहण करेंगे।

> बी० गुप्ता भायकर मायुक्त ﴿(संवर्ग नियंत्रण प्राधिकारी), कानपुर

कार्यालय, आयकर आयुक्त

नई दिल्ली, दिनांक 29 जनवरी 1980

जुरि०-विस्ली-2/78-79/42020--फ० श्रायकर श्रधिनियम 1961 (1961 का 43वां) की धारा 123 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त मक्तियों तथा इस बारे में प्राप्त प्रत्य सभी शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा इस विषय पर पहले के ग्रादेशों में मंगोधन करते हुए ग्रायकर आयमत दिल्ली-2, नई दिल्ली निवेश देते हैं कि नीचे दी गई अनुसूची के कालम-1 में निर्दिष्ट निरीक्षीय महायक ग्रायकर थ्रायुक्त उक्त ध्रन्मूची के कालम-2 में निर्दिण्ट **डिस्ट्क्टों/** सकिलों के ग्रायकर ग्रधिकारियों के ग्रधिकार क्षेत्र में प्राने बाले क्षेत्रों या व्यक्तियों या व्यक्तियों के कर्गी या ग्राय या श्राय के बर्गीया मामलों या मामलों के बर्गी के बारे में में उक्त ग्रिधिनियम के श्रन्तर्गत निरीक्षीय सहायक श्रायकर ग्रायुक्त के सभी कार्य करेंगें:—

ग्रन्सूची

रेंज	ग्रायकर डिस्ट्रिक्ट/सर्किल
1	2
निरीक्षीय सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त रेंज 2-ए, नई दिल्ली निरीक्षीय सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त रेंज 2-सी तथा	कम्पनी सिकल—5, 9 ग्रौ र 17, नई दिल्ली। 1. कम्पनी सिकल–6, 8 ग्रौर 11 न ई दिल्ली
सम्पदा सुरुक, नै० दि०	 क. संपदा शुल्क तथा स्रायकर सिंकल नं० दि०

यह अधिसूचना 1-2-1980 से लागू होगी।

के॰ ग्रार॰ **राधव**न ग्रायकर **ग्रायुक्त**, दिल्ली-2, न**ई** दिल्ली

ग्रतिरिक्त संपदा-शुरुक

सकिल नई

तथा भ्रायकर

दिल्ली।

बभ्बई-400020, विनांक 5 दिसम्बर 1979 सं० 1122 - नीचे लिखे प्रधिकारियों को एतदहारा ग्रायकर ग्रधिकारी, श्रेणी-ख के मौलिक पदों पर 1-12-79 से लगाकर नियुक्त किया जाता है।

सर्वेश्री

- 1. जीव बीव दासबानी
- 2. एन० ए० काजी
- 3. जे० श्रार० कर्णकर
- 4. पी० के० कल्यान (ग्र० आ०)
- 5. श्रीमरी एम० बी० बोडबिकर
- 6. सी० जी० नायर

ह <i>० </i> —	ह०/–	
(कंवल कृष्ण)	(एन स्या गरा जन)	
आयकर आयुक्त,	आयकर आयुक्त,	
बम्बई नगर-7,	यं बई	नगर−4,
बंबई ।	यंबई ।	
ह०/−	ह∘ −	
(जी० ए० जेम्स)	(डी० एन०	चीधरी)
आयकर आयुक्त,	आयकर	आयुक्त,
बंबई नगर-10,	बंब ई	नगर∽9
संबर्घ।	नंबई।	

हं |-(एस० बाई० गुप्ते) आयकर आयुक्त, बंबई नगर-11, बम्बई। प्ररूप भाई० टी० एन० एस०----

म्रायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याता, सहायक म्रायकर अधिका (निरीक्षण) मर्जनरोंज I.

नई दिल्ली, दिनांक 4 जनवरी 1980

निर्देश सं० ग्राई० ए० मी०/एक्यू०/I/2-80/993—- त्रतः मुझे जी० सी० ग्राग्रवाल

प्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु से ग्रिधिक है

श्रीर जिसकी संव बेसमेंट नंव 3 (बेसमेंट क्लार) है तथा जो कमिशयल कम्ब्लेक्स, ग्रेटर कैलाश-II नई दिल्ली में स्थित है श्रीर इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है)। रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिकारी 1908 (1908 का 16) ' अगोत मई, 1979 में

पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए प्रस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त प्रधिनियम के श्रधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा का लिए; भौर/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी घन या प्रन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं धन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उन्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, मैं, उन्त श्रिक्षिनियम की घारा 269-घ की उपदारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात:— 1. मैं० डी० एल० एफ० बिल्डमं 21-22 नरिन्द्रा पैलेस, पार्लिमेन्ट स्ट्रीट नई दिल्ली (अन्तरक) 2. मैं० त्रैणसन णूज, ग्रांक्षा बैंक बिल्डग ग्रजमन खां रोड करान बाग नई विल्ली (ग्रन्तरिनी)

को यह मूचना जारी करके पूर्वीक्त सन्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षप:---

- (क) इस मूचना के राज्यव में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी श्रन्थ व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पब्टोकरण:---इसमें प्रयुक्त गब्दों मीर पदों का जो 'उन्त श्रीधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमृत्रची

बेसमेंट नं० 3 (बेसमेंट फ्लोर) कर्माशयल कम्प्लैंब्स, ग्रेटर कत्राण-II नई दिल्ली एरिया 1649.11 वर्ग फुट।

> जीं० सी० ध्रप्रधात सक्षम प्राधिकारी महायक ध्रायकर घ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

ता**रीख: 4-**2-1980

प्ररूप आई० टी० एन० एस०--

मायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के मधीन यूचना

भारत सरकार

कार्यानय, महायक ग्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज I, नई दिल्ली नई दिल्ली-110002 दिनांक 2 फरवरी 1980 निर्देश सं० ग्राई०ए० सी०/एक्यू०/---I/2----80/992---

श्रतः मुझे जी० सी० ग्रग्रवाल

मायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मिधिनियम', कहा गया है), की घारा 269-ख के मिधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर समाति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द० से मिधक है

मीर जिसकी संख्या जी-II/58 है तथा जो लाजपत नगर नई विल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में पूर्ण रूप से वणित है),रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय नई विल्ली में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908

का 16) के प्रधीन मई 1979 में
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (श्रम्तरकों) भौर
अन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए
तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रम्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उत्तसे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रम्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्राय-कर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर भ्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः श्रव, उन्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, में, उक्त श्रधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रयीत्:—

- 1. श्री लछमन दास जी-I[/58, लाजपत नगर, नई दिल्ली-24 (ग्रन्तरक)
- श्री भाग शिंह 4/33 अंगपुरा एक्सटेंशन नई दिल्ली-14 (श्रन्तरिती)

ंको यह सूबना जारी करके पूर्वीक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करना हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वता के राजगत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तस्सन्बन्धों व्यक्तियों पर स्वता की तामील में 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:——
- (ख) इन त्रा के राजात्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पति में
 दिनाद्विनो प्रत्य व्यक्तिद्वारा प्रवीहरना करों के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वब्दोक्तरण:--इसमें प्रयुक्त गढ़दों और पदों का, जो उन्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं॰ जी-II/58 जो प्लाट क्षेत्रफल 100 वर्ग गज पर बना है, लाजगत नगर नई दिल्ली में स्थित है।

> जी० मी० भ्रम्मवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर <mark>ग्रायुक्त (निरीक्षण)</mark> ग्रजन रेंज-I, नई दिल्ली 110002

तारी**व :** 2-2-1980

प्ररूप भाई ० टी ० एन ० एस ०--

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक द्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

<mark>अजन रेंज, एरणाकुलम</mark>

एरणाकुलम, दिनांक 3 दिसम्बर 1979

निदेण सं० एल० सी० 365/79-80— ग्रतः मुझे के० नारायणा मेनोन

भायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है। की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-६० से श्रधिक है

मौर जिकी सं० धनुसूची के धनुसार है, जो धालुवाई में स्थित है (ध्रौर इसमे ज्याबद्ध ध्रनुसूची में धौर पूण रूप से वर्णित है), रस्ट्रीकर्ता ध्रधिकारी के कार्यालय धालुवाई में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ध्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ध्रधीन 30-5-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह अतिशत से श्रीधक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में धास्तिक रूप से कविन महीं किया गया है:—

- (क) प्रश्तरण से हुई किसी म्राय की बाबत, उक्त प्रधिनियम के मधीन कर देने के म्रग्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी बात या किसी धन या प्रन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय प्राय-कर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

श्रतः ग्रब, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में म, उक्त श्रधिनियम की घारा 269-घ की उपधारा (1) श्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रधीत:—— 1. श्रीमति सी० सी० सावित्री

(मन्तरक

2. श्री टी० पी० सहस्मद

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वी कत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
 अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजाज में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितजबा किसी अन्य व्यक्ति बारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्केंगे।

स्पढटीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त ग्रिधिनियम', के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित ह, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिसा गया है।

प्रमुसूची

20 cents of land with buildings in sy No: 521/11/2 of Ahwaye Village.

के० नारायणा मेनोन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, एरणाकुलम,

तारीख: 3-12-1979

मोहरः

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०----

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के मधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक म्नायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रजन रेंज, एरणाकुलम

कोच्चिन-15 दिनांक 6 दिसम्बर 1979

निदेण मं० एल० मी० 368/79-80---प्रतः मुझे के० नाराय**णा मे**नोन

स्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के स्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से श्रीधक है

श्रीर जिसकी सं अनुसूची के अनुसार है, तथा जो कोल्लम में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय कोल्लम में, भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 18-5-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निवित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अस्तरण में हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त श्रिधि-नियम के श्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए श्रीर/या
- (ख) एसा किसा ग्राय या किसा धन या ग्रन्य ग्रास्तियां को जिन्हें भारतीय ग्राय-कर ग्रिधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए।

मत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के मनुसरण में, मैं उक्त भाधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के भश्चीन निम्मलिखित व्यक्तियों, भर्थात् :--- 1. श्रीमति जी० गोमती⁻¹

(अन्तरक)

2. श्री शिवराजन

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वी≉न सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशित की तारीख में 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, जी भी अवधि बाद में सभाष्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस भूजना के राजान में प्रकाशन की नारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर ममाति में हिनबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण : इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रौर पदों का, जो उन्त ग्रिध-नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं प्रथ होगा जो उन ग्रध्याय में दिया गया है

अनुसूची

21} Cents of land with buildings as per schedule attached to doc. No. 1951.

के० नारायणा मेनोन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजुन रोंज, एरणाकुलम

दिनांक 6-12-1979 मोरहः प्रारूप आई० ही ° एन० एस०----

ग्रायकर प्रविनियम, 1961 (1961 का 43) की

घारा 269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सद्दायक धायकर भागुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज, एरणाकुलम

कोच्चिन-15, दिनांक 6 दिसम्बर 1979

निवेश सं० एल० सी० 375/79-80—श्रतः मुझे के० नारायणा मेनीन
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- क्ये मे अधिक है और जिस
की सं० अनुसूची के अनुसार है, तथा जो द्रिच्चूर में स्थित है
(और इससे उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण के रूप से वर्णित है),
राजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यीलय द्रिच्चूर में भारतीय
राजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन 9-5-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत ग्रीधक है गौर अन्तरिक (अन्तरिकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी झाय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अस्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य धास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः, श्रव, उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-ण के श्रनु-सरण में, में, उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-ण की खपधारा (1) के अधीन, निम्तिविखित व्यक्तियों, श्रर्थात्:---3---466GI/79 1. श्री मम्म्टी

(ग्रन्तरक)

2. श्री एन० सुरेंद्रनाथन

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उपत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की भविधि या तरसंबंधी व्यक्तिकों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविधि, जो भी भविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) कस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वडटीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त अधि-नियम के श्रष्टयाय 20-क में परिभाषित हैं, वही सर्थ होगा, जो उस श्रष्टयाय में दिया गया है।

अनुसूची

101 Cents of land with building as per schedule attached to doe. No: 2766/79.

के० नारायणा मेनोन सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज, एरणाकुलम

तारीख: 6-12-1979

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०-----

आयकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) धारा की 269-घ (1) के ग्रधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, एरणाकुलम

कोच्चिन-15, दिनांक 6 दिसम्बर 1979

निदेश सं० एल० सी० 376/79-80—ग्रतः मुझे के० नारायणा मेनोन

प्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिमका उचित बाजार मल्य 25,000/~ रुपये से ग्रधिक है ग्रीर जिसकी सं० ग्रमुची के ग्रमुसार है जो ग्रालप्पी में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबत ग्रमुची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यांक्रय ग्रालप्पी में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 10-5-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मल्य, उसके दूरपमान प्रतिफल से, ऐसे दूरपमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित महीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
 - (ख) ऐसी किसी म्राय किसी घन या म्रन्य म्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर ग्रंधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त म्रंधिनियम, या धनकर म्रंधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया थ" या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुनिधा के लिए;

भ्रतः, अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के भ्रनु-सरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रर्थात्:— 1. श्री राजकुमार रावु

(ग्रन्तरक)

2. मेसर्स वालिमार केमिकल वर्क्स (प्रा०) लिमिटेड (बाई मैनेंजिंग डायरेक्टर श्री अकृतिनाथ भट्टाचारची) (स्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मक्ति के म्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ध्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशम की तारी ख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मित्त से हितवक किसी श्रम्य व्यक्ति द्वारा, श्रश्रोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्केंगे।

स्रव्होक्तरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त सिध-नियम के ग्रव्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस भव्याय में दिखाया गया है।

अनुसूची

25½ Cents of land with buildings as per schedule attached to doc. No: 1570/79_

के० नारायणा मेनोन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, एरणाकुलम

तारीख 6-12-197 मोहर: प्रकृप माई•टी•एन•एन•----

जायकर मिलिनियन, 1961 (1961 का 43) की मादा 269-म (1) के मधीन सूचना

बारत सरकार

कार्यालय, सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, एरणाकुलम

कोक्किन-15, दिनांक 11 दिसम्बर 1979

निदेश सं० एल० सी० 377/79-80**--- प्रतः मुझे** के० नारायणा मेनोन

धायकर घिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त प्रक्रिनियम' कहा गया है), की बारा 269-थ के प्रवीत सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृह्य 25,000/- ४० से घष्टिक है

भीर जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो एरणाकुलम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय एरणाकुलम में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 28-5-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मून्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह बिश्वात करने का कारण है कि यणापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे पृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकृत, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निकित में बास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है।——

- (स) अन्तरण से हुई किसी आप की बाबत, उक्त अधिमियम के स्वक्षीन कर देने के धन्तरक के शायिक में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या आप्य धास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर घिष्टिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना जाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

श्रतः श्रव, उपत प्रधिनियम की धारा 269-ग के धनुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रधीत्ः~

- (1) प्रथ्यन कुट्टि (2) कालम्मा (3) मार्वित
 (4) राधाकुष्णन (5) सुधा (श्रन्तरक)
 - 2. (1) सी० जे० जोसफ (2) जोर्ण (3) तोमण (मन्तरिती)

को यह सूचना जारी भरके पूर्वोक्त सम्पत्ति के **सर्जन के** लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्बंति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ।---

- (म) इस सूचना के राज्यत में प्रकाकन की तारीख के 45 दिन की भवधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत में प्रकासन की तारीब से 45 दिन के मीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, ग्रश्लोहस्ताक्षरी के पास सिबित में किये जा सकेंगें।

स्वव्होकरण :---इसमें प्रयुक्त कर्दी श्रीर पत्री का, जो उक्त संस्थितियम के सध्याय 20-क में परिकाषित है, वही वर्ष होगा जो उस सध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

4.750 Cents of land with buildings as per schedule attached to doe. No: 1982/79.

के० नारायणा मेनोन सक्षम प्राधिकारी सह्ययक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, एरणाकुलम

तारीख: 11-12-1979

प्ररूप दाई • टी • एम • एस • —

भारतकर समिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-म (1) के समीन सूचना

भारत सरकार

हार्यालय, यहायक **मायकर मायुक्त** (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, एरणाकुलम

कोच्चिन-15, .दिनांक 11 दिसम्बर 1979

निदेश सं० एल० सी० 382/79—80—ग्रतः मुझे के० नारायणा भेंगोन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/-क से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं श्रनुसूची के श्रनुसार है तथा जो श्रन्कमाली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय श्रन्कमाली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 18-5-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के जिल्त बाजार मूक्य से कम के बृश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का जिल्त बाजार मृत्य, ससके बृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत धिक्षक है भीर ग्रन्तरक (धन्तरकों) घीर प्रन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरक के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित चहेश्य से जक्त प्रन्तरण, बिखित में वास्तविक कप से अधित नहीं किया गया है:——

- (क) मन्तरण से हुई किसी साथ की बाबंत, उनत प्रक्षि-नियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में बुविधा के बिए; बोर/मा
- (क) ऐसी किसी माय या किसी बन या मन्य मास्थिकों को जिन्हें भाय-कर मिविनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर समिनियम, या बन-कर मिविनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नया था या किया जाना चाहिए था, कियाने स्विधा के लिए;

भतः सन, उन्त प्रवितियम की आरा 269-ग के धनुसरन में, मैं उन्त प्रधितियम की आरा 269-व की वृपवारा (1) के घडीन निकासिक्ति व्यक्तियों, सर्वात:---

- 1. श्रीमति तंकमातथा ३ अन्य
- (ग्रन्तरक)
- 2. श्री कें ब्रो० ब्रौसेफ तथा 4 अन्य

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रचंत के बिए कार्यवाहियों करेता हूं।

उक्त सम्पत्ति के संस्थाना में कोई भी माक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीब से 45 विन की प्रकृषि या तत्सम्बन्धी स्थानितयीं पर सूचना की तामील से 30 दिन भी भविष, भी भी भविष बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी स्थानित द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीक से 45 दिश के मीतर उक्त स्वावर सम्मंति में दितंबंद किसी प्रत्य व्यक्ति द्वारा अक्षोइस्ताकरी के पास विकास में किए जा सकेंगे।

स्पन्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त कन्दों भीर पर्वो का, जो उक्त प्रक्षि-नियम, के अध्याय 20क में परिभाषित है, बड़ी भर्ष होगा, जो उस अध्याय में दिथा गया है।

अनुसूची

Land and buildings as per schedule attached to doc. No: 2260/79.

कै० मारायणा मेनोन संक्षम प्राधिकारी सहायक मायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, एरणाकुलम

तारीख : 11-12-1979

प्ररूप भाई• टी० एन० एस०----

भायकर भिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के भिधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायक्त (निरीक्षणं)

म्रर्जन रेंज, एरणाकुलम

कोचीन-15, दिनांक 11 दिसम्बर 1979

निदेश सं० एल० सी० 383/79-80—प्रज्ञ:, मुझे, के० नारायणा मेनोन.

ष्मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति. जिनका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

भौर जिसकी सं० भ्रनुसूची के श्रनुसार है जो तिरूबनंतपुरम में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप से, वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्सा श्रधिकारी के कार्यालय शास्त-मंगलम में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908

की 16) के प्रधीन 3-5-1979
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्त्रह प्रतिशत से प्रधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के निए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण में लिखिन
बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त प्रधि-नियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या ग्रम्य ग्रास्तियों को जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रधिनियम, या धन-कर ग्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के प्रनुसरण में, मैं उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रयोत:— 1. भी एम० के० मुरलीयरन तंपि

(भन्तरक)

2. श्रीमती पी० भागवी देवी

(मन्तरिती)

कों यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जैन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ग्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रविध, जो भी ग्रविध बाद में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वीकन व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रम्थ क्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंग।

स्पव्यक्तिकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रांध-नियम, के ग्रध्याय 20क में परिभाषित है, वही ग्रार्थ होगा जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

Land with buildings as per dos. No: 1596/79.

के० नारायणा मेनोन सक्षम प्राधिकारी तहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, एरणाकुलम

दिनाँक: 11-12-1979

ा≆प भाई• टी• एन• एस•----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 प(1) के घशीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायकत (निरीसन)

ग्नर्जन रेंज, एरणाकुलम कोच्जीन-15, दिनांक 12 दिसम्बर 1979 निदेश सं० एल० सी० 384/79-80—-ग्नतः, मुझे, के० नारायणा मेनोन.

सायकर अजिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्वात् 'उन्त प्रक्षित्वम' कहा बगा है), की धारा 269-क के प्रधीत सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- ६० से प्रधिक है जो एरणकलम में

धौर जिसकी सं धनुसूची के धनुसार है, जो एरणकुलम में स्थित है और इससे उपावद अनुसूची में धौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय एरणा-कुलम में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908

का 16) के प्रधीन तारीख 2-5-1979
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बागार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त समालि का उवित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे, दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तर्भ के जिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित बहेंग्य से जस्त अन्तर्भ लिखा में गस्तिकल,

रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बायब उनत प्रधिनियम, के अधीन कर देवे के बण्डरक के ायित्व में कमी करने वा उससे बचने में मुविधा के बिए। और/पा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी वन वा अन्य प्रास्त्यों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या वन-कर प्रश्लिनियम, 1957 (1987 का 27) के प्रयोजनार्क अन्तरिती द्वारा प्रकृष नहीं किया भवा वा वा किया जाना चाहिए वा, कियाने में सुविका के जिए।

अतः, धव, उक्त ग्रिकिनियन की बारा 269०न के अनुसरण में, में, उक्त ग्रिजियम की बारा 269०म की उपधारा (1) के श्रदीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अचित्।— 1. श्रीमतो रत्नाम्मा

(ग्रन्सरक)

2. श्री घड्डल कावर

(मन्तरितीं)

को यह सूनना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के कर्जन के लिए कार्यवादियों करता है।

बक्द सम्पत्ति के वर्षन' के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की नारीख से 45 दिन की धवाध या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की नामील से 30 दिन की अवधि जो भी सर्वाध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख सें
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
 हितबद किसी मन्य व्यक्ति द्वारा, मधोहस्ताक्षरी
 के पास लिखित में किये वा सकेंगे।

क्पउटीकरण:---इसमें प्रयुक्त शक्तों झीर पर्वो का, जो उक्त अधिनियम के मध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

धनस्पी

24.649 Cents of land with building as per schedule attached to doe. No: 1601/79.

के० नारायणा मेनोन सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, एरणाकुलम

तारीख: 12-12-1979

त्ररूप भाई० टी॰ एन॰ एस०---

झायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269व (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याजय, महायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, एरणाकुलम

कोच्चिन-15, दिनांक 31 दिसम्बर 1979

बायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पक्चात् 'क्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- क० में अधिक है

भौर जिसकी संख्या अनुसूची के अनुसार है तथा जो तिकवनंतपुरम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय यलय में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 9-5-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से इम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रश्तिरित की गई है और मुझे यह विश्वास फरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पश्त्रह प्रतिशत से प्रधिक है और धश्तरक (धन्तरकों) और धश्तरिती (धश्तरितियों) के बीच ऐसे प्रश्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नुविश्वित उद्देश्य से उक्त धश्तरण विश्वित में वास्तविश्व कप से क्षित नहीं किया गया है:---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त प्रक्रि-नियम के प्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के वायित्व में कभी करने या अससे बचने में सुविधा के लिए; मीर/या
- (ब) ऐसी किसी घाय या किसी धन या घन्य घास्तियों को, जिन्हें भारतीय घायकर घिष्टित्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त घिष्टित्यम, या घनकर घिष्टित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ घन्तरिती द्वारा प्रकट वहीं किया गया था या किया बाला चाहिए बा, छिपाने में सुविधा के सिए,

चतः धवः, उनतं मिधिनियमं की धारा 269-गं के धनुसरणं में, मैं, उनतं प्रधिनियमं की धारा 269-वं की उपभारा (1) के मधीन भिम्मतिखित व्यक्तियों अर्थातः — 1. श्री एस० नीलाकण्डा अध्यर

(भ्रन्तरक)

श्रीमति एस० राजम्माल

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रिधिनियम के श्रष्टयाय 20-क में परिभाषित है, वही श्रर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गय। है।

अनुसूची

9 Cents of land with buildings as per schedule attached to doc. No. 1505/79.

के० नारायणा मेनोन सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज, एरणाकुलम

तारीख : 31-12-1979 मोहर : प्ररूप भाई० टी० एन० एस०----

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्नर्जन रेंज एरणाकुलम कोचीन-15 दिनांकः 31 दिसम्बर 1979

निदेश सं० एल० सी० 386/79---80---श्रतः मुझ के० नारायणा मेनोन श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उका अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित 25,000/- राए से मधिक है म्ॡय भीर जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है जो तिरुवनंतपुरम में स्थित है ग्रीर इससे उपाबद ग्रनुमूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय चालाम में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के मधीन 9-5-1979 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृष्य से कम के दुस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रक्षिक है भीर यह कि भन्तरक (अन्तरकों) भौर भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भ्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित

(क) प्रस्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त श्रीध-नियम, के श्रीधीन कर देने के श्रन्तरक के बागित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; शौर/या

उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तविक कप से कवित

नहीं किया गया है:---

(ख) एसे किसी भाग या किसी धन या भाग्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भागकर भ्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रिधिनियम, या धनकर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के शिए;

भतः भवं, उक्त भिधिनियम की घारा 269-ग के भनु-सरण में, मैं उक्त भिधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के भधीन निम्नलिखित ध्यक्तियों, भर्यातु:-- श्री एस० कल्याणरामैयर

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमति एस० राजम्माल

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करला है।

उन्त सम्पत्ति से अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, चो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्यक्ति में हित्तबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पन्धीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त सक्षि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, नहीं अर्थ होगा, को उस सध्याय में दिया गया है।

मनुसूची

9 Conts of land with building as per schedule attached to doc. No : 1506/79.

के० नरयणा मेनोन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भूगर्जन रेंज, एरणाकुलम

तारी**व** 31-12-1979 । मोहरः प्ररूप आई• टी• एन• एस० -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) का धारा 269 घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायक्षर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज, एरणाकुलम

कौचीन-15 दिनांक 3 जनवरी 1980

निदेश सं० एल० सी० 387/79--80--ग्रतः मुझे के० नारायणा मेनोन भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त मधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित म्₹य 25,000/-**च**पये से मधिक ग्रौर जिसकी सं० भ्रनुसूची के श्रनुसार है जो ग्रालुवाय में स्थित है और इससे उपाब्द अनुसूची में और पूर्ण रूप से र्वाणत है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय भालुवाय में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रंधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 11-5-1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अंग्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अंग्तरक (अन्तरकों) भीर अंग्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंग्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्निजिति उद्देश्य से उक्त अंग्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी माय की बाबत उन्त अधि-नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दावित्व में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के जिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर प्रधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाशमार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब उपन अधिनियम की धारा 269-ग के मनु-सरण में, में, उपत धिष्टानयम की धारा 269-घ की उपवारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियां, भर्यात !---4—466GI/79 1. श्री प्रहम्मद कुट्टी

(ग्रन्तरक)

 मेसर्स श्रासोपियेट्टड बिसिनस कम्पईन्स (बाय श्रीमित मेसी पोल) (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त मम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उपन सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 विन की सबिध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की सबिध, जो भी सबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इन सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रस्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्डीकरण:---इसर्में प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधि-नियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में विया गया है।

प्रमुलची

Land and building as per schedule attached to doc. No: 2367/5-11-79.

के० नारायणा मेनोन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रुश्चर्जन रेंज एरणाकुलम

ता**रीख 3-1-1**980

श्रक्ष माई • टी • एन • एस • -----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269व (1) के भधीन सुभना

भारत सरकार

कार्मालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

मर्जन क्षेत्र, एरणाकुलम

कोचिन-5, दिनांक 5 जनवरी 1980

निदेश सं० एल० सी० 392/79-80--- ग्रतः मृझे के० नयरायणा मेनोन यायकर ग्रिश्चित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त यश्चिनियम' कहा गया है), की ब्रारा

इसक प्रसात 'उक्त य्रधानयम अक्का गया ह), का झारा 2.69-व्य के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का भारत्व है कि स्थावर संपत्ति किसका उचित वाजार मूक्य 2.5,000/-२० से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० श्रनुसूची के श्रनुसार है जो इरियाला-कुंडा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय श्रधिकारी के कार्यालय इरियालाकुंडा में भारतीय रजिस्ट्री-करण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 18-5-1979को

पूर्वीक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के युवननान प्रतिकल के लिए धन्तरित की नई है भीर मुझे वह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्ट संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिकल का पन्नह इतिज्ञत प्रधिक है भीर मन्तरक (मन्तरको) मौर मन्तरित (भन्धरित्यो) के बीच ऐते जन्सरण के लिए तब पावा मया प्रतिकल, नम्नलिखित उद्देषय से जनत मन्तरण लिखित में बास्तविक रूप हे कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई तिसी शाय को बाबत उन्त आधि-नियम ने अधीत कर वेमें के धन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे वजने में सुविधा के शिए; और/बा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी अप या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अनारिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः सब, उक्त अधिनियम की द्यारा 269-ग के अनु-सरण में, मैं, उक्त पश्चिनियम की द्यारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखिस क्याँक्सयों, अर्थात:--- 1. श्री नंदन के० पिवारोडी

(ग्रतरक)

2. श्री के० नारायणन कुट्टी

(भ्रतरिती)

को मह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के सर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनन सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारी ख से 45 विन की अवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अवधि, जो भी धवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोवत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हारा;
- (म) इस सूचना के राजप्रत में प्रकाशन की दारीख़ से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब है किसी अन्य क्यक्ति द्वारा, भृष्ठोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पन्धीकरण। - इसमें मृत्युन्त भन्दों स्वीर पदों का, जो उन्त प्रधि-नियम के अध्याय 20 क में परिमाधित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस प्रध्याय में विया गया है।

अनुसूची

Land and building as per schedule attached to doc. No. 828/79

कें नारायणा मेनोन सक्षम प्राधिकारी निरीक्षी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त, श्रर्जन रेंज, एरणाकुलम

तारीख: 5-1-1980

मोहरः

प्रकृप चाई • टी • एन • एस •-----

श्रीयकर ग्रिश्रिनियम, 1961 (1961 की 43) की धारा 269-घ(1) के ग्रिशीन सुचना

भारत स**रका**र

कार्यालय, सहायक भायकर भ्रायक्त (निरीक्षण)

<mark>श्रर्जन रें</mark>ज, एरणाकुलम

कोचीन-15 विनांक 7 जनवरी 1980

निधेश सं० एल० सी० 388/79-80—म्नतः मुझे के० नारायणा मेनोन

मायकर प्रिवित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्यात् 'उन्त प्रिवित्यम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रवीत सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृक्य 25,000/- व॰ से प्रिकिक है

भौर जिसकी सं० भ्रतुसूची के भ्रतुसार है, जो कोल्लम में स्थित है (भ्रीर इससे उपाबद्ध भ्रतुसूची में भ्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय कोल्लम में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन 23-5-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मृत्य से कम के बृश्यमान प्रतिकत्त के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यवापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके वृश्यमान प्रतिकत्त से ऐसे बृश्यमान प्रतिकत्त का पत्त्रह प्रतिकत से अन्निक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिकत्त, निश्निकित्वत उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित वे वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) धन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उपत सकि-नियम के प्रधीन कर देने के घन्तरक के वासित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविक्षा के सिबे; श्रीर/या
- (ख) ऐपी किसी वाय या किसी धन या अन्य धास्तियों को, बिन्हें भारतीय प्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्च अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया यया था, या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविद्या के बिब्वे;

अतः भ्रम, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के भ्रमुतरण में, में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-म की उपबारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रवीत:--- 1. श्रीमति राजम्मा श्रम्मा

(ग्रन्तरक)

2. श्री एस० एस० तंकतिरूपति नाडार (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी पानेप:--

- (फ) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीका से 4.5 दिन की भवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी सवधि बाद में समाप्त होती हो, के भोतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (आ) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीय से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध
 किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, मधोहस्ताकरी के पास
 सिवित में किये जा सकेंगे।

स्पन्दीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो जनत अधिनियम के भव्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं भर्य होगा, जा उन प्रश्याय में विया गया है।

अनुसूची

Land and building as per schedule attached to doc. No: 2029.

कें० नरायणा मेनोन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, एरणाकुलम

तारीख 7-1-1980 मोहर: प्रकृष भाई • टी • एन • एस •----

भायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269न(1) के मधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक सायकर मायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज एरणाकुलम

कोचीन-15 दिनांक 8 जनवरी 1980

निदेण सं० एल० सी० 382/79---80-अतः मुझे के० नरायणा मेनोन भागकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात 'उक्त प्रधिनियम' कक्ष न्या है). की धारा 269-ख

इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा नया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, ग्रह विश्वास करने का कारण है कि स्थातर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-च• से प्रधिक है

स्रौर जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है, जो कोल्लम में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कोल्लम में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन 23-5-1979

को पूर्वास्त संपत्ति के जनित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए मन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पक्षह प्रतिशत प्रधिक है और प्रन्तरक (बन्तरकों) और मन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकन, निम्नलिखित उद्देश्य से उसन धन्तरण कि खित में वाक्निक रूप न कियान नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय को गवन, उक्त अधि-नियम के मधीन कर देने के मन्तरक के वायित्व में कमो करने या उससे बचने में मुविद्या के क्रिए; भौर√या
- (ख) ऐसी किसी प्राय या किसी वन या भ्रम्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर प्रिवित्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रिवित्यम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, मैं, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों ग्रथीत्:— 1. श्रीमति राजम्मा ग्रम्मा

(म्रतरक)

2. श्री पी० शंकरानारायन

(अंसरिती)

को यह सूचना जाये करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी भाक्षीय : ---

- (क) इस पूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन की भविध या तस्मंबंधी क्यक्तियों पर पूजना की नामील से 30 दिन की भविध, जो भी भविध बाद में सभाष्त होती हो, के भीतर पूर्वीका स्थक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब किसी प्रस्थ व्यक्ति दारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

श्रध्धोकरण :- -असमें प्रवृक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रश्नियम के प्रशास 20-क में यथा-रिक्षाधित हैं, वही प्रथं हाना, जो उस अब्साय में दिया गया है।

अनुसूची

Land and building as per schedule attached to doc. No: 2030.

के० तरायणा मेनोन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जेन रेंज, एरणाकुलम

तारीख 8-1-1980

मोहरः

प्रकृप जाई० टी० एन० एस०---

म्रायकर श्रिवियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के मधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ब्रायकर ब्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, एरणाकुलम

कोचीन-15 दिनांक 8 जनवरी 1980

निदेश सं० एल० सी० 390/79—80—श्रतः मुझे के० नारायणा मेनोन, श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त ग्रिबानियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रिबान सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- द॰ के श्रीक के

ग्रौर जिसकी सं० ग्रनुसूची के ग्रनुसार है जो कोल्लम में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय कोल्लम में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 23-5-1979

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए ग्रन्तरित की गई है ग्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिमत से ग्रीधिक है ग्रौर श्रन्तरक (श्रन्तरकों) ग्रौर अन्तरिति (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है: —

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त ग्रिशिनियम के ग्रिशीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (का) ऐसी किसी आम या किसी धन या ग्रन्य श्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय श्राय-कर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

ग्रतः ग्रब, उन्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उन्त ग्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथीत्:— ा. श्रीमति राजम्मा ग्रम्मा।

(श्र•तरक)

2. श्री एस० एस० टी० म्रार० एम० तंकतिरुपति नाडार। (म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहिमा करता हूं।

उत्तत सम्पत्ति के प्रजीत के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहरूताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रमुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो 'उक्त श्रधिनिमम', के श्रध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही श्रयं होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

Land and building as per schedule attached to doc. No: 2032.

कें० नारायणा मेनोन सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, एरणाकुलम ।

तारीख: 8-1-1980

प्रकर प्राई • हो • एन • एस •---

बावकर पश्चिमियम; 1961 (1961 का 43) की वारा 269-म (1) के अधीन सूचना

वारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, एरणाकुलम

कोचीन-15 दिनांक 8 जनवरी 1980

पायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त प्रधिनियम' कहां गया है), की धारा 269-ज के प्रधीन समाम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मूह्य 25,000/- रूपए से प्रधिक है,

श्रीर जिसकी सं० श्रनुसूची के श्रनुसार है जो कोल्लम में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय कोल्लम में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 23-5-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के विवत बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यवापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिक्रम से ऐसे दृश्यमान प्रतिक्रम का पन्द्रह् प्रतिशत से प्रविक्र है
और अन्तरक (अन्तर्कों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे
अम्तरम के लिए ता नाया गया प्रतिक्रल, निम्नलिखित उदेश्य से
उद्ध प्रत्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कवित नहीं किया गया
हैं। ---

- (क) ध्रस्तरण से हुई किसो धार की बाबत, उक्त क्रांकिनियम, के प्रधीन कर देने के ध्रस्तरक के दायित्व में क्रमी करने या उससे वक्ते में सुविधा के लिए; धीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य मास्तियों को जिन्हें भारतीय भाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त मधिनियम, या धन-कर मधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्व अम्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए वा, छिपाने में सुविधा के सिए।

अतः श्रव, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व के बबुधरण में, म, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपवारा (1) के प्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :--- 1. श्रीमति राजम्मा ग्रम्मा

(ब्रतरक)

2. श्रीमति सौदामिनि

(प्रतरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अजन के संबंध में कोई भी धाक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी भविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपव में प्रकाशन की तारी व से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवड किसी पन्य क्यक्ति द्वारा, अबोहस्ताझरी के पास निवित में किए जा सकेंगे।

स्पाक्षीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के अध्याय 20 में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

Land and building as per schedule attached to doc. No: 2072.

के० नारायणा मेनोन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, एरणाकुलम

तारीख 8-1-1980।

प्रक्रम माई० टी• एन• एस•-----

आय तर पश्चिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के प्रधीन सूचता

भारत सरकार

कार्यांत्रय, महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, एरणाकुलम कोचीन-15

कोचीन-15, दिनांक 9 जनवरी 1980

निवेश सं० एल० सी० 394/79-80—श्रतः मुझे, के० नारायणा मेनोन, भायकर श्रिवित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिवित्यम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थादर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य

25,000/- इपए से विश्व है
और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है, जो तिचूर में स्थित
है (और इससे उपाबढ़ अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत
है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय तिचूर में
रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
2-5-1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति

के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यमापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके पृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिषत प्रधिक है और सन्तरिती (प्रन्तरिविधें) के बीच ऐसे प्रश्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उदृश्य से उन्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से किन्त अन्तरण लिखित निम्न

- (5) अस्तरण में हुई कियो भाष की बाबत, उचत अधि-नियम, के प्रधीन कर देने के ध्रम्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में मुनिक्षा के लिए: और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या मन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर प्रधितियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अभारिती दारा प्रकट नहीं किया नया था या किया जाना च/हिए था, छिपाने में मुविधा के लिह;

अतः प्रज, उन्त अधिनियम की प्रारा 269-म के अनुसरण में, मैं, उन्त प्रधिनियम की बारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मात्:---

- श्रीमित शान्ता श्रीराम श्रीर श्रम्य । (भन्तरक
- 2. श्री टी० जी० राजगोपाल ग्रौर ग्रन्य । (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्णन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के लंबंध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की श्रविध या तत्सवंधी क्याक्तयों पर मूचना की तामीस से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकन व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजात में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन के भीतर जक्तं स्थावर सम्पत्ति में हिसबढ़ िस ग्रम्थ व्यक्ति द्वारः, बन्नोडस्ताक्षेरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्दीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदो का, जो उक्त श्रिक्षित्रम के भव्याय 20क में परिभाषित है, वही भवं होगा जो उस भव्याय में दिया गया है।

प्रमुख्यो

Land and building as per schedule attached to doc. No: 2638.

के॰ नारायणा मेनोन सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, एरणाकुलम

तारीख: 9-1-1980

प्ररूप बाई • टी • एन • एम • ----

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, एरणाकुलम, कोचीन-15

कोचीन-15, दिनांक 9 जनवरी 1980

निदेश सं० एल० सी० 395/79-80—श्रतः मुझे, के० नारायणा मेनोन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उस्त मधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सबाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ए॰ ये प्रधिक है

ग्रीर जिसकी सं० भ्रनुसूची के श्रनुसार है जो क्षिचूर में स्थित है (भ्रीर इससे उपाबब श्रनुसूची में भ्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय क्षिचूर में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 23-5-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफन के लिए सन्तरित की गई है सौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकत सिंधक है सौर सन्तरक (सन्तरकों) और सन्तरिती (सन्तरितियों) के बीच ऐसे सन्तरक के लिए तय पासा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से सकत सन्तरण निज्ञित में बास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है।——

- (क) अध्वरण से हुई किसी प्राय को बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दावित्व में कमी करने या उससे जचनें में सुविधा के बिए; खीर/या
- (ब) ऐसी किसी प्राय या किसी घन या अन्य प्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय प्रायकर प्रिष्ठित्यम, 1922 (1922 का 11) या उपढ प्रिष्ठित्यम, या घन-कर प्रिष्ठित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना काहिए बा, छिपाने में सुविधा के लिए।

बहः बद, उन्त बधिनियम की धारा 269-ग के धनुतरण में, मैं, उन्त बिनियम की धारा 269च की उपधारा (1) के बधीन, निम्नलिबित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- श्रीमित यशोदम्मा (श्री गोपालकुटणा मेनोन द्वारा व ग्रन्य। (ग्रन्तरक)
 - 2 श्री टी० जी० राजगोपाल व ग्रन्य । (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति अर्थन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के भार्वन के संबंध में कोई भी भाक्षेत :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की नामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर छक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

रपक्कीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम के भ्रष्टवाय 20-क में परिभाषित है, वहीं सर्षे होगा जो उन प्रव्याय में दिया गया है।

अनुसूची

Land and building as per schedule attached to doc. No: 3109.

के० नारायणा मेनोन ्रसक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, एरणाकुलम

तारीख: 9-1-1980

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०→

ग्रायकर ग्रिघिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रिघीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ब्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जं न रेंज, एरणाकुलम, कोचीन-15 कोचीन-15, दिनांक 9 जनवरी 1980

निदेश सं० एल० सी० 393/79-80—-प्रतः मुझे, के० नारायणा मेनोन,

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्वात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है जो कन्याकुलंगरा में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कन्याकुलंगरा में रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय कन्याकुलंगरा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 26-5-1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृद्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत प्रविक्त है भौर अन्तरक (अन्तरकों) भौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किया नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त ग्रिध-नियम के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धनकर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: धव, उन्त अधिनियम की बारा 289-म के धनुतरक में, मैं, उन्त धिवियम की बारा 269-म की उपवारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--5---466G1/79

1. श्री एन० शिवशंकरा पिल्लै।

(ग्रन्तरक)

2. श्रीमति लक्ष्मीकुट्टी।

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रधि-नियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही ग्रथ होगा, जो उस ग्रध्याय में विया गया है।

प्रनुसूची

Property as per doc, No: 943/dt, 26-5-79.

कें० नारायणा मेनोन सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) ऋर्जन रेंज, एरणाकुलम

तारीख: 9-1-1980

प्ररूप भ्राई० टी० एन० एस०----

भ्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, नागपुर

नागपुर, दिनांक 15 नवम्बर 1979

फा० सं० ग्राई० ए० सी० ग्रजेंन/103/79-80---भ्रतः मझे, एस० के० बिलय्या,

ष्मायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से प्रधिक है

भ्रोर जिसकी प्लाट सं० 54, मकान नं० 83, पुराना वार्ड नं० 6 है तथा जो अकोला में स्थित है (और इससे उपाबध भ्रनुसूची में श्रोर पूर्ण रूप से विणित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय श्रकोला में रजिस्ट्रीकरण श्रधियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 20-5 79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नृलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:→→

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त ग्रिध-नियम के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रौर/या
- (ख) ऐसे किसी भ्राय या किसी धन या अन्य भ्रास्तियों को जिन्हें भारतीय भ्राय-कर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिनो द्वारा प्रकट नहीं किया गथा था या किया जाना चाहिए था, छिनाने में नुविधा के निए;

अतः ग्रव, उक्त ग्रिधिनियम, को घारा 269-ग के ग्रनुसरण में, मैं, उक्त ग्रिधिनियम की घारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रिधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रिथीन, ——

- श्रीमित विजयागौरी ग्रम्बालाल बक्तरीया, खेतन-गल्ली, ग्रकोला। (अन्तरक)
- 2. (1) श्री मगनलाल भीमजीभाई पटेल, (2) श्री ग्रतुल मगनलाल पटेल, दोनों रहने वाले भाजी बाजार, ग्रकोला (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाणित की तारीख से
 45 दिन की ग्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी
 श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किनी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रधि-नियम, के ग्रध्याय 20क में परिभाषित हैं, वहीं ग्रर्य होगा जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 54, मकान नं० 83, पुराना वार्ड नं० 6, शीट नं० 39-ए किराणा बाजार, श्रकोला ।

> एस० के० बिलय्या सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, नागपुर

तारीख: 15-11-1979

अधिक है

प्रकप धाई • ही • एन • एस •-

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-म (1) के धर्मीन सूचना

भारत सरकार

कार्यावय, सङ्घायक धायकर धायुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, नागपुर

नागपुर, दिनांक 16 नवम्बर 1979

फा० सं० भाई० ॅ्ए० सी०/ग्रर्जन/104/79-80**--**--म्रतः मुझे, एस० के० बिलय्या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसर्में इसने पश्चात् 'उन्त धधिनियम' कहा गया है), नी घारा 269-ख के प्रजीत सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूक्य 25,000/- य० से

ष्रौर जिसका एस० नं० 5-9-83/1, सिटी सर्वे नं० 19189, शीट नं० 163 है तथा जो श्रौरंगाबाद में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय भ्रौरंगाबाद में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 9-5-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार हुत्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए चन्तरित की गई े भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुख्य, उसके बुश्यमान प्रतिफल से, ऐसे बुश्यमान प्रतिफल का पम्बह प्रतिशत प्रधिक है भीर भन्तरक (अन्तरकों) भीर धन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निक्षित उद्देश्य से उन्त घन्तरण सिचित में वास्तविक रूप से कवित नहीं किया नया है:---

- (क) बन्तरण से हुई किसी घाय की बाबत, उक्त ब्राविनियम 🖣 ब्रावीन चर देने 🖣 ब्रान्सरक 🕏 दामिल्य में इस्सी करने या इससे बचने में सुविधा के विष्; भीर/या
- (ब) ऐसी किसी भाग या किसी बन या धन्त धास्तियों को, जिन्हें भारतीय पायन्कर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रविनियम, धन-कर घिषियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थे धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, फिपाने में सुविधा के निए;

चत: धव, उक्त ग्रह्मिनयम की भारा 26 9-ग के प्रनुसरक में, में, उक्त प्रधिनियम की बारा 269-व की उपवारा (1) के अधीत निम्ननिधित व्यक्तियों, अर्घाद:---

 श्री बी० एल० गणी, 12/276, हाउसिंग बोर्ड कालोनी, वाकोडा ब्रिज, शांताकुज, ईस्ट बॉम्बे-55।

(ग्रन्तरक)

2. श्री भार० डी० मथकरी, कार्यपालक प्रभियता, एम० एस० ई० बी०, सर्कल ग्राफिस, यवतमाल । (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिए ऋषेंबाह्यिं करता है।

उनत सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की भवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की भविष्ठ, जो भी धवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितकड़ किसी मन्य स्थक्ति द्वारा भघोत्स्ताक्षरी के पास सिविता में किए जासकेंगे।

स्पच्छीकरण:--इसमें प्रयुक्त शन्दों भौर पदों का, जो उक्त मधि-नियम के प्रध्याय 20-क में परिमाचित है, बही मर्थ होगा, जो उस मध्याय में विया गया है।

अनुसूची

एस० नं० 5-9-83/1, सिटी सर्वे नं० 19189, शीट नं ० 163, उमाजी कालोनी, पदमपुरा, श्रौरंगाबाद।

> एस० के० बिलय्या सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, नागपुर

तारीख: 16-11-1979

प्रकप माई • टी • एन • एस • ---

प्रायकर प्रविनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-च (1) के प्रवीत सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक धायकर धायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, नागपुर

नागपुर, दिनांक 17 नवम्बर 1979

फा० सं० आई० ए० सी०/म्रर्जन/105/79-80---म्रतः मुझे, एस० के० बिलय्या,

धायकर धिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त धिधिनियम' कहा नया है), की बारा 269-ख के घश्चीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूह्य 25,000/-रुपए से प्रधिक है

झोर जिसका प्लाट नं० 34 एम० नं० 5-10/3, सि०स० नं० 19316 है तथा जो झौरंगाबाद में स्थित है (झौर इससे उपाबध ध्रनुसूची में और पूर्ण रूप से बणित है) रिजस्ट्रीकर्ता झिधाकरी के कार्यालय औरंगाबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम,

1908 (1908 का 16) के प्रधीन 22-5-1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से इस के बृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रम्तरित की नई है बौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके शृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे बृश्यमान प्रतिफल का पण्डह प्रतिश्वत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के सिए तय पाया गया प्रतिश्वल, निम्न- लिखित उद्देश्य से उच्त प्रकार लिखित में वास्तविक इस से कवित नहीं किया गया है।---

- (अ) प्रश्तरण से हुई किमी धाय की वावत, उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के वस्तरफ के दायिस्य में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के जिए। , और/या
- (का) ऐसी जिसी बाय या किसी धन या अभ्य घास्तियों को, जिन्हें भारतीय धाय-कर घधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त घिनियम, या धन-कर घधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अभ्यस्ति द्वारा प्रकट नहीं किया गया या वा किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के किए;

अतः सद, उन्त भविनियम की धारा 269-व के बनुसरण में, में, चन्त अधिनियम की धारा 269-व की उपचारा (1) के अजीन, निम्मलिखित व्यक्तिमों, अवौत्:—

- श्रीमित सुशीलाबाई पत्नी सुगंधराव पाटील, पदमपुरा, रंगाबाद । (श्रन्तरक)
 - 2. श्री जुल्फेकोर हुसैन पुत्र ग्रब्दुल हुसैन, श्रौरंगाबाद (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्थोंकन सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हैं।

एकत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी पाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारी कसे 45 विन की प्रविध या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपञ्ज में प्रकाणन की नारी ख से 45 विन के भीनर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अध्य व्यक्ति द्वारा प्रश्लोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जी उक्त प्रधिनियम के भव्याय 20-क में परिभाषित है तही अर्थ होगा, जो उस अख्याय में विया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 34, सर्वे नं० 9, एम० नं० 5-10-3, सिटी सर्वे नं० 164, राजनगर पदमपुरा, भौरंगाबाद।

> एस० के० बिलय्या सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, नागपुर

तारीख: 17-11-1979

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०⊸⊸⊸

भायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रिधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज, नागपुर

नागपुर, दिनांक 26 नवम्बर 1979

सी०/म्रजेन/106/79-80--फा॰ सं० आई० ए० ग्रतः मुझे एस० के० बिलय्या. भायकर भ्रिष्ठिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से ग्रधिक है भौर जिसकी सं० मकान नं० 157-ए० तथा 157 बी है तथा जो इतवारी, नागपुर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद अनुसूची में और पूण रूप से वर्णित है)रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय नागपुर में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख मई, 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए भ्रन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत श्रधिक है श्रीर मन्तरक (मन्तरकों) भौर भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे म्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उकत ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त मधि-नियम, के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसे किसी ध्राय या किसी धन या ध्रन्य ध्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर ग्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रधिनियम, या धनकर ग्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं ध्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

द्यतः, द्राव, उक्त द्रिधिनियम की घारा 269-ग के घनु-सरण में, मैं, उक्त द्रिधिनियम की घारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन, निम्नलिखत व्यक्तियों, प्रचीतः—

- श्री ग्रन्दागी पांडुरंग ग्रनंतबार, (लक्ष्मीकांत, धनंजय तथा मुक्तंदा सबके पिता ग्रक्ताजी ग्रनतकर (अन्तरक)
- पांडुरंग जयराम म्रनंतकर सभी रहने वाले, सर्कल नं० 9/14, नागपुर
- 3. श्री दलपतलाल मोहनलाल मेहता, सर्कल नं 8/13, नागपुर (भ्रग्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के **प्रर्जन** के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजान के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्कोंगे।

स्पच्डीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रौर पदों का, जो उक्त ग्रिध-नियम के ग्राञ्याय 20-क में परिभाषित है, वही ग्रायं होगा, जो उस ग्राञ्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 157-ए तथा 157 बी, सर्कल नं० 9/14, तथा जो इतवारी, नागपुर में स्थित हैं।

> एस० के० बिलय्या, सक्षम प्राधिकारी सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, नागपुर

तारीख: 26-11-1979

प्ररूप झाई० टी० एन• एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269न (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

श्रमृतसर, दिनांक 29 दिसम्बर 1979

निवेश सं॰ एएसम्रार/79--80/279-म्रतः मुझे एम॰ एल॰ महाजन

आधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिनका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से अधिक है

भौर जिसकी सं० एक जमीन का टुकड़ा शास्त्री नगर अमृतसर है तथा जो एस० ग्रार० ग्रमृत सर में स्थित है (ग्रीर इस से उपाबद्ध अनुपूर्वी में ग्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय ग्रमृतसर में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख मई. 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंष्यह प्रतिगत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) ग्रीर ग्रन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक का से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त प्रश्विनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने पा चससे चनके में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी प्राय पा किसी घन या प्रन्य आस्तियों को जिन्हें प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) पा उन्त प्रधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः यव, उक्त अविनियम की द्वारा 269-ग के वनुसर्थ में, मैं, उक्त अधिनियन की द्वारा 269-व की उपद्वारा (1) अद्योग निम्नलिखित स्पक्तियों, अर्थात् :---

- श्री भगत राम पुत्र भजन लाल 93 ग्रीन एवेन्यू ग्रमुतसर। (ग्रातरक)
- 2 श्री जुगल किशोर पुत्र श्री जय किशन दास 46 कनेशी प्वेनीय श्रमृतसर। (श्रतरिती)
 - 3. जैसा कि नं० 2 में है यदि कोई किराएवार हो तो (बहु व्यक्ति, जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है।)
 - 4. यदि कोई व्यक्ति इस संपत्ति में रुचि रखता हो तो। (वह व्यक्ति, जिसके बाफे में स्रधोहस्ताक्षारी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी हरके पूर्वीकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की धविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी धविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त क्यावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनत प्रधि-नियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही प्रथा होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

एक जमीन का टुकड़। 252 4 मीटर गज तुंगवाला पीछे शास्त्रीनगर श्रमृतसर में हैं। जैसा कि रजिस्ट्रीकृत नं० 430/1 दिनौंक 15-5-79 रजिस्ट्री श्रधिकारी श्रमृतसर शहर में हैं।

> एम० एक० महाजन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, भ्रमृतसर

शारीख: 29-12-79

परूप भाई ∘ टी • एन • एस • → → →

भायकर मोधनियम, 1961 (1961 का 43) को घारा 269-भ(1) के भधीन सूचना

भारत सरसार

कार्यातय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, श्रम्तमार श्रमृतसर, दिनांक 29 दिसम्बर 1979

निदेश सं० एएमश्रार० 79-80/280——ग्रातः मुझे एम० एस० महाजन

आयकर प्रधितियम, 1981 (1981 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त प्रधितियम' कहा गया है), की धारा 269-स्र के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मूल्य 25,000/- २० से अधिक है

भीर जिसकी सं० एक जमीन का दुकड़ा शास्त्री नगर ध्रमृतसर में है तथा जो एस ध्रार ध्रमृतसर में स्थित है (ध्रीर इससे उपाबद्ध ध्रनुस्ची में ध्रीर पूर्ण कप में वर्णित है). रजिस्ट्रीक्कर्ता ध्रधिकारी के कार्यालय ध्रमृतसर में रजिस्ट्रीकरण ध्रधिन्यम, 1908 (1908 का 16) के ध्रधीन मई 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है धौर मझे यह विश्वास करने का कार्ण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के पण्डह प्रतिशत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के पण्डह प्रतिशत से अधिक है कीर धन्तरक (अन्तरकों) भीर धन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकन, निम्निवात उद्देश ने उनन अन्तरण निखित में वास्त्रविक रूप से कवित नहीं किया गया है:——

- (क) धन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त धर्षि-नियम के प्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; धौर/या
- (ख) ऐंसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्थ ग्रास्तिगों को, जिन्हें भारतीय आय-कर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रिधिनियम, या धन-कर भ्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रव, उक्त ग्रधिनियम, की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रयीतः—

- श्रोमित समत्रो देवी पत्नी भगत राम 93 ग्रीन एवेन्यू प्रमृतमर यू श्री ग्रोम प्रकाश जनरल एथार्टी। (ग्रन्तरक)
- 2. श्री जुगल किशोर पुत्र जय किशन श्रार/श्रो 46 कनेडी एवेन्यू ग्रमृतसर। (श्रन्तरिती)
 - 3. जैसा कि नं 2 में है। यदि कोई किराएदार होतो। (यह व्यक्ति जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति है)
 - यदि कोई व्यक्ति इस सम्पत्ति में रूचि रखता हो तो।
 (वह व्यक्ति जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करक पूर्वीका सम्यक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करना हूँ।

छता नम्यत्ति के पर्वति के सम्बन्ध में को भी प्राक्षेप :-

- (५) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की घविष या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना का तामील से 30 दिन की मविष, जो भी प्रविव बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी धन्य क्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए, बा सकेंगे।

स्पवटी तरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अब्धाय में विवागया है।

अनुसुनी

एक जमीन का दुकड़ा 255·4 इस्क्वायर मीटर तुंग-वाला पीछे शास्त्री नगर श्रमृतसर में है। जैसा कि रजिस्ट्री-कृत नं० 428/1 दिनांक 15-5-79 रजिस्ट्री श्रधिकारी श्रमृतसर शहर में है।

> एम एल० महाजन सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) म्राजैन रेंज, भ्रमृतसर

तारीख: 29-12-1979

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-प(1) के प्रधीन सुचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, ग्रमृतसर

ग्रम्तसर, विनांक 29 विसम्बर 1979

निवेश सं॰ एएसम्रार/79-80/281--म्रतः मुझे एम॰ एल॰ महाजन

भायकर प्रविनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- इ० से प्रथिक है

मीर जिसकी सं एक जमीन का दुकड़ा शास्त्री नगर ध्रमृतसर है तथा जो एस० आर० अमृतसर में स्थित है (भीर इससे उपाधद्ध श्रनुसूची में भीर पूर्ण रूप में विणत है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मई, 1979 को पूर्वोक्त सम्मति के उचित बाजार मृत्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए मन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पण्डह प्रतिकृत प्रधिक है भीर यह कि भन्तरक (भन्तरकों) और भन्तरित (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित छद्देश्य से उच्त भन्तरण कि लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित छद्देश्य से उच्त भन्तरण कि लिए लिखत में वास्तविक इप से कथित नहीं किया वया है :—

- (क) ग्रस्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्स ग्रिशिनयम के ग्रिशीन कर देने के श्रम्तरक के बायित्व में कभी करने या उससे अजने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य धास्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त घिषिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था खिमाने में सुविधा के लिए ;

धतः प्रवः, उद्दतं अधिनियमं की धारा 269-मं के धनुसरण में, में, उदतं प्रश्नियमं की बारा 269-मं की उपशारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तिमें, धर्यतः :—

- 1. श्रीमती मधु ग्ररूणा पत्नी बनवारी लाल 340 शास्त्री मार्कीट ग्रमृतसर (ग्रन्तरक)
- 2. श्री जुगल किशोर पुत्र जय किशन दास 46 कनेडी एवेन्यू श्रम्तसर (श्रन्तरिती)
 - 3. जैसा कि नं० 2 में है यदि कोई किराएदार हो तो। (वह व्यक्ति जिसके ग्रिधभोग में सम्पत्ति है)
- यदि कोई व्यक्ति इस सम्पत्ति में रूचि रखता हो तो

(वह व्यक्ति जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी इरके पूर्वोक्त मन्पत्ति के अग्रंन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

खनत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तस्सम्बन्धी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की घविंछ, जो भी घविंध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्वता के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी भ्रम्य क्यक्ति द्वारा, अक्षोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

रपब्बीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और वदों का, जो 'खक्त श्रध-नियम', के भव्याय 20-क में परिभावित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस भव्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक जमीन का दुकड़ा 190, 2 मीटर गज तुंगवाला पोळे शास्त्री नगर प्रमृततर में है। जैमा कि रजिस्ट्रीकृत नं० 429/1 दिनांक 15-5-79 रजिस्ट्री प्रधिकारी श्रमृतसर शहर में है।

> एम० एस० महाजन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, भ्रमृतसर

दिनांक: 29-12-1979

प्ररूप प्राई० टी० एन० एप०---

श्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के ग्रिधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्णन रेंज, श्रमृतसर

ग्रमृतसर, दिनांक 9 जनवरी 1980

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से श्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० कोठी नं० 44, हर्नेडी एवेन्यू अमृतसर में हैं तथा जो एम आर० अमृतसर में स्थित है और इसमे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मई, 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल, से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—-

- (क) अन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त अधि-नियम के श्रधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या जससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें श्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1)57 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

- 1. श्री दीना नाथ कपुर पुत्र पंसारी मन ग्रार/श्रो 44 एनेधी एश्रेन्यू श्रमृतयर (श्रन्तरक)
- 2. मुनीता देवी पितन राज कुमार, शोभा मदन पितन ग्रशोत कुमार किया मोहन, शाम मुन्दर प्रेम कुमार पुत्र किशोर चन्द वाजार टाहली माहिब अमृतसर (श्रन्तरिती) (बहु व्यक्ति जियके ग्रधिभोग में सम्पत्ति हो)
 - 3. जैसा कि नं० 2 में है श्रीरयदि कोई किराएदार हो तो।
 4. यदि श्रीर कोई व्यक्ति इपने दिल बस्पी रखता है।
 (वह व्यक्ति जिनके बारे में श्रक्षोहस्ताक्षरी
 जानता है कि वह मम्पत्ति में हितब हैं।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के <mark>प्रर्जन के</mark> लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त समाति के ग्रार्मन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूबता के राजात्र में प्रकाणत की तारीख से 45 दिन की भवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूबता की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वऽहीकरण :--इसमें प्रयुक्त शक्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

भ्रनुसूची

एक कोठी नं० 44 कतेंडी एवेन्यू (रकबा 370 वर्ग गज) गै। कि येड डीड नं० 509/I 3-5-1979 रिजस्ट्री मधि-कारी अमृतमर में दर्ज है।

> एम० एल० महाजन सञ्जम प्राधिकारी तहायक ग्रायकर <mark>प्रायुक्त (निरीक्षण)</mark> ग्रजैन रेंज, **ग्रमृतस**र

ता**रीख**: 9-1-1980

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०---

धायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के भ्रधीन सूचना

> भारत सरकार कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

> > म्रर्जंन रेंज, म्रमृतसर म्रमृतसर, दिनांक 11 जनवरी 1980

निदेश सं० एएसग्रार/79-80/283--ग्रतः मुझे एम० एल० महाजन

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाक् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269—ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- र० से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० एक प्लाट दसेन्धा सिंह रोड श्रमृतसर है तथा जो एम० श्रार० श्रमृतसर में स्थित है (ग्रौर इससे उपा-बढ़ श्रमुस्ची में श्रौर पूर्ण रूप में विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय श्रमृतसर में रिजस्ट्रीकरण श्रधि-

नियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृख्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिशत स्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, यह तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित म वास्त्विक हप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त श्रिष्ठिक नियम के भ्रष्ठीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसे किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त पिंधिनियम, या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

अतः, प्रबं, उनन प्रधिनियम की धारा 269-ग के प्रनुसरण में, मैं, उनत प्रधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- श्री विजय कुमार जैन पुत्र शिव भगवान स्रार/श्रो घर नं० 1521/2 राम गली कटरा स्राल्वाल (स्रन्तरक)
- 2. श्री मुखतार श्राम महिन्द्र कुमार जैन कमल ग्ररोड़ा पितन श्री बङ्गी राम मकान नं० 550 कटरा करम सिंह ग्रमृतसर (ग्रन्तरिती)
 - जैमा कि नं० 2 में है श्रीरयदि कोई किराएदार हो तो ।
 (वह व्यक्ति जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति है)
 - यदि कोई ब्यक्ति इस में रूचि रखता हो।
 (वह व्यक्ति जिनके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी
 जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्न सम्पत्ति के धर्जन के लिए कायत्राहियां करना हुँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :--

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील में 30 दिन की प्रविध, बां मो प्राधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति हारा;
- (बा) इस सूचना के राजपत्र म प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के चीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्थ व्यक्ति हारा, ग्रिष्टोहस्ताकारी के पास जिख्यन में किए जा सकींगे।

स्पादीकरण:—इसर्ने प्रयुक्त शब्दों भीर पदौं का, जो उक्त श्रीवित्यम के भ्रष्टयाय 20-क में परिभाषित है, वही श्रर्थ होगा, जो उस भ्रष्टयाय में वियागया है।

अनुसूची

एक प्लाट 2406 वर्ग गज दसोधा सिंड रोड पर जैसा कि सेल डीड नं० 553/I दिनांक 25-5-1979 रजिस्ट्री ग्रिधकारी श्रमृतसर में दर्ज है ।

> एम एल० महाजन सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण), स्रजनरोज, प्रमृतसर

तारीख: 11-1-1980

मो<u>ह</u>र :

प्रकप माई• टी• एन• एस•⊸⊸

आरकरमधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269व (1) के सधीन सुबना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

भ्रमृतसर, दिनांक 11 जनवरी 1980

निदेश सं० एएसग्रार/79—80/284—श्रतः मुझे एम० एल० महाजनः

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारच है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका जिल्ला वाजार मूक्ष 25,000/- द० से अधिक है

प्रोर जिसकी सं मकान नं 55/1 गली जेल वाली हाल गेट प्रमृतसर में है तथा जो अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबज अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक मई 1979 को पूर्वोक्त समास्ति के उचित बाबार मृस्य से अम के पृश्यभाव प्रिक्त के लिये अम्तरित को गई है और मुझे बई विश्वास करने का भारण है कि यवापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाबार मृस्य ते व्याप्त मृस्य, उतके वृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिकल का प्रवृद्ध प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अम्तरकों) और अन्तरित का प्रवृद्ध प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अम्तरकों) और अन्तरित निम्मलिखित उद्देश्य से जनत अन्तरक निम्मलिखित में वास्तिक क्ष्म के किया नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से दुई किसी अप्य की वावत उक्त प्रधि-नियम के भन्नीन कर देने के घग्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए। और/या
- (ख) ऐसी किसी आप या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर मिश्रिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्व भन्तरिती दाराप्रकट नहीं किया गया था किया बाना चाहियेथा, जियाने में सुविधा के जिए;

अतः अब, उस्त मधिनियम की धारा 269-म के समुखरम में, में, उक्त मधिनियम की घारा 269-म की उपसारा (1) के भधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, सर्वाद :--

- 1. श्री बलेती राम दरबारी लाल पुत्रगण मस्तराम भ्रौंर ग्रोम प्रकाश श्री हरबन्स लाल, गनपतराय, व्रलोक चन्द पुत्र-गण चनन लाल गांव वेनकी तं० श्रजनाला जि० श्रमृतसर। (ग्रन्तरक)
- 2. श्री श्रोम प्रकाश पुत्र मिलखी राम कटरा बगिचा अमृतसर। (ग्रन्तरिती)
- 3. जैसा कि नं० 2 में हैं। यदि कोई किराएदार हो तो।

(वह व्यक्ति जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

4. यदि कोई व्यक्ति सम्पत्ति में रूचि रखता हो तो। (वह व्यक्ति जिनके बारे में भ्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

जनत सम्पत्ति के घर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की धवधि या सत्सम्बन्धी क्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की धवधि, जो भी धवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति डारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशम की तारी खासे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी प्रन्य स्थिक द्वारा, ध्रधोहस्ताक्षरी के पास सिकात में किये जा सकेंगे।

स्थब्दीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जा उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिकाधित हैं, वही धर्ष होगा, जो उस ध्रश्याय में दिया गया है।

धनुसूची

एक मकान नं० 55/1 रकबा, 408 मीटर गज रजिस्ट्रीकृत नं० 465/1 दिनांक 18-5-79 रजिस्ट्री अधिकारी श्रमृतसर शहर में हैं।

एम० एल० महाजन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

तारीख: 11-1-1980

प्रकथ बाईं • टी • एन ॰ एस •----

भावकर प्रक्रिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व(1) के ध्रश्नीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायका (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, म्रमुतसर

भ्रमृतसर, दिनांक 11 जनवरी 1980

निधेश सं० एएसम्रार/79-80/285—म्रतः मुझे एम० एल० महाजन

धायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके रश्वात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-व के अश्रीत सक्षम प्राधिकारी को, यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-क्या से प्रधिक है

स्रौर जिसकी संख्या एक प्लाट रसोंधा सिंह रोड पर है तथा जो स्रमृतसर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय श्रमृतसर में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अमृतसर में तारीख मई 79 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के जिबत बाजार मूस्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के किए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूस्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पश्च श्रतिशत भिक्त है भीर भन्तरक (भन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त भन्तरण विद्या में ग्राह्मीर हूप स हिना नहीं किया गया है:——

- (क) बन्तरण से हुई किसी धाम की बाबत, उनत प्रक्रितियम के प्रधीन कर देने के घन्तरक के वाधित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविज्ञा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या घन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें प्रायकर प्रधितियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रीधितियम या धन-कर ग्रीधितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्व घन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के बिए;

अतः धन, उक्त धिनियम की बारा 269म के अनुसरण में, में, उक्त धिनियम, की धारा 269-व की उपवारा (1) के अधीन, निम्नतिक्षित व्यक्तियों, अर्थात:—

- श्री सोम नाथ पुत्र शामधन मल श्रार/श्रो कोठी नं०
 वयानन्द नगर श्रमृतसर। (श्रन्तरक)
- 2. श्रीमती धन्नी दई पतनी सीता राम ग्रार/ग्रो दसोन्धा सिंह रोड ग्रमुशसर। (ग्रन्तरिती)
 - जैसा कि सं० 2 में हैं और यदि कोई किरायेदार हो तो (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
 - 4. यदि श्रौर कोई व्यक्ति इसमें रुची रखता हो । (वह व्यक्ति जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्तिमें हिलबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के सर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के प्रत्रंत के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाणन की तारीबा के 45 दिन की भवित्र या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवित्र, जो भी भवित्र बाद में समाप्त होती हो, के मीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारी के के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब के किसी ग्रन्थ स्थावत ज्ञारा, भ्रष्टोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त सक्यों भीर पदों का, जो उक्त धिनियम के सम्याय 20-क में परिभावित हैं, नहीं भनें होना जो उस धम्याय में दिया नया है।

धनुस्ची

एक प्लाट 218.85 मुकेयर मीटर्स दसोन्धा सिंह रोड पर जैसा कि सेल छीड नं० 616/31-5-79 जैसा कि रजिस्ट्री मधिकारी श्रमृतसर में दर्ज है।

> एम० एल० महाजन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

तारीख : 11-1-1980

प्ररूप म्राई० टी० एन० एस०---

म्रायकर म्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के म्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जनरेंज, ग्रमृतसर

अमृतसर, दिनांक 11 जनवरी 1980

निदेश सं० एएसम्रार०/79-80/286--- अतः मुझे एम० एल० महाजन भायकर भिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पम्चात 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख

आयकर आधानयम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसम इसके पक्ष्वात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से ग्रिधिक है

भौर जिसकी सं० एक० कोठी कटरा खजाना में है तथा जो श्रमृतसर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भधीन तारीख मई 1979

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त श्रधि-नियम के प्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रौर/या '
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या ग्रन्थ श्रास्तियों को जिन्हें भारतीय ग्राय-कर श्रधिनियम 1922 (1922 का 11) या उन्त श्रधिनियम, या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा श्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

श्रतः श्रब, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-म के श्रनुसरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रर्थात्:---

- श्री हीरा लाल कपूर पुत्र वीरूमल कपूर वासी नई सड़क कटरा खजाना श्रमृतसर राही रोशन लाल पुत्र हरनाम वास वासी टून्डा तालाब श्रमृतसर मुखतारआम । (श्रन्तरक)
- 2. श्रीमित श्रीतम दई विधवा कस्तूरी लाल श्रार/ग्रो० 23-शिवाला रोड श्रमृतसर । (ग्रन्तरिती)
 - जैसा कि नं० 2 में भ्रौर कोई किराएदार।
 (वह व्यक्ति जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है)
 - 4. यदि और कोई व्यक्ति इसमें रूची रखता हो (वह व्यक्ति जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत संमत्ति के प्रवंश के मंबंध में काई मो आजा :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविधि या तत्मन्वन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की ग्रविध जो भी ग्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीवत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्यावर-सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रधि-नियम, के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही भ्रथे होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

एक बिल्डिंग नं० 68/9 कटरा खजाना में (1/3) हिस्सा) जैसा कि सेल छीड नं० 604/L दिनांक 31-5-1979 रिजिस्ट्री श्रिष्ठकारी श्रमृतसर में दर्ज है ।

एम एल० महाजन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज, भ्रमृतसर

तारीख: 11-1-1980

मोह्यर:

प्ररूप माई० टी० एन० एस०--

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

भ्रमृतसर, दिनांक 11 जनवरी 1980

निवेश सं० एएसग्रार/79-80/287---श्रतः मुझे एम० एल० महाजन

स्रायकर स्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त स्रिधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के स्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से स्रिधिक है

श्रौर जिसकी सं० एक बिल्डिंग कटरा खाजाना में है तथा जो ग्रमृतसर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप में विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय श्रमृतसर में रजिस्ट्रीकरण ग्रिभिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख मई 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति की उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्सरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तविक का से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बायत उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एनो कियो प्राय या किमी बन या प्रत्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भ्रतः ग्रब, उक्त श्रधिनियम, की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, में, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों श्रर्थात् :--

- श्री हीरा लाल पुत्र वीरू मलवासी नई सड़क कटरा खजाना ग्रमृतसर, राही रोशन लाल पुत्र हरनाम दास वासी टूंडा तलाब ग्रमृतसर (मुखतार ग्राम) (ग्रन्तरक)
- 2. श्री सुदर्शन लाल सुरिन्द्र पाल पुत्र परस राम, रिजन्दर पाल हकूमत राए पुत्र सुदर्शन लाल निवासी खापर-खेरी तहसील ग्रमृतसर (ग्रन्तरिती)
 - जैसा कि सं० 2 में पर श्रीर कोई किराऐवार हो (बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पति है)
 - 4. यदि भ्रौर कोई व्यक्ति इसमें रुवी रखता हो। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पति में हितवदध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रजन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील के 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति के ब्रारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिंत- वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकने।

स्पद्धीकरण:--इसम प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रथं होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

प्रनुस्ची

एक कोठी नं० 68/9 कटरा खजाना में (र्ह्न हिस्सा) जैसा कि सेल डीड नं० 584/I दिनांक 28-5-79 रजिस्ट्री श्रिधकारी श्रमृतसर में दर्ज है ।

> एम० एल० म**हाजन** सक्षम भ्रघिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, श्रमृ**तस**र

तारीख: 11-1-1980

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस० ---

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269व (1) के म्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक स्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, अमृतसर

श्रमृतसर, दिनांक 11 जनवरी 1980

निवेश सं० एएसभ्रार/79-80/288---ग्रतः मुझे एम० एल० महाजन

आयकर ग्रधिनियम,1961(1961 का 43)(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाप करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से ग्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० एक कोठी कटरा खजना में है तथा जो श्रमृतसर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रुप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय श्रमृतसर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख मई 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह बिकास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से श्रिधक है और श्रन्तरक (श्रन्तरकों) भौर श्रन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्तिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) म्रन्तरण से हुई किसी म्राय की बाबत, उक्त म्रधि-नियम के म्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, ग्रीर/पा
- (ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अस्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय श्राय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर प्रविनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्य अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भ्रत: ग्रब, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-ग के श्रनुसरण मे, भैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-त्र की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखिन व्यक्तियों, अर्थीत .---

- 1. श्री हीरा लाल कपूर पुत्र वीकः मल वासी नई सड़क कटरा खजाना श्रमृतसर राही रोशन लाल पुत्र हरनाम दास वासी टूंडा तलाव श्रमृतसर (मुखार श्राम) (श्रन्तरक)
- 2. श्रीमित माया देवी सुपुत्री घनी राम निवासी पुरानी लकड़ मंडी श्रमृतसर (श्रन्तरिती)
 - जैसा कि नं० 2 में है श्रीर कोई किरायेदार (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पति है)
 - 4. यदि श्रौर कोई व्यक्ति इसमें रुची रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पति में हिनवदध् है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्न सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रजैन के सम्बन्ध में कोई मी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तारीख से 30 दिन की श्रविध, जो भी
 अविध बाद में समाप्त होती ही, के भीतर पूर्वीकत
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उन्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त अधि-नियम, के श्रष्टपात्र 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होंगा जो उक्ष अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक कोठी नं० 68/9 कटरा खजाना श्रमृतसर में जैसा कि मेल डीड नं० 586 दिनांक 29-5-79 रजिस्ट्री श्रधि-कारी श्रमृतसर में दर्ज है ।

> एम० एल० महाजन सक्षम अधिकारी महायक श्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, भ्रमृतसर

तारीख: 11-1-1980

प्ररूप पार्षि डी० एन० एन०----

अध्यक्तर अधिनिया, 1961 (1961 का 43) को धारा 269-भ (1) के प्रभीत मुक्ता

भारत सरकार

कार्याज्य, महायक प्रायकर भागुक्त (निरीकण)

भ्रजंन रेंज, भ्रमृतसर

श्रमृतसर, दिनांक 15 जनवरी 1980

निदेश नं० एएसम्रार/79-80/287---म्रतः मुझे एम० एस० महाजन

बायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रवात् 'उक्त प्रधितियम' कहा गया है), की धारा 269-च के मधीन सक्तम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्पादर सम्मति जिसका उचित बाजार मून्य 25,000/- लाम से पिछक है

ष्प्रीर जिसकी सं० कृषि भूमि नौशहरा ढाला है तथा जो तरन तारन में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनांक मई, 1979

को विशेषत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकन है लिए मन्तरित की गई है मौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह्म प्रतिशत अधिक है मौर मन्तरिक (धन्तरिकों) भीर भन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकन, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण निखित में बामत

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी आय का बावत उक्त अधि-नियम के प्रश्नीन कर देने के प्रस्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में मुविशा के निए; धौर/या
- (ख) ऐसी कि ती आय या कि स जन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय प्राप्त र प्रधितिनम, 1922 (1922 कि 11) या उस्त अधितियम, या धन-कर प्रधितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं प्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया का या किया जाना चाहिए का, जिपाने में सुविधा के लिए;

अतः सब, उन्त पश्चितियम को धारा 269-ग के सनु-सरण में, मैं, उन्त अधिनियम की धारा 269-व की उपकारा (1) के अधीन, निम्नलिखिन व्यक्तियों, अर्थात्:---

- 1. श्री गूजर सिंह, गजन सिंह पुत्र मेहर सिंह वासी चहल तरन तारन (ग्रन्तरक)
- 2. श्री मुखतार सिंह पुत्र सन्तोख सिंह वासी ठरू तहसील तारन तारन (श्रन्तरिती)
 - जैसा कि सं० 2 पर है श्रोर कोई किराएदार।
 (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
 - 4. यदि श्रौर कोई व्यक्ति इसमें रूची रखता हो। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पति में हितबदध् है)

को यह सूचता जारी सरके पूर्वीका संपत्ति के प्रजंत के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त पंपति के पर्जन के संबंध में कोई मी प्राज्ञेप !--

- (क) इस पूजरा के राजपाद में प्रकाशन को नारीखा से 45 दिन की समिष्ठ या तस्संबंधी व्यक्तियों पर मूचना की सामील ने 30 दिन की भविष्ठ, जो भी प्रविश्व बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संस्पत्ति में हित-बढ़ किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, प्रश्लोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त ग्रन्दों और पदों का, जो जनत श्रिष्ठितयम के ग्रन्थाय 20-क में परिभाषित है, वहीं प्रचं होगा जो उस ग्रन्थाय में विया गा है।

धनुसूची

कृषि भूमि 80 कनाल-2 मरना गांव नोशहरा ढाला तहसील प्रमृतसर जैसा कि सेल डीड नं० 201/9-5-79 रिजस्ट्री ग्रिधिकारी तरन तारन में वर्ज है।

एम० एल० महाजन सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज, श्रमृतसर

दिनांक: 15-1-1980

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०-

यायकर स्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रिधीन सूचना

भारत सरकार कार्यालय, सहायक श्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

भ्रमृतसर, दिनांक 15 जनवरी 1980

निवेश सं० ए एस श्राप/79—80/290——ध्रतः मुझे, एम० एल**० महा**जन,

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-से अधिक है

भौर जिसकी सं० कृषि भूमि झबाल मनन है तथा जो भ्रमृतसर में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध श्रनुमूची में श्रौर पूर्ण रुप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय झबाल कलां में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख मई 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिगत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) भ्रम्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबन, उक्त भ्रिधिनियम के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमे बचने में सुविधा के लिए; भ्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः श्रब, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुमरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रथीत् :— 5—465GI/79

- 1. श्री हीरा सिंह पुत्र लाभ सिंह ग्रीर सुरजीत सिंह गुरमीत सिंह पुत्र उमराधो सिंह वासी झवाल मैनन (ग्रन्तरक)
- 2. श्री मनपरीत सिंह पुत्र सलविन्द्र सिंह वासी झबाल मैनन (ग्रन्तरिती)
 - जैसा कि सं० 2 पर श्रीर कोई किराएदार (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधभोग में सम्पिति है)
 - 4. यदि श्रौर कोई व्यक्ति इस में रुखी रखता है (बह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि बह सम्पत्ति में हितबधृ है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्स सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजात में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्वम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रक्षित, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजात में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितवब किसी प्रत्य व्यक्ति द्वारा श्रश्रोहस्ताक्षरी के पास तिखित में किए जा सकते।

स्पट्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रिधिनियम, के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि 40 कनाल 1 मरला गांव झबाल मैनन जैसा कि सेल डीड नं० 202 दिनांक 9-5-1979 रजिस्ट्री ग्रिधिकारी झबाल कलां में दर्ज हैं।

> एम० एल० महाजन सक्षम प्राधिकारी, सहायक घायकर घ्रायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, ग्रमृतसर व

दिनांक: 15-1-1980

प्ररूप श्राई० टी० एन० एस०---

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

धमृतसर, दिनांक 11 जनवरी 1980

निवेश सं॰ एएसम्रार/79-80/291—म्बतः मुझे एम॰ एल॰ महाजन,

श्रायकर श्रिष्ठिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उकत श्रिष्ठिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रिष्ठीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/— रुपये से श्रिष्ठिक है और जिसकी सं॰ गोडखन तरन तारन तथा जो श्रमृतसर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रुप में विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिष्ठकारी के कार्याक्षय तरनतारन में रजिस्ट्रीकरण श्रिष्ठिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिष्ठीन तारीख मई, 1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तरित की गई है थ्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरित (प्रस्तरित्यों) के बीव ऐसे प्रस्तरण के निए तय गया गया प्रतिफत, निम्नलिबित उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण जिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त भ्रधि-नियम, के भ्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायिस्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने म सुविधा के लिए;

प्रतः, भ्रव, उन्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के भ्रनु-सरण में, मैं, उन्त भ्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के भ्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथीत :---

- .. 1. श्री किशन चन्द राम चन्द सपुन्न श्री बिशन दास निवासी तरन तारन । (भन्तरक)
- 2. श्री हरीश कुमार पुत्र बिहारी लाल निवासी जोशी कालोनी, ग्रमृतसर । (ग्रन्तरिती)
 - 3. जैसा कि नं० 2 पर यदि कोई किराऐदार (यह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)
 - 4. यदि और कोई व्यक्ति रूपी रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में भ्रघोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबदाहै)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति से हितबद किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त मधि-नियम के श्रष्टयाय 20-क में परिभाषित है, वही श्रथं होगा, जो उस श्रष्टयाय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

एक गोडाउन नं 289/636 घीर 269/569 तरन तारन में जैसा कि सेल डीड 1278 दिनांक 25-5-1979 रिजस्टी अधिकारी तरनतारन में।

> एम० एल० महाजन सक्षम ग्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज, ग्रमृतसर

तारीख: 11-1-1980

प्रकृप मार्च- ही- एत- एस---

मायकर मिनिसम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269व (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर भायुक्त (निरीक्षण)

प्रर्जन रेंज, प्रमृतसर

ग्रमृतसर, दिनांक 11 जनवरी 1980

निदेश नं॰ एएसम्रार॰/७१-८०/२९२--म्रतः मुझे एम॰ एल॰ महाजन,

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुप्ये से प्रधिक है

ग्रौर जिसकी सं० कृषि भूमि गांव जौनीके में है तथा जो में स्थित हैं (ग्रौर इससे उपावस प्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय तरन तारन में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन मई 1979

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मृश्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का प्रश्वह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त अन्तरण निक्ति में बास्तचिक उप से कथित नहीं किया नया है:----

- (क) अन्तरण से हुई किसी माय की बाबत उबत चिछ-नियम के अजीत कर वेने के अन्तरक के वायित्व में कमी करते या उससे बचने में मुविशा के लिए; मौर/या
- (क) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य भारितयों को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपत भविनियम, या धनकर भविनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

धत: बन, उन्त प्रधिनियम की बारा 269-ग के धनुसरक म, भें, उन्त प्रविनियम की घारा 269-व की उपधारा (1) बाद्यीन निम्नलिखित क्यक्तियों, धर्कात्:---

- 1. श्री गुरचरन सिंह पुत्र जगीर /सिंह निवासी गांव जोनीके तहसील तरन तारन । (ग्रन्तरक)
- 2. श्री दरणन सिंह वगैरा पुत्रगन सुरजन सिंह निवासी गांव जौनीके (तरन तारन)। (ध्रन्तरिती)
 - 3. जैसा कि सं० 2 है और कोई किराऐदार हो (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
 - 4. यदि भौर कोई व्यक्ति रूची रखता हो (वह व्यक्ति, जिनके बारे में भ्रघोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के धर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उन्त सम्पत्ति के भ्रजेंन के संबंध में कोई भी भाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, ज भी अविधि बाद में समाप्त होती हो ; के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति क्षारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में
 हितबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताकारी
 के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्धीकरण :-- इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रिशिनियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं. वहीं ग्रयं होगा, जो उस ग्राम्याम में विया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि 39--- 8 मरला गांव जौनीके तहसील तरन तारन जैसा कि सेल डीड नं० 1379 दिनांक 28-5-1979 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी तरन तारन में ।

> एम० एल० महाजन, सक्षम प्रधिकारी सहायक धायकर घायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, घमृतसर

तारीख: 11-1-1980

प्ररूप धाई • टी • एन • एस • -----

त्रायकर त्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के भधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, **श्र**मृतसर

ग्रमृतसर, दिनांक 11 जनवरी 1980

निवेश सं० एएसम्रार/79-80/293---म्रतः मुझे एम० एल० महाजन भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त म्निधिनयम' कहा गया है), की घारा 269-ज के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका 25,000/- रुपये मे श्रधिक है उचित बाजार मूल्य ग्रौर जिसकी सं० एक कोठी कटरा शेर सिंह भ्रमृतसर है तथा जो ग्रमृतसर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबक्क श्रनु-मूची में धौर पूर्ण रूप में वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता ध्रधिकारी के कार्यालय भ्रमृतसर में रजिस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन जून 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दुश्यमान प्रतिकत के लिए भ्रन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके दुश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुग्यमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिशत से प्रधिक है भीर धन्तरक (धन्तरकों) घोर अन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उसत भन्तरग निश्वित में नास्तिभिक रूप से कथित

(क) प्रन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त अधि-नियम के प्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायिस्व में कभी करने या उसपे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या

नहीं किया गया हैं:---

(ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें श्रायतर श्रीधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रीधिनियम, या धन-हर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं ग्रन्तिरेती हारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाता चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रनः, श्रव, उनत प्रधिनियम की धारा 269-म के श्रनु-सरण में, मैं, उनत श्रधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के श्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

- श्री वेद प्रकाश पुत्र हंस राज कटरा शेर सिंह, श्रमृतसर । (श्रन्तरक)
- 2. श्री प्रीतमकौर पत्नी हरदेव सिंह 346 नीव जवाहर नगर, जालन्धर । (भ्रन्तरिती)
 - 3. जैसा कि नं० 2 सें है यदि कोई किरायेदार हो। (बह व्यक्ति जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)
- 4. यदि कोई व्यक्ति इस सम्पत्ति में रूचि रखता हो तो।

(बह व्यक्ति जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितब**द्ध है)**

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के श्रर्जन के निए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्यत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सुचना के राजात्र में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सुचना की नामीन से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (प्र) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अबोह-ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वब्दीकरण:---इसमें प्रयुक्त गन्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रधि-निथम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, बही श्रथं होगा जो उन्न श्रष्ट्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक कोठी 1/3 भाग नं० 2089 से 2091 धौर 1501 से 1505/12-11 पुराना नं० 2112, 2113/12 कटरा गर सिंह श्रमृतसर में है जसा कि रिजस्ट्रीकृत नं० 8561 दिनांक 16-6-79 रिजस्ट्री श्रिधकारी श्रमृतसर गहर में है।

एम० एल० महाजन सक्षम श्रधिकारी (सहायक झायकर झायुक्त निरीक्षण) श्रजेन रेंज, अमृतसर

तारीख: 11-1-1980

मोहरः

प्ररूप बाई • डी ॰ एन ॰ एन ॰----

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा . 269-व (1) के धधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर श्रीयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, अमृतसर

ग्रमृतसर, दिनांक 11 जनवरी 1980

निदेश सं एएसम्रार/179-80/294-म्ब्रतः मुझे एम०

एलं महाजन
प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रवाद 'उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-खं के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को या बिश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति जिसका उचि । बाजार मूख्य 25,000/- क्यमें संभित्र है और जिसकी सं एक सकान नं 2089 से 2091, 1501 और 1505/ पुराना नं 2112 और 2112, 2113

112 कटरा शेर मिंह है तथा जो अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), र्राजेस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मई 1979

को पूर्वोक्त अम्पति के जावत बाजार मूल्य में कम के दूबरमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह निश्याम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का जिचत बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का परद्रह प्रतिशत में प्रधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकां) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये उप पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित जहेंक्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथिन नहीं किया गया है:---

- (क) अप्तरण में हुई किनो पाय को शबन, उक्त ग्रिवियम के ग्रिवीन कर देने के ग्रन्तरक के दायिक्त में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी ेत्मो आप व किस धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय सापकर ग्रीधनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत भ्रीधनियम, या धन-कर भ्रीधनियम, 1937 (1957 का 27) के भ्रेषोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आना चाहिए था. छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की घारा 239-ग के अनुसरण में, में, उक्त सिविनयम की घारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्मिसित क्येक्टियों अर्थात् :---

- श्री भाग मल पुल हंस राज कटरा शेर सिंह, श्रमृतसर (श्रन्तरक)
- 2. श्री भूपेंद्र सिंह पुत्र हरदेव सिंह 346 नीव जवा**हर नगर,** जालन्धर (ध्रन्तरिती)
 - 3 जैसा कि नं० 2 में है यदि कोई किरायेदार हो तो (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
 - 4. यदि कोई व्यक्ति इस सम्पत्ति में एचि रखता हो तो (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यत् सूत्रतः त्रारी कर १ पूर्वोक्त सम्पति के अर्जेन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उरर सम्पत्ति के भन्नेत क सर्वत में कोई भी आर्थीय :--

- (क) उस स्वता के राजाल में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की अविधि सा न्त्यंवधी व्यक्तियों पर मूचना की तामील में 30 दिन का भविध, जो भी भविध बाद में समाप्त हो थे हो, के भीजर पूर्वित ब्यक्तियों में से किसी वर्षान हाता;
- (ख) इस भूवना क राजम्य में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के गीतर जक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवड़ कियी मन्य व्यक्ति द्वार। प्रगेत्रताक्षरी के पास लिखित में किए जा शक्ती :

स्पब्टीकरणः---इसमें प्रयुक्त शब्देत भीर वदी का, जो उक्त भीध-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस मध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक मकान 1/3 भाग नं० 2089/ श्रौर 2091 श्रौर 1501/1505/12--11 पुराना 2112/2113 कटरा शेर सिंह में हैं । जैसा कि रिजिस्ट्रीकृत नं० 529 दिनांक 24-5-79 रिजिस्ट्री श्रिधकारी श्रम्तसर शहर में है ।

एम० एल० महाजन सक्षम प्रधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, समृतसर

तारीख: 11-1-1980

प्रकृप भाई। टी। एन। एस।----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

प्रजीन रेंज, अमृतसर

धम्तसर, दिनांक 11 जनवरी 1980

निदेश सं० एएसमार/79-80/293--म्ब्रतः मुझे एम० एख० महाजन

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु॰ से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० एक वुकान 39/शाई० हाल बाजार, ग्रमृत-मर है तथा जो श्रमृतसर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसुची में श्रीर पूर्ण रूप में विणित है) रिजस्ट्रीकर्सा ग्रीध-कारी के कार्यालय श्रमृतसर में रिजस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) । श्रमीन तारीख मई 1979

(1908 का 16) अधीन तारीख मई 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए मन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से, ऐसे दूरयमान प्रतिफल का पन्बह प्रतिशत अधिक है और मन्तरक (मन्तरकों) और मन्तरिती (मन्तरितयों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त मन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है ——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त श्रीध-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्षारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः अब, एक्त भिधिनियम, की धारा 289-ग के ग्रमुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 289-घ की उपधारा (1) के भिधीन निम्निकित व्यक्तियों ग्रथीत्:——

- श्री जोगिन्दर सिंह ग्रीर सुरिन्द्र सिंह पुत्र इन्द्र सिंह निवासी इन्द्र निवास माल रोड, ग्रम्तसर (ग्रन्तरक)
- 2. मैसर्स पंजाब कैमिकल बायोलोजीकल श्रजेंसी हाल बाजार श्रमुतसर (श्रन्तरिती)
 - जैसा कि सं० 2 श्रीर कोई किराऐदार (वह व्यक्ति जिसके श्रिक्षिभोग में सम्पत्ति है)
 - 4. यदि श्रीर कोई व्यक्ति इस में ठवी रखता हो। (वह व्यक्ति जिन के बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबदा है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारोख से
 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी
 श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवब किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगें।

स्वब्दीकरण: -इसमें प्रयुक्त शब्दों घोर पदों का, जो उक्त ग्रिधिनियम, के भ्रष्टपाय 20-क में यथा-परिकाषित हैं, वही मर्थ होगा जो उस भ्रष्टपाय में दिया गया है।

अनुसूची

दुकान नं० 39/ग्राई एमसीए, हाल बाजार है (रक्षा 72 स्क॰ फीट) जैसा कि सेल डीड नं० 320/ग्राई दिनांक 4-5-1979 रजिस्ट्री ग्रधिकारी ग्रमृतसर में दर्ज है ।

> एम० एल० महाजन सक्षम श्रिष्ठिकारी (सहायक श्रायकर **शायुक्त (निरीक्षण)** श्र**र्जन रेंज, श्रमृ**तसर

दिनांक 11-1-1980 मोहर: प्रकप बाई• टी• एन• एस•⊸---

आयकर घषिनियम; 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रामुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन **रेंज, अमृ**तसर

श्रमृतसर, दिनांक 14 जनवरी 1980

निदेश सं० एएसग्रार/70-80/296——ग्रतः मृझे एम० एल० महाजन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त पश्चिनियम' कहा गया है), की धारा 269-धा के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निक्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका खिलत बाजार मूक्य 25,000/- २० से अधिक है भौर

और जिसकी सं० एक प्लाट बसंत एवेन्य्, प्रमृतसर है तथा जो प्रमृतसर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध प्रनुसुची में श्रीर पूर्ण रूप में विणित है), रयजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यलय ग्रमृतसर में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनांक मई 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मूल्य से कम के वृश्यमाम प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्के यह विश्वास सरने का कारव है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाबार मूक्ब, उसके वृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिकल का पम्बह प्रतिशत से अधिक है और भन्तरक (प्रन्तरकों) भीर धन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में नास्त्विक रूप से कवित नहीं किया गया है:——

- (का) घ्रस्तरण से हुई किसी आय की वाबत उक्त भौजित्यम के अधीन कर देने के घ्रस्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; घ्रीर/बा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या प्रन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, कियानें में सुविधा के सिए;

अतः अयः, उनतं अधिनियमं की धारा 269ग के प्रनृतरण यें, में. उक्त अधिनियमं की भारा 269यं की वर्षारा (1) के अधीन, निम्नलिखित रेक्यक्तियों, अर्थात्।——

- श्री रवी मोहन पुत्र मुलख राज नयी सड़क निवासी मकबल रोड राही श्री एम एल सिंगला, मबजज प्रमृतसर (श्रन्तरक)
- 2. श्री दिवान सिंह, भुपिन्दर सिंह पुत्र जीवन सिंह निवासी कपूर रोड, ग्रम्तसर (श्रन्तरिती)
 - जैसा कि सं० 2 में फ्रौर कोई किराऐदार (बहु व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपति है)
 - 4. यदि भ्रौर कोई व्यक्ति इसमें रूची रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह संपति में हितबद्ध है)

को यह सूचना नारी करते पूर्वोक्त सक्यक्ति के धर्मन के सिए कार्यताहियां शुरू करता हूं।

उन्त सन्पति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी खा छै 45 दिन की प्रविध या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामी ल से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर संपत्ति में द्वितवड़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अबोहस्तालरी के पात विचित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण --इसमें प्रमुक्त कर्कों भीर पर्वो का, जो अपत धिक्रितियम के अध्याय 20-क में परिचाणित है, बड्डी धर्ष होगा, जो उस धन्माय में विका क्या है।

अनुसूची

एक प्लाट 1760 स्व० फीट बसंत ऐवेन्यू प्रमृतसर जैसा कि सेल डीड नं० 401 दिनांक 14-5-1979 रजिस्ट्री प्रधि-कारी ग्रमृतसर में हैं।

> एम० एल० महाजन मक्षम मधिकारी (महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज, ग्रमुतसर

विनांक: 11-1-1980

प्ररूप प्राई० टी० एन० एस०--

श्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रधीन सूचना भारन सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रजीन रेंज, ध्रमृतसर श्रमृतसर, विनोक 11 जनवरी 1980

निदेश सं० ए०एम० घार०/79—80/297——श्रतः मुझे ए्म० एल० महाजन

स्रायकर स्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के स्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ए० से श्रिधिक है

श्रीर जिसकी सं० 1/3मरा हिस्सा मकान नं० 2568/3 कटरा श्राल्वाला श्रमृतसर है तथा जो श्रमृतसर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रमृत्ती में श्रीर पूर्ण रुप में वर्णिन है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय श्रमृतसर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक मई 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफत, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) प्रान्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उकत अधिनियम, के अधीन कर देने के प्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रत: ग्रब, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, मैं, उक्त ग्रधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) श्राधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रांथीत्:—

- श्री फकीर चन्द्र पुत्र रामेश्वर धास निवासी मोगा गुखतार काम श्री भगत राम पुत्र श्री रगेश्वर धास निवासी योगा । (श्रन्तरक)
- श्रीमति लिलिता पी०गोंइन्का पत्नि श्रीप्रशोत्तम लाल वासी माल रोड गामने निरमल स्वामी श्राश्रम, अमृतसर। (श्रन्तरिती)
 - जैसा कि सं० 2 पर और कोई किराऐदार।
 (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
 - यदि स्रौर कोई व्यक्ति इसमें रुची रखता हों।
 (वह ध्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हित्यद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पुर्नोक्त सम्पत्ति के सर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रार्नेन के सम्बंध में कोई भी धाक्षेप :---

- (क) इस त्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पति में हितबब किसी प्रत्य व्यक्ति द्वारा अश्रोहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सकेंगें।

स्पष्टोकरगः → -इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदां का, जो 'उक्त प्रधितियम', के श्रश्याय 20-क में परिमाधित हैं, वही अर्थ होना जो उन श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/3 हिस्सा दुकान नं० 2568/3 कटरा श्राल्याला बाजार वीका नैरीयां जैपा कि सेल डीड नं० 486/ग्राई 21-5-1979 रिजस्ट्री ग्राधिकारी श्रमृतसर में है।

> एम० एल**० महा**जन सक्षम प्रधिकारी (सहायक श्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज भ्रमृतमर

दिनांक: 11-1-1980

प्ररूप माई० टी० एन०एस०--

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज श्रम्तसर

श्रमतसर, दिनःक 11 जनवरी 1980

निवेण सं० ए० एस० श्रार०/79—80/298—श्रातः मुझे एम० एल० महाजन

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त प्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मल्य 25,000/- ६० से भिक्षक है

भीर जिसकी सं० 1/3 हिस्सा बुकान नं० 2568 कटरा धालूबाला बाजार बीकानेरीमां भ्रमृतसर है तथा जो ग्रमृतसर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबक्ष श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में बर्णित है), रजिस्त्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय ग्रमृतसर में रजि-स्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (190 का 16) के ग्रधीन तारीख मई 79

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक हैं और अन्तरित (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीव ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फन तिमालिखित उद्देश्य स उकत अन्तरण निखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिक नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी भाष या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या धन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः श्रव, उस्त श्रधिनियम, की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-च की उपघारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों श्रर्थात् :-- 1. श्री बनवारी लाल पुत्र कियार नाथ वासी मोगा राहों बहुमनन्द पुत्र बनारसी दाय वासी कटरा श्राल्वाला श्रम्तसर। (श्रन्तरक)

- 2. श्रीमित लिलिता पी० गोईन्का पुत्री प्रशोत्तम लाल कटरा श्रालूबाला हाल माल रोड, निरमल स्वामी श्राश्रम ग्रमृतसर (श्रन्तरिती)
 - जैसा कि सं० 2 पर और किराऐदार (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- यदि भौर कोई व्यक्ति ममें रूची रखता है।
 (वह व्यक्ति जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि
 वह सम्पति में हितबद है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधिया तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील के 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी भ्रन्थ व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिल में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पद्धों का, जो श्रायकर श्रिधिनियम 1961 (1961 का 43) के भाष्ट्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही भाषें होगा जो उस श्रष्ट्याय में दिया गया है।

1/3 भाग दुकान नं० 2568 कटरा ग्राल्वाला बाजार बीकानेरियां श्रमृतसर जैसा कि सेल डीड नं० 498/प्राई० दिनांक 22-5-1979 रजिस्ट्री ग्रिधकारी श्रमृतसर में दर्ज है।

> एम० एल० महाजन सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त, (निरीक्षण), धजन रेंज्रुश्रमृतसर

दिनांक]: 11-1-1980

मोहर :

8-466GI/78

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०-

भायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के भ्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रजीन रोज श्रमृतसा

श्रम्बभर, दिनांक 11 जनवरी 1980

निदेश सं० ए०एस०आर/79—80/299——श्रतः मुझे एम० एल० महाजन

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से प्रधिक है

श्रोर जिसकी सं० 1/3 हिस्सा दुकान नं० 2568 कटरा श्रालूबाला प्रमृतसर है तथा जो श्रमृतसर में स्थित है (ग्राः इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रोर पूर्ण रूप में विजित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय श्रमृतसर में रिजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक मई 1979

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त ग्रिधिनियम के ग्रिधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या धन्य ध्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्राय-कर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं ग्रन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः श्रव, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम की घारा 269-घ की उपघारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रयात्:—

- श्री ब्रयडनन्द्र पुत्र जनारमी वाम वामी कटरा भ्राल-वाला श्रमृतसर । (श्रन्तरक)
- 2. श्रीमित लिलिस पी० गोईन्का परित प्रशोतम लाल वासी माल रोड, निरमल स्वामी श्राश्रम अमृतसर (अन्तरिती)
 - जैमा कि मं० 2 पर श्रीर कोई किराऐदार।
 (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पति है)
 - यदि और कोई व्यक्ति इसमें रूची रखता है।
 (वह व्यक्ति डिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोत्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी भ्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भ्रतिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी भ्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अश्रोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रिधितियम के ग्रब्धाय 20-क में परिभाषित है, वही श्रर्य होगा, जो उस ग्रब्धाय में विया गया है।

अनुस्ची

1/3 भाग दुकान तं० 2538 फटरा स्नालूबाला बाजार बीका-नेरियां प्रगृतसर जैंसा कि सेज डी तं० 499/1 दिनांक 22-5-1979 का रजिस्ट्री अधिकारी समृतसर में दर्ज हैं।

> एम० एल० महाजन नक्षम प्रधिकारी (सहायक श्रायकर ग्रायक्त निरीक्षण) प्रजेन रेंज श्रम्तसर

तारीख: 11-1-1980 मोहर. प्रकप खाई• टी॰ एन॰ एस•---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

भ्रजीन रेंज, श्रमृतसर श्रमृतसर, दिनांक 15 जनवरी 1980

निदेश सं० एएसस्रार/79-80/300--अतः मुझे एम० एस० महाजन

आयश्रद अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उनत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विषयास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूह्य 25,000/- इ० से अधिक है

भीर जिसकी सं० एक घर कोट भक्त सिंह है तथा जो में स्थित है (ग्रीर इससे जिपाबद अनुसूची में भीर पूर्ण रूप में विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय श्रमृतसर में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) श्रिधीन तारीख मई 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिक्षल के लिए प्रन्तरित को गई है और मुझे वह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिक्त से, ऐसे दृश्यमान प्रतिक्त का पन्त्रह प्रतिया से प्रविक्त है और प्रत्यक (प्रन्तरकों) और प्रन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अस्तर्य के लिए त्रयपाया हा। हिक्त विश्वासा उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण जिल्लाका मार्ग हैं ---

- (क) अन्तरण से हुई किसी प्राप की वाबत उसत प्रधिनियम के प्रजीत हर देने के प्रन्तरक के वायिस्व में कमी करते या उससे प्रचने में पुविधा के लिए; भीर/वा
- (ख) हेनी किसी चाप या किसी श्रव या श्रव्य भारितयों को, जिन्हें भारतीय आयंकर प्रवित्तियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त प्रवित्तियम या धन-कर प्रवित्तियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना वाहिए या, खिनाने में सुविधा के लिए;

सत: अब, उनत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उन्त अधिनियम की बारा 269-व की उपधारा (1) अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--

- 1. श्री गुरवीप सिंह पुन्न गुरबचन सिंह वासी कोट भक्त सिंह श्रमृतसर (श्रन्तरक)
- 2 श्री घरगन्तन सिंह पुत्र पूरण सिंह घर नं० 2457 गली नं० 3, कोट भक्त सिंह ग्रमुतसर (ग्रन्तरिती)
 - जैसा कि नं० 2 पर है श्रीर कोई किराएवार (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में संपति है)
 - 4. यदि श्रीर कोई व्यक्ति इस सम्पत्ति में रूचि रखता हो। (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि यह संपति में हितबध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पति ण अर्जन के सम्बग्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भ्रविध या तत्सम्बन्धी क्यक्तियों पर सूचना की तार्माल से 30 दिन की भ्रविध, जो भी भ्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का जो 'उक्त श्रधिनियम', के मध्याय के 20क में परिभाषित हैं, वही अयं होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

प्रनुसूची

एक घर नं० 2457 कोट भक्त सिंह जैसा कि सेल डीड नं० 468/ग्राई दिनांक 18-5-79 रजिस्ट्री ग्रधिकारी ग्रमृतसर में दर्ज है ।

> एम० एल० महाजन सक्षम ग्रिधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, भ्रमृतसर

तारीख: 15-2-1980

प्रारूप आई • टी • एन • एस • —————— भायकर घषिनियम, 1961 (1961 का 43) की खारा 269म (1) के घषीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण)

ग्रर्जन क्षेत्र, ग्रम्तसर

भ्रमृतसर, दिनांक 15 जनवरी 1980

निदेश सं॰ एएसम्रार/79—80/301—म्रतः मुझे एम॰ एल॰ महाजन

भ्रायकर मधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त मधितियम कहा गया है), की धारा 269-च के भ्रधीत सक्षम भ्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- इपए से भ्रधिक है

भीर जिसकी सं० एक घर कोट भक्तसिंह में है तथा जो अमृतसर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कायीलय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भधीन तारीख जून 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) मन्तरण से हुई किसी माय की बाबत उक्त ग्रिध-नियम, के मधीन कर देने के मन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; मौर/या
- (क) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या भ्रनकर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः भव, उक्त ग्रिधिनियम की घारा 269-ग के प्रनु-सरण में, मैं, उक्त ग्रिधिनियम की घारा 269-व की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रचीत्ः—

- 1. श्रीमति कृष्ण कौर पत्नि गुरवचन सिंह वासी कोट भक्त सिंह, ग्रमृतसरी । (ग्रन्तरक)
- 2. श्ररगन्जन सिंह पुत्र पूरन सिंह वासी घर नं० 2457 गली नं० 3, कोट भक्त सिंह, श्रम्तसर। (श्रन्तरिती)
 - 3. जैसा कि नं० 2 पर श्रीर कोई किरायेदार (यह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पर्ति है)
- 4. यदि भौर कोई व्यक्ति इस में भ्रपनी रुची रखता
 हो ।

(बह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पति के हितबद्ध) को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्सबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दि की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं श्रर्थ होगा, जो उस श्रष्टवाय में विया गया है।

अनुसूची

एक घर नं० 2457 कोट भक्त सिंह, अमृतसर जोकि सेल डीड नं० 972/आई० दिनांक 27-6-1979 रजिस्ट्री अधिकारी अमृतसर में दर्ज है।

> एस० एस० महाजन सक्षम प्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, श्रमृतसर

तारीख: 15-1-1980

प्ररूप माई० टी० एन० एस०---

श्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, श्रमुतसर

ध्रमृतसर, दिनांक 9 जनवरी 1980

निदेश सं० एएसग्रार/ 79-80/302--श्रतः मुझे एम० एल० महाजन श्रायकर ऋधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ज के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित से रुपये भ्रधिक बाजार मूल्य 25,000/-ग्रीर जिसकी सं० एक जमीन का टुकड़ा राधा स्वामीरोड ममृतसर है तथा जो भ्रमृतसर में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबक अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता म्रधिकारी के कार्यालय श्रमुतसर में रजिस्ट्रीकरण म्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मई 1979

1908 (1908 का 16) क अधान मद्द 1979
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दूष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दूष्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दूष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या भन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था कियाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के मनुसरण में, नें, उक्त श्रीवनियम की धारा 269-घ की उपचारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:---

- 1. श्री रमेश कुमार पुत्र केशव देव गनेरीवाला, बिर्लिड ग रोड बान्वरा रोड शान्ता कूज बाम्बे ध्रूललिता गोइंका पत्नी प्रसोत्म कृष्ण गोइंका वासी राष्ट्रा स्वामी रोड प्रमृतसर (प्रन्तरक)
- 2. श्रीमती रकेश कपूर पत्नी जगवीश चन्द कपूर ढाब कटिका ग्रमृतसर। (ग्रन्तरिती)
- 3. जैसा कि नं० 2 में है यवि कोई किरायेदार हो तो। (वह व्यक्ति जिसके अधिधोग में सम्पति है)
- 4. यदि कोई व्यक्ति इस सम्पत्ति में रूची रखता हो तो। (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पति में हितबबध् है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्थ व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पटीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रिक्ष-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं ग्रर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक जमीन का टुकड़ा 250 वर्ग गज राधा स्वामी रोड ग्रमृतसर जैसा कि रजिस्ट्रीकृत नं० 318 दिनांक 25-5-79 रजिस्ट्री ग्रधिकारी ग्रमृतसर शहर में है।

> एम० एल० महाजन सक्षटभश्चिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज, श्रमृतसर

तारीख 9-1-1980 मोहर: प्रकृप ग्राई० टी० एन० एस०----

भ्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के भ्रधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज, भ्रमृतसर

श्रम्तसर, तारीख 9 जनवरी 1980

निदेश सं० ् एएसम्रार/ ७१-४०/ ३०३—-म्रतः मुझे एम० एल० महाजन श्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त ग्रह्मिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि प्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित 25,000/- रुपण् से मूख्य श्राधिक है श्रीर जिसकी सं० एक जमीन का टुकड़ा राधा स्वामी रोड भ्रमृतसर है तथा जो भ्रमृतसर में स्थित है श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधि-कारी के कार्यालय श्रमृतसर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मई 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृहय से कम के इश्यमान प्रतिकल के जिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके पृष्यमान प्रतिकल से, ऐसे इस्यमान प्रतिकत का पन्द्रह प्रतिशत से श्राधिक है भौर प्रन्तरक (प्रन्तरकों) श्रौर श्रन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच हेसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उरेषय में उक्त प्रस्तरण जिजित में वास्तविक रूप से कथिस

(क) प्रत्तरण से हुई िक्सी ग्राय की बाबत उक्त ग्रधि-नियम के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के किए; ग्रीर/या

नहीं किया गया है।

(ख) ऐसी जिसी श्राय या किसी घन या श्रन्य श्राहितयों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए:

ग्रतः ग्रव, उन्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनु-सरण में, में, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा के ग्रजीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथीत् :---

- श्रीमित लिलता देवी गोइंका पत्नी परशोत्तम कृष्ण गोइंका, माल रोड श्रमृतसर। (श्रन्तरक)
- 2. श्री मती रमेश कपूर पत्नी जगदीश जन्द्र कपूर ढाइए कटिका श्रमृतसर। (ग्रन्तरिती)
 - जैसा कि नं० 2 में है यदि कोई किराएदार हो तो (बहु व्यक्ति जिसके अधियोग में सम्पति है)
 - 4. यदि कोई व्यक्ति इस सम्पत्ति में रूचि रखता हो तो (वह व्यक्ति जिसके बारें में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबदध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी म्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अबिध या तत्सबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अबिध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्रारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधि-नियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं ग्रर्थ होगा जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अभुसची

एक जमीन का टुकड़ा 250 वर्ग मीटर राधा स्वामी रोड ग्रमृतसर में है जैसा कि रिजस्ट्रीकृत नं० 319 आई दिनांक 5-5-1979 रिजस्ट्री श्रधिकारी श्रमृतसर में है।

> एम० एस० महाजन सक्षम अधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, श्रमृतसर।

तारीख 9-1-1980 मो**हर**ः प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०---

त्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के घंधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर ब्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

भ्रम्तसर, दिनांक 9 जनवरी 1980

निदेश सं० एएसआर/79-80/304--धनः मुझे एम० एल० महाजन

श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत श्रिधिनियम' कहा गया हैं) की धारा 269-ख के अश्रीत सभम श्रिधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सभात्ति जिन्नहा उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक हैं,

भीर जिसकी सं० एक जमीन का टुकड़ा राधा स्वामी रोड श्रम्तसर है तथा जो श्रमृतसर में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध श्रमुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, श्रमृतसर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन मई 1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है भौर मुझे यह विषवास करने का कारण है कि यशापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिषति अधिक है भौर अन्तरक (अन्तरकों) भौर भन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त धिक्ष-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उपने बबने में मुविधा के लिए; श्रीर/या
- (क) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रान्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम या धनकर श्रिधि-नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था खिणाने में सुविधा के लिए;

श्रतः श्रव, उक्त ग्रीधिनियम की धारा 269-ग के भ्रनुसरण में, मैं, उक्त श्रीधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के ग्रीधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- 1. श्री उमेश कुमार पुत्र केशव देव गनेरीवाला सरो विल्डिंग रोड विन्दीरोद शान्ता कूज बाम्बे ध्रू श्रीमति ललीता गोइंका पत्नी परसोत्तम कृष्ण गोइंका माल रोड ग्रमृतसरो (ग्रन्तरक)
- 2. श्रीमित सुनीता पत्नी प्रकाश कुमार, श्रीमित प्रोमिला पत्नी रमेश कुमार, छात्र कटिका ग्रमृतसर । (अन्तरिती) 3. जैसा कि नं० 2 में है यदि कोई किराएदार हो तो ।

(वह ब्यक्ति जिपके अधिमोग में संपत्ति है)

 यदि कोई व्यक्ति इस सम्पत्ति में रूचि रखता हो तो । (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पति में हितवद्ध है)

को पह भूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्मत्ति के श्रर्मन के प्रम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तस्तम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इप सूबना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्यत्ति में हितबा किसी श्रश्य व्यक्ति द्वारा श्रश्चीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पवद्यीकरणः →=इसमें प्रयक्त गांधों और पदों का, जो उक्त ग्राधि-तियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसुची

एक जमीन का टुकड़ा 208 मीटर राधा स्वामी रोड श्रमृतसर जैसा कि रजिस्ट्रोकृत नं० 369/आई० दिनांक 9-5-79 रजिस्ट्री श्रधिकारी श्रमृतसर शहर में है।

> एम० एल० महाजन सक्षम श्रधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेंन रेंज, श्रमृतसर

तारीख 9-1-1980 मोहर: प्रकप जाई॰ टी॰ एन॰ एस॰----

श्रायकर श्रिवित्यम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-च(1) के श्राचीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्र<mark>ज</mark>ीन रेंज, ग्रमृतसर

भ्रमससर, दिनांक 9 जनवरी 1980

निवेश सं एएसम्रार/79-80/305-म् प्रतः मुझे एम० एल० महाजन आयक्तर मिन्नियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाह 'उक्त मिन्नियम' कहा गया है), की द्यारा 269-ज के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने

का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य

25;000/- र० से मधिक है

धौर जिसकी सं० एक जमीन का टुकड़ा राधा स्वामी रोड श्रमृतसर है तथा जो श्रमृतसर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में धौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय श्रमृतसर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन मई 1979

को पूर्वोक्त सम्पन्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के दूर्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूस्य, उसके दूर्यमान प्रतिफल से, ऐसे दूर्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिगत अधिक है भीर प्रस्तरक (प्रस्तरकों) भीर प्रन्तरिती (अन्तरित्तियों) के बीच ऐसे प्रस्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण निक्षित में वास्तिविक कर हे स्थित नहीं स्था यया है ।——

- (स) जन्तरण से दृई तिसी लाय की बाबत, उनत प्रधितिया के प्रधीन कर देने के प्रत्यदक के वासिश्व में कभी करने या उससे बचने में सुविद्या के लिए। भीए/ या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी वन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय धाय-कर धिवितयम, 1922 (1922 का 11) या छन्त धिवितयम, या धन-कर धिवित्यम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा घकट नहीं किया गया वा वा किया धाना चाहिए या, छिपाने में सुविद्या के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, अक्त प्रधिनियम की घारा 269-च की उपघारा (1) के स्थीन, निम्नतिस्ति व्यक्तियों, वर्षात्।—

- 1. श्रीमित लिता गोइंका पत्नी परसोत्तम कृष्ण गोइंका माल रोड श्रमृतसर (श्रन्तरक)
- 2. श्रीमित स्वर्ण कपूर पत्नी जगदीश चन्द, ढाब कटिका मार्फत मेहता स्कूल श्रमृतसर (श्रन्तरिती)
 - 3. जैसा कि नं० 2 में है यदि कोई किराएदार हो तो (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
 - 4. यदि कोई व्यक्ति इस सम्पत्ति में रूचि रखता हो तो (वह व्यक्ति जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

जक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षीप:---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारी का से 45 विन की भविष्ठ या तस्संबंधी अ्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की भविष्ठ, जो भी भविष्ठ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख ने 45 विन के भीतर उन्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब किसी प्रत्य व्यक्ति द्वारा प्रश्लोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्धीकरण: --- इसमें प्रयुक्त गर्व्या घीर पर्वो का, आ उक्त अधि-नियम, के घड्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं धर्म होगा जो उस अडगय में विजा गया है।

प्रनुसूची

एक जमीन का टुकड़ा 208 है स्क्वायर मीटर राधा स्वामी रोड भ्रमृतसर में है। रिजस्ट्रीकृत नं० 368 दिनांक 4-5-1979 को रिजस्ट्री भ्रधिकारी भ्रमृतसर शहर में है।

एम० एल० महाजन सक्षम श्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, ग्रमृतसर

सारी**ख**: 9-1-1980

प्रसप बाई॰ टी॰ एन॰ एस॰----

आयकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म(1) के संधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज, ममृतसर

श्रमृतसर, दिनांक 11 जनवरी 1980

निदेश सं० एएसआर/79-80/306—श्रतः मुझे एम०. एल० महाजन बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त प्रक्षिनियम' कहा गया है), की बारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मस्य

25,000/- द∙ से अधिक है।

और जिसकी सं० प्रापर्टी रेस कोर्स रोड पर है तथा जो अमृतसर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन मई 1979 को

उचित बाजार मुख्य से कम के बुब्यमान

प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है धौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह्व प्रतिकार पछिक है घौर धन्तरक (अन्तरकों) और धन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया नया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उस्त धन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कवित नहीं किया वया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त अधिनियम के भ्रमीन कर देने के भ्रम्तरक के दायित्व में कभी करने या अससे बचने में सुविधा के लिए, और/या
- (ख) ऐसी किसी आब या किसी धन वा प्रम्य ब्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर श्रीविनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रविनियम, बा बन-कर श्रीविन्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नया वा या किया जाना चाहिए वा, जिपाने में सुविधा के जिए;

बत: श्रव, उन्त प्रविनियम की बारा 269-य के अनुसरण में, में, उन्त प्रविनियम की बारा 269-य की उपघारा के (1)अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रवीत्:——
9—466 GI/79

- 1. श्रीमती मान कौर बाबा विडो नानक सिंह वासी दसोंधा सिंह रोड ग्रम्तसर। (अन्तरक)
- 2. श्री दीया सिंह, प्रबजीत सिंह पुतान धनिया सिंह वासी गांव ठठ गढ़ तरन तारन। (श्रन्तरिती)
 - 3. जैसा कि सं० 2 पर श्रीर कोई किरायेदार (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
 - 4. यदि ग्रीर कोई व्यक्ति इस में रूचि रखता हो। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोत्त सम्यक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां मुक्त करता हं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी माखेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाणन की तारी के के 45 दिन की घविष्ठ या तस्सम्बन्धी क्यक्तियों पर सूचना की तामी के से 30 दिन की घविष्ठ, जो जी धविष्ठ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवस् किसी सन्य व्यक्ति द्वारा, सक्षोइस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण--इसमें प्रयुक्त कड़ों और पर्शेका, को उक्त व्यक्षिमयम के घड़्याय 20-क में परिभावित हैं, वही प्रवं होता को उस प्रव्याय में विका वक्त हैं।

अनुसूची

एक कोठी नं 2 रेस कोर्स रोड (एरिया 837 वर्ग गज) जैसा कि सेल डीड नं 449/ग्राई० दिनांक 2-5-1979 रजिस्ट्री श्रधिकारी अमृतसर में दर्ज है।

> एम० एल० महाजन सक्षम ग्रिधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, ग्रमृतसर

दिनांक 11-1-1980 मोहर:

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

श्रजैन रेंज, श्रमृतसर

श्रमृतंसर, दिनांक 11 जनवरी 1980

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'छक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-अ के प्रधीन सद्धम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका चित्त बाबार मूख्य 25,000/- वपए से प्रधिक है

भीर जसकी सं० एक गोडाउन तरन तारन पर है तथा जो अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय तरन तारन में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन मई 79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिये घन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि स्वापूर्वोक्त सम्पत्ति का विवत बाजार मूल्य, उंखके वृश्यमान प्रतिफल ने, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पण्डह प्रतिकत अधिक है और अन्तरक (धन्तरकों) भीर धन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के शिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नांशिवत उद्देश्य से उच्त धन्तरेख शिवित में वास्तिवक कप से किंवत नहीं किया गया है:—

- (क) भन्तरण से हुई किसी माय की वाबत, उक्त व्यक्तियम के मधीन कर देने के मन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविक्षा के सिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी अन या अन्य भास्तियों को जिन्हों भारतीय जीय कर भिष्ठितियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधितियम या धन-कर भिष्ठितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्क अन्तरिती हारा प्रकट नहीं किया गया का या किया जाना का हिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः धव, उन्त धिवियम की धारा 269-म के धनुसरण में, में, उन्त धिधिनियम की धारा 269-च की उपवारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:---

- 1. श्री किशन चन्द, राम चन्द पुत्र स्वर्गीय विशन दास वासी तरन तारन। (श्रन्तरक)
- 2. श्रीमती नन्द रानी विधवा स्वर्गीय श्रींकार नाथ वासी कटड़ भाई सन्त सिंह श्रमृतसर (श्रन्तरिती)
 - 3. जैसा कि सं० 2 में है श्रौर कोई किराऐदार हो तो (वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)
 - 4. यदि श्रौर कोई व्यक्ति इस रुची सम्पत्ति में रखता हो तो (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबब है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पति के अर्जन के संबंधमें कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 48 विन की सबिब या तस्त्रं की व्यक्तियों पर सूचना की तामी से 30 विन की सबिब, जो भी सबिब बाद म समाध्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (ख) इस मूचना के राजनंत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 विन के भीतर उन्त स्थावर सम्पत्ति में हिसवड किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, प्रक्षोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का सकेंगे।

श्पव्यीकरणः --इसमें प्रयुक्त शब्दों मीर पदों का, जो उक्त ममिनियम, के मध्याय 20-क में परिभः वित है, यही अर्थ होगा, जो उस मध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक गोडाउन नं० 289/636 श्रीर 269/569 सरन तारन में जैसा कि सेल डीड नं० 1280 दिनांक/2/5/5/79 जैसा कि रजिस्ट्री ग्रधिकारी तरन तारन में वर्ज है।

> एम० एल० महाजन सक्षम श्रविकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज, ग्रमृतसर

तारीख ः ुँ11-1-1980 मोहरः |

सारत तरकार

कार्यांलय, सहायक घायकर घायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, घमूतसर घमृतसर, दिनांक 16 जनवरी 1980

निवेश सं० एएसमार/79-80/308-मतः मुझे एम० एल० महाजन पायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त ग्राधिनियम' कहा गया है), की बारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाचार मृल्य 25,000/- र० से अधिक है भीर जिसकी सं० कृषि भूमि गांव रख जीता में है तथा जो भ्रमृतसर में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध भ्रमु-सूची में ग्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय बाबा बकाला में रजिस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख मई 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुरूप से 😎 म के बृश्वमान प्रतिकास के सिए भन्तरित की गई है भीर कूबे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पक्ति का अक्ति बाजार मृख्य, उसके बुवयमान प्रतिपास से, ऐसे बुवयमान प्रतिपास का पन्त्रह प्रतिशत प्रधिक है, भीर यह कि पन्तरक (अन्तरकों) भीर-भक्तरिती (अमारितियों) के बीच ऐसे अम्बर्च के सिए तब पाथा पना प्रतिप्रस, निम्नसिश्चित उद्देश्य वे उन्त बन्तर्य सिबित में बास्तविक कप से कवित नहीं किया बढ़ा 🛔 🛶

- (क) धन्तरम से हुई किसी धान की नामस, उपत प्रश्चिम निवम, के ध्यीन कर देने के सन्तरक के दावित्य में कमी करने या उससे नचने में सुविशा के बिए। धौर/वा
- (ब) ऐसी किसी माय या किसी बन सा मन्य मास्तिकों को जिन्हें जारतीय माय-कर बिधिनवम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या धन-कर मुझिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रकोजनार्थ बन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया वया वा या किया जाना जाहिए जा, जियाने में सुविधा के किए;

श्रवः, धव, उस्त पश्चितियम की धारा 269-न के अनुसरण में, में, उस्त ब्रिजियम की बारा 269-च की उपबारा (1) के ब्रिडीन, निक्तश्विचित व्यक्तियों, बर्चात्।—

- 1. श्रीमति ईशर कौर विधवा बीर सिंह गांव बुन्डाला तह० स्रमृतसर। (भ्रन्तरक)
- 2. श्री सुबा सिंह पुत्र गुज्जर सिंह जंडियाला गुरू भ्रमृतसर। (श्रन्तरिती)
 - 3. जैसा कि नं० 2 में है और यदि कोई किराऐवार हो तो (वह व्यक्ति जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)
- 4. यदि कोई व्यक्ति इस सम्पत्ति में रूचि रखता हो तो ।

(वह व्यक्ति जिनके बारे में मधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यहसूबनाजारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के सर्थन के लिए कार्यवाहियां करता है।

जनत सम्पत्ति के स्कृत के सम्बन्ध में कोई भी साक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राज्यक्त में प्रकासन की तारी का से 45 दिन की धविध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामी के 30 दिन की धविध, को भी धविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी स्पक्ति द्वारा;
- (ख) इस पूचना के राजपद में प्रकाशन की तारीज से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वितवद्ध किसी भ्रम्य म्यक्ति द्वारा, भ्रभोद्दस्तावारी के पास निजात में किए वा सकेंगे।

स्वकाशिकरण ।---इसमें प्रमुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त शक्षितिसम्, के सम्माय 20-क में परिभाषित है, नहीं अर्चे होसा को इस धक्याय में दिया गया है।

घनुसूची

कृषि भूमि 229 कनाल 1/4 भाग 57 कनाल 5 मरला गांव रखणीता में है। जैसा कि रजिस्ट्रीकृत नं० 265 दिनांक 3-5-1979 रजिस्ट्री श्रधिकारी बाबा बकाला में है।

> एम० एल० महाजन सक्षम श्रविकारी सहायक ग्राक्यर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज, ग्रमृतसर

तारीख: 16-1-1980

प्ररूप चाई० टी० एन० एस०---

भायकर भिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-म (1) के भिधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज, ग्रमृतसर

अमृतसर, दिनांक 11 जनवरी 1980

निदेश सं० एएसम्रार/79-80/309-म्नतः मुझे एम० एल० महाजन

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द० से अधिक हैं

प्रौर जिसकी सं० गोडऊन नं० 289/636 प्रौर 269/569 तरन तारन है तथा जो तरन तारन में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में घौर पूर्ण रूप में विणत है), रिजस्ट्री-कर्ता प्रधिकारी के कार्यालय तरन तारन में रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन मई 1979 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृष्यमान प्रतिफल के लिए घन्तरित की गई है और मृमे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत प्रधिक है भौर घन्तरक (घन्तरकों) धौर घन्तरिती (प्रन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) धन्तरण से हुई किसी घाय की बाबत उक्त घछि-नियम के घष्टीन कर देने के घन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; घौर/या
- (च) ऐसी किसी धाय या किसी धन या धन्य धास्तियों को, जिन्हें श्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, भव, उक्त ग्रिधिनियम, की धारा 269-ग के भ्रनुसरण में, में, उक्त प्रिधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीम, निम्निसिखत व्यक्तियों अर्थात् :---

- 1. सर्वे श्री कृष्ण धन्द, राम चन्द, पुत्र बिशन दास तरन तारन। (ग्रन्तरक)
- 2. श्रीमित राज रानी परिन स्वर्गीय बिहारी लाल ममृतसर । (ग्रन्तरिती)
 - जैसा कि सं० 2 में है श्रौर यदि कोई किराऐदार
 (वह व्यक्ति जिसके श्रिधिभोग में संपत्ति है)
 - 4. यदि भीर कोई व्यक्ति इस सम्पत्ति में रूची रखता हो। {(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी आनता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 4.5 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 3.0 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों भौर पदों का, जो उक्त धिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही भ्रथं होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

गोडाउन नं० 289/636 और 269/569 तरन तारन में जैसा कि सेल डीड नं० 1279 दिनांक 25-5-79 जैसा कि रिजस्ट्री ग्रिश्वकारी तरन तारन में दर्ज है।

> एम० एल० महाजन सक्षम घधिकारी सहायक घायकर घायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, घमृतसर

ता**रीख:** 11-1-1980

प्ररूप धाई• टी• एन॰ एस०---

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, ग्रमृतसर ग्रमृतसर, दिनांक 17 जनवरी 1980

निदेश सं० बाबा बकाला 79-80/310 - प्रतः मुझे एम० एल० महाजन

प्रायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रश्चात् 'उकत प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास, करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द॰ से प्रधिक है भीर जिसकी सं० कृषि भूमि रख चीते तसील ग्रमृतसर है तथा जो ग्रमृतसर में स्थित है (ग्रीर इससे उपावस श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय सब तहसील बाबा बकाला में रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन मई 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए घरतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का करण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से बाधिक है भीर घन्तरक (अन्तरकों) और घन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिशित वहेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक कप से शिवत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त आधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिश्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय का किसी धनया प्रन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) का उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाय अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्न प्रविनियम की बारा 269-ग के बनुसरण में, मैं। उक्त प्रविनियम की बारा 269व की उपबादा (1) के अवीन, निम्निखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- श्री गुरचरन सिंह, गुरबक्श सिंह पुर धन्ना सिंह बासी अम्बे गली धन्ना सिंह मुखतार ग्राम वासी ग्रमृतसर (भ्रन्तरक)
- 2. श्री बलकार सिंह पुत्र दरशन सिंह गांव ठठी तहसील श्रम्तसर (श्रन्तरिती)
 - 3. जैसा कि सं० 2 पर श्रीर कोई किराऐदार (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपति है)
 - 4 यदि भीर कोई इसमें रुचि रखता हो। (वप व्यक्ति, जिनके बारे से अद्योहस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में हितबसहै)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर छक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किनी अन्य व्यक्ति द्वारा मधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वच्छीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पर्दो का, जी उक्त अधिनियमः के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

कृषि भृमि 78 कनाल 8 मरला गांव रख भोते जैसा कि सेल डीड नं० 318 दिनांग्र 15-5-1979 रिजस्ट्री ग्रिध-कारी सब तहसील बाबा बकाला में दर्ज है।

> एम० एल० महाजन सक्षम ग्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (नि क्षिण) ग्रजैन रेंज, श्रमुक्सर

तारीख: 15-1-80

प्ररूप आई० टी० एन० एस०--

पायकर प्रवित्यम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के ध्रवीन सूचना

पारक सरकार

कार्यांक्य, सहायह धायकर **धायक्त (निरीक्षण)**

भ्रर्जन रेंज, कलकला

कलकत्ता, दिनांक 19 नवम्बर 1979

निर्देश सं० एसि० 90एक्यू०आर०-IV/कल०/79-80—यतः, मुझे, एस० के० दास गुप्ता आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि

स्थावर संपति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- **६०** से अधिक है

भौर जिसकी सं० वार्ड नं० XVI है, तथा जो ध्यामा प्रसाद मुखर्जी रोड, सिलिगुरि में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में थ्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, सिलिगुरि में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 3-5-1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उणित बाजार मूक्य से कम के दृश्यमान प्रतिक्षल के लिए प्रस्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है दि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उणित बाजार मूक्य, उसके दृष्यमान प्रतिकल ऐसे, दृष्यमान प्रतिकल का पण्डह प्रतिक्षत अधिक है और सम्तरक (अन्तरकों) भीर प्रम्तरितों (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रम्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिकत्त निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त प्रम्तरण लिखित में वास्तिककः न कथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उनत प्रक्रिः नियम के भ्रधीत कर देने के प्रस्तरक के दापिएन में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के बिए; भी प्रीया
- (ख) ऐसी किसी शाय या किसी अन या अन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिष्टिनियम, या अन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना थाहिए वा, छिपाने में मुविधा के लिए;

अतः भव, उन्त भिवित्यम, की बारा 269-म के बनुसरण म, में, उन्त भिवित्यम की बारा 269-म की उपवारः (1) के अधीन, निम्ननिवित व्यक्तियों, भर्मात्।— श्री ताराचन्द ग्रग्रवाल

(भ्रन्तरक)

2. श्री सुरेन्द्र भग्रवाल

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के प्रार्थन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:---

- (त) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की धनिधिया तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविध, जो भी धविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशक की तारी का से 45 बिन के मीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी भन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एपडटोक्तरग: --इसमें प्रयुक्त लडदों झौर पक्षों का, जो उक्त अधिनियम के झड्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्च होगा जो उस झड्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

श्यामा प्रसाद मुखर्जी रोड, पी० एस० सिलिगुरि, जिला वार्जिलिंग में 0.85 एकर जमीन के साथ मकान का सब कुछ जैसे 1979 का दखील सं० 2858 में ग्रीर पूर्ण रूप वर्णित हैं।

> एस० के० दास गुप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, कलकत्ता-16;

तारीख : 19-11-1979

प्रकृप भाई • टी • एन • एस • ------

आयकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-च (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर धायुक्त (निरीक्षण)
धर्जन रेंज-IV; कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 19 नवम्बर 1979

निर्वेश सं० सि० 89/रेंज- |कल०|1979-80—यतः, मुझे, एस० के० दास गप्ता,

कें ० के ० वीर धायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-चा के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूह्य 25,000/- ६० से प्रधिक है

भौर जिसकी सं० वार्ड नं० XVI है, तथा जो श्यामा प्रसाद मुखर्जी रोड, सिलिगुरि में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, सिलिगुरि में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 5-5-1979

(1908 का 16) क अधान, ताराख 5-5-1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया, प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया:—

- (क) अन्तरण सें हुई किसी आय की बाबत, उक्त विधिनयम, के मधीन कर देने के मन्तरक के दायस्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; धौर/या
- (ख) ऐसी किसी आप या किसी धन या प्रत्य प्रास्तियों को, जिन्हें धायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के निए;

अतः भन, उपत बिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, में, उपत प्रधिनियम की बारा 269-म की छपबारा (1) के भ्रधीन, निक्निविद्या व्यक्तियों, अर्वात् :--- 1. श्री तारा चन्द ग्रमचाल

(अन्तरक)

2. श्री रविन्द्र धग्रवाल

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोका सम्वित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी आक्रोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारी के से 45 दिन की धविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धविध, को भी धविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीका से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भन्य ध्यक्ति द्वारा भ्रष्टोहरूताक्षरी के पास जिख्यत में किए जा सकींगे।

स्पव्डीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पर्वो का, को उन्नत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित है, वही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

श्यामा प्रसाद मुखर्जी रोड, पी० एस० सिलिगुरि, जिला दार्जिलिंग, में 0.85 एकर जमीन के साथ मकान का सब कुछ जैसे 1979 का दलील सं० 2947 में और पूर्ण रूप से वर्णित है।

> एस० के० दास गुप्ता सक्षम श्रविकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-IV, कलकता-16

तारीख 🕆 19-11-1979

प्रकप भाई • टी • एन • एस •

माबकर मिविनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा

269-प(1) के मधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर भायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-IV, कलकसा

कलकत्ता, दिनांक 26 नवम्बर 1979

निर्देश स० सि० 92 रेंज-IV/कल०/1979-80—यतः, मुझे, एस० के० वास गुप्ता,

आयकर ग्राधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत ग्राधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृक्य 25,000/-वपये से ग्राधिक है

भौर जिसकी सं० 47/बि० है, तथा जो के० एन० सि० रोड, बारासट में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिष्ठकारी के कार्यालय, बारासट में रजिस्ट्रीकरण श्रिष्ठनियम, 1980 (1908 का 16) के श्रिष्ठीन, तारीख 30-5-1979

16) के प्रधीन, तारीख 30-5-1979
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूश्यमान
प्रतिकत्त के लिए धन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यवापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके वृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिकल का
पण्डह प्रतिकत से प्रधिक है भीर धन्तरक (धन्तरकों) धौर
धन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिकत, निम्निसित्ति उद्देश्य से उक्त अन्तरक
बिखित में बास्तिक कप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) धन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त प्रधिनियम के अधीन कर देने के भन्तरक के दायिस्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा चे किए; भौर/या
- (ख) ऐसी फिसी भाग या किसी धन या अन्य भाक्तियों

 के जिन्हें भारतीय भागकर प्रधिनियम, 1922
 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, बा
 धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)
 के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
 गया था या किया जाना काह्मिए था, छिपाने में
 मुनिधा के लिए;

भतः अब, उस्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के प्रमुखरण में, मैं, उस्त प्रधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:— श्री देवन्नत साधुखां, स्वपन कुमार साधुखां एवं नब कुमार साधुखां

(भ्रन्तरक)

2. श्री सुनील कुमार दास, एवं श्रीमती जे० दास (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के घर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की घनिध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की घनिध, जो भी घनिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण : इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त भिक्षित्यम, के भ्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही भर्ष होगा जो उस भ्रष्ट्याय में दिया वया है।

प्रनूस्ची

47/बी, के० एन० सी० रोड, थाना—बारासट में 3 1/4 डेसी० जमीन का साथ मकान का सब कुछ जैसे 1979 का विलल सं० 3541 में ग्रौर पूर्ण कुरूप से वर्णित हैं।

> एस० के दास गुप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त, (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज=IV; कलकत्ता-16

तारीख: 26-11-1979

मोहर 🛭

प्रकप धाई॰ टी॰ एन॰ एस॰----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-व (1) के घंधीन सूचना

भारत सरकार

क वालय, सहाय क आयकर बायुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज-II, कलकत्ता कलकत्ता, दिनांक 26 नवम्बर 1979

निर्देश सं० सी० 46/आर-II कल०/79-80----यतः, मुझे, एस० के० दासगुप्ता,

आपकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के सबीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का सारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/-रु० से स्थाक है

मीर जिसकी सं० 153 है, तथा जो मौजा—ईस्ट कुलिया में स्थित है (भीर इससे उपावक अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय डिस्ट्रिक्ट रजिस्ट्रार, आलिपुर में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख 31-5-1979 की र्वावत समाति के अवित साजार मूच्य न कम के बृध्यमान रितिक्ल के लिए पन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त मम्पत्तिका उच्चित साजार मूच्य, उसके बृध्यमान प्रतिकल से, ऐसे वृध्यमान प्रतिकल का पम्बह प्रतिगत से अविक है और पग्तरक (जग्तरकी) और पन्तिकी (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के निए तय पाया गया प्रतिक फल निम्नसिक्त उद्देश्य से जन्त मन्तरण निकात में वास्तावक छप से कथित नहीं सिया गया है:—

- (क) मन्तरण से हुई किसी मान की नानत उपत निध-नियम, के घंधीन कर देने के मन्तरक के वाजित्व में कमी करने मा उसते नजने में बृतिश के निए। चौर/या
- (भ) ऐसी किनी बाब या किना अा वा अन्य घास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनिवन, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियन, या धन-कर भिवित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तिरधी द्वारा प्रकट नहीं किया गणा था या किया जाना चाहिए या, क्रिपान में सुविधा के लिए;

अतः अव, उन्त अधिनियम की द्यारा 269-ग के प्रमु-सरण में, में, उन्त अधिनियम की द्यारा 269-म की उपवारा (1) के अधीन निम्निखिता व्यक्तियों, अद्यति।—— 10—446GI/79 1. श्री वलाई चन्द मोष

(प्रन्तरक)

2. श्री श्रजित कुमार घटक

(प्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी चरके पूर्वीयत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शरता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूबना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधों व्यक्तियों पर सूबना की तामील से 30 दिन की धविधि, जो भी धविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्वावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य अपनित द्वारा, अधोहरूत क्षरी के पास बिक्वित में किए जा सकेंगे।

रपब्लीकरण !--इसमें प्रयुक्तः शब्दों भीर पवों का, जो उक्त अधिनियम के श्रव्याय 20-के में परिभावित है, वही अर्थ होगा, जो उस धव्याय में दिया गया है।

अनुसूची

Land measuring 2-cottahs, 3-chittaks and 11-sq. ft. under Mouza East Kulia, Touji No. 2833, Holding No. 61 under Calcutta Corporation, 153, Beliaghata Main Road, Calcutta-10.

> एस० के० दास गुप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक घायकर घायुक्त (निरीक्षण) जैन रेंज-II, कलकत्ता

तारीच : 26-11-1979

प्ररूप श्राई विटिश्त एन० एस०---

म्रायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के मिधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज I, कलकत्ता

कलकत्ता-16, दिनांक 30 नवम्बर 1979

निर्देश सं० 519/टी० श्रार०-22/एसी-22/कलकत्ता-1/79-80—यतः, मुझे, जे० वी० एस० जुनेजा, श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिमका उचित बाजार मूख्य 25,000/- रुपए से श्रिधिक है

भ्रौर जिसकी सं० 55 है, तथा जो निलिन गाँट रोड, कलकत्ता में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 9-5-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त प्रधिनियम के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसस बचने में सुविधा के लिए; भ्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अय उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनुसरण मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपचारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथीत्:— श्री महेन्द्र कुमार शेथी

(प्रन्तरक)

2. श्रीपुखरात सेथी

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ध्रजैन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई मी श्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जौ भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 4,5 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवज्ञ किसी अन्य अपिन द्वारा, प्रश्लोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रौर पदों का, जो उक्त ग्रधिनियम के ग्रध्याय-20 के में यथा परिभाषित है, वही ग्रर्थ होगा जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

छ: मजिला मकान नं० 55 निलनी सेठ रोड, कलकत्ता, उसके साथ 4कोट्टा 43 स्वेयर फीट भूमि का श्रविभक्त 1/4 हिस्सा रजिस्ट्रार श्राफ एस्योरेन्स के सामने रजिस्ट्री किया गया है। डीड नं० 2561 तारीख 9-5-1979।

जे० वी० एस० जुनेजा, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज-1, कलकत्ता-16

तारीखा : 30-11-1979

प्ररूप माई० टी० एन० एस०--

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, कलकत्ता कलकत्ता-16, दिनांक 18 दिसम्बर 1979

निर्देश सं० ए० सी०-50आर०-II कल०79-80 — यतः, मुझे, एस० के० दासगुप्ता,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चास् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर भम्पत्ति जिगका उचित बाजार मृत्य 25,000/- ६० से प्रधिक है

भौर जिसकी सं० पी-39 है, तथा जो राष्ट्र गुरु एवेन्यू, कलकत्ता, में स्थित है (श्रौर इससे उपायद्ध भ्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, सब-रजिस्ट्रार भाफ एस्योरेन्सेस में रजिस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, तारीख 14-5-1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और प्रन्तरित को प्रदेश प्रतिशत से प्रधिक है और प्रन्तरित (प्रन्तरित) प्रौर प्रन्तरिती (प्रन्तरित) के बीव ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रनरण निचित में वास्नितिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भ्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य श्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धनकर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) से प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुशिधा के लिए;

भ्रत: ग्रन, उन्त प्रधिनियम, की त्रारा 269-ग के प्रनुसरण में, मैं उन्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ब्राचीन निम्नलिखित स्यक्तियों प्रधीत् :--- 1. श्रीमती कनिका सिन्हा राय

(अन्तरक)

2. श्रीमती प्रनती बनर्जी

(प्रन्तरिती)

को यह मुवना जारी करके पूर्वोक्त सम्मित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रार्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की नारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भोतर पुत्रीका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की नारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिनबद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा प्रश्रोहरनाभरों के पात निखित में किए जा मर्केंगे।

स्पद्धों करण : -- इपमें प्रयुक्त गञ्दों ग्रीर पदों का, जी उक्त ग्रिधिनियम के श्रध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वही ग्रामें होगा जो उन प्रश्नाय में दिया गया है।

अनुसूची

पी-39, राष्ट्र गुरु ऐवेन्यू, कलकत्ता-28, होल्डिंग सं० 3, साउथ दमदम म्युनिसिपलिटी, जमीन का परिमाण—— 6 कट्ठा 304 स्क्वेयर फीट ।

> एस० के० दास गुष्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त क्रिकेस्ता 1,6

तारींब : 18-12-1979

प्ररूप माई• टी॰ एन॰ एस॰--

भायकर भिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के भधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेज-I, कलकत्ता

कलकत्ता-16, विनांक 19 विसम्बर 1979

निर्वेश सं० 520/टी आर-27/सी-27/कल०-1/79-80 — यतः, मृझ, एस० के० दासगृप्ता,

भायकर भिष्ठित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'जनत अधितियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/— रुपये से भिष्ठक है भीर जिसकी सं० 28 है तथा जो क्रीक लेन में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 18-5-1979

को पूर्वोक्त सम्य के उत्वत बाजार मूल्य से कम केति ब्रुष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का उत्वत बाजार मूल्य, उसके द्रुष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बाक्तिक उप से किवा फिया गया है:—

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी भाग की बाबत अवल भवि-नियम, के भधीन कर देने के भन्तरक के बायित्व में कमी करने या अससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य भास्तिमों को, जिन्हें भारतीय भायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त भिधिनियम, या धनकर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए वा जिपाने में

: ग्रत:, ग्रव, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के अभु-सरण में, में, उक्त ग्रधिवियम की धारा 269-व की उपधारा (1)-के ग्रधीन निक्नलिखित व्यक्तियों, ग्रयाँत:— 1. श्री गोविन्द चन्द्र दस्त

(धन्तरक)

2. श्री तपन कुमार सिकदर

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जनत सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ध्रवधि, जो भी भ्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति से हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रधि-नियम के श्रष्टयाय 20-क में परिभाषित है, वही श्रथ होगा, जो उस श्रष्टयाय में दिया गया है।

अनुसूची

28, नं का लेन, कलकता में भ्रवस्थित 2 कट्टा 2 छटाक 24 वर्ग फिट, जमीन जो डीड नं 1-2735 भ्रनुसार 18-5-79 तारीख में रजिस्ट्रार भ्राफ ऐस्योरेंसेस के भ्राफिस में रजिस्ट्री हुमा।

> एस० के० दासगुप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रोज-1, कलक ता-16

तारीख: 19-12-1979

प्ररूप माईं० टी० एन० एस० -----

प्रायकर मधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यातम, सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज 1, कलकत्ता कलकत्ता-16,दिनांक 31 दिसम्बर 1979

निर्देश सं० 522/दी० श्रार०-29/79-80---यतः, मुझे, श्राई० वी० एस० जुनेजा,

आप कर अधिनियन, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्भत्ति, जिसका खिनत बाजार मूल्य 25,000/ रुपये से अधिक है

और जिंसकी सं० 24/2 है, तथा जो सरीफ लेन, कलकत्ता-16 में स्थित है (श्रोर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रोर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, कलकता में रिक्रिंस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 22-5-1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तिति की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से श्रधिक है और प्रन्तरित (प्रग्तिरितयों) के बीव ऐसे अन्तरण के लिए तम पाम गमा प्रतिफल निम्नलिखित उश्य से उक्त प्रान्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण पंतुई किमी आय की वाबत, उन्त स्रिष्ठ-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उत्तसे बचने में मुविधा के लिए; और/या
- (ब) ऐसी किसी पाय या किसी धन या प्रस्य प्रास्तियों को, जिस्हें भारतीय धायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या प्रन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रनारिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जामा चाहिये था, खिपाने में मुविद्या के लिए;

ग्रतः मव, उक्त मधिनियम की धारा 289-ग के अनुसरण में, म, उक्त मधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के ग्रमीन, निम्निसिखत व्यक्तियों अर्थात्:— 1. श्री मोहमद भ्रगरफ

(भ्रन्तरक)

1. श्रीगुलाम रसूल

(मन्तरिती)

को यह सुवना जारी करके पूर्वीका सम्पत्ति के प्रार्वन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत परनित्त के श्रर्जन के तस्त्रत्ध में कोई भी श्रक्षोप :→→

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीनर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्थ काक्ति द्वारा श्रवीहरूनाक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्यब्दोकरण:→-इसमें प्रयुक्त सब्दों श्रौर पदों का जो उक्त श्रधि-नियम के श्रष्टयाय 20क. में परिभाषित हैं वहीं श्रर्थ होगा जो उन श्रष्टयाय में दिया गया है।

अनुसूची

जार मंजिला मकान नं० 24/2 शरीफ लेन, कलकता उसके साथ 6 क० 3छ 5स्के० फीट जभीन का दस पैसा हिस्सा रिजंस्ट्रार ग्राफ एस्योरेन्स के सामने रिजस्ट्री किया गया है। डीड नं० 2810 तारीख 22-5-1979।

> भाई० बी० एस० जुनेजा सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज-1, कलकत्ता-16

ता**रीज** : 31-12-1979

प्रक्य धाई • टी ॰ एत • एस • —

आयकर अविनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 296-व (1) के प्रधीन सुवना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ब्रायकर ब्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, कलकत्ता कलकत्ता-16, दिनांक 31 दिसम्बर 1979

निर्देश सं० 523/टी० श्रार०-30/79-80—स्यतः, मुझे. श्राई० वी० एस० जुनेजा,

आयकर पिंबनियम, 1981 (1981 का 43) (जिसे इसमें इसके गरवात् 'उनन मिंबनियम' कहा गया है), की धारा 269-थ के मधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका छवित बाजार मृह्य 25,000/- व+ से मधिक है

श्रीर जिसकी सं० 24/2 है, तथा जो सरीफ लेन, कलकत्ता-16 में स्थित है (श्रीर इससे उपायद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में रिजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 22-5-1979

- को पूर्वोक्त समाति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त मध्यति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूष्यमान प्रतिफल से. ऐसे दूष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिगत से अधिक है और प्रस्तरक (अन्तरकों) धोर अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त प्रस्तरण लिखित में वास्तिक कप से कथित नहीं किया गया है:—
 - (क) अस्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त प्रचितियम के प्रधीन कर वेने के अस्तरक के दायित्व में कभी करने वा उससे अवने में सुविधा के लिए; भीर/या
 - (ख) ऐसी किसी बाय या किसी बन या ग्रम्थ प्रास्तियों को जिन्हों मारतीय मायकर घ्रिविनयम, 1922 (1922 का 11) या उपत घ्रिविनयम, ग्रा धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया ग्रम था या किया बाजा बाहिए था, छिपाने में सुविधा के बिए,

अतः अब, उन्त धिधनियम की धारा 269-ग के अनुसरच में, मैं, उन्त अधिनियम की धारा 269-म की उप-बारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

1. श्री मौहमद अगरफ

(भन्तरक)

2. हुमायरा खातून

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन क सम्बन्ध में कोई भी बाजोप:-

- (क) इस पूजना के राजपत्र में प्रकाशन की वारी का से 45 दिन की धविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की वामील से 30 दिन की धविष, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना कें राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिश के भीतर उक्त स्थाबर सम्पक्त में हितबढ़ किसी भ्रम्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकारी के पास लिखिल में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण: --इनमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो जक्त अधिनियम के भड़वाय 20-क में परिभाषित है, बढ़ी भर्ष होगा, जो उस सहयाय में दिया गया है।

अमुसूची

चार मंजिला मकान नं० 24/2 शरीफ लेन, कलकत्ता उसके साथ 6 क० 3 छ० 5स्वे० फीट जमीन का बीस पैसा हिस्सा रिजिस्ट्रार श्राफ एस्योरेन्स के सामने रिजिस्ट्री किया गया है । श्रीष्ठ नं० 2809 तारीख 22-5-1979 ।

ग्नाई० वी० एस० जुनेजा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, कलकला-16

तारीख : 31-12-1979

प्रकृप भाई • ही • उन • एस • ---

पायकर ग्रीविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्राचीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहामक आयक्तर बायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-1, कलकत्ता

कलकत्ता-16,दिनांक 31 दिसम्बर 1979

निर्वोग सं० 524/टी० श्रार०-31/79-80—यतः, मुझे, श्राई० वी० एस० जुनेजा,

भायकर भिष्ठितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत भिष्ठितियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के भिष्ठीत सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर मन्यत्ति, जिसका उचित बाजार मृथ्य 25,000/- रुपये से अधिक है

भ्रोर जिसकी सं० 24/2 है, तथा जो भरीफ लेन,कलकत्ता-16 में स्थित है (भ्रोर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भ्रोर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिनारी के कार्यालय, वलक्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 22-5-1979

को पूर्वोक्त नमाणि के उचित बाबार मूल्य से कम के बृश्यमान अतिकल के लिए प्रस्तरित को नई है घोर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि प्यापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाबार मूला, उसके बृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिशन से प्रसिक है बौर प्रस्तरक (प्रश्तरकों) घौर अन्तरिती (प्रस्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य के उच्त प्रस्तरण लिखित में वास्तविक कप से कवित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त अधिनियम के प्रभीन कर देने के अस्तरक के वायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के निए; श्रीर/मा
- (ख) ऐसी किसी प्राय ना किनी धन या पन्य धारितयों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर प्रधितियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त घधितियम, या धन-कर घाँवित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. खिपाने में सुविधा के लिए;

धतः अन, उनत ग्राविनियम की धारा 269-म के धनुसरक में, में, उनत ग्राविनियम की धारा 269-म की उपवारा (1) के अधीन, निम्ननिवित व्यक्तियों, अर्थात्:--- 1. श्री मोहभद शशरफ

(भ्रन्तरक)

श्री भ्रब्दुल कोयायुम

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के सर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवित, या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविष जो भी भविष बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूचीका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हार;
- (ब) इप सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य स्थक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिखित में किए जा सकेंगे।

स्वब्डोकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त ग्रिधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित है. कही ग्रंथ होगा जो उस ग्रध्याय में विया गया है।

अनुसूची

चारमं जिला मकान नं० 24/2 शरीफ लेन, कलकला उसके माथ 6 क० 3 खा० 5 फीट जमीन का दस पैसा हिस्सा रिजस्ट्रार ग्रॉफ ऐस्पोरेन्स के सामने रिजस्ट्री किया गया है। डीड नं० 2808 तारीख 22-5-1979।

श्राई० बी० एस० जुनेजा सक्षम प्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, क्लकत्ता-16

लारीख: 31-12-1979

प्ररूप आई• टी• एन• एस•-----

आयकर मिविनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-च (1) के मिबीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-1, कलकत्ता

बाजार मृत्य 25,000/- चपमे से धिष है

कलकत्ता-16, दिनांक 31 दिसम्बर 1979

निर्देश सं० 525/टी० द्यार०-32/79-80—यतः, मुझः, द्याई० वी० एस० जुनेजा, प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-खं के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका इचित

भौर जिसकी सं० 24/2 है, तथा जो गरीफ लेन,कलकता-16 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूत से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलवत्ता में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 22-5-1979

को विश्वास सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान प्रक्षिकत के लिए भन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से ऐसे बृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिज्ञत से प्रसिक्ष है और भन्तरक (भन्तरकों) भीर भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निस्नलिखित बहेश्य से उन्त अन्तरण लिखित में वास्तविक क्य से अधिक नहीं किया गया है।—

- (क) प्रश्तरण से हुई किसी माय की बाबत उपत प्रिमियम, के मधीन कर देने के मन्तरक के दायिश्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; घौर/या
- (ख) ऐसी किसी आप या किनी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय धाय-कर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्य भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, फिपाने में सुविधा के लिए।

भतः ग्रम, उन्त प्रधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उन्त प्रधिनियम की धारा 269 कि की उप-धारा (1) के अधीन, निम्निजित व्यक्तियों, अर्थात्।—

1. श्री मोहमद ग्रशरफ

(भ्रन्तरक)

2. श्री प्रशी हसन

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के विए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उक्त सम्मत्ति के मर्जन के संबंध में कोई भी धाक्षेप:---

- (क) इस मूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारी ख से
 45 दिन की अविधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि,
 को भी भविधि बाद में समाप्त होती हो, के
 भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति
 द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर मम्पत्ति
 में हिसबढ़ किसी प्रम्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पब्दीकरण :--इसमें प्रयुक्त मन्दों और पदों का, को उक्त अधि-नियम के महयाय 20-क में परिचादित है, वहीं अर्थ होगा, को उस महयाय में दिवा गया है।

वन्स्ची

चार मंजिला मकान नं 24/2 शरीफ लेन, कलकत्ता उसके माथ 6 क ० 3 छा ० 5 फीट जमीन का वसस्वेपेसा हिस्सा रिजस्ट्रार श्रॉफ ऐस्योरेन्स के सामने रिजस्ट्री किया गया है। डीड नं० 2807 तारीख 22-5-1979।

> श्राई० वी एस० जुनेजा सक्षम प्रक्रिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, कलकत्ता-16

तारीख: 31-12-1979

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०----

प्रापतिर पश्चिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-1, कलकला कार्यालय कलकत्ता-16, दिनांक 31 दिसं≄बर 1979

निर्देश सं० 526/टी० क्यु०-33/79-80--- यतः, मुझे, आई वी०एम०एस० जुनेजा,

न्नायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से प्रधिक है

बौर जिसकी सं० 24/2 है, तथा जो गरीफ लेन, कलकत्ता-16 म स्थित है (बौर इसमें उपाबद अनुसूची में बौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारोख 22-5-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिगत से प्रधिक है और भन्तरक (भन्तरकों) और भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तविक कम से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त ग्रधि-नियम के प्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ब) ऐसी किसी भाष या किसी धन या भन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयहर श्रीधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रीधिनियम, या धन-कर श्रीधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः सन, उसत अधिनियम, सी धारा 269-ग के प्रनुसरण में, मैं, उसत अधिनियम की घारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रचित् :---- 11—466G1/79

1. श्री महम्मव श्रसरफ

(ग्रन्तरक)

2. श्री मुहस्मद श्रालिमुद्दीन

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीका सम्मक्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाबोप।---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाचन की सारीख से 45 विन की प्रविध या तश्तनकाधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्णेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अशोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त धध्दों भीर पदों का, जो उन्त ग्रिधिनियम के ग्रह्माय 20-क में परिभाषित है, वही श्रर्थ होगा, जो उस महयाय में दिया गया है।

घनुसूची

चार मंजिल मकान नं० 24/2 गरीफ लेन, कलकत्ता उसके साथ 6के 3 सीएच० 5 फीट जमीन का पच्चीस पैसा हिस्सा रेजिस्ट्रार ग्राफ ऐस्योरेन्स के सामने रजिस्ट्री किया गया है । डीड नं० 2806 तारीख 22-5-1979।

श्राई० बी० एस० जूनेजा सक्षम प्राधिकारी निरीक्षी सहायक श्रायकर श्रायुक्त ग्रजीन रेंज-1, कलकाना-16

तारी**ख** । 31-12-19*1* मोहर : प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०-

ग्रापहर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) <mark>की धारा</mark> 269-**घ** (1) के <mark>ग्रधीन सूचना</mark>

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर <mark>भ्रायुक्त (निरीक्षण</mark>)

श्रर्जन रेंज-1, कलकत्ता कार्यालय

कलकत्ता-16, दिनांक 31 दिसम्बर 1979

निर्देश सं० 527/टी० म्रार०-34/79-80—यतः, मुझे, भाई० वी० एस० जुनेजा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूक्य 25,000/-इपए में प्रधिक है

श्रौर जिसकी सं० 24/2 है, तथा जो शरीफ लेन, कलकत्ता-16 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध धनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, नारीख 22-5-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दुष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दुष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिगत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी स्नाय की बाबत उक्त अधि-नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या म्रन्य म्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर म्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त म्रधिनियम, या धनकर म्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं मन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रवः, श्रव, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनु-सरण में, में, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रंथांत:—— 1. श्री महम्मद ग्रगरफ

(ध्रन्तरक)

2. मुहम्मद ग्रसमान

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के प्रजैन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेपः---

- (क) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन के भीतर जकत स्थावर सम्मत्ति से हितवद किसी श्रन्थ व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्केंगे।

स्यक्टीकरण: ---इसमें प्रमुक्त शब्दों स्रोर पदों का, जो उक्त स्रिध-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही स्रर्थं होगा, जो उस सम्बाय में दिया गया है।

अनुसूची

भार मंजिल मकान न० 24/2 शरीफ लेन, कलकत्ता उसके साथ 6के उसीए च० 5 फीट जमीन का पच्चीस पैसा हिस्सा रिजस्ट्रार ग्राफ ऐस्योरेन्स के सामने रिजस्ट्री किया गया है। डीड न० 2805 तारीख 22-5-1979।

ग्राई० वी० एस० जुमेजा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षीण) ग्रर्जन रेंज-1, कलकत्ता-16

तारीख: 31-12-1979

प्ररूप माई० टी० एन० ५स०-----

भ्रायकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के भ्रधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायह प्रायहर प्रायुक्त (किरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-IV. कलकशा कार्यालय

कलकत्ता-16, विनांक 31- दिसम्बर 1979

निर्वेश सं० 521/टी० घ्रार०-25/सी-25/79-80—यतः, मुझे, ग्राई० वी० एस० जुनेजा, घायकर घिष्ठियम, 1981 (1981 कः 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त प्रविनियम' कहा गया है), को घारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राध्यकारी को, यह विकास करने का करण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित् बाजार मृत्य 25,000/- रुपए से घायक है

श्रीर जिसकी सं० 1 है, तथा गंगाराम जो पालित लेन कलकत्ता में स्थित है (श्रीर इससे उपाधन्न श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 9-5-1979

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूस्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित को गई है भीर मुझे यह निश्वास करने का कारण है कि प्यापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मून्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का प्रदृह् प्रतिशत से अधिक हैं भीर अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी आय की बाबत, **उसत** प्रश्वितयम के प्रश्नीत कर देने के धरतरक के शायिरव में कमी करने या उससे अबने में सुविधा के लिए; परेर/मा
- (ख) ऐसी किसी बाज ग किसी धन या घन्य धारितयों को, जिन्हें भारतीय आयकर धिंबनियम, 1922 (1922 का 11) या उच्त अधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चादिए था, छिपाने में सुविधा के निए;

प्रत: धक, उक्त प्रधितियम की पारा 269-ग के प्रनृतरण में, में, उक्त अधितियम की घारा 269-ज की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों सर्वात्:— 1. श्री गणेश चन्द्र राय

(ग्रन्तरक)

2. श्री ग्रमल वर्धन, विमल वर्धन, काजल वर्धन, सजल वर्धन

(श्रन्तरिती)

- 3. श्री विमल चन्द्र सान्याल एवं ग्रन्थान्य (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)
- 4. श्री भेन्डर (वह व्यक्ति, जिसके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबढ़ है)

को यह सूचना जारो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्पति के अर्जन के सम्बद्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में त्रकाशन की ारीख से 45 दिन की ग्रविध या तरमम्बन्धी ध्वक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रविध, जो भी अविध बाद में समाप्त हीती हो, के भीतर पूर्वीक्त ध्यक्तियों में से किसी स्यक्ति द्वारा,
- (का) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद किसी घर्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के परस लिखिन में किए जा सकेंगे।

स्वव्दीकरण:---इसमें प्रयुक्त मन्दों ग्रीर पदों का, जो उबत प्रविनियम, के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही पर्य होगा जो उस ग्रध्याय में दिया गया है!

अनु सूची

पुराना मकान नं० 1 गंगाराम पालित लेन, सीमाना 5के० 12सीएच० 16 फीट रेजिस्ट्रार ऑफ ऐस्योरेन्स के सामने रजिस्ट्री किया गया है । डीड नं० 1-2564 तारीख 9-5-1979।

भ्राई० वी० एस० जुनेजा सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-IV, कलकत्ता-16

तारीख : 31-12-1979

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०-

भायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

भ्रजैन रेंज-III, कलकत्ता कार्यालय कलकत्ता-16, दिनांक 5 जनवरी 1980

निर्देश सं० 655/एसी क्यू॰ म्रार०-3/79-80/कलकत्ता— यतः, मुझे, म्राई० वी० एस० जुनेषा,

भायकर भिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त भिधिनियम', कहा गया है), की धारा 269ख के भ्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कार है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से भिधिक है

भौर जिसकी सं० 49 है, तथा जो लेक प्लेस, कलकत्ता में स्थित है (भौर इससे उपाधन्न अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, तारीख 28-5-1979

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए श्रन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्सास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल के ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से श्रधिक है और अन्तरित (अन्तरकों) श्रीर अन्तरित (अंतरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त प्रधिनियम के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधः का लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य आस्तिकों को, जिन्हें भारतीय भाय-कर भिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिधिनियम, या धन-कर भिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती बारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः भ्रव, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित क्यक्तियों अवात :---

- श्री विरेत राम, ट्रास्टी विरेत राम ट्रास्ट, वेद्वाला (भ्रन्तरक)
- 2. श्रीमती बासब भट्टाचार्य

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रविध, जो भी ग्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबड़ किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्हीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों भौर पदों का, जो 'उक्त श्रधिनियम', के भ्रष्टयाय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस भ्रष्टयाय में दिया गया है।

घनुसूची

मकान का समूचा एक तल्ला जो 49 लेक प्लेस, कलकत्ता पर भवस्थित जिसमें 3 कट्टा 11 छटांक 26 स्केयर फुट जमीन है ।

> माई० बी० एस० जुनेजा सक्षम प्राधिकारी (निरीक्षी सहायक भायकर मायुक्त) प्रजैन रेंज-III, कलकत्ता-16

तारीख: 5-1-1980

मोइरः

प्ररूप माई० टी० एन० एस०---

आयकर भिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के श्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज-III, कलकत्ता कार्यालय कलकत्ता-16, विमांक 5 जनवरी 1980

निर्वेश सं० 656/ए०सी० क्यू० म्रार०-3/79-80/कलकत्ता---यत:, मुझे, माई० बी० एस० जुनेजा,

भायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से श्रिषक है

भोर जिसकी सं० 49 है, तथा जो लेक प्लेस, कलकत्ता में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध भनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, भ्रलीपुर में रजिस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीम, तारीख 28-5-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित नाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित नाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से श्रधिक है और धन्तरक (अन्तरकों) और धन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) धन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त घिनियम के घ्रधीन कर देने के घन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; घौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या भन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर भिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिधिनियम, या धन-कर भिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

म्रतः भव, उक्त भ्रधिनियम की धारा 269-ग के मनुसरण में, मैं, उक्त भ्रधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) भ्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, भ्रधीत:——

- श्री बिरेन राव, ट्रास्टी, विरेन राय ट्रास्ट, बेहाला (जन्तरक)
- 2. श्रीमती चित्रका भट्टाचार्य (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की भ्रविध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रविध, जो
 भी भ्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा :---
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा भ्रश्नोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो 'उक्त श्रिधिनियम', के श्रध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रष्ट्याय में दिया गया है।

अनुसची

मकान का समूचा दो तल्ला जो 49 लेक प्लेस, कलकत्ता पर ग्रवस्थित , जिसमें 3 कट्टा 11 छटांक 26 स्केयर फुट जमीन है।

> म्राई० वी० एस० जुनेजा सक्षम प्राधिकारी (निरीक्षी सहायक म्रायकर मायुक्त) ग्रर्जन रेंज-III, कलकसा-16

तारीख: 5-1-1980

प्ररूप ऋाई० टी० ए**न०** एस०---

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-III, कलकत्ता

कलकत्ता-16, दिनांक 5 जनवरी 1980

निर्वेश सं० 657/ए० सी० क्यू० म्रार०-3/79-80/कलकता—-यत:, मुझे, म्राई० वी० एस० जुनेजा,

भायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 49 है, तथा जो लेक प्लेस, कलकत्ता में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है),रजिस्ट्रीकर्ता भिधकारी के कार्यालय, श्रालिपुर में रिजस्ट्री-करण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 28-5-1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कश्यत नहीं किया गया है:—

- (क) मन्तरण से हुई किसी माय की बाबत उक्त मधि-नियम के भधीन कर देने के मन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन मा अन्य प्रवस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर ऋधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या विया जाना चाहिए था, छिपाने में अविधा के लिए;

श्रतः भ्रव, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-ग के भ्रमुक्करण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के भ्रधीन, निम्नलिखत व्यक्तियों, श्रर्थात् :— श्री विरेन राय, द्रस्टी,
 विरेन राय ट्रस्ट, बेहाला

(भ्रन्तरक)

2. श्री दैपायन भट्टाचार्य

(ब्रन्तरिती)

को यह सूचवा जारी करके पूर्वीक्त सम्म**क्त के धर्ज**न के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजान में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी ब्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजनज्ञ में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों स्रौर पदों का, जो उक्त स्रिधिनियम के स्रघ्याय 20-क में परिभाषित है, वही स्रर्थ होगा जो उस स्रघ्याय में दिया गया है।

अनुसुची

मकान का समूचा तीन तल्ला जो 49 लेक प्लेस, कलकत्ता पर भवस्थित जिसमें 3 कट्टा 11 छटांक 26 स्केयर फुट जमीन है।

> श्राई० वी० एस० जुनेजा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-III, कलकत्ता-16

तारीख: 5-1-1980

प्रकप मार्र• टी• एन• एम•————

आयक्तर अबिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 थ (1) के ब्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज-III, कलकत्ता

कलकत्ता-16, दिनांक 5 अनवरी 1980

निर्देश सं० 654/ए० सी० स्यू० ग्रार०-3/79-80/कलकत्ता---यतः, मुझे, ग्राई० वी० एस० जुनेजा, प्रायकर ग्रविनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें

इसके पश्चात् 'उनते प्रधितियम' कहा गया है), की धारा 269-छ के अधीत समाम प्रधिकारी को, यह विश्वाप करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिमका उचित बाजार मूह्य 25,000/-रु में अधिक है

भ्रौर जिसकी सं० 47 है, तथा जो कें पी० राय लेन में स्थित है (श्रौर इससे उपाबच श्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीम, तारीख 8-5-1979

को पूर्वोक्त सम्पति के उजित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए मन्तरित की गई है और मुझे यह जिश्याम करने का कारण है कि ययापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मूल्य, जसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमाव प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकल से प्रधिक है भीर धन्तरक (धन्तरकों) और अन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से जनत धन्तरण निखित में वास्तविक रूप से किवत नहीं किया नया है।—~

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त पश्चितियम के प्रथीन कर देने के भ्रन्तरक के दाणित्व में कमी करने या उसके क्वने में पुविधा के जिए, और/या
- (च) ऐसी किसी साथ या किसी घन या धम्य झास्तियों को जिन्हें भारतीय घाय-कर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थे अम्तरिती द्वारा घकट नहीं किया गया था या कि । जाना चाहिए था, खिपाने में मुबिधा के लिए।

भतः भव, उन्त प्रविनियम की घारा 269-ग के प्रमुखरण में, भें, उन्त प्रविनियम की बारा 269-न की उपवास (1) प्राचीन निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात्।--- 1. श्री प्रेमसुखदास मानिकचन्द

(भ्रन्तरक)

2. श्री शान्तिमय बनर्जी

(श्रतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इन मूचना के राजान में प्रकाशन की तारीख ते 45 विन की भवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की भवकि, जो ची भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में कि किमी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में जितकड़ किसी अभ्य व्यक्ति दारा, प्रधाहस्ता अरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

ह्पच्छीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसत अधि-निमम के भ्रष्टयाय 20-क में परिमाधित हैं, वहीं अथ होगा जो उन भ्रष्टमाय में दिया गया है।

श्रनुसची

करीब 4 ट्टा 11 छटांक 15 स्केयर फुट, जमीन जो 47, काली प्रसन्न राय लेन, कलकत्ता पर ग्रवस्थित ।

> श्राई० वी० एस० जुनेजा सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षीण) श्रजन रेंज-III, कलकत्ता-16

तारीख : 5-1-1980

प्ररूप ग्राईं० टी • एन० एस०----

म्रायकर म्रश्चिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के मुधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण)

भर्जन रेंज-III, कलकत्ता

कलकत्ता-16, दिनांक 7 जनवरी 1980

निर्देश सं० ए०सि० 93/रेंज-IV/कलकसा/1979-80---यतः, मुझे, एस० के० दास गुप्ता, ब्रायकर ब्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पक्ष्वात 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्राधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित से **बा**जार मूल्य 25,000/⊸ रुपये **म्र**धिक और जिसकी सं० दाग सं० 1319 है, तथा जो गांव कोना, वाना लिलुआ हावरा में स्थित है (और इससे उपावद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्राप्तीन तारीचा 15-5-1979 को पूर्वोक्त सम्पर्ला के उचित बाजार मूल्य से कम के बुड्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है घौरमुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से धाधिक है और ग्रन्तरक (ग्रन्तरकों) ग्रीर ग्रन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित म वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त ग्रिवि-नियम, के ग्रिप्तीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे ,बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी माय या किसी धन या मन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय म्नायकर म्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त म्रधिनियम, या धनकर म्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ मन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए;

मतः, मन, उत्त मिनियम की धारा 269-म के भनु-करण में, में, उत्त प्रधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के भ्रधीन निम्मलिखित व्यक्तियों, मर्पातुः--- 1. श्री जोगेश्वर मुखर्जी

(ग्रन्तरक)

2. श्रीमती जबा दे

(भ्रन्तरिती)

को यह सूजना अरी करके पुर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रार्वन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्मति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूबना के राजगत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की ग्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रविध, जो भी ग्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी खासे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित म किए जा सक्ये।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त खब्दों झौर पदों का, जो उक्त झिव-नियम के भ्रष्टवाय 20-क में परिभाषित है, वही भ्रथं होगा, जो उस भ्रष्टवाय म दिया गया है।

धनुसूची

गांव केना, पी० एस० लिखुजा जिला हावरा में 11 का॰ 7 छ० 4 स्केयर फीट जमीन का सब कुछ जैसे 1979 का दलील सं० 2677 में और पूर्ण रूप से वर्णित है।

> के० एस० दास गुप्ता सक्षम मधिकारी सद्दायक म्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज-III, कलकत्ता-16

तारीच : 7-1-1980

मोहरः

प्रकृप धाई • टी • एत • एस • ----

पायकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के सधीन कुचना

भारत सरकार

नायौलव, सहायन प्राप्तकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-IV, कलकसा-16

कलकता-16 दिनांक 7 जनवरी 1980

निर्देश सं० ए० सी०/94/रेज-IV/कलकता/1979-80--यतः मृष्टे, एस० के० वास गुप्ता,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सकम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूक्य 25,000/- ४० से प्रधिक है

ग्रौर जिसकी सं० 9 है, तथा जो जि० एन० मित्र रोड, बर्धमान में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबक्क अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारों के कार्यालय, बर्धमान में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 2-5-1979 को

पूर्वोकत सम्पत्ति के उचित वाजार मूह्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रम्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मूह्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल के प्रश्वह प्रतिशत से प्रधिक है भीर प्रम्तरक (प्रम्तरकों) भीर प्रम्तरिती (शंतरितिकों) के बीच ऐसे प्रम्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निश्चित उद्देश्य से उक्त प्रम्तरण कि लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निश्चित उद्देश्य से उक्त प्रम्तरण कि लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निश्चित उद्देश्य से उक्त प्रम्तरण कि लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निश्चित नहीं किया गया है।

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त भविनियम के भवीन कर देने के ग्रन्तरक के वायरण में कमी करने या जससे बचने में तुविभा के लिए; भौर/या
- (व) ऐसी किसी भाग या किसी भन या भग्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भाग्यकर भिन्नियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भीधितियम, या भन-कर भीधितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए वा, कियाने में सुविधा के लिए;

श्रतः प्रव, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के प्रनुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-थ की उपघारा (1) के प्रजीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रजीत:----12—466@1/79 1. श्री प्रसित कूमार मुखर्जी

(ग्रन्तरक)

2. श्री निमावानि कुमार

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजैन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की भविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविध, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ब) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 48 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, प्रघोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उनत अधिनियमः के भ्रम्याय 20-क में परिचाबित है; बही अर्थ होगा, जो उस भ्रम्याय में दिया गया है।

प्रनुसूची

9, जि० एन० मित्र रोड, बर्घमान में . 044 डेसि० जमीन उस पर मकान का सब कुछ जैसे 1979 का दलिल सं० 3245 में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं।

> एस० के० दास गुक्ता सक्षम प्राधिकारी, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-IV, कलकत्ता-16

तारीख: 7-1-1980

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०-

भायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-IV, कलकसा-16 कलकत्ता-16, दिनांक 7 जनवरी 1980 निर्देश सं० ए० सी०-95/रेंज-IV/कलकत्ता/1979-80-यतः, मुझे, एस० के० दास गुप्ता, श्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम', कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ए० से मधिक है श्रौर जिसकी सं० 123 है, तथा जो बेनारस रोड,पी० एस० गोलावाडि हावड़ा में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, हावड़ा में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम,1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख 11-5-1979 को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए भ्रन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करनें का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दुश्यमान प्रतिफल से ऐसे दुश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और प्रन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त ग्रिधिनियम के पश्चीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य ग्नास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

म्रतः भव, उनत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:— 1. श्री भ्रष्ता भ्रह्टा एवं भ्रपूर्व भ्रह्टा

(भ्रन्तरक)

2. श्री गुरुदास घोषाल, शिशिर घोषाल, एवं मृनाल कान्ति घोषाल

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी क्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की भ्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा श्रद्योहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यव्हीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के श्रध्ययन 20-क में परिभाषित है, वहीं श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

प्रनुसूची

123 बेनारस रोड, पी० एस० गोलाबारी हावड़ा में 6 कट्ठा 12 छटोक जमीन का सब कुछ जैसे 1979 का,दिलल सं० 740 में फ्रीर पूर्णरूप से विणित हैं।

> एस० के० दास गुप्ता सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज- कलकता-16

तारीख: 7-1-1980

प्ररूप आई• डी• एन• एस०---

वायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की चारा

269 च (1) के धंधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

ध्रजीन रॅज-IV, कलकता-16

कलकत्ता-16, दिनांक 10 जनवरी 1980

निर्वेण सं० ए० सी० 96/रेंज-IV/कलकत्ता/1979-80---.यतः मुझे, एस०के० वास गुप्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त प्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ज के प्रधीन सक्षम श्रिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मित्त, जिसका उजित बाजार मूल्य 25,000/- वनवें से अधिक हैं और जिसकी प्लाट सं० 3956 हैं, तथा जो हीरापुर में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, श्रासन सोल में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख 7-5-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार महम से इम के पृश्यमान प्रतिपत्न के निए मन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यवापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूक्य, उसके पृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत प्रधिक है भीर मन्तरक (प्रकारकों) भीर मन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए तम पामा गया प्रति-फस निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बन्तरण विखित में बास्तबिक रूप से क्षित नहीं किया गया है।——

- (क) अन्तरण से हुई किसी धान की बावत, क्यस खडि-नियम, के सबीन कर देने के धन्तरक के शायिरन में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; ऑप/यः
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी बन या प्रन्य प्रास्तियों को, बिन्हें भारतीय धायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उच्छ प्रधिनियम, या धनकर श्रीष्ठ-नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया यया वा या किया बाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के निए;

नतः श्रम, उन्त प्रधिनियम की बारा 269-म के प्रमुत्तरण में, में, उन्त अधिनियम की घारा 269-म की व्यक्षारा (1) के प्रधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— 1. श्री शशधर चक्रवर्ती

(म्रन्तरक)

2. श्री बासुदेव लायेक

(ग्रन्तरिती)

को यह सुवना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रवंत के जिए कार्यवाहियां करता हं।

उनत सम्पत्ति के भर्मन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीब से 45 विन की घवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की घवधि, वो भी घवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में के किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भग्य स्थक्ति द्वारा सभोइस्ताक्षरी के पास मिकित में किये का सकेंगे।

स्पष्ठीकरण:--इसमें प्रयुक्त कव्यों भीर पर्वो का, जो उक्त प्रक्तिः नियम के धन्नाय 20-क में यका परिभाषित हैं; बही सर्वे होवा जो उत्त सन्याय में विदा कवा है।

पनुसूची

मौजा—नर्रासबन्ध, थाना—हीरापुर, जिला —बर्धमान स्थित 3.83 कट्ठा जमीन तथा उस पर स्थित मकान का प्रविभाजित 1/3 हिस्सा जैसे कि 1979 का दलिल सं० 2571 में भीर पूर्ण रूप से विजित हैं।

> एस० के० दास गुप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-IV, कलकत्ता-16

तारीख: 10-1-1980

प्ररूप ब्राई० टी० एम० एस०~~

भ्रायकर भिधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269ष (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज-IV, कलकत्ता-16

कलकत्ता-16, दिनांक 15 जनवरी 1980

निर्देश सं० ए० सी०/रेंज-2/कलकसा/1979-80--यत:, मुझे, के० सिन्हा,

म्रायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से मिधिक है

न्नौर जिसकी सं० 16/बी० है, तथा जो इन्नाहिम रोड, कलकत्ता में स्थित है (भीर इससे उपायद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्याक्षय, कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, तारीख 22-5-1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृथ्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत श्रिधक है और प्रन्तरित (प्रन्तरितयों) के बीच ऐसे प्रन्तरित की लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के प्रधीन कर देने के प्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर श्रिधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम या धनकर भ्रिधि-नियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था खिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः प्रव उक्त ग्रधिनियम की धारा 269ग के ग्रनुसरण में, में, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269म की उपघारा (1) के ग्रधीन; निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:— 1 श्रीमती होसेन बीबी

(भ्रन्सरक)

2. श्री गुलाम नवी श्रीर सामसुनेसा

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के घर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति झारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पब्दीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20क में परिभाषित हैं वही प्रर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

जमीन परिमाण—5 काठा 3 छटांक 3.5 स्केयर फुट इब्राहीम रोड, कलकत्ता ।

के० सिन्हा सक्षम ग्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-IV, कलकत्ता-16

तारीख : 15-1-1980

प्ररूप आई • टी • एन • एस •----

भागकर घषिनियम, 1961 (1961 का 43) की आरा 269व(1) के घषीन सूचना

मारत सरकार

चार्यालय, सहायक धायकर धायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-IV, कलकत्ता-16

कलकत्ता-16, दिनांक 5 जनवरी 1080

निर्देश सं० 657/ए० सी० क्यू० ग्रार०-III/79-80 कलकसा —यत: मुझे, ग्राई० वी० एस० जुनेजा,

आयमर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधितियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-इपये से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 49 है, तथा जो लेक प्लेस, कलकता में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, ग्रलीपुर में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 28-5-1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से क्षम के बृश्यमान प्रतिफल के लिए भन्तिरत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यवापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके बृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पण्डह प्रतिशत भिक्षक है और भन्तरक (भन्तरकों) भीर भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नितियत उद्देश्य से उच्य भन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) प्रस्तरण से तुई जिसी भाग की बाबत ककत प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रस्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी माय या किसी धन या प्रस्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय घायकर प्रधिनियम, 1922: (-1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्च पन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया थया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः। घन, उन्त प्रश्निमिम की बारा 269-ए के प्रमुखरण में, में, उन्त प्रश्निमिम की बारा 269-ए की उपबास (1) अधीन निम्मलिकित व्यक्तियों, अर्थात्।--- श्री बीरेन राय ट्रस्टी बीरेन राय ट्रस्ट, बेहाला

(भ्रन्तरक)

2. श्री दैपायन भट्टाचार्य

(ग्रन्तरिती)

को यह मुक्ता जारी करके पूर्विकत सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि जो भी
 अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त भिक्षित्यम के भ्रष्टयाय 20-क में परिभाषित हैं, बही भर्ष होगा जो उस भ्रष्ट्याय में दिया गया है।

अनुसूची

समूचा मकान का तीन तल्ला जो 49 लेक प्लेस, कलकत्ता पर श्रवस्थित श्रौर जिसका माप 3 कट्ठा 11 छटांक 26 स्केयर फुट हैं।

> ग्राई० थीं० एस० जुनेजा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-III; कलकला-16

तारीख: 5-1-1980

प्ररूप प्राई० टी० एन० एस०---

भ्रायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यात्रय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-III, कलकत्ता-16 कलकत्ता-16, दिनांक 5 जनवरी 1980

निर्देश सं० 656/ए० सी० क्यू० श्रार०-III/79-80/कलकसा ---यत: मुझे, श्राई० वी० एस० जुनेजा,

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण

है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/— चपए से ग्राधिक है

ग्रीर जिसकी स० 49 है, तथा जो लेक प्लेस, कलकत्ता में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, ग्रिलपुर में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख 29-5-1979 को

पूर्वीक्त सम्पत्ता के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये प्रन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास

करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित का उचित बाजार मृह्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल को पन्द्रह प्रतिशत से ग्रधिक है ग्रीर श्रन्तरक (श्रन्तरकों) और श्रन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त श्रिधिनियम के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर /या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी बन या ग्रन्य ग्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय ग्राय-कर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्राोजनार्व श्रन्तरिती बारा प्रकटनहीं किया गया हो विया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः ग्रव उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के प्रनुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रथीत्:— श्री बीरेन राय, ट्रस्टी, बीरेन राय ट्रस्ट, बेहाला

(ग्रन्तरक)

2. श्रीमती चन्द्रिका भट्टाचार्य

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूत्रॉक्त सम्पत्ति के म्रजैन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसो प्रन्य व्यक्ति द्वारा, प्रश्नोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्दीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों ब्रीर पर्दों का, जो उक्त ग्रधिनियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं भ्रयें होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

प्रनुसूची

समूचा मकान का दो तल्ला जो 49 लेक प्लेस, कलकत्ता पर अवस्थित और जिसका माप 3 कट्ठा 11 छटांक 26 स्केयर फुट है।

> भाई० बी० एस० जुनेजा सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-III, कलकत्ता-16

तारीख : 5-1-1980

प्ररूप भाई । टी । एत । एस । ------

आयकर समिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा

269-च (1) के धधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-III, कलकत्ता-16

कलकत्ता-16, दिनांक 5 जनवरी 1980

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उन्त प्रधिनियम' कहा गया है), की वारा 269-ख के भन्नीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का करण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- र॰ से प्रधिक है और जिसक सं० 49 है, तथा जो लेक प्लेस कलकत्ता में स्थित है (भौर इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, भ्रलीपुर में रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, तारीख 28-5-1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रति-फल के लिए भन्तरित को गई है घोर मुझे यह विण्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐस दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत शिक्त है घोर अन्तरक (धन्तरकों) और बन्तरिती (धन्तरित्यों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निक्तित में वास्तविक रूप ने कथि। नहीं हिया गया है:——

- (5) अन्तरण से तुई किसी आय की बाबत उक्त भीवित्यम के भधी कर देने के भ्रम्यरक के दायित्व में कभी करने या उससे भागने में सुविधा के सिए; भीर/या
- (ल) ऐतो तिसी आय या जिसी धन या भन्य ग्रास्तियों को जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनयम, या ग्रनकर व्यधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया का या किया जाना चाहिए का, िक्याने में सुविधा के निए;

मतः श्रम, उक्त श्रधिनियम की घारा 289-ग के धणुसरण में, मैं, उम्ब अधिनियम, की घारा 269-म की दपश्चारण (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—— श्री बीरेन राय, ट्रस्टी, बीरेन राय ट्रस्ट, बेहाला

(भ्रन्तरक)

2. श्री बासब भट्टाचार्य

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीका सम्यति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त समालि के अर्जन के मंबंध में कीई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इन सूचरा के राजरत में त्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी भग्य व्यक्ति द्वारा, भन्नोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए वा सकोंगे।

स्वध्यीकरण :--इसमें प्रयुक्त कर्न्दों भीर पदों का, जो उन्त अधिनियम के धन्याय 20-क में परिमाणित हैं, वही धन हरेगा, जो उन प्रव्याप में विद्या गया है।

अमुस्ची

समूचा मकान का एक तल्ला जो 49, लेक प्लेस, कलकत्ता पर श्रवस्थित श्रौर जिसका माप 3 कट्ठा 11 छटांक 26 स्केयर फुट है।

> श्राई० वी० एस० जुनेजा सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज- , कलकत्ता-16

तारीख: 5-1-1980

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०---

म्रायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यानय, सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-III, कलकत्ता-16

कलकत्ता-16, दिनांक 5 जनवरी 1980

निर्वेश सं० 654/ए० सी० क्यू० ग्रार०-III/79-80/कलकत्ता
—यतः, मुझे, ग्राई० वी० एस० जुनेजा,

ग्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रीत पत्रत प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संनित जिनका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से ग्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० 47 है, तथा जो काली प्रसन्न राय लेन, कलकत्ता में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 8-5-1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कि निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त ग्रधि-नियम के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

म्रतः श्रव, उक्त श्रधिनियम, की धारा 269-ग के स्नृत्तरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रयति:—— 1..मैसर्स प्रेमसुखदास मानिकचन्द 165/1/1, महात्मा गांधी रोड, कलकत्ता

(ग्रन्तरक)

 श्री णान्तिमय बनर्जी 8/1 , ग्रोम लेन, कलकत्ता (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त प्रमात्ति के प्रार्जन के सम्बन्ध में कोई प्राक्षेप:-

- (क) इस सूचना के राजनत में प्रकाशन की लारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजनत में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
 पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टी करण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो श्रायकर श्रिधिनियम के श्रव्याय 20-क में परिभाषित है, वही श्रयं होगा जो उस श्रव्याय में दिया गया है।

अनुसूची

करीब 4 कट्ठा 11 छटांक 15 स्केयर फुट जमीन ओ 47 काली प्रसन्न राय लेन, कलकत्ता पर प्रवस्थित ।

> श्राई० वी० एस० जुनेजा सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-III, कलकत्ता-16

तारीख: 5-1-1980

प्ररूप माई० टी॰ एन॰ एस॰-----

भागकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के प्रधीत सूचता

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) प्रजीन रेंज-III, कलकत्ता-16

कलकत्ता-16, दिनांक 21 जनवरी 1980

निर्वेश सं० 660/ए० सी० क्यू० ध्रार०-III/79-80/कलकला यतः, मुझे, ग्राई० वी० एस० जुनेजा, आयकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जनत भ्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख

के भिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, मिनका उचित बाजार मूल्य 25,000/-क्पए से प्रधिक है

ब्पए स ग्राधक ह

भौर जिसकी सं० 8 की है, तथा जो प्रिन्स गोलाम मह: रोड, कलकत्ता में स्थित है (भौर इससे उपावस धनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता धिधकारी के कार्यालय, धलीपुर में रजिस्ट्रीकरण धिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के भिधीन, तारीख 30-5-1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उनके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रकार प्रतिक प्रतिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों (प्रनिरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में अस्तरक कर से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) चन्तरण से हुई किसी भाष की वाबत उक्त अधिनियम के भ्रषीन कर देने के भ्रम्तरक के दायिका में कमी करन या उसने वचन में सुविधा के लिए; भौर/धा
- (ख) ऐसी किसी पाय या किसी धन या ग्रन्थ ग्रास्तियों को, जिम्हें भारतीय आयकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर पिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिणाने में मुक्षिया के लिए;

अत: अब, उन्त श्रिधिनियम की धारा 269-म के बनुसरभ में मैं, उन्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिन व्यक्तियों, अर्थात्:--

13-466GI/79

1. श्रीमती विपाली बसु

(मन्तरक)

2. श्री प्रभास कुमार मुखर्जी

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्मत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
 अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में ने किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचता के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी अन्य न्यक्ति द्वारा, भाषोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्वक्तीकरण:---इसमें प्रयुक्त गब्दों भीर पदों का, जो उक्त ग्राधिनियन के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही ग्रयं होगा जो उस ग्रध्याय में विया गया है।

अनुसूची

समूचा दो तल्ला साथ कमन पेसाज जो सं० 8 ए, प्रिन्स गोलाम महः रोड, कलकत्ता पर भवस्थित ।

> श्राई० वी० एस० जुनेजा सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजीन रेंज-III, 54 रफी अहमद किदवाई रोड, कलकसा-16

तारीख: 21-1-1980

प्ररूप धाई० टी० एन० एस०---

1 श्रीतारक नाथ है

2 श्रीमती ग्रमिता मुखार्जी

(मन्तरक)

भायकर भिवित्यम, 1961 (1961 का 43) की धार 269-थ (1) के भवीत सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-III, फलकत्ता-16

कलकत्ता-16, दिनांक 21 जनवरी 1980

निर्वेश सं० 659/ए० सी० क्यू धार०-III/79-80/कलकत्ता यतः, मुझे, आई० वी० एस० जुनेजा, धायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त धिर्मियम' कहा गया है), की धारा 269—ख के धिर्धान सक्षम प्राधिकारी को, वह विध्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/— ६० से धिक हैं और जिसकी सं० 8 बी०, हैं, तथा जो प्रिन्स गोलाम महः रोड, कलकत्ता में स्थित हैं (भौर इससे उपाबद्ध धनुसूची में धौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता धिक्तरी के कार्यालय, धलीपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के धिन, तारीख 30-5-1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का छचित बाजार

मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल मे, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह्र प्रतिशत से मधिक है भीर श्रन्तरक (अन्तरकों) श्रीर श्रन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तविक

कप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) ग्रन्तरक से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त ग्रिध-नियम के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रीधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रीधिनियम, या धन-कर श्रीधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

मतः प्रव, उक्त मधिनियम, की धारा 269-ग के प्रनुसरण में, में उक्त मधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थांत्:-- •

(श्रम्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हैं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रजन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:----इसमें प्रयुक्त गड्यों ग्रीर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही श्रर्थं होगा जो उस ग्रध्याय में विया गया है।

अनुसूची

मकान साथ 1 कट्ठा 9 छटांक जमीन जो सं० 8 बी, प्रिन्स गोलाम महः रोड, कलकला पर भवस्थित है।

> ग्राई० वी० एस० जुनेजा सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-III, कलकत्ता-16

तारीख : 21-1-1980

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०-

भ्रायकर भ्रिष्ठिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-III, कलकसा

कलकत्ता-16,दिनांक 21 जनवरी 1980

निर्देश सं० 658/ए० सी० क्यू ग्रार०-III/79-80/कलकत्ता यतः, मुझे, धाई० वी० एस० जुनेजा, म्रायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित 25,000/-रुपए से प्रधिक है मुल्य भौर जिसकी सं० 8 ए है, तथा जो प्रिन्स गोलाम महः रोड, कलकत्ता में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, श्रालीपुर में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के **प्रधीन, तारीख 30-5-1980** को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुख्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत ग्रिक्षिक है और भन्तरक (भन्तरकों) ग्रौर अन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त भन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और या
- (ख) ऐसे किसी आय या किसीधन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः, भव, उक्त भ्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनु-सरण में, मैं, उक्त भ्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के भ्रधीन, निम्नलिखन व्यक्तियों, भर्यात्ः⊶- 1. श्री मुकुल कुमार सरकार

(मन्तरक)

2. श्री प्रभास कुमार मुखर्जी

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्थ व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनत श्रधि-नियम के श्रध्याय 20 कमें यथा परिभाषित है, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

समूचा एक तल्ला साथ कमन पेसाज जो 8-ए, प्रिन्स गोलाम महः रोड, कलकत्ता पर भवस्थित है।

> ्रश्नाई० वी० एस० जुनेजा सक्षम प्राधिकारी सहायक घायकर घायुक्त (निरीक्षण) घर्जन रेंज-III, कलकत्ता-16

तारीख: 21-1-1980

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०---

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-थ(1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक द्यायकर द्यायुक्त (निरीक्षण)

प्रर्जन रेंज- Π , भ्रहमदाबाद

ग्रह्मदाबाद, दिनांक 27 दिसम्बर 1979 निर्वेश सं० पी० ग्रार० 845 ग्रमन्न, 23/19-7/79-80----यतः, मुझे, एस० एन० मण्डल,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भ्रम्रीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/-रुपए से भ्रष्टिक है

श्रोर जिसकी सं० सब 78 हिस्सा 2 कि ग्रतीरीकन 405 चौरस वार जमीन है, तथा जो मोणे उमरा में स्थित है (ग्रीर इससे उपाध्य ग्रनुसूची में श्रोर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण ग्रीधिनियम 1908

(1908 का 16) के प्रधीन, तारीख 1-5-1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिफत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भोर प्रन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम पाया गाम प्रतिकच, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण किखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) श्रम्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त श्रिवितयम के प्रधीन कर देने के श्रन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) एसी किसो ग्राय या किसी धन या प्रन्य प्रास्तियों को जिन्हें भारतीय प्राय-कर ग्रीधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रीधिनियम, या धन-कर ग्रीधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

धतः ग्रव, उक्त अधिनियम की धारा 269गके धनुसरण में में, उक्त धिधिनियम की धारा 269-म की उगधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखिन व्यक्तियी अधीतः——

- श्री जाल भ्रेरेचणा कालाभाई भ्रगावीवाड, सूरत (भ्रन्तरक)
- 2. श्री चामका भाई चामनभाई पटेल ए० सरेसवाला बिल्डिंग इच्छानाथ महादेव के पास सूरत दूमस रोड, सूरत

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हूं। उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:--

- (ह) इस सूजना के राजनल में प्रहाणन की तारीख में 45 दिन की श्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूजना की तामील से 30 दिन की प्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होतो हो, के भीतर पूर्वोंकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 43 दिन के भारर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब किसो अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोतृस्ताक्षरी के पास निख्वा में किए जा सकेंगे।

स्पन्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उन अध्याय में वियागया है।

अनुसूची

जमीन और मकान सं० नं० 78 वाली जो उमरा मेरे भीर जो माप में 599 चौरस वार है, ये मिलकत, रजिस्ट्री कर्ता ग्रिधकारी सूरत द्वारा तारीख 1-5-1979 के दिन रजिस्ट्री नं० 3211 में रजिस्टर्ड की गई है।

> एस० एन० मण्डल सक्षम प्राधिकारी सङ्घायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, श्रहमदाबाद

तारीख: 1-1-1980

प्रकृप भाई० ी० एन० एस०----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269 व (1) के प्रधीन मुक्ता

भारत सरकार कायौलय, सहायक प्रायक्तर आयुक्त (निरीक्षण)

> भ्रर्जन रेंज-II, भ्रहमदाबाद भ्रहमवाबाव, दिनांक 31 दिसम्बर 1979

निर्देश सं० ए०पी० ग्रार० नं० 846 एक्पू 23/7-4/79-80 -- यत:, मुझे, एस० एन० मण्डल,

धायकर बाधानयन, 1961 (1→61 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'जरून अधिनियम', कहा गया है,) की धारा 269-ख के अवीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करते का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मूल्य 25,000/- २० से प्रधिक हैं।

ग्रीर जिसकी सं० सर्वे नं० 273, 273/3, टीका नं० 56 स० नं० 2926 है, सथा जो सांठ कुवा गेट, नाग तलाब, नवसारी में स्थित है (ग्रीर इससे उवाबद्ध प्रतुसूची में ग्रीर पूर्ण कप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नवसारी में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम. 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन. नारीख 7-5-1979

को पूर्वोक्त संवत्ति के उचित बाजार भूटन ये कन के दृष्पमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है मौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि रशासूर्वोक्त मंग्लेत का उचित बाजार भूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिकल का पन्ब्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीव ऐस अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्षेष से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय को बाबत उक्त अधि-नियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के वायिख में कमी करने या उनने बनने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आप या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयाहर अधिनियम, 1922 (1922 हा 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपामे में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- 1. शान्ती लाल मोरारजी नायक नवसारी (ग्रन्सरक)
- (1) श्री ध्रशोक कुमार रसीकलाल सरैया,
 (2) श्रीमती बीना बेन ध्रशोक कुमार सरैया ध्राशानगर,

नवसारी

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्भित्त के ग्रजंत के लम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :- -

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 धिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उस्त घिध-नियम के घष्ट्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही धर्ष होगा जो उस घष्ट्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन भीर मकान, जिसका सं० नं० 273/273/3 भीर टीका नं० 56, सी० एस० नं० 2926 है। भीर घर नं० 843 है। जो बोर्ड नं० 6 सांठ कुवा के पास, नाग तलाय नवसारी में है भीर जो रजिस्ट्रीकर्ता भिधकारी नवसारी द्वारा तारीख 7-5-1979 को मोंध नं० 705 द्वारा रजिस्टर्ड की गई है।

> एस० एन० मण्डल सक्षम प्राधिकारी सङ्घायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज-11, ग्रहमदाबाद

तारीख : 31-12-1979

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०-----

भायकर भिवितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण)

श्चर्णन रेंज-II, श्रहमदाबाद श्रहमदाबाद, दिनांक 1 जनवरी 1980 निर्वेश सं०पी० श्चार० नं० 847 एक्बो०-23/7-4/79-80---यतः, मृझे, एस० एन० मण्डल,

श्रायकर श्रधिलयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधितियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से प्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० सीटी सर्वे नं० 81 श्रीर स० नं० 3976 वार्ड नं० 1 है, तथा जो नवसारी में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद ग्रनुस्ची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, नवसारी में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 190 ळ

(1908 का 16) के अधीन तारीख 22-5-1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकत से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकत का पंत्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीव ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल किल निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त प्रधि-नियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; प्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त श्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या फिया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उन्त अधिनियम की घारा के 269-ग प्रनु सरण में, में, चन्द धांधिनियम को धारा 289 म की वन्तारा (1) के अधीन, निम्नलिधित व्यक्तियों, अर्थात्।

- श्रीयाकोकेरभाई केवलभाई पटेल, ग्रंबिका नगर हाउसिंग पार्क के भार्गेनाइजर सगरामपुरा, सूरत । (भन्तरक)
- 2. (1) श्री गनपात मनीशंकर मेहता,
 - (2) श्रीमती म्राशालता गनापत्त मेह्ता, नवसारी जिला बुलसर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त तस्पति के भ्रजीन के सम्बन्ध में कोई श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सटम के व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस पूत्रता के राजार में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भोतर उक्त स्थायर तम्पत्ति में हित-बद्ध किपी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरों के पास लिखित में लिए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त श्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसुची

स्यावर मलिक्यत जो स्रविका नगर सोक्षाइटी नवतारी में है और जिसका नं० सि०स० नं० 81 स्रोर स० नं० 3976 है स्रोर जिसका क्षेत्रफल 875.9 स्क्वेयर फीट है ये मलिक्यत रजिस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी द्वारा तारीख 22-5-1979 को रजिस्टर्ड नं० 769 के सन्दर नवतारी में रजिस्टर्ड की गई है।

> एस० एन० मण्डल सक्षम प्राधिकारी [(सहायक आयकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज-II, ग्रहमदाबाद

दिनांक: 5-1-1980

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०⊶

भायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269- घ (1) के भधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-I, श्रहमदाबाद

म्रहमदाबाद, दिनांक 27 दिसम्बर 1979

निर्देश सं० ए० सी० क्यू०-23-I-2369(909)/16-6/79-80—यत:, मुझे, एस० एन० मण्डल, आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से प्रधिक है और जिसकी सं० सर्वे नं० 123 प्लाट नं० 267 (इमारत) है, तथा जो रणछोड़नगर सोसायटी के पास, सुरेन्द्र नगर रोड, राजकोट में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, राजकोट में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख मई 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचि वाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकत का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (प्रत्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐम अन्तरण के तिए तम पाम गया प्रतिकत, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से दुई िकसी आय की बाबत उकत अधि-नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर ग्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धनकर ग्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए सुविधा के लिए;

भ्रतः, भ्रव, उक्त भ्रधिनियम की धारा 269-ग के अनु-सरण में, मैं, उक्त भ्रधिनियम की धारा 269व की उपधारा (1) के भ्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, भ्रयीत:--- 1. जे० जे० एण्ड कम्पनी:---

भागीदार (1) जयन्तीलाल मोहनलाल भन**डक्ट,**

- (2) जमनावास, मोहनलाल ग्रनडक्ट,
- (3) मनसुखलाल जयन्तीलाल अनडक्ट,
- (4) बेचरलाल, जयन्तीलाल भ्रनडक्ट,
- (5) विनोदराय जमनादास ध्रनडक्ट सब—6 लाटी प्लाट, राजकोट।

(भ्रन्सरक)

 श्रीमती ताराबेन महेन्द्रकुमार बसंत 'सोहिणी' रामकृष्णनगर राजकोट

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किस व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त श्रधि-नियम के श्रष्टवाय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं श्रर्थ होगा, जो उस श्रष्टवाय में दिया गया है।

प्रनुसूची

ईमारत जो 396-6-0 वर्ग गज जमीन पर खड़ी है जिसका सर्वे नं० 123, प्लाट नं० 267, पैकी, जो रणछोड़नगर सोसायटी के पास, सुरेन्द्रनगर रोड, राजकोट में स्थित है तथा बिक्री वस्तावेज नं० 2682/11-5-1979 से रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी राजकोट द्वारा रिजस्टर्ड किया गया है याने उसमें प्रापर्टी का जैसे पूर्ण वर्णन विया गया है।

एस० एन० मण्डल सक्षम प्राधिकारी स**हायक भायकर भायुक्त (**निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I, ग्रहमबाबाद

तारीखा : 27-12-1979

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०----

भ्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के भ्रधीन सूचना भारत सरकार

> कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज-ा, श्रहमदाबाव

ग्रहमदाबाद, दिनांक 27 दिसम्बर 1979

निर्देश सं० ए० सी० क्यू०-23-I-2323(910)/11-1/79-80--यत:, मुझे, एस० एन० मण्डल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 358 (ईमारत) है, तथा जो गांघीग्राम, जूनागढ़ में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध भनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, जूनागढ़ में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनौंक 11-5-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित म बास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त श्रवि-नियम के भ्रधीन कर देने के श्रन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे जजने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या ग्रम्थ भ्रास्तियों को जिन्हें भारतीय भ्राय-कर ग्रिधिनियम 1922 (1922 का 11) या उस्त श्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रब, उक्त धिर्मियम की धारा 269-ग के भ्रानुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के भ्रधीक निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रयात्: 1 श्री नलीन कुमार मगन लाल राजा, 114-ई, आर० के० नाडी, बी॰ पी० रोड, बम्बई-4।

(भ्रन्तरक)

2. श्री नटवलाल कुबेरदास ठक्कर, बेस्ट इंगलिश स्कूल के सामने वकील के बंगलों के पीछे, जूनागढ़। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के म्रर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उन्त सम्पति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की श्रविध जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर-सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इनमें प्रयुक्त शब्दों प्रौर पद्रों का, जो उक्त प्रिष्ठि-नियम, के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही प्रय होगा जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1508 वर्ग फीट जमीन पर खड़ी ईमारत जिसका प्लाट नं० 358 है जो गांधीग्राम जूनागढ़ में स्थित है जो रिजस्ट्रीकर्ती ग्रिधकारी जूनागढ़ द्वारा बिकी दस्तावेज नं० 693/11-5-79 मे रिजस्टर्ड हुन्ना है याने जैसे उसमें प्रापर्टी का पूर्ण वर्णन दिया गया है।

> एस० एन० मण्डल सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I. श्रष्टमवाबाद

तारीख : 27-12-1979

प्ररूप साई॰ टी॰ एन॰ एस॰---

आयकर थिंतिसम. 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ (1) के मधीन सूचना∮

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I, ग्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 27 दिसम्बर 1979

निर्देश सं० ए सीक्यू०-23-3-2358 (911)/16-6/ 79-80—यतः, मुझे, एस० एन० मण्डल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द॰ से अधिक है

श्रीर जिसकीं सं० सर्वे नं० 326, प्लाट नं० 3 है, तथा जो अटीका रबर फैक्टरी के पास राजकोट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्त्ती अधिकारी के कार्यालय, राजकोट में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 7-5-1979 को पूर्वोक्त संपत्ति के उतिन बाबार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करन का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और प्रन्तरिक (अन्तरितयों). के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया बया प्रतिफल, निश्नलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वाश्विक हम से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त अघि-नियम, क श्रधीन कर बेने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (खा ऐसी किसी प्राप्त पा किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय धायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की घारा 269घ की उपधारा (1) के घडीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् 14—466GI/79

1. श्री सुखदेव भारथी रणछोड़ तथा ग्रन्य गुंदावाडी मेइन रोड, गोस्वामी भुवन राजकोट

(अन्तरक)

 श्री रामशंकर सुखे, स्वाश्रय सोसायटी, भवडी प्लाट, राजकोट

(श्रन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त संपति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के प्रजैन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूबना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूबना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाह में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अबोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण!--इसमें प्रयुक्त कव्यों भौर पदों का, जो उक्त अधिनियम के शक्ष्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं धर्ष होगा, जो उस शब्याय में दिया गया है।

श्रनुसूची

खुली जमीन का प्लाट जिसका क्षेत्रफल 1395-0-0 वर्ग गज है जिसका सर्वे नं० 326 प्लाट नं० 3 है जो ग्रटीका रब्बर फैक्टरी के पास राजकोट में स्थित है। रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी राजकोट द्वारा बिकी दस्तावेज नं० 2521/7-5-1979 से रिजस्टर्ड हुग्ना है, याने उक्त बिक्री दस्तावेज में जैसे पूर्ण वर्णन किया गया है।

> एस० एन० मण्डल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I, ग्रहमदाबाद

तारीख: 27-12-1979

प्ररूप ग्राई॰ टी॰ एन॰ एस॰---

भायकर मिविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रज-ा, ग्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 27 दिसम्बर 1979

निर्देश मं० ए० सी० नयू० 23-I-2452(912)/10-1/ 79-80—यतः, मुझे, एस० एन० मण्डल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके पश्चात् 'उक्त - ग्रिधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रूपये से भ्रधिक है, श्रौर जिसकी सं० सर्वे नं० 39, प्लाट नं० 31 है, तथा जो नेहरू रोड, पटेल कालोनी, जामनगर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता म्रधिकारी के कार्यालय, जामनगर में रजिस्ट्रीकरण म्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 19-5-1979 को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल ने लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है मौर मन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (मन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उत्तत श्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) म्रस्तरण से हुई किसी माय की बाबत उक्त श्रिधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिय; बोर/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी घन या ग्रन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रधिनियम, या घन कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपान में सुविधा के लिए;

अतः अब, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के धनुसरण में मैं, उन्त प्रधिनियम की धारा 269-च की उपधारा, (1) के अधीन, भिम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:— श्री शांतीलाल फूलचन्द बसा,
 श्री जयन्तीलाल फूलचन्द के कुल मुखत्यार ग्रेईन मारकेट, जामनगर

(ग्रन्सरक)

1. (1) श्री मंगलदास सुन्दरजी,

(2) श्रीमती ललीता मंगलदास, बन्डी फली, जाम खम्भालिया

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पति के भर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाणन की तारीख़ से 45 दिन की अविधि या तत्व्यंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की श्रविधि, जो भी अविधि बाद में ममाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
 किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्साक्षरी के पास
 लिखित में किये जा सकेंगे।

स्मस्टीकरण: ─ इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, बहो अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

खुली जमीन का प्लाट जिसका क्षेत्रफल 578-11 वर्ग मोटर है जिसका सर्वे नं० 39, प्लाट नं० 31 है जो नेहरू रोड, पटेल कालोनी, जामनगर में स्थित है तथा रिजस्ट्रेगन नं० 9290 तारीख 19-5-1979 से रिजस्टर्ड बिक्री दस्तावेज में जैसे पूर्ण वर्णन किया गया है।

> एस० एन० मण्डल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, ग्रहमदाबाद

तारीख : 27-12-1979

प्ररूप प्राई० टी० एन० एस०----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यात्रय, सङ्गयक प्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण)

ग्रर्जन रेंज-I, ग्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 27 दिसम्बर 1979

निर्देश मं० ए० सी० क्यू० 23-I-2378 (913)/16-3/79-80—यत:, मुझे, एस० एन० मण्डल, श्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचिन वाजार मूल्य 25,000/रुएए से ग्रधिक है

श्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 199 है, तथा जो बड़ा बजरंग रोड, उपलेटा में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुमूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, उपलेटा में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख मई 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-फल के लिये प्रस्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृस्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रिषक है भौर प्रश्तरक (ब्रन्तरकों) भौर प्रन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे ब्रन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ब्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से क्यित नहीं किया गया है:—

- (ज) प्रस्तरण से हुई किसी प्राय को बाबत, उक्त अखिनियम के अक्षीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे सचने में सुविधा के किए; और/या
- (वा) ऐपी किसी प्रारा किसी बन पा पर्य पास्तियों की जिन्हें पापतीय प्रायक्त अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्क अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्ति श्री द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया वाका चाहिए वा, खिपाने में मुविधा के किए;

भतः नव, उनत प्रधिनियन, की धारा 269न्न के प्रमृष् सरण में, में, उनत प्रधिनियम की बारा 269न्य की उपधारा (1) के बाधीन निम्निविद्य स्वक्तियों. नवीत् ---

- 1. श्री शत्रुधनदास लालचन्द केशवानी उपलेटा (ग्रन्तरक)
- (1) श्री गामिती गकार हासी श्रली सामा बड़ा बजरंग
 (2) श्री गामिती युनुस हासी श्रली सामा बड़ा बजरंग
 रोड, उपलेटा

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी ध्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ब्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त अधि-िगयम, के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं ग्रथं होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

ग्रनुसूची

300 वर्ग गज क्षेत्रफल वाली जमीन पर खड़ी ईमारत जिसका प्लाट नं० 199 जो बड़ा बजरंग रोड उपलेटा में स्थित है तारीख मई 1979 में रजिस्ट्रेशन नं० 565 से रजिस्टर्ड बिक्री दस्तावेज में जैसे पूर्ण वर्णन दिया गया है।

> एस० एन० मण्डल सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I, ग्रहमदाबाद

तारीख: 27-12-1979

प्ररूप साई• टी• एन० एस०---

आयकर प्रवितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-I, श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 27 दिसम्बर 1979

निर्देश सं० ए० सी० नयू०-23-I-2378 (914)/ 16-3/79-80--- यतः, मुझे, एस० एन० मण्डल, **भायकर अधिनियम,** 1961 (1961 का 13) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 2.69-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुरुष 25,000/- **६० से पश्चिक है** ग्नौर जिसकी सं० प्लाट नं० 199 है, तथा जो बड़ा बजरंगरोड, जपलेटा में स्थित है (श्रार इससे उपाब अ अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, उपलेटा में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख मई 1979 को पूर्वोक्त सम्पन्ति के उत्रित बाजार मृ्ल्य से कम के *दुश्य*यान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल स, एसे पृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से भश्रिक है और भन्दरक (पश्तरकों) और मन्तरिती से (मन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिविक रूप से कथित नहीं क्तिया गया है।---

- (क) प्रग्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; धोच/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिल्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) य उनत अधिनियम, या घन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्य धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः ग्रन, उन्त अधिनियम भी धारा 269-ग के धमुसरण में, में, उन्त भिवनियम की घारा 269-म की उपधारा (1) अभीन निम्मतिखित व्यक्तियों अर्थात् :---

- श्री शबुधनदास लालचन्द केणवानी, उपलेटा । (भ्रन्तरक)
- श्री हाजीयाणी नूरबाई हाजी भ्राली सामा, बड़ा बजरंग रोड, उपलेटा ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूत्रा जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनन सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:--

- (क) इय पूजना के राजपत में प्रकाशन की तारी खंसे 45 दिन की भवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजगत्न में प्रकाशन की तारोख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रघोहस्ताक्षरी के
 पास निख्यत में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त सन्धों और पदों का, जो उक्त धितियम के अध्याय 20-क में परिचावित हैं, बही मनं होता जो उस मध्याय में दिया मया है।

अनुम् ची

225-0 वर्ग गज जमीन पर खड़ी ईमारत जिसका प्ताट नं० 199 है, जो बड़ा बजरंग रोड उपलेटा में स्थित हैं तथा रजिस्ट्रेशन नं० 566, मई 1979 का, से रजिस्टर्ड बिकी दस्तावेज में जैसे पूर्ण वर्णन दियागया है।

> एस० एन० मण्डल सक्षम प्राधिकारी, महायक ग्रायकर ग्रायुक्त, (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-1, ग्रहमदाबाद

तारीख : 27-12-1979

प्रकप आईं टी एन एस ----

आयकर **प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) की धा**रा 269-घ (1) के प्रश्नीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-II, ग्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 31 दिसम्बर 1979

निर्देश सं० ए० सी० क्यू०-23-I-2394 (918)/1-1/79-80---यतः, मुझे, एस० एन० मण्डल,

आयकर मिंचितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अवीन सक्षम, प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्येति जिनका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु०से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० सर्वे नं० 209/1, 209/2, श्रौर 209 हिस्सा 'ए'० टी० पी० एस०-14, एफ० पी० 269/ए, सब प्लाट नं० 4 और 5 है, तथा जो याने (खुली जमीन, बेकार स्थिति की स्टकचर के साथ) शाही बाग, श्रहमदाबाद में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिषकारी के कार्यालय, श्रहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रिष्टिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 10-5-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के रम्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि प्रवापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से घिक है बौर धन्तरक (धन्तरकों) और अन्तरिती (धन्तरिवयों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निविवित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में बास्तविक कप से किया नहीं किया नया है:—

- (क) ध्रन्तरण में हुई किसों आय का बाबत, डक्त अधि-नियम के घ्रधीन कर देने के घ्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/धा
- (ख) ऐसी किमी ग्राय या किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए चा, खिनाने में सुविद्या के निए;

ग्रतः प्रव, उक्त प्रक्षितियम की धारा 269-ग के प्रनुसरण में; में, उक्त प्रधितियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रचीत्:— श्री भरतकुमार चीवुभाई बेन्कर मधुवन डफनाला शाहीबाग, ग्रहमदाबाद

(ग्रन्तरक)

2. शाहीबाग रामेश्वर को० ओ० रा० सो० लिमिटेड, चैयरमैन: श्री नटवरलाल मोहनलाल चोकसी के मारफत 12, वृन्दावन कालोनी शाहीबाग श्रहमदाबाद-14 (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्रति के प्रजैन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप :--

- (क) इस प्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की सबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी सबिध बाद में सभाष्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस पुनना के राजपत में प्रकाशन की तारीख छे 45 दिन के भीतर उनत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे!

स्पर्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त सब्दों और पक्षें का, जो उक्त प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषिक है, वहीं प्रथं होगा को उप अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन का प्लाट 1120.75 वर्ग मीटर वाला जिसके साथ कुछ स्टकचर्स जैसे कम्पाउन्डवाल, पुराना खुला कुंग्रा तथा भंगार स्थिति में पुराना टेनीस कोर्ट है जिसका सर्वे नं० 209, 209/1 तथा 209/2 फायनल प्लाट नं० 269 ए तथा सब प्लाट नं० 4 तथा 5 है जो शाहीबाग ग्रहमदाबाद में स्थित है तथा बिकी दस्तावेज नं० 4239/10-5-1979 से रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी ग्रहमदाबाद द्वारा रिजस्ट्रिकर्ता ग्रधिकारी ग्रहमदाबाद द्वारा रिजस्ट्रिकर्वा गया है याने उसमें जैसा प्रोपर्टी का पूर्ण वर्णन किया गया है।

एस० एन० मण्डल सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-I, ग्रहमदाबाद

तारीख 31-12-1979 मोहर:

प्र**क**प गाई• टी॰ एन॰ एस॰-----

म्रायकर म्रिबिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के म्रिधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ब्रायकर ब्रायुक्त (निरीक्षण)

भर्जन रेंज-II, श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 2 जनवरी 1980

एफ० नं० पी० श्रार० नं० 848 एकड़ 23/19--8/79-80--श्रतः मुझे एस० एन० मान्डल श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/-रुपए से श्रधिक है

यौर जिसकी सं नोंद नं 299-ए है। तथा जो बरानपुरी मागोल, सबजी मन्डी के करीब बोर्ड नं 5 में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिष्ठकारी के कार्यालय सुरन में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 3-5-1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है श्रौर मुझे यह त्रिश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से श्रिष्ठक है श्रौर अन्तरक (श्रन्तरकों) और अन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया मया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथिन नहीं किया गया ह:---

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त म्रक्षि-नियम के ग्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, श्रीर/या
 - (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या अन्य प्रास्तियों को जिन्हें भारतीय ग्राय-कर ग्रधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रधिनियम, या धन-कर ग्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रब, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, मैं उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, तग्रर्थात्:--

- 1. (1) जानेन्द्र रंगीलवास बरानपुरी भागोल, माली-वाली पोल, सूरत 2. सूर्यबाला कान्तीलाल पटेल पारीजन बिल्डिंग, मरीनड्राईव, बम्बई 3. श्रशोककुमार बाबरदास संयदपुरा-सूरत
- 4. अमुतलाल माईचददारस पटेल, स्टेट बैंक कालोनी, अम्बा लाइन, सूरत (अन्तरक)
 - 2. श्रीमित ताराबेन गमनलाल बरानपूरी भागोल, सूरत (अन्तरिती)

को यह मुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के **धर्य**न के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेप:--

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ग्रविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रविध, जो भी ग्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
 किमी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा प्रत्रोहस्ताक्षरी के पास
 निखित में किए जा सकेंग ।

स्पष्टोकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रोर पदों का, जो उक्त ग्रिधि-नियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही ग्रर्थ होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

प्रनपुची

जमीत और मकान जिसका नोंद तं 299-ए हैं भौर जो बरापुतरी मांगोल, बोर्ड नं 5 सूरत में है, ये मिलनेका रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी, सुरत द्वारा ता 3-5-1979 को रिजस्टर्ड की गई है ।

> एस० एन० मान्डल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-11 श्रहमदाबाद

दिनांक 2-1-1980 मोहर : प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०--

श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-II, श्रहमदाबाद

प्रहमदाबाद, दिनांक 2 जनवरी 1980

ऐफ नं० पी० श्रार० 849 एकड़ 23/19—8/79-80— प्रतः मुझे ए० एन० मान्डल श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृत्य 25,000/-

रु० से ग्रिधिक है

भ्रौर जिसकी सं० बोर्ड नं० 11 नोंद नं० 299 (जिसका पिन्नभी भाग) है। तथा जो भाग नलांद मरेन रोड सूरत में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय सूरत में रजिस्ट्रीकरण धियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 15-5-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के छिनत बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए ग्रन्तिरत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से श्रीधक है और अन्तरक (अन्तरकों) ग्रौर ग्रन्तिरती (ग्रन्तिरितयों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त ग्रिधिनियम, के ग्रिधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायिस्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्राय-कर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तिरियी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः श्रव, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के झनुसरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम, की धारा 269-म की उपधारा (1) के झधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, झर्यात् :---

- (1) मोहनलाल हरगोवनदास टोपीवाला भाग नलाद, मुरत ।
 - (2) शान्तीलाल प्रभुदास टोपीवाला सूरत । (ग्रन्तरक)
 - 2. श्री बोम्बे रिपेयरिंग सरकीसील के भागीदार
 - 1. भ्रमरसींह कनट्टरसिंह
 - 2. धरमसिंह करतार सिंह
 - 3. नगीनदास जेठालाल मरेता
 - 4. सरेला कर्तारसिंह आ-6 दासवाला बिल्डिंग सूरत (ग्रन्तरिती)

को यह मूचना नारी करके पूर्वोक्त समाति के भ्रजीन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पक्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की नारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी ध्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति म हितवद्ध
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकरों।

स्पक्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रौर पदों का, जो 'उक्त श्रधिनियम', के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान जिसका पश्चमी हिस्सा, जिसका क्षेत्रफल 140 चौरस बार है जिसका बोर्ड नं 11 नोंद नं० 299 हैं। मौर जो भाग नालांद मोरन रोड सूरत में हैं। ये मिलकन रिजस्ट्री कर्ता ग्रिधिकारी सूरत द्वारा ता० 15-5-79को रिजस्टर्ड नं० 1736 कि ग्रंदर रिजस्टर्ड कि गई तय।

ए० न० मान्डल सक्षम प्राधिकारी सहायक घ्रायकर घ्रायुक्त (निरीक्षण) घर्जन रेंज-II, ग्रहमदाबाद

दिनांक 2-1-1980 मोहर: प्ररूप माई बटी ब एन ब एस ब------

धायकर ध्रीधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष(1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक म्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज-II, म्रहमदाबाद ग्रहमदाबाद, दिनांक 2 जनवरी 1980

निदेश मं० पी० म्रार० नं० 850 एक्यी 23/74/-79-80—यतः मुझे एस० एन० मांडल म्रायकर म्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त म्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के म्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ह० मे म्रिधिक है

ग्रीर जिसकी सं० घर नं० 58 ग्रीर 69 (नये) है तथा जो कालीयावाडी, विजलपुर नवसारी तालुका में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय नवसारी में रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 7-5-79 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए श्रन्तरित की गई है ग्रीर मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशास से ग्रधिक है ग्रीर श्रन्तरक (ग्रन्तरकों) ग्रीर श्रन्तरित (ग्रन्तरितयों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए, तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) भ्रस्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त ग्रधि-नियम के भ्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसे किसी प्राय या किसी धन या ग्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर ग्रिधिनियम. 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

ग्रतः श्रव, उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, में, उक्त श्रीधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्ः—

- श्री विनोद चन्द्र रसीकलाल त्यास, पंकज निवास, सेठ फलीम्रा, भग्न (ग्रन्तरक)
- 2. श्री रजनीकान्त कालीवाल देसाई अनाबील स्ट्रीट, विजलपुर, ता० नवसारी (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्अन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :--

- (क) इस सुचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में मे किसी व्यक्ति हारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थापर मन्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा. प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त जन्दों और पदों का, जो छक्त अधिनियम के श्रष्टराय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो जस अध्याय में दिया गया है।

अमुसु ची

जमीन और मकान जो कालीम्रावाडी विजलपुर ता० नवसारी में है भौर जिसका घर नं० 58 (पुराना) 69 (नका) श्रोर जो रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी द्वारा नवसारी में ता० 7-6-1979 को रजिस्टर्ड की गई है।

> एस० एन० गांडल गशम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजैन रेंज-II, श्रहमदाबाद

तारीख: 2-1-1980

प्ररूप प्राई० टी० एन० एस०-----

श्रायकर श्रिष्ठिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के श्रिधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रजैन रेंज-II, श्रहमदाबाद

म्रहमदाबाद, दिनांक 5 जनवरी 1980

निदेश सं० पी० ग्रार० नं० 861/एकवी 23/19-8/ 79-80---यतः, मुझे, एस० एन० मांडल भायकर भिवित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित **बाजार** मूल्य 25,000/-रुपये से मधिक है भौर जिसकी सीटी सं० नं० 426, जो गांव खतोदरा है है तथा जो खतोदरा ता० चोरयासी में स्थित है (घोर इससे उपाबद्ध **भनुसूची में भौ**र पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधि-कारी के कार्यालय सूरत में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन 18-5-1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दुष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है घौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का **उचित बाजार मूल्य,** उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है घौर मन्तरक (भ्रन्तरकों) भौर भन्तरिती (भ्रन्तरितियों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बन्तरण निखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त मधि-नियम के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (क) ऐसी किसी माय या किसी धन या मन्य मास्तियों को, जिन्हें भारतीय मायकर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उना प्रतिनियम, या धनकर मिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ मन्तरिती द्वारा मकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिनाने में सुविधा के लिए;

श्रतः, श्रवः, उस्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनु-सरण में, में, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रथीतः— 15—466G1179

- (1) 1. श्री चन्द्रकान्त चुन्नीलाल यखारीया 2. चन्द्रीका वेन चन्द्रकान्त यखारीया फारम मोहल्ला, क्स्तमपुरा, सूरत (ग्रन्तरक)
- (2) 1. नटबरलाल रंगीलदास गीलीटवाला 2. कंचनलाल रंगीलदास गीलीटवाला 3. ग्रशोककुमार रंगीलदास गीलीटाला 2/4141, अनाविल शेरी, सगरामपुरा, सूरत (भ्रन्तरिती)

को यहसूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के क्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितक कि किसी भ्रम्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित म किए जा सकेंगे।

साष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रधि-नियम के श्रध्याय 20-क म परिभाषित हैं, वहीं ग्रयं होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

जमीन जिसका सीटी स०नं० 426 है और जो गांव खतो दराता जौरयासी, जि० सूरत में है। ये जमीन रजिस्ट्रीकर्ता ग्राधकारी सूरत द्वारा ला० 18-5-1979 को कमांक 1980 द्वारा रजिस्टर्ड की गई है।

> एस० एन० मांडल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-IJ, ग्रहमदाबाद

सारीख: 5-1-1980

प्रारूप आई० टी० एन०एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहासक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-II, श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 25 जनवरी, 1980

निदेश सं० पी० आर० नं 929 एक्बो-23-I-1324/11-1/79-80- यत: मुझे, एस० एन० मांडल आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियमं कहा गया है) की धारा 269-ख के प्रधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्मिन, जिसका उचित वाजार मूल्य 25000/- र० से अधिक है

श्रौर जिसकी सर्वे नं० 24-1, 27, 28/2 तथा सर्वे नं० 32 है तथा जो गांव चोबारी जिला जुनागढ़ में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय जूनागढ़ में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन मई 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचिन बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत सं अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण में लिखित वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण गे हुई किसी आय की बाबत, उक्त आधि-नियम के अधीत कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उस से बचने में सुविधा के लिए, श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए :

म्रतः, म्रवः, उक्त मधिनियम की धारा 269-ग के म्रनुसरण में, में, उक्त मधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के भ्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, मधीत :---

- म्राहेर भाडा म्ररजम, गांव चोबारी जिला जुनागढ़ (म्रन्तरक)
- 2. श्री जगदीश पेथलजी बुकेर फालिया, जूनागढ़ (धन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के संबंध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इ.म सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारी खासे 45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत्र म प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सर्केंगे।

स्पटिशकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त श्रिधिनियम के श्रध्याय 20 क में परिभाषित है, बही श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय म दिया गया है।

प्रनुसूची

खेती की जमीन जिसका सर्वे न० 24-1, 27, 28-2, तथा सर्वे न० 32, जिसका क्षेत्रफल 3 एकड़ 26 गुंठा, 5 एकड़ 37 गुंठा, 4 एकड़ तथा 8 एकड़ 4 गुंठा याने कुल 27 एकड़ 28 गुंठा कमानुसार है जो गांव चोबारी जिला जूनागढ़ में स्थित है तथा बिकी दस्तावेज नं० 666/7-5-79 सब-रजिस्ट्रार जूनागढ़ द्वारा रजिस्टर्ड हुम्रा है याने प्रापर्टी का पूर्ण वर्णन उसमें दिया गया है।

एस० एन० मांडल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) शर्जन रेंज-II श्रहमदाबाद

विनांक: 25-1-1980

प्रकप माई∗ टी•एन• एत०--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961का 43) की धारा 269-थ (1) के घंधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यानय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 9 नवम्बर 1979

निवेश सं० पी-72/प्रर्जन—यतः मुझे, अमर सिंह जिसेन आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वादर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूक्य 25000/- वपण् से प्रधिक है

श्रौर जिसकी सं० मकान है तथा जो मो० दोलतबाग, डिप्टी-गंज, मुरावाबाद में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्या-लय मुरादबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 13-7-1-979

को पूर्वोक्त सम्यक्ति के उचित बाजार मूक्य से कम के दृश्यमान प्रति-फल के लिये मन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यवापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूख्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पण्डह प्रतिशत से अधिक है और भन्तरक (अन्तरकों) ग्रीर गन्तरिती (भ्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरक से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना चाहिये चा, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के प्रनुसरण में में, उक्त अधिनियम की बारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्मिकिक व्यक्तियों, अभौत् 1---

1. श्री कृपाराम

(ग्रन्तरक)

2. श्रीमति प्रभा श्रग्रवाल

(भ्रन्तरिती)

3. विक्रेता (बहु व्यक्ति, जिसके ग्रिधभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना चारो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थेन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन क सम्बन्ध में बोई भी धाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की भवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवब किनो प्रन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताकारी के पास निवाद में किए जा सकेंगे।

स्पद्धिकरण:---इसमें प्रयुक्त सन्यों भीर पदों का, जो उत्त प्रधि-नियम के प्रध्याय 20-क में परिमाणित है, बहो पर्वहोगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

पन्मुचो

एक किता मकान वाके मोहल्ला दोलतबाग, डिप्टीगंज, मुराबाबाद व सम्पत्ति का वह सब विवरण जो फार्म 37 जी संख्या 1955/79 व सेलंडीड में वर्णित है जो कि सब-रिजस्टरार, मुराबाबाद के कार्यालय में दिनांक 13-7-79 को पंजीकृत हो चुके हैं।

ग्रमर सिंह बिसेन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख: 9-11-1979

प्ररूप ग्राई० टी० एम० एस०-----

भावकर घधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण)

भर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 9 नवम्बर 1979

निदेश सं० धार-135/धर्जन—यतः, मुझे, श्रमर सिंह विसेन

भायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक हैं और जिसकी संख्या मकान है तथा जो मो॰ वौलतबान' मुरादा-बाद में स्थित हैं (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रुप से वणित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता कु अधिकारी के कार्यालय मुरादाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 13-7-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने हा कारण है कि ययापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से श्रधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) भ्रन्तरण में हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त भ्रधि-नियम, के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भ्रौर/या
- (ख) ऐसे किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या धनकर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः, श्रब, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के अनु-सरण में, में, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, शर्यात्:— 1. श्री कृपाराम

(भ्रन्तरक)

2. श्री राममोहन

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उपत सम्पत्ति के प्रार्थन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अवधिया तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रत्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वरुदीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त भाधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में विया गया है।

अनुसूची

एक मकान पुख्ता वाके मोहल्ला दौलतबाग, मुरावाबाद व सम्पत्ति का वह सब विवरण जो सेलडीड व फार्म 37 जी संख्या 1954 में वर्णित है जो कि सब-रजि-स्ट्रार, मुरावाबद के कार्यालय में दिनांक 13-7-1979 को पंजी-इत हो चुके हैं।

भ्रमर सिंह बिसेन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, लचनऊ

ता**रीख**: 9-11-1979

न्नामकर श्रिक्षिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख(1) के श्रिष्ठीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रजीन रेंज, लखनऊ लखनऊ, दिनांक 15 दिसम्बर 1979

निदेश सं० बी-86/प्रर्जन—यतः मुझे, प्रमर सिंह बिसेन श्रायकर प्रधिनियम, 1962 (1962 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उम्त ग्रिधिनयम' कहा गया है) की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से ग्रिधिक है

भौर जिसकी सं० 35/बी-13 है तथा जो सिविल लाइन्स बरेली में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध भनुसूची में भौर पूण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय बरेली में रजिस्त्वीकरण भ्रधिनियम, 1908 का (1908 का 16) के भ्रधीन दिनांक 6-6-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार है मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कि निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय वे वावप उम्त ग्रधि-नियम के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायि**रन में** किमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; **ग्रौ**र/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राया या किसी धन वा श्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर ग्रंधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रंधिनियम, या धन-कर कर ग्रंधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भ्रतः, भ्रव, उक्त श्रधिनियम, की धारा 269-ग के भ्रनुसरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग की उपश्रारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रथीत्:—

- श्री मुखसारखास गुरुदेव सिंह व श्रीमित प्रकाश कौर, श्रीमित चेत कौर, श्रीधनवीर सिंह, श्रीमित चरंजीत गर्ग, श्रीमित जगदीश कपूर (प्रन्तरक)
- 2 श्री. श्रीमति विमल वास्तव, श्री संजीव श्रीवास्तव, श्री ग्रजय श्रीवास्तव, श्री संजय श्रीवास्तव, विश्रेता (भ्रन्तरिती)
 - 3, जिन्नता (वह व्यक्ति जिसके अभिनोगमें सम्पति है)

को यह सूचना जारी कंपके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कायवाहियां कपता हूं।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की झविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील के 30 दिन की अविध झ, जो थी भविध बदा में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजवल में प्रकाशिन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्यक्ति में हित-यह किसी ग्रन्थ व्यक्ति हारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

रूपब्द्रीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर मदों का, जो उक्त ग्रधिनियम के शब्दाय 20-क में परिभाषित है, वहीं ग्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि का प्लाट न० 35/बी-13 स्थित सिबिल लाइन, रामपुरबाग, बरेली क्षेत्रफल 612.5 वर्गगज व सम्पत्ति का बहु सब बिवरण जो सेलडीफ तथा फार्म 37-जी संख्या 2521/79 में वर्णित हैं जो कि सब-रिजस्ट्रार, बरेली के कार्यालय में दिनांक 6-6-1979 को प्रजीकृत हो चुके हैं।

> ग्रमर सिंह बिसेन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रामकर ग्रामुक्त (निरीक्षण). ग्रार्जन रेंज, लखनऊ

तारीख: 15-12-1979

प्ररूप धाई० टी० एन० एस०---

म्रायकर म्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) ी घारा 269-घ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 15 दिसम्बर 1979

निदेश संस्था बी-87/म्रर्जन---यतः, मुझे, म्रमर बिसेन भायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ब्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित 25,069/-**रु**पय से श्रधिक है बाजार मूल्य भौर जिसकी संख्या खसरा नं० 225 है तथा जो मो० मुडवा-जीह, परगना देहात ग्रमानत, वासाणसी में स्थित **है (ग्रोर** इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय वाराणसी में रजिस्ट्रीकरण म्रिधियम, 1908 (1908 का 16) के म्रधीन दिनांक 24-5-79 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृहय से कम के बृहयमान प्रतिफल के लिए घन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाबार मूल्यः उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे बृश्यमान प्रतिकल के पत्कह प्रतिशत से अधिक है घोर अन्तरक (धन्तरकों) और धन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिष्ठिल निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त सन्तरण लिखित में गश्निक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) सम्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के भन्नीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे जलने में सुविज्ञा के जिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी प्राय या किसी बन या अन्य बास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) 41 उस्त प्रधिनियम, या : बन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया बाना बाहिए था; छिपाने में बुक्तिया के सिए;

अतः, अन, धन्तं प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, में, चनत प्रधिनियम की घारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्।---

- 1. श्रीमित जसोदा देवी
- (भन्तरक)
- 2. श्री भगवती प्रसाद, राजा राम, श्याम लाल ग्रमरनाथ (ग्रन्तरिती)
- बिकैसा (बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के सर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में को हिभी पाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी वा से 45 दिन की सविधाया तस्संबंधी क्यमितयों पर सूचना की तामी सासे 30 दिन की सविधा को भी जविधा बाद में समाप्त होती ो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा:
- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दिव-वद किसी मन्य व्यक्ति द्वारा, मधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पब्दीकरण --इसमें प्रयुक्त पार्की और पर्ने का, जी उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-भाषित, हैं, ही अर्थ होगा, को उस पाध्याय में दिया गया है।

अनुसूचो

आराजी नम्बर 225 का उत्तरीपूर्व हिस्सा रकवा एक वीघा पांच विसवा ('98 डिसमल) वांके मौजा मुडुवाडीह परगना देहात अमानत जिला वाराणसी व सम्पत्ति का वह सब विवरण जो कि सेलडीड व फार्म 37-जी संख्या 3951 में विजित हैं जो कि सब-रजिस्ट्रार, वाराणसी के कार्यालय में विनांक 24-5-1979 की पंजीकृत हो चुके हैं।

श्रमर सिंह विसेन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख : 15-12-1979

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०→→→

ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रिथीन सूचना

भारत सरकार

कार्यात्रव, सहायक <mark>श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण</mark>)

श्रर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ दिनांक 15 दिसम्बर 11979

निदेश सं० डी-36/ग्रर्जन--यन: मृझे ग्रमर बिसेन श्रायकर ग्रंधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मित्त, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/⊸ रुपये से श्रधिक है सथा जो मो० बाजार कटरा मीर जिसकी संख्या नरपत गंज, मुरादाबाद में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधि-कारी के कार्यालय मुरादाबाद में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के दिनांक प्रधीन 15-5-1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दुश्यमान प्रतिफल के लिए भ्रन्तरित की गई है भौर भुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृष्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से ग्रधिक है गीर भ्रन्तरक (भ्रन्तरकों) भीर भ्रन्तरिती (भ्रन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त श्रधि-नियम, के श्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायिस्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किमी आय या किसी धन या आय आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः, ग्रब, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनु-सरण में, मैं उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-य की उपधार (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रयीतः⊶ 1. श्री कुम्रवर मजय सिह

(भ्रन्तरक)

2. श्री धर्मप्रकाण

(भ्रन्तरिती)

3. श्री धर्म प्रकाश (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्तिके श्रर्जनके कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्बत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूनना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी क्यिक्तयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्मित्त में हितबद किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रथोत्स्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त भिन्न नियम हे अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ हो गा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अमुसूची

मकान सय इमारत दुकानें, दिन शेंड धौर जमीन कुल क्षेत्रफल 119.94 वाके मी० बाजार कटरा नरपत्नंज जि० मुरादाबाद व सम्पत्ति का वह सब विवरण जो सेलडीड व फार्म 37-जी संख्या 948/79 में विणित है जो कि सब-रिजस्ट्रार, मुरादाबाद के कार्यालय में दिनांक 15-5-1979 को पंजीइत हो चुके हैं।

श्रमर सिंह बिसेन सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) सर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख: 15-12-1979

प्रका आई०टी०एन०एस०-----

अन्यकर अधिनियम , 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लखनऊ

लखनक दिनांक 15 दिसम्बर 1979

निदेश सं० एम०-108/ग्रर्जन---यतः मुझे, ग्रमर सिह बिसेन

आयकर श्रिष्टिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त श्रिष्टिनियम' कहा गया है) की घारा 269-ख के श्रिष्टीन सक्तम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- रु० से सिक है

ग्रीर जिमकी संख्या मकान ब भूमि है तथा ग्राम देहरी, परगना मुस्तहकम मुरावाबाद में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबस श्रनु-सूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय मुरावाबाद में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन विनांक 20-5-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचितवाजार मूस्य के कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है मौर मुझे यह विध्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उमके दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है भौर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्बलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में कास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त श्रधि-नियम के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अक-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ष्ठिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः, श्रव, उक्त ग्रधिनियम, की धारा 269ना के श्रनुसरण में, में, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रयीतः— श्री प्रेम कुमार रस्तीगी

(ग्रन्तरकः)

2. श्री मो० फारुक

(भ्रन्तरिती)

3. विकेता (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के झर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बर्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील के 30 दिन की अविधि, जोकी अविधि बक्त में समाप्त होती हो, क भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख के 45 विन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अओहस्ताक्षरी के पास सिक्कित में किए जा सकेंगे।

स्पब्दीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों झौर पदों का, जो उक्त श्रक्षित्यम 1961 (1961 का 43) के झध्याम 20-क में परिभाषित है, वही झर्यं होगा, जो उस झध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान दो किते कमरे मय धाराजी जौदह सो तरेसठ पाइन्ट तीस 1463 30 वर्गमीटर वाके ग्राम देहरी परगना मुस्तहकम जिला मुरादाबाद व सम्पत्ति का वह सब विवरण जो सेलडीड व कार्म संख्या 37-जी 2533/79 में वर्णित है जो कि सब-रिजस्ट्रार मुरादाबाद के कार्यलय में दिनांक 2-5-1979 को पंजीकृत हो चुके हैं।

ग्रमर्गसह बिसेस सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लखनऊ

तारीच: 15-12-1979

प्रकप माई० टी• एन० एस• ----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की छारा 269-म(1) के प्रधान सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन, रेंज लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 18 दिसम्बर 1979

निवेश सं० एन-30/अर्जन—यतः, मुझे, श्रमर सिंह बिसेन

पायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके पश्चात् 'उनत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीत मध्यम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर संतित, जिसका उचित बाज़ार मूख्य 25,000/- क० से अधिक है

श्रौर जिसकी संख्या राइस मिल बिल्डिंग व भीम के प्लाट विन्वकी में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनूसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्रा श्रिधकारी के कार्यालय फतेहपुर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 30-5-1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृह्य से कम के दृश्यमान प्रति-फल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यनाम प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अं प्रक है और पन्तरक (भन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बोन ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथिन नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त प्रधिनयमं के प्रधीन कर देने के ग्रन्थरक के दायिखा किसा करते या उसम बचन में सुविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की को जिन्हें भारतीय भायकर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या विधा जाना वाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (i) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियो, अर्थीत् :---16—46601/79

- 1. श्री नेंभनदास रावलदास, फेरूमल (ग्रन्तरक)
- ে श्री नरेंद्र कुमार, सूरेंद्र कुमार (प्रन्तरिती)
- 3. उपरोक्त विकेता (बहु व्यक्ति, जिसके ब्रिधिभाग में सम्पत्ति है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के मर्जन के निए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 हिन की भविधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविधि, जो भी भविधि बाद में ममाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इन सूत्रा। के राजात्र में प्रकाशन की नारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिनबाद किसी मन्य व्यक्ति द्वारा मधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पक्की करण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों घीर पदो का, जो उक्त धिकियम के घड्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं घर्ष हागा, जो उस अध्याप में दिया गया है।

असूसची

राईस मिस की बिल्डिंग गोदाम गदवी (बंगला) कमरे, चबूतरा, बाउन्ड्री वाल व भूमि के प्लाट नं० 323, 320 तथा 318 इत्यादि स्थित मोहल्ला बिन्दकी कोहना बिन्दकी जिला फतेहपुर उत्तर प्रवेण व वह सब सम्पत्ति जिसका वणन फार्म 37-जी संख्या 575 तथा सेलडींड में किया गया है जिसका पंजीकरण सब-रजिस्टार फतेहपुर यू० पी० के कार्यालय में दिनांक 30-5-1979 को बही नं० 1 जिल्द 497 के पृष्ट पर 147/151 पर कम न० 575 पर किया जा चुका है।

स्रमर सिंह बिसेन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर आयुक्त(शिक्षण) स्रर्जन रोज, लखनऊ

तारीख: 18-12-1979

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०-------धायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) धारा की 269 ष(1) के ग्रिधीन सूचना

भारत सरकार

क पाँचन, महायक आयक्त आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, लखनऊ

लखनक, दिनांक 15 दिसम्बर 1979

निवेण सं० एम-110/श्रर्जन---यतः, मुझे श्रमर सिंह बिसेन

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है हि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित्र बाजार मूल्य 25,000/-क्षण से प्रधिक है

श्रीर जिसकी संख्या प्लाट नं० 1-ए है तथा जो श्रहाता होटल वालडोर्फ होटल मल्लीताल नैनीताल में स्थित है (श्रीर इससे उपा-बक्क अनूसूची में श्रीर पूण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय नैनीताल में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधी 9-5-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए भन्तिरित की गई है भौर मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से भ्रधिक है और भन्तरक (भन्तरका) भौर भन्तरिती (भन्तरितयों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कियत नहीं किया गया है:---

- (क) धन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त भाषितियम के भाषीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (च) ऐसी किसी भाष या किसा धन या अन्य धास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

अतः, ग्रव, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के मनुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम की धार 269-म की जपधारा (1) के अधीन निकालिक व्यक्तियों, अर्थात :----

- 1. सर्व श्री राम प्रकाश, विशनू मौतार, सूरज मौतार, म्रोम प्रोतार, मनिल कुमार, राकेश कुमार, राजीव कुमार, म्राके कुमार गोयल (भन्तरक)
 - 2. श्री मसूद ग्रहमद (ग्रन्तरिती)
 - 3. (यक्रोड़ (बहुव्यक्ति जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह मूचना वारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के घवंगके लिए कार्यवाहियां करता हूं।

छक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई **भी** आक्षेप :---

- (क) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रवधि, जो मी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस नूचना के राजपव में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितक है किसी प्रत्य क्यन्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टोकरम:---इसमें प्रयुक्त गब्दों चौर पदों का, जो उका अधिनियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही प्रयं होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

वालडोफ होटल मस्लीताल जिला ननीताल के श्रहात में स्थित भूमि का प्लाट न० 1-ए जिसका क्षेत्रफल 537 50 वर्गफुट (49.953 वर्ग मीटर) है ग्रादि तथा सम्पत्ति का वह सब विवरण जो सेलडीड तथा फार्म 37-जी संस्था 259/79 में वर्णित है जो कि सब रिजस्टार नैनीताल के कार्यालय में दिनांक 9-5-1979 को पंजीकृत हो चर्छ हैं।

ग्रमर सिंह बिसेन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायूक्त (निरीक्षण) ग्रजीन रेंश लखनऊ

नारीख: 15-12-1979

प्रका बाई० टी॰ एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961का 43) की पारा

269-व (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन, रेंज लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 15 दिसम्बर 1979

निदेश सं० एम-109/ग्रर्जन---ग्रतः मुझे, ग्रमर सिंह बिसेन

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इनमें इनके पश्चात् 'उनत ग्राधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्राधीन सम्भाष्टी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/-रु॰ से ग्राधिक है

ग्रौर जिसकी सं० 3 है तथा जो वालडोर्फ होटल मल्लीताल नैनीताल में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनूसूची में ग्रौर पूण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय नैनीताल में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख 9-5-79

क अधान ताराख 9-5-79
को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के िए अन्तरित को गई है और मुझे यह विश्वाम करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
सके 'दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त ह
प्रतिज्ञत से अधिक है और मन्तरक (मन्तरकों) और मन्तरितं (मन्तरितियों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए तय स्था नयः
प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उनत मन्तरण निक्ति में
बास्त्रित कर से तिस्ता हो किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी झाव की बावत उपत अधिनियम के प्रधीन कर देने के सन्तरक के दायित्व में कथी करी या उनमे बचने में सुविधा के निए; और/या
- (त) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या प्रत्य प्रास्तियों को, जिन्ह भायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाडिए था, छिपाने में सविधा के लिए।

अतः, अब, उत्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, में, डक्त अधिनियम की धारा 269-म की छपधारा (1) अधीन निम्नलिखित क्यक्तियों, अर्थात्:-- 1. सर्व श्री राम प्रकाश, विशनू श्रौतार, सूरज श्रौतार, श्रोम श्रौतार श्रनिल, कुमार राकेश कुमार, राजीव कुमार, श्रशोक कुमार गोयल

(ग्रन्तरक)

2. श्री मोहम्मद शाहिद

(ग्रन्तरिती)

3. विकेता (वह व्यक्ति जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके (वींका सम्पत्ति के प्रकृति के रिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के ग्रार्वन के मंबंध में कोई भी ग्राक्षेत:--

- (क) इस सूचना क रावात में तकाता की तारीख से
 45 दिन की सबित्र पा तत्सम्बन्धो व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की सबित्र, जो भी
 सबित्र बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (अ) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, भधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे

स्पब्हीकरण: --इसमें प्रमुक्त अब्दों भीर पदों का, जो उकत अधिनियम के भ्रष्टयाय 20क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस भन्याय में दिया गया है।

ग्रनसची

वालडोर्फ होटल मस्लीताल जिला नैनीताल के ग्रहाते (कम्पस) में स्थित प्लाट नं० 3 क्षेत्रफल 2981.10 वर्ग फुट व सम्पत्ति का वह सब विवरण जो सेलडीड व फोर्स 37-जी संख्या 286/79 में वर्णित है जो कि सब-रजिस्टार, नैनीताल के कार्यालय में दिनांक 9-5-1979 को पंजीकृत हो चुके हैं।

> श्रमर सिंह बिसेन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज लखनऊ,

तारीख: 15-12-1979

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०---

श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायका (मिरीक्षण)

श्रर्जन रेज, लखनङ

लखनऊ, दिनांक 18 दिसम्बर 1979

निदेश सं० एस-184/म्रर्जन—यतः, मुझे, म्रमर सिंह बिसेन मायकर म्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त म्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के म्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से म्रिधिक है

ग्रौर जिसकी संख्या मकान नं 42 व भूमि सर्वे नं 131 रानीखेत कैन्ट व वार्ड ग्रलमोड़ा है तथा जो रानीखेत में स्थित है (ग्रौर इससे पाबज प्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण हप से विजत है), रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय रानीखेत में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख 5-6-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संस्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देग्य से उक्त अन्तरण लिखित में नास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या धन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

यत, श्रव, उन्त श्रधिनियम, की धारा 269-व के धनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के धन्नी निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रथीत्ः ⊸-

- 1. सर्वश्री प्रेम लाल, चिरन्जीलाल, ज्वाला प्रसाद लक्ष्मीनारायणन, शिवनारायन, नन्द लाल (भ्रन्तरक)
- 2. सर्वश्री सुरेंब्रलाल णाह, सुनील कुमार णाह, ग्रामोक कुमार णाह, मनोज कुमार (नाबालिग) (ग्रन्तरिती)
- उपरोक्त विकेता (वह व्यक्ति जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भ्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की श्रविध या तत्स्य बन्धी व्यक्तियों पर सूचना ो तामील से 30 विन की श्रविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त श्रधिनि-यम, के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही ग्रर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भवन नं 42 कैन्टबोर्ड रानीखेत जिला ग्रक्षमोड़ा मय तमाम इमारत स्केटिंग हाल, बिलियर्ड रूम, रेस्टोरेंट, किनेन, कार्यालय न श्रन्य कमरे श्रादि व प्लाट सर्वे नं 131 रानी-खेत कैन्ट क्षेत्रफल 00.589 एकड़ न वह तमामा सम्पत्ति जिसका वर्णन सेलडीड व फार्भ 37-जी संख्या 528/79/1 में विणत है श्रीर जिसे कि सब-रिजस्टार, रानीखेत के कार्यालय में दिनांक 5-6-1979 को पंजीकृत हो चुके हैं:

श्रमर सिंह बिसेन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) सर्जन रेंज, लखनऊ

ता**रीख**: 18-12-1979

प्रकप बाईं • टी • एन • एस •----

आय हर प्रवितियम, 1961 (1961 का 43) की घारा

269-प्र(1) के मधीन सूचना भारत सरकार कार्यालय, महायक भायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 15 जनवरी 1980

निर्देश सं० राज०/सहा० भ्रा० अर्जन/630—यतः मुझे एम**० आर० अग्रवाल**

प्रायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इस हे परवात् 'उनत अधितियम' कहा गया है), की धारा 269-ख ह प्रधीत समाम प्राप्तिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्यन्ति. जिसका उचित बाजार मूर्य 25,000/-रुगए से मधिक है

ग्रौर जिसकी सं० प्लाट बी-20 है, तथा जो जयपुर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में ग्रौर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय जयपुर में रिजस्ट्रीकरण प्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक 26 मई, 1979

पूर्वोकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूह्य से कम के दृश्यमान रितंकत के लिए अन्तरित की गई है पौर मुझे यह विश्वार हरने का कारण है कि यणापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार पहा उसके दृश्यमान प्रतिक्तत से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल के पित्रह् प्रतिकत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पत्या गया प्रतिकत, निम्ननिधित उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण निवित्त में सहनविक कम से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) प्रस्तरण सं हुई किसी आय गावत, उक्त प्रधिनियम के अत्रीत कर देन के भ्रम्तरक के दायित्व में किमी करने या उसमे बचने में मुविधा के लिए भौर/या;
- (ख) र्पो किसी प्राय या किसी घत या प्राय प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिधित्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधित्यम, या घत-कर ग्रिधित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाय ग्रम्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुक्तिया के लिए;

भतः, प्रव, उक्त धिक्षित्यम की घारा 269-ग के धनुसरण म, मैं, उक्त ग्रीधिनियम की धारा 269-थ की चपधारा (1) अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रेथीस्ः—

- श्री डी० सी० नम्ब्ला, पुत्र श्री हीरा लाल,
 प्लाट नं० 4 साईट 8, फिरोजपुर कैंन्ट, पंजाब।
 (श्रन्तरक)
- 2. श्री दिलीप सिंह एवं जगजीत सिंह पुत्रान श्री मिलकसिंह प्लाट नं० 429. राजापार्क गली नं० 3, श्रादर्शनगर, जयपुर ।

(अन्तरिती)

को यह सूत्रना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के मर्जन के ल (कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के ध्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप:-

- (ह) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तहनम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की अविधि, जो भा अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (ख) इस पूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ने 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितक के किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पाय लिखात में किए जा सकेंगे।

क्षव्दिकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उत्त प्रिधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस भ्रध्याय में दिय. समा है।

अनुसूची

प्लाट नं० बी-20, राजापार्क, ग्रादर्णन प्नगर जयपुर का दक्षिणी भाग जो उप पंजियक, जयपुर द्वारा क्रमांक 1181 दिनांक 26 मई, 1979 पर पंजिबद्ध विकय पत्नम ग्रीर विस्तत रूप से विवरणित है।

> एम० ग्रार० ग्रग्नवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) प्रजैन रेंग, जयपुर

ता**रीख** 15-1-80 मोहर: प्ररूप पाई० टी० एन० एस०---

पायकर प्रविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष(1) के ग्रधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक म्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 2 जनवरी 1980

निर्देश सं० राज/सहा० श्रा० श्रर्जन/625—यतः मुझे, एम० श्रार० श्रग्नवास,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर मंदित जिसका उवित वाजार मूल्य 25,000/- ४० से अधिक है

श्रीर जिसकी सं०-- है तथा जो जयपुर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्री-कर्ता श्रीधकारी के कार्यालय जयपुर में रिजस्ट्रीकरण श्रीधीनयम,

1908 (1908 का 16) के प्रधीन 26-5-1979 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान श्रीफन के निर् प्रत्नरित को गई है प्रौर मुझे वह विषवास करने का कारण है कि प्रवाप्योंका सम्पत्ति का उचित बाकर मूल्य, उनके दृष्यनान प्रतिफन से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफन का पन्द्रह प्रतिगत से प्रधेक है पीर प्रत्नरक (प्रन्तरकों) प्रौर अन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए त्य पाया गया प्रतिफन, निम्नतिथित उद्देश्य से उचन भन्तरण निध्वित में वासाविक का से कथिन नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण में हुई किसी ग्राय की बाबत, उसत ग्रंबिनियम के प्रवीन कर देते के ग्रन्तरत के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (क) ऐसी किसी पाप या किसी धन या अन्य मास्तियों की जिन्हों भारतीय धायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए बा, छिपाने में सुविधा के निए;

अतः वर्ग, उन्त त्रवितियम, तो ग्राह्य 269-ए के धनुसरण में, में, उन्त प्रक्षितियम की घारा 269-ए की वर्षधारा (1) के अधीन निम्मलिखित व्यक्तियों, जन्मीन् :--

- श्री माध्यन बनर्जी पुत्र स्व० श्री कल्याण कुमार जी गौरा बाबू का श्रहाता, स्टेशन रोड, जयपुर (ध्रन्तरक)
- श्री चन्द्र प्रकाश देवड़ा पृत्न श्रो मांगोलाल देवड़ा,
 गौरा बाबू का बाग, स्टेशन रोड, जयपुर (अन्तरिर्ता)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं :

उन्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राकीप :--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की नामील से 30 दिन की अविधि, जो भी प्रविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकन व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इय सूजना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबत किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निखान में किए जा सकींगे।

स्पाउदी हरण :--इसमें प्रयुक्त शातीं और पदों का, जो उक्त प्रधितियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं. तही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान सम्पत्ति जो गौरा बाबू का बाग, स्टेशन रोड जयपुर पर स्थित है श्रीर उप पंजीयक, जयपुर द्वारा अमांक 1221 दिनांक 26-5-1979 पर पंजीबद्ध विक्रय पन्न में श्रीर विस्तुत रूप से विवरणित है।

> एम० द्वार० ग्रग्नाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जयपुर

दिनांक: 2-1-1980

प्रकप भाई। टी। एन। एस।

आयकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-य(1) के बधीन सूचना

मारत मरकार

कार्यांत्रय, सहाय क प्रायकर आयुक्त (निरोज्ञण) श्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, विनांक 2 जनवरी 1980

निर्देश संख्या राज०/महा० ग्रा० श्रर्जन/626—-यतः मुझे, एम० ग्रार० ग्रग्रवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन गक्षण प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्पायर सम्पत्ति जिएका उचित बाजार मृस्य 25,000/-क्षयें स ग्रधिक है

श्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 36 है तथा जो कोटा में स्थित है, (श्रौर इससे जपाबद्ध भ्रतुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय कोटा में रिजस्ट्री-करण श्रधितियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीत 31-7-1979

की पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिफन के लिए अम्बरिन की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त मन्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, तथपाया गया प्रतिफल निम्नलिखिन उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप में कथिन नहीं किया गया है :——

- (क) प्रन्तरण स हुई किसी प्राय की वाबन अवा प्रिध-नियम के प्रजीन कर देने के प्रन्तरक के दापि-व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रौर/या
- (ख) ऐसे किसी भाय या किसी धन या ग्रन्थ ग्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय आयहर प्रधितियम, 192? (1922 का 11) या उकत ग्रिधितियम, या धन-कर ग्रिधितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

अतः, अत्र, उक्त अधिनियम, की घारा 269-य के अनुपरण में मैं, उक्त अधिनियम की घारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात:——

- श्री प्रह्लाद कुमार जिन्दल पुत्र श्री श्रीकिशन जिन्दल अग्रवाल निवासी शोषिंग सेन्टर, कोटा (श्रन्तरक)
- अोमनी तारा चाउँ पश्नि श्री ग्रसगर श्रली बाहरा, निवासी राधा विलास मोहल्ला बोहरा, टीपटा, कोटा (श्रन्तरिनी)

को यह पुबना नारी करके पुर्वोक्त सम्पत्ति के भवंत के लिए कार्यवादियां करता हूं।

उत्तर समाति के प्रार्थन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में ने किमी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इर पूर्वता के राजयत में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर छक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंसबढ़ किसी पत्य अकित द्वारा, भवोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्तब्दोक्तरग: --इलमें प्रयुक्त जन्दों भीर पदों का, जो उक्त अधिनियम के भ्रष्टयाय 20-क में यथापरिभाषित है, बही भ्रयं होगा, जो उस भ्रष्टयाय में विया गया है।

अनु सच्ची

ण्लाट नं० 36, शोपिंग सेन्टर कोटा पर स्थित सकान सम्पत्ति का भाग जो उप पंजीयक, कोटा द्वारा ऋम संख्या 1019 दिनांक 31-7-1979 पर पंजीबद्ध विश्वय पात में ग्रीर विस्तत रूप से विश्वरणित है ।

> एम० श्रार० श्रग्रवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज. जयपृर

नारीख 2-1-1980 मोहर:

प्रकप भाई० टी• एन• एस०----

आ गक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की श्वारां 2.69 घ(1) के अधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय महायक श्रायकर <mark>श्रायुक्त (निरीक्षण)</mark> श्रर्जनरेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 2 जनवरी 1980

निर्देश स० : राज/सहा० आ० म्रर्जन/627—-यतः मुझे. एम० म्रार० म्रग्रयाल,

आयकर ग्रिवित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इनके प्रवाद 'उक्त ग्रिवित्यम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्तम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर मंपत्ति, जिमका उचित बाजार मृन्य 25,000/- ६० से प्रधिक है

स्रीर जिसकी संख्या प्लाट नं० 36 है तथा जो कोटा में स्थित है, (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय कोटा में, रिजस्ट्री-करण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 31-7-1979 को

पूर्वोत्तः सम्मति के उचित बाजार मूल्य से कम के पृथ्यमान प्रति-फल के लिए घरनरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यपान प्रतिकल के पेस्ट्रह प्रतिशत से ब्रिक्सिक है और प्रन्तरक (अन्तरकों) और बस्तरिती (प्रन्तिन नियों) के बीच ऐसे अस्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निय्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—-

- (क) अन्तरण से हुई किसी माय की बाबत उक्त भ्रामित्रम के प्रधीन कर वेने के अन्तरक के दायित्व म करों करने या उससे बचने में सुविधा के लिए.
 भौर/यः
- (ख) ऐसी किनो आय या किसी धन या अन्य आ तयों को, निन्हें भारतीय भायकर मिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या खकत मिनियम, या धन-कर मिधिनियम, 1957 (195: का 27) के प्रयोजनार्व अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गय। वा या किया जाना चाहिए था, खिपाने में मुखिधा के लिए।

अतः, अब, उन्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुपरण में, में, उक्त स्वधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (११ ह स्वधीत निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् 1---

- श्री प्रहलाद कुमार जिन्दल पुत्र श्री शिकिशन जिन्दल अग्रवाल निवासी पोपिंग सेन्टर कोडा (प्रन्तरक)
- 2. श्री श्रसगर श्रली पुत्र श्री फजल हुसैन बोहरा निवासी राधा विलाल मोहल्ला टीपटा, कोटा (श्रन्तरिनी)

को यह सूचना जारी करके पुर्वोक्त सम्मति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता है।

उकत समाति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इन सुचना के राजात में प्रकासन की नारीचा से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्णेक्त वाक्तिया में से किमी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इ.प. मूचना के राजपत्र में प्रकाशन को नागेत से 4.5 दिन के मीतर छक्त स्थावर संपत्ति में तिवब किसी ग्रस्य व्यक्ति द्वारा श्रश्लोहस्ताक्षरी के एम लिखिस में किए ज' मकोंगे।

स्थव्दीकरण :→-इसमें प्रयुक्त जन्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है वहीं अर्थ द्वोगा जो, उस बद्याय में विया मया है।

अमृत् घो

प्लाट नं० 36, शोपिंग सेन्टर कोटा पर स्थित मकान सम्पत्ति का भाग जो उप पंजीयक. कोटा द्वारा पंजीबद्ध वित्रय पत्र संख्या 1018 दिनांक 31-7-79 में ग्रीर विस्तृत रूप मे विवरणित हैं।

> एम० श्रार० श्रग्नवाल सक्ष्म प्राधिकारी महायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जयपुर

तारीख 2-1-1980 मोहर: प्रारूप आई० टी० एन० एस०-

म्रायकर म्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269न (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

ार्यालक सहायक भायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 2 जनवरी 1980

निर्वेश संख्या राज/सहा० म्रा० म्रर्जन/628——यतः मुझे, एम० म्रार० मग्रवाल,

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ध के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इपए से प्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 36 हैं तथा जो कोटा में स्थित है, (श्रीर इससे उपावद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय कोटा में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 31-7-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, चसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वश्यमान प्रतिफल के पन्नह प्रतिशत सें अधिक है भीर यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त्रिक रूप से कथित महीं किया गया है:—

- (क) धन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त घर्षि-नियम के घर्षीम कर देने के ग्रन्सरक के दायित्व में कमी करने धर उससे बचने में सुविधा के लिए, ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य भ्रास्तियों को जिन्हें भारतीय भाय-कर भ्रधिनियम 1522 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ भन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना परिच् था, छिपाने में सुविधा के लिए,

मतः, मब, उक्त मधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त मधिनियम की घारा 269-म की उपधारा (1) के मधीन निम्नलिखित व्यक्तियों ,भर्यात् :---17—466GI/19 श्री प्रहलाद कुमार जिन्दल पुत्र श्री श्रीकिशन जिन्दल ग्रग्नवाल नियासी शोपिंग मेस्टर, कोटा

(ग्रन्तरक)

 श्री तफजुल हुसैन, पुत्र श्री श्रसगर श्रली, राधा विलासन मोहल्ला बोहरा टीपटा, कोटा

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पन्ति के प्रर्जेत के लिए कार्यवाहियों करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अ्पक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त अ्पक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब के किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रौर पदों का, जो उक्त श्रिषि-नियम के श्रश्याय 20क में परिनाषित हैं, बही स्रयं होगा, जो उस स्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 36 प्रोपिंग सेंटर कोटा पर स्थित मकान सम्पत्ति का भाग जो उप पंजीयक, कोटा द्वारा ऋमांक 1020 दिनांक 31-7-1979 पर पंजीबद्ध विक्रय पत्र में ग्रौर विस्तृत रूप से विवरणित हैं।

एम० म्रार० म्रग्नवाल सक्षम प्राधिकारी (सहायक प्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज, जयपुर

तारीख: 2-1-1980

प्ररूप दाई० टी० एन० एस०---

आयकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 289-घ (1) के मधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 16 जनवरी 1980

निर्देश संख्या राज०/सहा० ग्रा० ग्रर्जन/631—यतः मुझे, एम० ग्रार० ग्रग्रयाल,

ग्रायक्तर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संगत्ति जिन्नका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से ग्रधिक है

श्रौर जिसकी सं० के-23 ए हैं तथा जो जयपुर में स्थित है, (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय जयपुर में, रजिस्ट्री-करण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 8 मई 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से ग्रीधक है ग्रीर ग्रन्तरक (ग्रन्तरकों) ग्रीर ग्रन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे ज्ञन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-कल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई िकसी न्नाय की अवत उक्त न्नाधिन नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उसम बचने में मुविधा के लिए; भ्रौर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

भत, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के भनुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अज्ञीन निम्नलिखित व्यक्तियों, भर्यात्:— श्री स्रानन्द किशोर माथुर, श्रेम किशोर माथुर राजिकशोर माथुर एवं महेन्द्र किशोर माथुर पुत्रान स्व० श्री किशोरी लाल माथुर प्लाट नं० के-23 मालवीय मार्ग, सी-स्कीम, जयपुर

(ग्रन्तरक)

2. श्री प्रकाश चन्द्र माथुर पुत्र श्री चन्द किलोर राय, शिव सदन, एम० एल० ए० कालोनी, जयपुर

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीका सम्पत्ति **के ग्रर्जन के** ^१लए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त समाति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप : ----

- (क) इस सूचना के राजगत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन के 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्यारा;
- (ख) हा सूना। के राजरत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिंत-यद्र किपी भ्रत्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टी तरण:---इनमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उपत प्रधितियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही श्रर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में विया गया है।

अनुसूची

जमीत का प्लाट जिसके नम्बर के-23 ए हैं, मालवीय मार्ग, सी-स्कोम, जयपुर जो उप पंजीयक, जयपुर द्वारा क्रम संख्या 1117 दिनांक 8 मई, 1979 पर पंजीबद्ध विक्रय पत्र में ग्रौर विस्तृत रूप से विवरणित हैं।

एम० म्रार० भ्रग्नवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जयपुर

दिनांक : 16-1-1980

मोहरः

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०--

भ्रायकर श्रिघिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण)

यर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 16 जनवरी 80

निर्देश सं० राज०/सहा० भ्रा० ग्रर्जन/632—यतः मुझे, एम० भ्रार० श्रग्रवाल,

भायकर ध्रिष्ठिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ध्रिष्ठिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ध्रिष्ठीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रुपए से प्रधिक है

भीर जिसकी सं० के-23 बी है तथा जो जयपुर में स्थित है, (भीर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय जयपुर में रिजस्ट्री-करण श्रधियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन तारीख 2 जून 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त श्रिक्षि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व म कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए शौर/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या भ्रन्य ग्रास्तियों को जिन्ह भारतीय आय-कर ग्रिधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

मत:, मन, उक्त भ्रधिनियम की धारा 269-ग के भ्रनुसरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) केत भ्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, भ्रथीत :--

- श्री म्नानन्द किशोर माथुर, प्रेम किशोर माथुर, राजिकशोर माथुर एवं महेंद्र किशोर माथुर पुत्रान स्व० श्री किशोरी लाल माथुर प्लाट नं० के-23 मालवीय मार्ग, सी-स्कीम, जयपुर (अन्तरक)
- 2. श्री प्रकाश धन्दर माथुर पुत्र श्री नन्द किशोर राय कर्ता एवं सर्वश्री दीपक माथुर, प्रशोक माथुर एवं सुदन माथुर सदस्य एच० यू० एफ० श्रिव सदन, एम० एल० ए कालोनी, जयपुर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से
 45 दिन की अवधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी
 अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर-सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रत्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धी तरण: --- इसमें प्रयुक्त गाब्दों ग्रौर पदों का, जो उक्त ग्रधि-नियम, के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही ग्रथं होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट म्राफ लैण्ड नं० के-23 बी, मालवीय मार्ग, सी-स्कीम, जयपुर जो उप पंजीयक जयपुर द्वारा पंजीबद्ध विकय पत्न संख्या 1300 विनांक 2 जून, 79 में भ्रौर विस्तृत रुप से विवरणित है।

> एम० आर० भग्नवाल सक्षम प्राधिकारी सहायकद्मायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जयपुर

तारी**ख** 16-1-1980 मो**हर**ः प्रकृष भाई० टी • एतं • एस • -------

नाय तर मिसिनियम, 1961 (1961 हा 43) की धारा 269-च (1) के मधीन यूचना

भारत सरकार

कार्यालयः महायक धायकर धायकः (निरोक्षण)

भारत सरकार

श्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 15 जनवरी, 1980

निर्देश सं० राज/सहा० धा० श्रर्जन/629 →ध्रतः मुझे एम० धार० ग्रग्रवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्तम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-र • से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० बी-20 है, जो जयपुर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जयपुर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 26 मई, 1979 को द्वाकत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के पृथ्यमान प्रतिफल के लिए सन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का जारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसक दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पछ इस्प्रियान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पछ इस्प्रियान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पछ इसिशन से प्रविक्त है और अन्तरिक्त (अन्तरितियों) से बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, तिस्निविद्या उद्देश्य से उन्तर सम्तरण कि बिद्य में वाह्य-

- (त) अन्यरण से हुई किसी प्राय **की बाबत उक्त आधि-**लियम के ध्रष्ठीन कर देने के स्टब्स के दासिस्य में कसी करते या उससे बचने में स्विधा के लिए; धौर/या
- (क) ऐसी किसी भाय या किसी बन या अन्य बास्तियों की, जिन्हें जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उस्त भिधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के जयोजनाथे अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया का या किया जाना काहिए था, किया के सुविधा के लिए;

भतः अन, उन्त यशिनियम का बारा 26% न के अनुसरण मे, में, उक्त प्रशिनियम की बारा 269-म की खप-बारा (1) अधीन निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--- श्री बी० सी० नरूला, पुत्र श्री हीरालाल,
 प्लाट नं० 4, साईट 8, फिरोजपुर कैंन्ट (पाजाब)

(ग्रन्तरक)

 डा० सुन्दर लाल ग्रोवर पुत्र भी मनोहर लाल ग्रोवर राजापार्क, ग्रावर्शनगर, जयपुर ।

(ग्रन्तरिती)

को यर सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पन्ति के घर्वन के लिए कार्यवाहियी करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रजीन के संबंध में कोई भी पाओप :----

- (क) इस मूजना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
 की तामील से 30 दिन की भविष, जो भी भविष
 वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
 में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में दित्तवद्व किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अक्षोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वव्होकरण : -जहनर्वे प्रयुक्त सन्तों भीर पद्यों का, जो खक्त मिश्वनियम के भ्रष्टयाय 20-क में परिचाचित है, वही धर्य होगा, जो उस यहयाय में दिया गया है।

मनुषुची

प्लाट नं० बी-20, राजापार्क, ग्रादर्शनगर, जयपुर का उत्तरी, भाग जो उप पंजियक , जयपुर ब्रारा ऋमांक 1180, बिनांक 26-5-79 पर पंजिबद्ध विऋय पक्ष में भौर विस्तृत रूप से विवरणित है ।

एम० झार० झग्रवाल सक्म प्राधिकारी सहायक झायकर झायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जयपुर

तारीख 15-1-80 मोहर: प्ररूप चाई • टी ० एम • एस • ----

थायका प्रश्निताम, 196; (196) का 43) की प्रारा 269-व(1) के घषीन सूचना

भारत सरकार

कार्यांलय, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, विनांक 1 जनवरी 1980

निदेश सं० बीजीग्रार/1/79-80—अत० मुझे गो० सिंह गोपाला,

बायकर पविनियम, 1961 (1965 की 43) (जिसे इसमें इसके पश्चरत् जिन्न बिधिनियम कहा गया है), को घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पन्ति जिसका अधित बाजार मृश्य 25,000-/ रू० से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० फैक्टरी बिल्डिंग तथा भूमि जीकि 23/7, देहली मथुरा है तथा जो बल्लबगढ़ में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण, काधिकारी के कार्यालय बलबगढ़ में रजिस्ट्रीकरण, ग्रिधिकारी के कार्यालय बलबगढ़ में रजिस्ट्रीकरण, ग्रिधिकारी के कार्यालय बलबगढ़ में रजिस्ट्रीकरण, ग्रिधिकाम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन मई 79 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के डांचत बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान श्रितकल के लिए प्रकारत की गर्व है ग्रीर मृत्व यह विश्वास करन का कारण है कि गयापूर्वोक्त मम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके पृथ्यमान प्रतिकल के व्याह प्रतिक्र से प्रविक्त के श्रीर प्रकार (ग्रन्तरकों) ग्रीर गन्तरिती (ग्रन्थरितियों) के बीच ऐसे प्रकारण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिबात एड्रेंक्य से जन्तर अन्तरण विश्वित में वास्तविक कप से कविन नहीं किए। गया है

- (क) प्रश्तरण ये हुई किसी प्राय की बाबत जनत अधिनियम के ब्रिटीन कर देने के ब्रायरक के दायरव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए। प्राप्त
- (ख) एसा किया आय या जिलो इन या अस्य आक्तियों को, जिस्हें भररतीय आयकर अविनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त समिनयम, बा अभ-कर अग्नित्यम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्व अन्तरितो द्वारा धकट नहीं किया गया बा या विन्या काना वादिए था, कियाने में सुविधा के सिया

मतः, मब, उक्त मधिनियम की धारा 269-ग के मनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ज की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, मर्थात् :---

- 1. श्री श्रोम प्रकाश विनोविया पुत्र श्री गुलजारी लाल मकान नं बी-402, बीफेंस कालोनी नई देहली (धन्सरक)
- 2. मै० जी० एस० इन्डस्ट्रीज, जी० एल०-I ग्रन्सल भवन, 16 कस्तूरबा गांधी मार्ग नई देहली (ग्रन्तरिती) को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आबोप:-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका से 45 विन की प्रविध्व या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (श्र) इस सूत्रना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास तिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्योक्तरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो जनत भिक्षितियम के भव्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही भर्य होगा, जो उस भव्याय में विया हुआ है।

यपुत्रुची

सम्पत्ति फैक्ट्री बिल्डिंग सहित भूम जोकि 23/7 माईल-स्टोन, वेहली मथुरा रोड बल्लबगढ़ तथा जिसका ग्रीधिक विव-रण, रजिस्ट्री नं० 707 तिथि 8-5-1979 में जोकि रजिस्ट्री-कर्ता बल्लबगढ़ के कार्यालय में दर्ज है, दिया गया है।

गो० सिंह गोपाला सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, रोहतक

तारीख 1-1-1980

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०--

पानकर प्रविनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक

निदेश सं० के० एन० एल०/9 तथा 10/79-80—ग्रतः मुझे गो० सिंह, गोपाल, निरीक्षी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त भ्रजन रेंज, रोहतक

वायकर ग्रीविनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाएं 'उक्त ग्रीविनयम' कहा गया है), की धारा 269-स के ग्रीविन सक्षम प्राधिकारी को, यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित जाजार मूल्य 25,000/- रुपये से ग्रीविक है और जिसकी सं० बिल्डिंग नं० XVIII -823 है, तथा जो जी०टी० रोड, करनाल, में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध प्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, करनाल में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम 1908 (1908 का 16) के श्रीन तारीख जून, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कन के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रश्तरित की गई है प्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से प्रविक्त है भौर पन्तरक (प्रन्तरकों) भौर प्रन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरक के लिए, तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखिठ उद्देश्य मे उक्त प्रत्तरण निक्तित में वास्तिबङ कर से किया नहीं किया गया है:——

- (क) धन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त, यिध-नियम के भ्रष्टीन कर देने के मध्यरक के विधिश्य में कमी करने वा उससे बचने में सुविधा के बिए; भीर/या
- (क) ऐसी किसी माय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिस्हें, भारतीय घायकर घितियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त घितियम, या धन-कर घितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्य धन्तिरिंदी द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविद्या के लिए;

अतः, भव, उक्त भिवितियम की खारा 269-ग के अतु-सरण में, में, उक्त प्रधितियम की घारा 269-म की उपवारा (1) के भ्रधीन निम्नसिखित व्यक्तियों, प्रथातः :----

- 1. (1) श्री हरवन्स लाल पूज श्री राहराम : : ।
 - (2) श्री राजिन्द्र कुमार पुत्र श्री हरवन्स लाल वोनों निवासी ग्रशोका कालोनी, करनाल। (ग्रन्तरक)
- श्री मूल चन्द एण्ड सन्ज, मार्फत: म० नेशनल ट्रेकटरज तथा इम्प्लीमैंट्स, जी० टी० रोड, नकरनाल ।

(ग्रन्तरिती)

मैं० ग्लोब ट्रेकरर्ज,
 जी० टी० रोड, करनाल ।

(वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनन सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी ब्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, ओ भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हि्तबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के
 पास लिखित में किए जा सकेंग ।

ररब्दी हरन :--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त भिवित्यम, के भश्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस भश्याय में दिया गया है।

मनुत्त्वी

सम्पत्ति एक बिलिंडिंग नं XVIII-823 जोकि जी विटी विरोड, करनाल में स्थित है तथा जैसा कि और ग्रिधिक रजिस्ट्रीकर्ता करनाल के कार्यालय में रजिस्ट्री कर्मांक 1482 तथा 1483 तिथि 4-6-79 पर दर्ज है।

गो० सिंह गोपाल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, रोहतक

ता**रीख: 3**-11-1979

प्ररूप भाई० टी० एन० एप० -----

मायकर भिधिनियम, 1981 (1961 का 43) की धारा 269-व(1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, रोहतक रोहतक, विनांक

निदेश सं० के० टी० एल० /1/79-80 — मृतः मुझे गो०सिंह, गोपाल, निरीक्षी सहायक श्रधिकारी श्रायकर प्रायुक्त, धर्जनरेंज, रोहसक

भायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त भ्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भ्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बानार मूह्य 25,000/-रुपए से भ्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० वो मंजिला दुकान नं० 69 (एम० सी० के० नं० 1362/XVII) है तथा जो मंडी जवाहर गंज, कैथल में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय कैथल में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनयम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक मई, 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए श्रन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से श्रधिक है श्रीर अन्तरक (अन्तरकों) श्रीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य स उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथिन नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण में हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त ग्रिश्वनियम के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी वन या अन्य ग्रास्तियों को, जिस्ह भारतीय ग्रायकर ग्रीविनयम, 1922 (1922 का 11) सा उक्त ग्रीविनयम, या वन-कर ग्रीविनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाये ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः, भवः, उक्त भिवित्यमं की घारा 269-ग के भ्रानुसरण में, मैं, उक्त भिवित्यमं की घारा 269-व की उपघारा (1) के अभीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्री सुशील कुमार जैन पुत्र श्री लज्जा राम जैन कैथल ।

(श्रन्तरक)

2. श्री राजेश कुमार पुत्र श्री विमल कुमार पुत्र श्री सत्याप्रकश मार्फत: मै० सत्याप्रकाश संजीव कुमार मंडी जवाहर गंज, कैथल ।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रजैन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्रं में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबदे किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरीं के पास निकात में किए जा सकेंगे।

स्वब्दीकरण: ---इनमें प्रमुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उश्वत ग्रिधिनियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही ग्रर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में विया गया है।

अनुसूची

सम्पत्तिनं ० एम० सी० के०/XVII/1362 (वुकाननं ० 69) जोकि मंडी जबाहर गंज, कैथल में स्थित है तथा जैसा कि ग्रीर ग्रिधिक रिजस्ट्रीकर्ता कैथल के कार्यालय में रिजस्ट्री कमांक 313 तिथि 12-5-1979 पर वर्ज है।

ं गो० सिंह गोपालाः सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजीन रेंज, रोहतक

तारीखः योज्यः

ं मोहर :

प्रकप माईं• ही॰ एत॰ एस॰-----

भाषकर समिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के समीन सूचना

भारत सरकार

कार्याभव, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहसक, विनांक 23 जनवरी 1980

गो० सिंह, गोपाल, सहायक द्यायकर द्यायकत, (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज, रोहतक नायकर प्रवितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-च के भागीत सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करते कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका कारण है 25,000/- पपये से मस्य ग्रधिक भौर जिसकी सं० वुकान प्लाट सं० एस० सी० एफ० 68, नई मण्डी, है तथा जो कालावाली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद ब्रन्सुची में भ्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रोकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय डबवाली, में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908

(1908 का 16) के प्रधीन तरीख मई, 1979
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
बृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
बिश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, असके बृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
बृश्यमान प्रतिफल के पण्डह प्रतिक्षत से घषिक है और
प्रकारक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों), के बीच
ऐसे अन्तरण के निए तय पाया गया प्रतिक्षत निम्तलिखत
जहेश्य से उच्त अन्तरण लिखित में बास्तिक कप से कथित
नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त भन्निः नियम के भन्नीत कर देने के भन्तरण के वायित्व में भगी करने या उससे बचने में सुविधा के किए भीर/या
- (क) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भण्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर भिष्ठित्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिष्ठित्यम, या धनकर भिष्ठित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा; के लिए;

अतः, प्रव, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-म के धर्मु॰ सरण में, में, अक्त प्रधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निस्तिखित व्यक्तियों, अर्थात्:→

- 1 श्रीमती शान्ती देवी स्त्री श्री ग्रमर नाथ
 - (2) श्रीमत्ती निर्मला देवी पहिनश्री नोहर चन्द गां० कालावाली, मुकाम कालावाली, तहसील ब्रववाली ।

(ध्रन्तरक)

2. सर्वंश्री गुरमुख सिंह, किरपाल सिंह, ईशार सिंह सुपुत श्री रत्न सिंह गा० कालावाली, तहसील डबवाली (सिरसा)।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

जनत सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकामन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी भ्रस्य स्थावत द्वारा, भ्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उनत प्रिष-नियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है, बड्डी ग्रयं होगा, जो उस ग्रध्याय में विया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति दुकान प्लाट नं० एस० सी० एफ० 68 एस० सी०-II स्थित नई मण्डी, कालायाली और जैसा कि और अधिक रिजस्ट्रार कर्ता डबबाली के कार्यालय में रिजस्ट्री सं० 370, दिनांक 22-5-1979 पर दर्ज है।

> गो० सिंह० गोपाला, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्राय कर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, रोहतक

तारीख: 23-1-80

प्रकप माई॰ टी॰ एन॰ एस॰---

धायकर ग्रांग्रिनियम, 1981 (1981 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन मूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 23 जनवरी, 1980

निवेश सं० एफ० टी० बी०/5/79-80—श्रातः मुझे गो० सिं० गोपाल, निरीक्षी सहायक श्रायकर श्रायुक्त, श्रर्जन रेंज, रोहतक

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उत्ति बाजार मुक्य 25,000/- दुपये से अधिक है

भीर जिसकी सं० भूमि रकबा 49, कनाल, है तथा जो ग्राम जनकोठी, तहसील फतेहबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भीर जो पूर्ण रूप से बिणत है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय फतेहबाद, में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन मई, 1979 को

(1908 का 16) के अधान मह, 1979 का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के पूर्व्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके बृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से प्रधिक है और प्रश्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रश्तरक के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त प्रश्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) प्रश्तरच से हुई किसी प्राप्त की बाबत उपत प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रस्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ब) ऐसी किसी बाय या किसी धन या प्रश्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रतिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रविनियम, या धन-कर प्रविनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया बाया किया जाना वाहिए बा, खित्राने में सुविधा के लिए;

- श्री बन्ता सिंह पुत्र श्री सोहन सिंह निवासी ग्राम चनकोठी, तहहील फतेहबाद। (ग्रन्तरक)
- 2. (1) श्री सतनाम दास पुत्र श्री दीवान चन्द
 - (2) श्रीमती सुभाई बाई पत्नी श्री दीवान चन्य ग्राम बानावाशी सोतर, तहसील फतेहबाद । (ग्रन्तरिती)

को यहं सुबना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कायवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के प्रज्ञंन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी क्यक्तियों पर सूचना की तारी खासे 30 दिन की भविधि, जो भी भविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में अकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पन्दोक्तरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वही धर्य होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

सम्पत्ति भूमि रकबा 49 कनाल जोकि ग्राम चनकोठी, तहसील फतेहबाद में स्थित है तथा जैसा कि ग्रीर ग्रधिक रजिस्ट्री-कर्ता, फतेहबाद के कार्यालय म रजिस्ट्री क्रमांक 816 तिथि 24-5-1970 में दर्ज हैं।

> गो० सिंह गोपाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, रोहतक

तारीख: 23-1-80

भायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की ग्रारा 269थ (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, रोतहक

रोहतक, दिनांक 23 जनवरी, 1980

निदेश सं० डी० बी० डब्ल्यू०/1/79-80—श्रतः मुझे गो० सिं० गोपाल, निरीक्षी सहायक श्रायकर श्रायुक्त, धर्जन रेज, रोहतक

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जक्त प्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-क के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है

भीर जिसकी सं० भूमि रकबा 8 कनाल, 1 मरला है तथा जो गांव गिंडेरान, तहसील उबवाली में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय डबवाली में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन मई, 1979

में पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्तर प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) के अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित छ्रेग्य से उवत अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) म्रन्तरण से हुई किसी म्राय की बाबत, उक्त मर्धि-नियम के म्रघीन कर देने के म्रन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; मौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या घन्य घास्तियों को, जिन्हें भारतीय घायकर घिषिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त घिषिनयम मा धन-कर घिषिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ घन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया काना चाहिए चा, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः, ग्रब, उन्त ग्रधिनियम, की घारा 269-ग के धनुसरण में, में, उन्त ग्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथीत्: — श्री जुगल किशोर पुत्र श्री वास देव निवासी मकान नं० 130, शिवाजी पार्क, नई दिल्ली ।

(श्रन्तरक)

- (1) सर्व श्री जयकरन दास, मोहन लाल पुत्रान श्री मुम्बा राम,
 - (2) श्री साहिब राम पुत्न श्री हर दियाल गांव मैम्बर खेड़ा, तहसील डबवाली।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के <mark>अर्जन के</mark> लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारी आर से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्त धिनियम के घड़्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही धर्थ होगा, जो उस अध्याय में विमा गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति भूमि रकवा 88 कनाल 1 मरला जोकि गांव गिंडेरान तहसील डबवाली में स्थित हैं तथा जैसा कि और ग्रिधक रजिस्ट्रीकर्ता डबवाली के कार्यालय में रजिस्ट्री कमांक 339 तिथि 17-8-1979 में दर्ज हैं।

> गो० सिं० गोपाल सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, रोतहक

तारीख: 23 जनवरी, 1980

प्रक्य बाई॰ टी॰ एन॰एस॰----

प्रायक्तर अक्षिणियम 1961 (1961 का 43) की जारा 269-थ (1) के अक्षीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 23 जनवरी, 1980

प्रायकर प्रधिनियम, 1961(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के सभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उक्ति बाखार मूख्य 25,000/- इपये से प्रधिक है

ग्नीर जिसकी सं० 9, सरवार बल्लभ भाई पटेल मार्कीट है तथा जो करनाल में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनु सूची में ग्नीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय करनाल में रजिस्ट्रीकरण ग्रीधनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रीधीन श्रगस्त, 1979

में पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृह्यमान प्रतिकल के लिए प्रश्वरित की गई है पौर मुझे यह विह्वास करने का कारण है कि यदापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृह्यमान प्रतिफल से, ऐस वृह्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिकत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और धन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) भग्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उस्त प्रधिनियम के अधीन कर देने के अग्तरक के वादिक्य में कभी करने या प्रश्वसे बचने में सुविधा के सिए। भीर/या
- (ख) ऐसी किसी भाग या किसी वन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर प्रधितियम, 1922 (1922 का 11) या उपत भिवित्यम, या अप-कर धिवित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्व सम्परिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने वें सुविधा के बिए;

अतः, अब, उन्त अधिनियम की बारा 269-ग के बनुसरक में, में, उन्त बिनियम, को धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रर्थात् :---

- (1) श्री धानी दास पुत्र श्री गोर्धन दास निवासी ए-92, माडल टाउन, करनाल
 - (2) श्री राज बक्स पुत्र श्री लाल चन्द निवासी बी-223, माडल टाउन, करनाल। (भ्रन्तरक)
- 2. सर्व श्री हंस राज, मुलख राज, पुन्नान श्री राम चन्द निवासी 78, दयाल सिंह कालोनी, करनाल शहर। (धन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के झर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजैन के संबंध म कोई भी प्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की भविश्व या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की भविश्व, जो भी भविश्व बन्द में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी स्थक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उनत स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी बन्य व्यक्ति द्वारा, अक्षोइस्ताकारी के पास लिक्षित में किए जा सकेंवे।

स्वक्कीकरण: -- - इसमें प्रयुक्त सन्दों भीर पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं धर्म होगा, जो उस धन्याय में विया थया है।

अनुष्ट्रची

सम्पत्ति दुकान नं० 1, जोकि सरदार बल्लभभाई पटेल मार्कीट, करनाल में स्थित है तथा जिसका धौर श्रधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता करनाल के कार्यालय में रजिस्ट्री कमांक 2875, तिथि 9-8-1979 में दिया गया है।

> गो० सि० गोपाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर भायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रज,रोहृतक

विनाक: 24 दिसम्बर 1979

प्ररूप माई० टी० एन० एस०----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के भन्नीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज, रोतहक

रोहतक, दिनांक 23 जनवरी, 1980

निदेश सं० एस० पी० टी०/4/79-80—श्रतः मुझे गो० सिं० गोपाल, सहायक श्रायकर श्रायकत, (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, रोहतक

मायकर मिधिनियम, 1961 (1961

का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से श्रधिक है

श्रौर जिसकी सं० मकान नं० 14/15, मिलक कालोनी है तथा जो 5 सोनीपत में स्थित हैं (श्रौर इ से उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर सें पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय सोनीपत में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक मई, 1979 में

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है धौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से ध्रधिक है और धन्तरक (धन्तरकों) धौर धन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त श्रिकि नियम के भ्रधीन कर देने के भ्रग्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या प्रम्य घास्तियों को, जिन्हें भारतीय घायकर घंधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त घंधिनियम, या धनकर घंधि-नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ घन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

श्रद्धः, जब, उस्त ग्रिधिनियम की घारा 269-ग के प्रमुसरण में, नैं, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्निशिक्त न्यक्तियों, ग्रयीत्:— श्रीमती शुदर्शन कुमारी स्त्री श्री सोहन लाल,
 37-ब्रार०, भाडल टाऊन, सोनीपत।

(भ्रन्तरक)

2. श्री सुभाष चन्द श्ररोड़ा, सुपुत्त श्री वेद प्रकाश श्ररोड़ा 14/15, मिलक कालोनी, सोनीपत।

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के झर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजात में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचमा के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबब किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टी करण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त अधि -नियम के शब्दाय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रथं होगा, जो उस शब्दाय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति मकान नं 14/15, मिलक कालोनी सोनीपत ग्रौर जैसा कि ग्रधिक विवरण उप रजिस्ट्रार, सोनीपत द्वारा सेल डीड रजिस्ट्री में क्रमांक ससंख्या 1088 दिनांक 31-5-1979 में दिया गया है।

> गो० सि० गोपाल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त(निरीक्षीण) श्रर्जन रेंज, रोहतक

तारीख 23-1-1980 मोहर :

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक भायकर भावकत (निरीक्क)

भ्रजन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 2 फरवरी, 1980

निवेण सं० के० एन० एल०/6/79-80—म्प्रतः मुझे गो० सि० गोपाल, निरीक्षी सहायक श्रायकर श्रायुक्त, श्रर्जन रेंज, रोहतक

पायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269—ख के ध्रधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-क्पए से घष्टिक है

स्रोर जिसकी संव दुकान नंव 48 हैं, तथा जो नई मंडी, करनाल में स्थित है (स्रोर इससे उपाबद्ध अनुसूची में स्रोर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय करनाल में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के स्रधीन दिनांक जुन, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है धौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पण्डह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (धन्तरकों) घौर धन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्तिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित में शस्तरित का ने कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अस्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के अस्तरक के अधित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी ब्रिया या किसी धन या अग्य मास्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायक्षर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मधिनियम, या धन-कर मिंधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रकारिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के निए;

यंत: यन, उनत मधिनियम की घारा 269-प के प्रमुखरन में; में, उन्त पश्चिनियम की घारा 269-न की उपधारा (1) के अधीन निम्नसिखित न्यन्तियों, अर्थात् ।— सर्वश्री परम राम तथा जयप्रकाण पुत्रान श्री हरीराम रेलवे रोड, करनाल ।

(ग्रन्तरक)

 श्री राम कंबार पुत्र श्री प्यारे लाल पुत्र श्री ताले राम निवासी नई मंडी, करनाल ।

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेपः--

- (त) इस सूचता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से
 45 दिन की शब्धि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की शब्धि, जो मी
 शब्धि बाद में समान्त होती हो, के मीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़
 किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास
 तिश्वित में किए जा सकेंगे।

स्वब्दोक्तरण:--इसमें प्रयुक्तः शब्दों भौर पदों का, जी उक्त धिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाधित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिमा गया है !

जन् सूची

सम्पत्ति दुकान नं० 48, जोकि नई मंडी करनाल में स्थित हैं तथा जिसका भौर अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता करनाल के कार्यात्वय में रजिस्ट्री ऋमांक नं० 962 तिथि 21-6-1979 में दिया गया है।

> गो० सिंह गोपाल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, रोहतक

तारीख: 2-2-1980

प्ररूप श्राई० टी० एन० एस०---

श्रायकर श्रधिनियम 1961 (1961 का 43) की घारा 269- च (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 2 फरवरी 1980

निवेण सं० के० टी० एल० /2/79-80—श्रतः मुझे गो०सिंह गोपाल, निरीक्षी सहायक श्रायकर श्रायुक्त, श्रर्जन रेंज, रोहतक

आयकर अधिनियन 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रुपये से अधिक है

भ्रौर जिसकी मं० दुकान न० 1504 हैं, तथा जो जवाहर गंज, मन्डी कैयल में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित हैं) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय कैथल में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख मई, 1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त भिध-विषम के श्रधीन कर देने के अग्सरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रंतः, श्रवं, उक्तं श्रिधिनियमं की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, में, उक्तं श्रिधिनियमं की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्निविश्वतं स्थक्तियों, श्रवात् :--- श्री प्रेम चन्द सुपुत्र श्री श्रीमप्रकाण श्रीमती सामित्री देवी पत्नी श्री श्रीमप्रकाण निवासी कैयल

(भ्रन्सरक)

 श्री पदम कुमार सुपुत्र श्री प्यारे लाल श्री सुशील कुमार सुपुत्र श्री पदम कुमार निवासी कैथल।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूत्रना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हूं।

जयत सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजनल में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्र किसी अन्य व्यक्ति बारा अबोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पब्दीकरणः → इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का जो उक्त ग्रिधि-नियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं ग्रर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

सम्पत्ति घुकान नं० 1504 जो कि जवाहर मन्छी कैंथल में स्थित हैं। तथा जिसका पूरा विवरण रजिस्ट्री कर्ता कैंथल के कार्यालय में रजिस्ट्री कमांक 469 दिनांक 26-5-79 में दिया गया है।

गो० सिंह गोपाला समय प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, रोहतक

तारीख: 2 फरवरी, 1980

प्रकप माई•टी•एन•एस•---

आयकर विधिनियन, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के संधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 2 फरवरी 1980

निदेश सं० जे० डी० प्रार०/4/79-80—प्रतः मुझे, गो० मिह गोपाल निरीक्षी सहायक श्रायकर श्रायुक्त, श्रर्जन रेंज, रोहतक,

मायकर प्रधिनियम, 1981 (1981 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'चन्द्र प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-था के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पन्ति, जिसका उचित बाजार मृह्य 25,000/- इ॰ से प्रधिक है

जिसकी सं रिहायसी मकान नं 26 सी, है तथा जो माडल टाउन, यमना नगर, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर जो पूण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय जगाधरी में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख जुन, 1979

को पूर्वीकृत सम्पत्ति के उजित बाजार मृहय में सम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रत्तिरत की गई है प्रीर मृझे वह विश्वास करने का कारण है कि यणापूर्वीकृत सम्पत्ति का उजित बाजार मृहय, उसके बृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकृत से प्रधिक है प्रीर धन्तरक (प्रन्तरकों) प्रीर धन्तरिती (प्रन्तरितयों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया क्या प्रतिफल, निम्नलिखित उहेश्य से उक्त धन्तरण निश्चित में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है।——

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के ख़बीन कर देने के प्रस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; बीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जातिए था, लिपाने में स्थिधा के लिए;

अत: अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के घनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रचीत:—

 श्रीमती लीला राय विधवा श्री मिलक महाराज श्रानन्द निवासी 30-सी, माङल टाउन, यमुना नगर।

(ग्रन्सरक)

 श्री नरेण चन्द्र गर्ग सुपृत्त श्री कान्ती चन्द्र गर्ग 26-सी, माडल टाउन, यमुना नगर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जबत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की घर्वाघ या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी घर्वाघ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
 हितवद किसी प्रम्य व्यक्ति द्वारा, प्रघोहस्ताकारी
 के पास लिखिन में किये जा सकोंगें।

क्ष्यब्दोक्तरण:--इनमें प्रयुक्त गर्थों पीर नहीं का, जी उक्त भ्रष्ठिनियम के भ्रष्टमाय 20-क में परिकालित है, वहीं अर्च होगा जो उस भ्रष्टमाय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति मकान नं० 26 सी, जोकि माङल टाउन यमुना नगर में स्थित है तथा जिसका और श्रिधिक विवरण रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी जगाधरी के कार्यालय में रिजस्ट्री कमांक 1530, दिनांक 25-6-1979 में दिया गया है।

गो० सिं० गोपाल सक्षम प्राधिकारी सहाहक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, रोहतक

तारीख: 2-2-1980

प्रकृष बाई • टी • ध्न • एस •--

लायकर श्रीमियम, 1961 (1961 का 43) की आरा 269व (1) के श्रीत सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, रोतहक

रोहतक, दिनांक 2 फरवरी, 1980

निवेश सं० के० एन० एल० /3/79-80---श्रतः मुझे गो० सिं० गोपाल, निरीक्षी सहायक श्रायकर श्रायुक्त, श्रर्जन रेंज, रोहतक

ग्रावकर श्रिश्चित्तियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त प्रधितियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधील सम्म श्रीधकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित वाजार मृख्य 25,000/-र • से संधिक है

ग्रौर जिसकी सं० दुकान है तथा जो करनाल में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-कर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय करनाल में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन मई, 1979

पूर्वोक्त संपत्ति के उलित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमाम प्रतिफल ने लिए प्रन्तिरत की गई है धीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उलित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्तर प्रतिक्र का पन्तर प्रतिक्र का पन्तर प्रतिक्र का प्रतिक्र का पन्तर (प्रन्तरकों) भीर धन्तरिती (प्रम्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गय। प्रतिफल, नम्निचित्र उद्देश्य से अक्त प्रन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कचित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी, जाय की बाबत उक्त खड़ि-नियम के प्रधीन कर देने के बन्तरक के दासित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के किए। और/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या बन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्व अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्नतः प्रव, उक्त अधिनियम की घारा 269-ग के अनु-सरण में, में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्।—— सर्वश्री श्रासानन्द तथा नानक चन्द पुत्रान श्री जोद्या राम नियासी करनाल ।

(भ्रन्तरक)

 श्री राम दास पुत्र श्री बेला राम निवासी करनाल

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारी कसे 45 विन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी धवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद किसी अन्य अपनित द्वारा, प्रश्लोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्वकारिकरण:--इसमें त्रवृत्त सन्तों और वर्गों का. जो उन्त प्रधि-नियम के बन्धाय 20 क में परिमाचित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस प्रस्थाय में विषा गया है।

अमुसूची

सम्पत्ति धुकान जोकि करनाल में स्थित है तथा जिसका ग्रिधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता करनाल के कार्यालय में रजिस्ट्री क्रमांक 765, दिनांक 18-5-1979 में दिया गया है।

> गो० सि० गोपाल सक्षम प्राधिकारी निरीक्षी सहायक श्रायकर श्रायुक्त, (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, रोहतक

तारीख: 2-2-1980

मोहर ।

प्रकप प्राई० टी • एन • एस •-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की ारा 269-व (1) के संधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजंन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 4 फरवरी 1980

निदेश सं० बी० जी० ग्रार०/13/79-80--ग्रतः, मुझे गी०, सि० गोपाल, निरीक्षी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त ग्रर्जन रोहतक

आयकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अश्रोत सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का शरग है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इपए से अधिक है और जिसकी

सं० 3-जी/200, एन० ग्राई० टी० है तथा जो फरीदाबाद में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय बल्लभगढ़ म रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन

मई, 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत निध्यक है और यन्तरक (यन्तरकों) और यन्तरिती (यन्तरिनिः) के बीच ऐसे यन्तरम के निध् तय वाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश से उक्त अन्तरण लिखित में वाश्त्तविक रूप से कवित नहीं किया गया है:—

- (का अन्तरम से हुई किसी प्राय की बाबत, उचत अधिक तियम, के प्रधीन कर देन के प्रमारक के दायित्व में कमी करने या उससे जबने में सुविधा के लिए, और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी वन या अन्य आस्तियों को; जिन्हों भारतीय आवकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अव्वरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चित्रिए था, छिपाने में सुविधा के निए;

अत: ग्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-य के अनुसरण में, मैं, उक्त ग्रिधिनयम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रबांत्:--- 19 | 466GI/79

- 1. (1) श्रीमती चन्द्र मुखी सुपुत्ती श्री (स्वर्गीय) श्रत्तर व्चन्द
 - (2) श्री भरत भूषत्र सुपु श्री (स्वर्गीय) ग्रत्तर चन्द निवासी फरीदाबाद ।

(अन्तरक)

2. श्री सुभाष चन्द हंस सुपुत्र श्री बेलाराम निवासी मकान नं० 3 जी/200, एन० ग्राई० टी० फरीदाबाद ।

(ग्रन्तरिती)

को यह भूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के निए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारी है से 45 दिन की अविधि या तत्सवंधी का तयों पर सूचित की तामी से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वावत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध ियं ग्रन्थ क्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पटिशकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पर्दो का, जो उक्त श्रिश्वनियम के श्रध्याय 20क में परिभाषित है, बही श्रथं होगा जो उस शब्दाय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति रिहायसी मकान नं० 3 जी/200 एन० आई० टी० फरीदाबाद में स्थित है जिसका और अधिक विवरण रजिस्ट्री-कर्ता बल्लभगढ़ के कार्यालय में रजिस्ट्री क्रमांक 1312, दिनांक 26-5-79 में दिया गया है।

गो० सिं० गोपाल सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, रोहतक

तारीख: 4-2-1980

मोहर:

प्ररूप माई० टी० एन० एम०~~

स्रायकर स्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के स्रिधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 4 फरवरी 1980

निवेश सं० बी०जी०ग्रार०/14/79-80--- प्रतः मुझे, गो० सि० गोपाल, प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उका प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ज के प्रशीन पक्षम प्राधिकारी को, यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित 25,000/- स्पण् मे प्रधिक हैं बाजार मृत्य श्रौर जिसकी सं० मकान नं० 84 है, तथा जो सेक्टर सात ए, फरीदाबाद में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रन्सूची में ग्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्सा ग्रिधिकारी के कार्यालय बल्लबगढ़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन तारीख मई, 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीकत सम्पत्ति का उचित बाजार मल्य, उनके दृष्यमान प्रतिकल से, ऐथे दुष्यमान प्रतिफान का पन्द्रह् प्रतिणान से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच धे भे जन्तरंग के तिए तर प्रथा गरा प्रतिकत्व निम्नतिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखिल में वास्तविक रूप ने विश्वत नहीं किया गया है:---

- (क) श्रन्तरण से हुई िक्सी श्राय की बाबत उक्त श्रिधि-नियम, के श्रधीन कर देने के श्रन्तर के दायिस्व में क्सी करने या उपसे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ्मे किमी प्राप या किमी धन या अन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धनकर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के प्रन्-सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखिन व्यक्तियों, अर्थात्:---

- श्री ग्रमरजीत सिंह सुपुत श्री मोहन लिंह 10, डाक्टर मुन्दरी मोहन एवेल्यू, कलकता (भ्रत्यरक)
- 2. श्री गरीब सिंह तथा हरी सिंह सुपुत्रान श्री विशन सिंह मकान नं० 84. सेक्टर 7ए, फरीदाबाद । (भ्रन्तरिती)

को यह सूचता जारी करके पूर्वीका सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सध्यत्ति के अर्जन के मम्बन्ध में कोई भी म्राक्षण:---

- (क) इन सूबना के राजरत में प्रकाशन की तारीख से 45 दित को अवधिया तत्वंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की जामीत ने 30 दित की अवधि, तो भी अवधि बाद में प्रभावन होती हो, के भोतर पूर्वोक्त वैशक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इत सूत्रता के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हिनबद्ध किसी पत्य व्यक्ति द्वारा, अश्रीहस्ताक्षरी के गात लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाधीतरण :---इवनें अपूका सन्दों श्रीर नदों का, जी उक्त ऋधि-निगम के श्रष्टाता 20-क में परिभाषित हैं, जही अर्थ होता, जो उन अध्यात में दिया गया है।

ग्रनुसूची

सम्पत्ति रिहायसी मकान नं० 84 जोकि सेक्टर 7ए, फरीदाबाद में स्थित हैं तथा जिसका श्रौर ग्रधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता बल्लबगढ़ के कार्यालय में रजिस्ट्री क्रमांक 1388. दिनांक 29-5-79 में दिया गया है।

गो० सि० गोपाल, सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, रोहतक

तारीख: 4-2-1980

मोहर:

प्ररूप भाई • टी • एत • एस • ---

ग्रायक्तर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269व (1) के भ्रधीन पूजना

भारत सरकार

कार्या तन, सह्वय ह प्राप्त हर आनुकत (निरीक्षण)

भ्रजन रेज, रोहतक रोहतक, दिनांक 4 फरवरी 1980

निदेश सं० एन० एन० एन०/1/79-80---प्रतः मुझे, गो० सि० गोपाल,

आयकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मित जिलाहा उचित वाजार मूल्य 25,000/- इ० से अधिक है

ग्राँर जिसकी सं० 3000 वर्ग गज भूमि है तथा जो पुरानी मंडी, नारनौल में स्थित है (ग्राँर इससे उपाबद्ध श्रन्सूची में ग्राँर जो पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, नारनौल में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन मई 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उनित बाजार मूहन से कम के दूरयमान प्रतिकल के लिए प्रन्तरित को गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उनित वाजार मूहन, उसते दूरयमान प्रतिफल से ऐसे दूरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है भीर भन्तरिक (भन्तरिकों) भीर भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नोतिश्वा उद्देश न उसा अस्तरण विश्वित में वास्तविक इस्प से किया नहीं किया गया है:---

- (क) प्रस्तरण से हुई किसा प्राप्त को बाबत, उनत मोध-नियम के मधीन कर देने के भग्तरक के दायिस्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (वा) ऐसी किसी प्राय या किसी घन या पन्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय धायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त धिवनियम, या धनकर धिवनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया धाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अपः भ्रम, उनन प्रधिनियम की धारा 269-न के धनुसरण में, मै, उक्त धिधिनियम की घारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नसिक्त व्यक्तियों अर्थात्: ---

- श्री राम चन्द्र, नारायण प्रसाद, हीरालाल सुपुत्रजान श्री चुनी लाल जांगडा ब्राह्मण, निवासी नारनौल। (ग्रन्तरक)
- श्री हर फूल सुपुत्र श्री शिवराम, पुरानी मन्डी, नारनौल ।

(भ्रन्तरिती)

को यह यूचना नारा करने पूर्वोक्त सम्पत्ति ने प्रजैन ने लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तन्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तासील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में सभाष्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-वद्ध किभी प्रन्य व्यक्ति द्वारा प्रवीहस्ताक्षरी के पात लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त भ्राधिनियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित है, बही ग्रथं होगा जो उस अध्याय में दिया गय। है।

अनुसूची

सम्पत्ति जोकि 3000 वर्ग गज है तथा पुरानी मंडी नारनौक में स्थित है तथा जिसका श्रीर श्रीधक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता नारनौज के कार्यालय में रजिस्ट्री कमांक 228 दिनांक 9-5-79 में दिया गया है।

> गो० सि० मोपाल सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, रोहतक

तारीख: 4-2-1980

मोहरः

269-घ (1) के ग्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जंन रेंज, रोहतक रोहतक, दिनांक 4 फरवरी 1980

निदेश सं० पी० एन० पी/1/79-80—-ग्रतः मुझे, गो० सि० गोपाल, निरीक्षी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त ग्रर्जन रेंज, रोहतक

श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से श्रधिक है

स्रौर जिसकी सं० भूमि जिसकी नाप 62 बीघा, 4 विस्वे है तथा जो पट्टी राजपूतान, पानीपत में स्थित है (स्रौर इससे उपाबद्ध सन्सूची में भ्रौर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी के कार्यालय पानीपत में रिजस्ट्रीकरण स्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन दिनांक मई, 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बारार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि त्यापूर्वी न म्हाति का उवित बातार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे, दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है, सौर अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तर्श के विए तय पाया भ्रश अतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तर्श निधित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है --

- (क) अन्तरण से हुई किसा आव का बाबत उका अधिनयम, के अधीन कर देने के बाबरक के दायित्व में कमी केरने या अससे बचने में मुतिधा के लिए; और/बा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी वन मा अन्य अश्वितयों को : उन्हें भारतीय आय कर एश्वित्यय, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या गान्न्य अगान्यस, 1957 (1957 का 27) के अपोधनार्थ सगरिती द्वारा प्रकट नहीं किया मना या या किया जाना चाहिए या, खियाने में सुविद्या के सिए;

अतः, अवं, उक्त अधिनियम की ज्ञारा 269-न के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की ज्ञारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---

- 1. श्रीमती बिमला चौधरी, विधवा श्री लक्ष्मन दास निवासी मकान नं० 188, माडल टाउन, पानीपत। (भ्रन्तरक)
- श्री हृदय राम सुपुत्र श्री लक्ष्मण दास निवासी मकान नं० 421/8, पानीपत ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
 अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पढटोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रौर पदों का, जो 'उक्त ग्रिधिनियम', के ग्रध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही ग्रर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्तिभूमि जोकि 62 बीघे 4 विस्वे है वपट्टी राजपूताना पानीपत में स्थित हैं जिसका और अधिक विवरण रजिस्ट्री-कर्ता पानीपत के कार्यालय में रजिस्ट्री क्रमांक 637, दिनांक 24-5-1979 में दिया गया है।

> गो० सि० गोपाल सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, रोहतक

तारीख: 4-2-1980

मोहर:

घरूप आई ॰ टी • एन • एस ०--+--आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत गरकार

कार्यालय, सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, रोहतक रोहतक, दिनांक 4 फरवरी, 1980

ग्रतः मुझे गो० सि० गोपाल, निरीक्षी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त, ग्रर्जन रेंज, रोहतक

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इमके पश्वात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की आरा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित जाजार मूल्य 25,000/- श्रूपमें से अधिक है और जिसकी सं० कृषि भूमि 70 कनाल 12 मरले है तथा जो गांव बादशाहपुर ठेठर (गुड़गांव) में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रुन्सूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय गुड़गांव में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन मई 1979 को

पूर्वोक्ष सन्मति के उत्वित राजार मूल्य ने कन के दृश्यमान प्रतिकल के निर् अन्तरित की गई है और मूलं रह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, स्सके दृश्यमान प्रतिकल के गेन्द्रह प्रातशत आधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) पौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रस्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिकल, निम्नानंश्वत उद्देश्य ने उक्त प्रस्तरण लिखित में वास्तविक हूल से कथित नहीं किया गया है.——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उन्त अधि-नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किनी आप या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय धायकर धिवियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1257 का 27) के प्रयोजनाय अन्तरितो दारा अकट नहीं किया गया या जा किया जाना चाहिए था खिमाने में सुविधा के लिए;

भतः, अब छक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-सरण में, मैं, उक्त धिष्ठनियम की घारा 269-च की उक्कारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :- श्री हरबम्स सिंह तथा जगदीश सिंह सपुतान, श्री उमदा सिंह सुपुत्र श्री बखतावर सिंह निवासी गांव ठेठर तह० व जिला गुड़गांव ।

(ग्रन्तरक)

- 2. (1) श्री शिवलाल व बदन सिंह सुपुतान श्री मूसे सुपुत श्री वजीर
 - (2) श्री बेगराज सुपुत्र छाजन
 - (3) श्री दूली सुपुत्र श्री पहलाद

निवासी गांव बादशाहपुर ठेठर , तह० व जिला गुड़गांव (श्रन्तरिती)

को यह सूबता जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उका समानि के अवी। के सम्बन्ध में की विश्वीय :---

- (क) इस प्रवता के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की प्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर भूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, वे भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजात में प्रकाशन को तारीख ने 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम जिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनत प्रधि-नियम के प्रध्याय 20-क में परिशाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है

ग्रनुसूची

सम्पत्ति जोकि 70 कनाल 12 मरले है व गांव शिवाना ठेठर (गुड़गांव) में स्थित है तथा जिसका और अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता गुड़गांव के कार्यालय में रजिस्ट्री क्रमांक 550, दिनांक 16-5-79 में दिया गया है।

गो० सि० गोपाल

सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजंन रेंज, रोहतक

तारीख 4-2-80 मोहर: प्रक्षा भाई । टी । एत । एस । ---

धायकर श्रविनियम, 1961 (1961 का 43) को धार। 269-च (1) के श्रवीन सुचना

भारत सरकार

हार्या तर, तर्दर याय हर आयुक्त (तिरीक्षण) अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 4 फरवरी 1980

निदेश सं० जो० आर० जी०/11/79-80—श्रतः मुझे गो० सि० गोपाल निरीकी सहायक श्रायकर श्रायुक्त श्रर्जन रेज रोहतक

आयक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन मजम गाधिकारी की, यह विश्वाम करने का जारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचिन जानार मृत्य 25,000/-मुठ से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० कोठी नं० 24 एवं है तथा जो न्यू कालोनी गुड़गांव में स्थित हैं (ग्रीर इसमें उपाबद ग्रनुसूची में ग्रीर जो पूण क्या से विभाग हैं रिजिस्ट्रीकर्ता ग्रीधकारी के कार्यालय गुड़गांव में रिजिस्ट्रीकरण ग्रीधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन मर्थ, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उनित बाजार मूल्य ए छम के बुग्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे गई निश्यान करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त समानि जा उनिय बाजार मृल्य, उसके बुग्यमान प्रतिफन से, ऐते बुग्यमान प्रतिफात के प्रतिकार (अन्तर्को) मोर अन्तरित अधिक है भीर अन्तरिक (अन्तर्को) भीर अन्तरित (अन्तरितिमों) के बील ऐसे मन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त मन्तरण, निखित में बास्तविक क्य से कथित नहीं किया गया है :--

- (ः) अन्तरण से बुई किसी धाय की बाबत, उक्त पश्चि-नियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या अससे बचने में मुविधा के चिए; धीव/या
- (ख) ऐसी कियी पाय या कियो पा मान्य प्रास्त्रियों की जिन्हें श्राय-कर श्रिविनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिविजयम, या धन-कर श्रिविनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तिरी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने सुविद्या के लिए;

शतः धनः उकतः प्रतिनियमः की धारा 260-ए के अनुनर्ण में, में उकतः प्रतिनियमः की धारा 269-ए की उपधारा (1) के ध्रतीनः निकासिकतः स्पष्टिकों, सर्वातः

- श्री कन्हैया लाल पोसवाल सुपुत्र श्री माम चन्द निवासी 47 एम० एल० ए० प्लैंट, चण्डीगढ़। (श्रन्तरक)
- . 2. (1) श्री बिशन सिंह सुपुत्र श्री ग्रनौखा सिंह (2) श्री सतिवन्द्र सिंह सुपुत्र श्री विशन सिंह निवासी कोठी नं० 24, एल० न्यू कालोनी, गुड़गांव (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्मम्बन्धी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो मो प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी धन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पान जिखिन में किए जा सकेंगे।

स्पब्दीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त भिन्न नियम, के भ्रष्ट्याय 20क में परिभावित है, वहीं भ्रषं होगा, जो उस भ्रष्ट्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पित कोठी नं० 24 एल जो कि न्यू कालोनी गुड़गाँव में स्थित है और जिसका और अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता गुड़गांव के कार्यालय में रजिस्ट्री क्रमांक 739, दिनांक 26-5-79 में दिया गया है।

> गो० सि० गोपाल सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, रोइतक

रीख 4-2-1980

मोहर :

प्रकृप शाईं ही । ग्त एस

आयकर मिविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के मिन्नीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज रोहतक

रोहतक, दिनांक 4 फरवरी 1980

निर्देश सं० एस० आर० एस०/5/79-80——अत: मुझे, गो० सि० गोपाल, निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त, अजन रेंज, रोहतक आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिन इसमे इसके पश्चात् 'उन्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्यन्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से प्रधिक है

ग्रौर जिसकी सं० दुकान है तथा जो माल गोदाम रोड, सिरसा, में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय सिरसा में रजिस्ट्री-करण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख मई, 1979

को पूर्वोक्त सम्यन्ति के उचित वाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृग्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्छ प्रतिशान से अधिक है भौर प्रन्तरक (अन्तरकों) भौर प्रन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए उथ पाया गया प्रतिज्ञल निम्नजिबित उदेश्य से उक्त अन्तरण निक्ति विश्वा में वाश्वाहित रूप से उक्त अन्तरण निक्ति में वाश्वाहित स्था पाया है :—

- (क) अन्तरण से हुई कियो आय को बाबन उना अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसने तचने में दुविया है निजे; और/या
- (ख) ऐती किसी आय या किसी धन या अन्त धाक्तियों को जिन्हें भारतीय धायकर धिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत धिधनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 17) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या तिया जाना चाडिए था, खियाने में युविधा के जिसे;

अतः प्रव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुपरण में, में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व की उपचारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रवीत :--

- 1. श्री कशमीरी लाल सुपुत्र श्री भजुराम सुपुत्र श्री रामचन्द निवासी सिरसा। (श्रन्तरक)
 - 2. (1) श्री मोहन लाल एवं मूल चन्द सुपुत्र श्री प्रेमचन्द
 - (2) श्री हंस राज, मुलख राज, सोहन लाल सुपुत्र श्री मेहंगा राम
 - (3) श्रीमती गंगा देवी पत्नी श्री देश राज सुपुत्र श्री महंगा राम
 - (4) श्रीमती लाजवन्ती पत्नी श्री जयचन्द पुत श्री मेहंगा राम निवासी गांव सहारानी, तह० सिरसा।

को यह पुत्रता जारो करके पूर्वीक्ष्त सम्मत्ति के प्रजेन के लिए कार्यजातियां करता हूं

उक्त मन्त्रति के प्रजैन के यन्वन्त्र में कोई नी आक्षेप:--

- (क) इस प्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ने 45 दिन की सबिध या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की नामील से 30 दिन की अविध, जो भी प्रविध बार में समाप्त होती हो, के भोतर पूर्वीका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारांच से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
 िकसी प्रम्य व्यक्ति द्वारा, प्रश्लोहस्ताक्षरी के पास
 जिल्लात में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का जो उक्त अधिनियम के घड़्याय 20-क में परिमाधिय है, बढ़ी धर्म होता, जो उन चड़तार में दिया गयर हैं।

अनुसूची

सम्पत्ति दुकान जोिक माल गोदाम रोड, सिरसा में स्थित है ग्रीर जिसका ग्रीर ग्रधिक विवरण रिजस्ट्रीकर्ता सिरसा के कार्यालय में रिजस्ट्री क्रमांक 801, दिनांक 19-5-79 में दिया गया है।

> गो० सि० गोपाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, रोहतक

तारीख: 4-2-1980

मोहर:

प्रकृष माई० टी० एन० एस०---

आयकर धितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीत गृत्रना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर भायुक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेंज रोहतक

रोहतक, दिनांक 4 फरवरी 1980

निदेश सं० एस० ग्रार० एस०/7/79-80—-ग्रतः मुझे, गो० सि० गोपाल,

प्रायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त मिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के मिने सक्त प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मूल्य 25,000/- रुपए से मिनिक है,

श्रौर जिसकी सं० जमीन जिसका नाम 104 कनाल 6 मरले है तथा जो कि गांव कुत्ताबढ़ तह सिरसा में स्थित हैं और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्री-कर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय सिरसा में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम

1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख मई, 1979
को पूर्वीका सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से क्रम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथा। बॉक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिकन से ऐसे दृश्यमान प्रतिकन का पन्दह प्रतिशत से ग्रीवक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के जान ऐसे
अन्तरण के लिए ना नावा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्ध्य से
उका प्रतिकन में गरतिक रूप से क्षित नहीं किया गया
हैं !--

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाब की बाबत, खनत अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐया किसी आय या किया धन या अन्य प्रास्तियों को जिन्हें भारतीय भ्राय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या धन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के बब्सरण में, में, उक्त अधिनियम की खारा 365-घ की उपधारा (1) के सधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :— श्री हरी किशन लाल, भोज राज, देश राज एवश्योक्त सुपुत्रान श्री हाकम चन्द निवासी गांव रत्ताखड़ा, तह० सिरसा।

(ग्रन्तरक)

- 2. (1) श्री देवचन्द, देवी राम सुपुत्र श्री ख्याली राम
 - (2) श्री निहाल चन्द सुपुत्र श्री देव चन्द निवासी गांव मेहना खेडा, तह० व जिला सिरसा ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वीक्त सम्मति के ग्रर्जन के लिए कार्रगिति हरता हूं।

उक्त सम्मत्ति के प्रजीन के संबंध में कोई भी धाक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी प्रस्ते बाद पं सनाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हारा;
- (ख) इस सूचना के राजपव में प्रकाशन की नारी बसे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिनबद्ध किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए वा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त ग्रधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति जिसकी पैमाइस 104 कनाल 6 मरले है और गांव कुत्ताबढ़तह सिरसा में स्थित है और जिसका और अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता सिरसा के कार्यालय में रजिस्ट्री कमांक 1092, दिनांक 29-5-79 में दिया गया है।

गो० सि० गोपाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जंन रेंज, रोह्नतक

तारी**ख** 4-2-1980 मोहर: प्ररूप बाई • टी • एन • एस • --

आयकर मंशिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के मंशीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, विनांक 11 फरवरी 1980

निदेश सं० 61/जून/79—यतः मुझे, स्रो० ध्रानन्द्राम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'डक्ट अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्वाद्यर सक्पत्ति, जिसका उचिट बाजार मूल्य 25,000/- व॰ में प्रधिक है

ग्नौर जिसकी सं० 7, कोंडी चेट्टी, स्ट्रीट है, जो मदास-1 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबक्ष श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण ऋप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय जे० एस० श्रार०-I मद्रास नार्थ, (डा० नं० 2668/79) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक जन, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित सामार मूह्य से कम के बृक्यमान प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है भीर मुझे यह विक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृक्यमान प्रतिफल से ऐसे पृत्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत सिषक है भीर सम्तरक (अन्तरकों) और भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित तहेश्य से सक्त प्रन्तरण निखित में वास्त्विक रूप से कथित नहीं किया गया है।—-

- (क) ग्रन्थरण में हुई किसी घाय की बाबत, उक्त प्रधितियम के अधीन कर देने के प्रकारक के दायिश्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए। और√या
- (का) ऐसी किसी पाय या किसी धन या प्रभ्य प्रास्तियों की, जिन्हें बारतीय प्रायकर प्रश्चिनियम, 1922 (1922 का 11) या जनत प्रश्चिनियम, या प्रन-कर प्रश्चिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए वा, छिपाने में सुनिधा के लिए।

बतः बनः, उनः अधिनियम की छारा 269-ग के मनुतरण में, में, उक्त अधिनियम की घारा 269म की उपधारा (1) के मजीन, निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात् :--20—466GI/79

1. श्री ग्ररमेनियन चर्च

(भ्रन्तरक)

- 2. (1) हिमरान एम० भ्रब्दुल हुसैन,
 - (2) सैंफुदिन हसन मली।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के निए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के संबंध में कोई भी भाक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की सबधि, को भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी क्यक्ति हारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारी खारे 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रश्लोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

रपम्मीकरण:--इसमें प्रयुक्त शन्दों घीर पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के घ्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित है, वही धर्म होगा जो उस प्रष्ट्याय में विया गया है।

अनुसूची

डाकुमेन्ट नं० 2668/79 जे० एस० भार०-I मद्रास नाथं भूमि भौर निर्माण डोर नं० 7, कोडी चेट्टिस्ट्रीट, मद्रास-1।

> ग्रो० ग्रानन्द्राम सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, मद्रास

तारीख: 11-2-1980

मोहरः

प्ररूप बाई • टी • एन • एस •----

बायकर बाविनियम, 1961 (1961 का 43) की वारा 269व (1) के बाबीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक धायकर धायकत (निरीक्षण)

म्रजन रेंज-I, नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली, दिनांक 18 जनवरी, 1980

निर्देश सं० धाई० ए० सी०/एश्यू०-I/1-80/988—-ग्रतः मुझे, जी० सी० धग्रवाल

कान कर मिधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रवात् 'उक्त मिधिनयम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विक्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति विसका खनित बाकार मूल्य 25,000/-र• से मिधक है

भौर जिसकी सं० एस-II है, तथा जो ग्रेटर कैलाश-I, नई दिस्ली में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन तारीख 8-5-1979

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान प्रतिक्षित के लिए मन्द्रित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके बृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे बृश्यमान प्रतिफल का पम्बह प्रतिशत पछिक है और धन्तरक (अंतरको) और धन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए उस पासा गया प्रतिकत, निन्निविज्ञत उद्देश्य से उन्त धन्तरण विज्ञित में बाक्तविक रूप से काजित नहीं किया गया है !---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त अधि-नियम के मधीन कर देने के मन्तरक के दायिस्त में कमी करने या उससे वजने में सूर्यिझा के विष्) मौर/या
- (ख) ऐसी किती भाष या किती घन या मन्य भास्तिमों को, जिन्हें भारतीय भायकर प्रक्रिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रिश्चिमम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में सुविधा के लिए;

पतः धन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के धनुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, मिम्नलिखित व्यक्तियों धर्मात् :---

- श्री मनजीत सिंह, निवासी 36 डबल स्टोरी, नया राजिन्दर नगर, नई दिल्ली ।
 - (मन्तरक)
- श्री हरबंस लाल मेहरा निवासी 20/80 शक्ति नगर, दिल्ली।

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारो करके पूर्वोक्त शम्यति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

बन्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी धाक्षेय :---

- (क) इस मूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की घविध यात बंधी व्यक्तियों पर सूचना
 की तामील से 30 दिन ही घविध, जो भी घविध
 बाद में समाप्त होती थे, के भीतर पूर्वोक्त स्थक्तियों
 में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवश किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के महपाय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वहीं प्रयं होगा, जो उस सहसाय में दिया गया है।

अनुसूची

एक डेढ मंजिला मकान जो प्लाट क्षेत्रफल 500 वर्ग गज पर बना है जिसका नं० 11 ब्लाक एस० जो रिहायशी कलोनी ग्रेटर कैलाश-I, नई विल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है।

पूर्व : प्लाट नं० एस-13 पश्चिम : प्लाट नं० एस-9

उत्तर : सङ्क दक्षिण : सर्विस लेन

> जी० सी० मग्रवास सक्षम प्राधिकारी सहायक म्नायकर मायुक्त (निरीक्षण), मर्जन रेंज, मई बिल्ली-110002

तारी**ब** 18-1-80 मोहर: प्रारूप आई० टी ° एन० एस०~---प्रायकर ग्राधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)
भ्रजीन रेंज-I, नई दिल्ली-110002
नई दिल्ली-110002, दिनांक 18 जनवरी 1980

निर्वेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०-1/1-80/989/--- प्रतः मुझे जी० सी० भग्नवाल मायंकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त भिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से ऋधिक है भौर जिसकी सं० एम-50 है, तथा जो ग्रेटर केलाश-11, नई -दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता घधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रजिस्दीकरण प्रधिनियम 1908 (1908 का के ग्रधीन तारीख 9-5-1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दुश्यमान प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत प्रधिक है भीर ग्रन्तरक (ग्रन्तरकों) ग्रौर ग्रन्तिरती (ग्रन्तिरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिकत, निम्नलिखित उद्देश्य से उनत प्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित

(क) मन्तरण से हुई किसी माय की बाबत उक्त मधि-नियम के मधीन कर देने के मन्तरक के वाधिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के किए; भौर/या

नहीं किया गया है:---

(क) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय धायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत प्रधिनियम, या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती धारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

भतः, भव, उक्त श्रिष्ठिनियम की धारा 269-म के भनु-सरण में, मैं, उक्त श्रिष्ठिनियम की धारा 269-म की हमधारा (1) के अश्रीन, निम्निलिखित स्पिक्तियों, प्रथातः---

- 1. श्री मोमप्रकाश गिरधर पुत्र श्री कुन्दन लाल गिरधर निवासी ए-9, एन० डी० एस० ई०-I, नई दिल्ली (मन्तरक)
- 2. बिग्रेडियर रमेश चन्द्र घई, पुत्र श्री रूपलाल घई निवासी डी०-371, डिफेंस कालोनी, नई दिल्ली। (मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्नन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी पाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील मे 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबज्ञ किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, मधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वव्हीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधि-नियम के भ्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं धर्य द्वीगा, जो उस भ्रष्ट्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक फीहोल्ड रिहायशी प्लाट नं 60, स्लाक नं एम, क्षेत्र फल 260 वर्ग गज जो रिहायशी कालोनी, ग्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली में निम्म प्रकार से स्थित हैं:---

उत्तर : सर्विस लेन

दक्षिण : प्लाट नं० एम-52

पूर्व : सर्विस लेन पश्चिम : सङ्क

> जी० सी० प्रग्नवास सक्षम प्राधिकारी सहायक क्षायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) सर्जन द्रेंज-I, नई विल्ली-119902

तारीख: 18-1-1980

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

आयकर म्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) धारा की 269-घ (1) के म्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज्र $I,\ 4/14$ क, आसफअली मार्ग नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली-110002, दिनांक 19 जनवरी 1980

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०-I/1-80/990--- प्रतः मुझे जी० सी० श्रग्रवाल

श्वायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मल्य 25,000/→ रुपये से श्रधिक हैं श्रौर जिसकी सं∘ 10 हैं, तथा जो गोल्फ लिकस, नई दिल्ली में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से विणित हैं) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण, श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख मई, 1979

के प्रवीन ताराख मक, 1979
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है धौर मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है धौर अन्तरक (अन्तरकों) धौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त ग्रधि-नियम∤ के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
 - (ख) ऐसी किसी आय किसी धन या श्रन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धनकर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था खिपाने में सुनिधा के लिए;

प्रतः, प्रव, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनु-सरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा के अंबीत निम्नालेखित कावितयों, प्रवीत्ःच- मै० लक्ष्मी एण्ड कं०,एक शाखा

मै० मोनटरी इन्टरप्राइसिज प्रा० लि०,

16, मरीना, श्रारकेड, नई दिल्ली

(म्रन्तरक)

 मै० रैंक फारमैचिकल्स प्रा० लि० ई-43, ग्रेटर कैलाश, नई दिल्ली।

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त समात्ति के भ्रार्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति क्षारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर समात्ति से हितबद्ध किसी श्रन्थ व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रधि-निश्व के प्रशाय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिखाया गया है।

अनुसूची

एक ढाई मंजिला मकान जो प्लाट क्षेत्र फल 1250 वर्ग गज पर बना है, 10 गोल्फ लिंकस, नई दिल्ली में स्थित है।

> जी० सी० ग्रग्नवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I, नई दिल्ली-110002

तारीखा 19-1-1980 मोहर: प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०----

भ्रायकर भ्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के भ्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज-I, श्रहमदाबाद

ग्रहमवाबाद, दिनांक 21 जनवरी 1980

सं० ए० सी० क्यू०-23- -2428(928)/1-1/79-80— भ्रतः मृक्षे एस० एन० मांडल,

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-च के स्रशीत सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर प्रशित, जिल्हा उतित बाजार मूल्य 25,000/- स्पर से स्रधिक है

ग्रौर जिसकी सं सर्वे नं 475, पैकी सब प्लाट नं 2-ए, 2 बी, 3ए, 3 बी, 4ए, तथा 4-बी, हैं तथा जो (टी॰ पी॰ एस॰ 28), बाइज, ग्रहमदाबाद में स्थित हैं (ग्रौर इससे उपाबद प्रनुस्पी में ग्रौर जो पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्री-कर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय ग्रहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन मई, 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं ग्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूस्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफत का पन्द्रह प्रतिशत से ग्रधिक हैं ग्रौर यह कि ग्रन्तरक (ग्रन्तरकों) ग्रौर प्रन्तरिती (ग्रन्तरितयों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के निए तथ पाया गया प्रतिफत निन्तिविवित उद्देश से उन्तर प्रनरिंग में निश्वित बास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:——

- (क) श्रम्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त श्रधि-नियम के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के ग्रायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आप या किसी धन या श्रन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

ग्रत: ग्रब, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रिधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथीत्:--- श्री लालभाई शुनीलाल पटेल, ऐलीसश्रीज, श्रहमदाबाद ।

(भ्रन्तरक)

 श्री बलजीत को० श्रा० हा० सोसायटी लिमिटेड, 10, माणेक एवेन्यू, को० आ० सो० लिमिटेड के मार्फत नवरंगपुरा, ग्रहमदाबाद ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्यक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भो प्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजप्रत में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन की प्रप्रिय या तत्सम्बन्धों व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रप्रिय, जो भी ग्राव्य बाद में समाप्त होनी हो, के भोतर पूर्वाका व्यक्तिनों में से कियो व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीखा से 45 दिन के भीतर उका स्थावर सम्मित में हितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा अधिहत्तातरों के पास लिखित में किए जा सकेंग।

स्व**ब्डो हरण:**—-इसर्ने बयुक्त शब्दों और नहीं का, जो उक्त ग्राध-नियम, के ग्रब्याय 20 हुने परिभाषित **है, वही** श्रय होगा जो उस ग्रब्याय में दिया गया है।

प्रनुपूची

जमीत जिसका सर्वे नं० 475 पैकी सब -प्लाट नं० 2ए, 2बी, 3ए, 3बी, 4ए, तथा 4बी-3327 वर्ग गज है, जो बाइज अहमदाबाद में स्थित है जो बिकी दस्तावेज नं० 9716/21-10-78 में रिजिस्ट्रीकर्नी अधिकारी, अहमदाबाद (37 जी का फोर्म सब रिजिस्ट्रीर अहमदाबाद से मई 1979 के प्रथम फोर्टनाइट में प्राप्त हुआ) द्वारा रिजिस्टर्ड हुआ है थाने प्रापर्टी का पूर्ण वर्णन उसमें दिया गया है।

एस० एन० मांडल, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेंज-1, श्रहमवाबाद

तारीख : 21-1-19780

मोहर:

संघ लोक सेना भ्रायोग

नोटिस

भारतीय वन सेवा परीक्षा 1980 सं० एफ० 13/1/79-प० I(ख)

नई दिल्ली-110011, दिनांक 23 फरवरी 1980

भारत के राजपत्न दिनांक 23 फरवरी, 1980 गृह मत्नालय (कार्मिक श्रोर प्रशासनिक सुधार विभाग) द्वारा प्रकाशित नियमों के श्रनुसार भारतीय वन सेवा में भर्ती के लिये संघ लोक सेवा श्रामोग द्वारा श्रहमदाबाट, इलाहाबाध, बंगलौर, भोपाल, बम्बई, कलकत्ता, चण्डीगढ़, कोचीन, कटक, दिल्ली, दिसपुर, (गोहाटी), हैदराबाद, जयपुर, जम्मू, लखनऊ, मद्रास, नागपुर, पणजी (गोवा), पंक्ना, पोर्ट ब्लेयर, शिलांग, शिमला, श्रीनगर तथा विवेन्द्रम, में 10 श्रगस्त, 1980 से एक प्रतियोगिता परीक्षा ली जायेगी।

श्रायोग यदि चाहे तो, परीक्षा के उपर्युक्त केन्द्रों तथा उसके प्रारम्भ होने की तारीख में परिवर्तन कर सकता है। परीक्षा में प्रवेश प्राप्त उम्मीदवारों को परीक्षा की समय सारणी तथा स्थान श्रथवा स्थानों के बारे में सुचित किया जायेगा। (देखिये, श्रनुबन्ध पैरा 11)।

- 2. इस परीक्षा के परिणाम के झाधार पर भरी जाने वाली रिक्तियों की अनुमानित संख्या 100 है, (इनमें अनु-सूचित जातियों के उम्मीदवारों के लिये 15 रिक्तियां और अनुसूचित जन जातयों के उम्मीदवारों के लिये 8 रिक्तियां सम्मिलित है)। इस संख्या में परिवर्तन किया जा सकता है।
- 3. परीक्षा, में प्रवेश चाहने वाले, उम्मीदवार को निर्धारित आवेदन-प्रपन्न पर सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011 को आवेदन करना चाहिंगे। निर्धारित आवेदन पन्न तथा परीक्षा से सम्बद्ध पूर्ण विवरण दो रुपये भेज कर आयोग से डाक द्वारा प्राप्त किये जा सकते हैं। यह राशि सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011, को मनीआईर या सचिव, संघ लोक सेवा आयोग को नई दिल्ली जनरल आकघर पर देय भारतीय पोस्टल आईर द्वारा भेजी जानी चाहिये। मनीआईर/पोस्टल आईर के स्थान पर चैक या करेंसी नोट स्वीकार नहीं किये जायेंगे। ये आवेदन प्रपन्न आयोग के काऊंटर पर नकद भुगतान द्वारा भी प्राप्त किये जा सकते हैं। जो दो रुपये की यह राशि किसी भी हालत में वापस नहीं की जायेगी।

नोट:--उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि वे

श्रपने ग्रावेदन पक्ष भारतीय बन सेवा परीका,

1980 के लिये निर्धारित मुद्रित प्रपन्न में

ही प्रस्तुत करे। भारतीय बन सेवा परीका,

1980 के लिये निर्धारित ग्रावेदन-प्रपन्नों से

इतर प्रपत्नों पर भरे हुए भावेदन पत्नों पर विचार नहीं किया जायेगा।

4. भरा हुमा म्रावेदन पत्न भ्रावम्यक प्रलेखों के साथ सिचन, संघ लोक सेवा म्रायोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011: के पास 21 भ्रमेल, 1980 (21 भ्रमेल, 1980 से पहले की तारीख से विदेशों में या भ्रण्डमान एवं निकोबार द्वीप समूह में रहने वाले उम्मीदवारों के मामले में 5 मई, 1980) तक भ्रवस्य पहुंच जाना चाहिये। निर्धारित तरीख के बाद प्राप्त होने वाले किसी भी भ्रावेदन पत्न पर विचार नहीं किया जायेगा।

विदेशों में या ग्रण्डमान एवं निकोबार द्वीप समूह में या लक्षद्वीप में रहने वाले उम्मीदवार से, ग्रायोग यदि चाहे तो, इस बात का लिखित प्रमाण प्रस्तुत करने के लिये कह सकता है कि वह 21 भ्रप्रैल, 1980 से पहले की किसी तारीख से विदेशों में या श्रण्डमान एवं निकोबार द्वीप समूह में या लक्षद्वीप में रह रहा था।

5. परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले उम्मीदिवारों को भरे हुए श्रावेदन पत्न के साथ श्रायोग को रु० 48.00 (अनुसूचित जातियों भौर अनुसूचित जन जातियों के मामले में रू० 12.00) का मुल्क भेजना होगा जो कि सचिव, संघ लोक सेवा श्रायोग को नई दिल्ली के प्रधान डाचकर पर देय रेखांकित भारतीय पोस्टल धार्डर या सचिव, संघ लोक सेवा श्रायोग को स्टेट बैंक श्राफ इण्डिया की मुख्य शाखा नई दिल्ली में देय स्टेट बैंक श्राफ इण्डिया की किसी भी शाखा से जारी किये गये रेखांकित बैंक ड्राफ्ट के रूप में हो।

विदेश में रहने वाले उम्मीदवारों को निर्धारित शुस्क भारत के उच्च श्रायुक्त, राजदूत या विदेश स्थित प्रतिनिधि के कार्यालय में जमा करना होगा ताकि वह "051 लोक सेवा श्रायोग---परीक्षा शुक्ल" के लेखाशीर्ष में जमा हो जाये शौर श्रावेदन पत्न के साथ उसकी रसीद लगा कर भेजनी वाहिये।

जिन आवेदन पतों में यह अपेक्षा पूरी नहीं होगी उन्हें एकदम अस्वीकार कर दिया जायेगा। यह उन उम्मीदवारों पर लागू नहीं होता जो नीचे के पैरा 6 के अन्तर्गंत निर्धारित शुल्क से छूट चाहते हैं।

- 6. श्रायोग, यदि चाहे, उस स्थिति में निर्धारित गुल्क से छूट दे सकता है जब यह इस बात से सन्तुष्ट हो कि शावेदक या तो 1 जनवरी, 1964, धौर 25 मार्च, 1971 के बीच की श्रवधि में भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (अब बंगला देश) से भारत धाया हुआ वास्तविक विस्थापित व्यक्ति है या बर्मा से वास्तविक रूप में प्रत्यावित मूलतः भारतीय व्यक्ति है और 1 जून, 1963 को या उसके बाद भारत में आया है या बह एक मूलतः भारतीय व्यक्ति है जो धक्तूबर, 1964 के भारत श्रीलंका समझौते के अन्तर्गंत 1 नवम्बर, 1964 को या उसके बाद भारत श्रीलंका समझौते के अन्तर्गंत 1 नवम्बर, 1964 को या उसके बाद भारत श्रीलंका समझौते के अन्तर्गंत 1 नवम्बर, 1964 को या उसके बाद भारत श्रीलंका समझौते के अन्तर्गंत 1 नवम्बर, 1964 को या
- 7. जिस उम्मीदबार ने निर्धारित शुल्क का भुगतान कर दिया हो, (किन्सु उसे भायोग द्वारा परीक्षा में प्रवेश नहीं

विया गया हो तो उसे घ० 30/-- (ग्रमुसूचित जातियों भौर ग्रमुस्चित जन जातियों के मामलों में ६० 8.00) की राशि वापस कर दी जायेगी।

जपर्युक्त जपबन्धित व्यवस्था को छोड़कर अन्य किसी भी स्थिति में भायोग को भुगतान किये गये शुल्क की वापसी के किसी दावे पर न तो विचार किया जायेगा भीर न ही शुरुक को किसी भ्रन्य परीक्षा या चयन के लिये ग्रारिक्त रखा जा सकेगा।

8. ग्रावेदन पत्न प्रस्तुत करने के बाद उम्मीदवारी की वापसी के लिये उम्मीदवार के किसी प्रकार के ग्रानुरोध पर किसी भी परिस्थिति में विचार नहीं किया जायेगा।

> श्रार० एस० ग्रहलुवालिया, उप सचिव, संघ लोक सेवा श्रायोग

अनु बन्ध

उम्मीदवारों को ग्रनुदेश

1. उम्मीदवार को भ्रावेदन पत्न भरने से पहले श्रपनी पालता समझ लेने के लिये नोटिस ग्रौर नियमावली को ध्यान से पढ़ लेना चाहिये निर्धारित शर्तों में कोई छूट नहीं दी जा सकती है।

आवेदन पत्र भेजने से पहले उम्मीक्ष्मार को नोटिस के पराग्नाफ 1 में दिये गये केन्द्रों में किसी एक को, जहां वह परीक्षा देने का इच्छुक है, ग्रन्तिम रूप से चुन लेना चाहिये। सामान्यतः चुने हुए स्थान में परिवर्तन से सम्बन्द्र किसी ग्रनुरोध पर विचार नहीं किया जायेगा।

2. उम्मीदवार को ग्रावेदन प्रपन्न तथा पावती-कार्ड भपने हाथ से ही भरने चाहिए। श्रधूरा या गलत भरा हुन्ना ग्रावेदन पन्न ग्रस्वीकार किया जा सकता है।

सभी उम्मीदवारों को, चाहे वे पहले से सरकारी नौकरी में हों या सरकारी घौद्योगिक उपकमों में या इसी प्रकार के अन्य संगठनों में हों या गर सरकारी संस्थाश्रों में नियुक्त हों, श्रपने श्रावेदन पत्न श्रायोग को सीधे भेजने चाहिएं। श्रगर किसी उम्मीदवार ने श्रपना श्रावेदन पत्न श्रपने नियोक्ता के द्वारा भेजा हो श्रौर वह संघ लोक सेवा श्रायोग में देर से पहुंचा हो जो उस श्रावेदन पत्न पर विचार नहीं किया जायोग, मले ही वह नियोक्ता को श्राद्यिरी तारीख से पहले श्रस्तुत किया गया हो।

जो व्यक्ति पहले से ही सरकारी नौकरी में ग्राकस्मिक या बैनिक दर कर्मचारी से इतर स्थाई या ग्रस्थाई हैसियत से या कार्य प्रभारित कर्मचारियो की हैसियत से काम कर रहे हैं उन्हें यह परिवचन (ग्रन्डरटेकिंग) प्रस्तुत करना होगी कि उन्होंने लिखित रूप से ग्रपने कार्यालय/विभाग के मध्यक्ष को स्वितं कर दिया है कि उन्होंने इस परीक्षा के निये ग्रावेदन किया है।

- उम्मीदवार को ग्रपने ग्रावेदन पद्म के साथ निम्नलिखित प्रमाण-पत्न श्रवण्य भेजने चाहिये।
 - (i) निर्धारित गुरूक के लिये रेखांकित किये हुए भारतीय पोस्टल ग्रार्डर या बैंक ड्राफ्ट या ग्रुल्क भेजने के ग्रपने दावे के समर्थन में प्रमाण पत्न प्रमाणित/ग्राभिप्रमाणित प्रति (देखिये नोटिस का पैरा 5 ग्रीर 6 ग्रीर नीचे पैरा 6)।
 - (ii) म्रायु के प्रमाण पत्न की भ्रभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिसिपि।
 - (iii) शैक्षिक योग्यता के प्रमाण पत्न की अभिप्रमाणित /प्रमाणित प्रतिलिपि।
 - (iv) उम्मीववार को भ्रपने हाल ही के पासपोर्ट श्राकार (लगभग 5 सें॰ मी॰ × 7 सें॰ मी॰) के फोटो की दो एक जैसी प्रतियां भेजनी चाहिये। इनमें से एक प्रति श्रावेदन पन्न के पहले पृष्ठ पर चिपका देनी चाहिये श्रौर दूसरी प्रति उपस्थिति पन्नक पर निर्धारित स्थान पर चिपका देनी चाहिये।
 - (v) लगभग 11.5 सें॰ मी॰ × 27.5 सें॰ मी॰ ग्राकार के बिना टिकट लगे हुए दो लिफाफे जिन पर श्रापका पता लिखा हो।
 - (vi) जहां लागू हो बहां भ्रनुसूचित जाति/भ्रनुसूचित जन जाति का होने के दावे के समर्थन में प्रमाण पत्र की श्रभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि (देखिये नीचे पैरा 4)।
 - (vii) जहां लागू हो वहां भ्रायु में छूट के दावे के समर्थन में प्रमाण पत्न की भ्रभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि (देखिये नीचे पैरा 5)।
 - (viii) उपस्थिति पत्नक (भावेदन पत्न के साथ संलग्न) विधिवत् भरा हुम्रा है।

नोट--उम्मीदवारों को भावेदन पक्षों के साथ उपर्युक्त मद (ii), (iii), (vi भ्रौर vii) उहिलंखित प्रमाण पत्नों की केवल प्रसियां ही प्रस्तुत करनी है जो सरकार के किसी राजपित्रत अधिकारी द्वारा प्रमाणित हो अथवा स्वयं उम्मीदवार द्वारा सही रूप में सत्यापित हों । जो उम्मीदक्षार लिखित परीक्षा के परिणामों के फ्राधार पर व्यक्तित्व परीक्षण हेत् साक्षात्कार के लिये ग्रर्हता प्राप्त कर लेते हैं उन्हें सिखित परीक्षा के परिणाम घोषित किये जाने के तुरन्त बाद उपर्युक्त प्रमाण पन्नों की मूल प्रतियां प्रस्तुत करनी होगी। लिखित परीक्षा के परिणाम नवम्बर, 1980 महीने में घोषित किये जाने की संभावना है। उम्मीदबारों को इन प्रमाण व्यक्तिस्य परीक्षण के प्रस्तुत करने हेसु तैयार रखना चाहिये। जो उम्मीदवार उस समय श्रपेक्षित प्रमाण

पक्षो को मूल रूप में प्रस्तृत नहीं करेंगे उनकी उम्मीदवारी रद्द कर दी जायेगी और उनका भागे विचार किये जाने का दावा स्वीकार नहीं होगा।

उपर्युक्त पैरा 3 की मद (i) से (iv) तक उल्लिखित प्रलेखों के विवरण नीचे भीर पैरा 6 में दिये गये हैं भीर मद (vi) भीर (vii) के विवरण पैरा 4 भीर 5 में दिये गये हैं।

(i)(क) निर्धारित शुल्क के लिये रेखांकित किये हुए भारतीय पोस्टल ग्रार्डर।

प्रत्येक पोस्टल भ्रार्डर भ्रनिवार्यतः रेखांकित किया जायें तथा उस पर ''सचिव'' संघ लोक सेवा भ्रायोग को नई दिल्ली के प्रधान डाकघर पर देय'' लिखा जाना चाहिये।

किसी भ्रन्य डाकघर पर देय पोस्टल श्रार्डर किसी भी हालत में स्वीकार नहीं किये जायेंगे। विरूपित या कटे फटे पोस्टल भ्रार्डर भी स्वीकार नहीं किये जायेंगे।

सभी पोस्टल श्रार्डरों पर जारी करने वाले पोस्ट मास्टर के हस्ताक्षर श्रीर जारी करने वाले डाकघर की स्पष्ट मुहर होनी चाहिये।

उम्मीदवारों को यह भ्रवश्य नोट कर लेना चाहिये कि जो पोस्टल भ्रार्डर न तो रेखांकित किये गये हों और न ही सिचन, संघ लोक सेवा भ्रायोग को नई दिल्ली के जनरल डाकघर पर देय हों, उन्हें भेजना सुरक्षित नहीं है।

(ख) निर्धारित शुल्क के लिये रेखांकित बैंक ड्राफ्ट :~

बैंक ड्राफ्ट स्टेट बैंक श्राफ इण्डिया की किसी शाखा से लिया जाना चाहिये श्रीर सचिव, संघ लोक सेवा श्रायोग को स्टेट बैंक श्राफ इण्डिया, की मुख्य शाखा नई दिल्ली में देय होना चाहिये तथा विधिवत् रेखांकित होना चाहिय।

किसी ध्रन्य बैंक के नाम देय किये गये बैंक ड्राफ्ट किसी भी हालत में स्वीकार नहीं किये जायेंगे। विरूपित या कटे फटे बैंक ड्राफ्ट भी स्वीकार नहीं किये जायेंगे।

(ii) ग्रायुका प्रमाण पत्त—ग्रायोग जन्म की वह तारीख स्वीकार करता है जो मैट्रिकुलेशन के प्रमाण पत्न का माध्यमिक विश्वालय छोड़ने के प्रमाण पत्न या किसी भारतीय विश्वविद्यालय मेटरीकुलेशन के समकक्ष मानने द्वारा प्रमाण-पत्न या विश्वविद्यालय के प्राधिकारी द्वारा प्रमाणित विश्वविद्यालय के मैट्कि पास छात्रों के रजिस्टर के उद्धारण में दर्ज की गई हो। जिस उम्मीदवार ने उच्चतर माध्यमिक परीक्षा ग्रथवा समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण करली हो वह उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण पत्न प्रथवा समकक्ष प्रमाण पत्न की एक म्रभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत कर सकता है।

भनुदेशों के इस मांग में भ्राये मैद्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण पत्न के भ्रन्तर्गत उपर्युक्त वैकस्पिक प्रमाण पत्न सम्मिलित हैं। कभी कभी मैट्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण पल में जन्म की तारीख नहीं होती या आयु के पूरे वर्ष या पूरे वर्ष और महीने ही दिये होते हैं। ऐसे मामलों में उभ्मीदवारों का मैट्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण पत्न की ग्रिभि-प्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि के ग्रितिरिक्त उस संस्था के हैडमास्टर/प्रिसिपल से लिये गये प्रमाण पत्न की एक ग्रिभि-प्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि भेजनी चाहिये जहां से उसने मैट्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा उत्तीर्ण की हो। इस प्रमाण पत्न में उस संस्था के दाखिला रिजस्टर में दर्ज की गई उसकी जन्म की तारीख या वास्तविक आयु लिखी होनी चाहिये।

उम्मीदवारों को चेतावनी वी जाती है कि यदि आवेदन पत्न में लिखी जन्म की तारीख मैट्रिकुलेशन प्रमाण पत्न/ जिच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण पत्न में वी गई जन्म की तारीख से भिन्न हो और इसके लिये कोई स्पष्टीकरण न दिया गया हो तो आवेदन पत्न अस्वीकार किया जा सकता है।

नोट 1:—-जिस उम्मीदवार के पास पढ़ाई पूरी करके माध्यमिक विद्यालय छोड़ने का प्रमाण पत्न हो, उसे उस प्रमाण पत्न की केवल श्रायु से सम्बद्ध प्रविष्टि वाले पृष्ठ की श्रभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि भेजनी चाहिये।

नोट 2: - उम्मीदवार को ध्यान रखना चाहिये कि किसी परीक्षा में प्रवेश के लिये उनके द्वारा जन्म की तारीख एक बार लिख भेजने और आयोग द्वारा उसके स्वीकृत हो जाने के बाद किसी अगली परीक्षा में उसमें कोई परिवर्तन करने की श्रनुमित सामान्यतः नहीं दी जायेगी।

(ii) शैक्षिक योग्यता का प्रमाण पत्नः—उम्मीदवार को एक प्रमाण पत्न की ग्रिमिप्रमाणित/ प्रमाणित प्रतिलिपि भेजनी चाहिय लाकि इस बात का प्रमाण मिल सके कि नियम 5 में निर्धादित योग्यताश्रों में से कोई एक योग्यता उसके पास है। भेजा गया प्रमाण पत्न उस प्राधिकारी (श्रयांत विश्वविद्यालय या किसी श्रन्य परीक्षा निकाय) का होना चाहिए जिसने उसे वह योग्यता विशेष प्रदान की हो। यदि ऐसा प्रमाण पत्न न भजा जाय तो उम्मीदवार को उसे न भजने का कारण अवश्य बताना चाहिय और श्रपेक्षित योग्यता से सम्बद्ध अपने दावे के प्रमाण में कोई श्रन्य साक्ष्य प्रस्तुत करना चाहिय। श्रायोग इस साक्ष्य की गुणवता पर विचार करेगा, किन्तु वह उसे पर्याप्त मानने के लिय बाध्य नहीं है।

यदि किसी उम्मीदवार द्वारा भ्रपनी शक्षिक योग्यताभ्रों के समयन में डिग्री परीक्षा में उत्तीण होने के सम्बद्ध विश्वविद्यालय के प्रमाण पत्न की श्रिभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि में परीक्षा के विषय नहीं दिये गये हों, तो उसे विश्वविद्यालय के प्रमाण पत्न की श्रिभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि के भ्रति-रिक्त, प्रिंसियल/विभागाध्यक्ष से इस श्राशय का एक प्रमाण पत्न लेकर उसकी एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि भ्रवश्य

भेजनी नाहिये कि उराने नियम 5 में निर्दिष्ट विषयों में प्रार्हक परीक्षा उत्तीर्ण कर ली है।

नोट:----उन उम्मीदवारों को जो ऐसी परीक्षा में बैठ चुके हों जिसे उत्तीर्ण पर लेने पर वे स्रायोग की उक्त परीक्षा के लिये शैक्षिक दृष्टि से पाव हो जाते हैं। किन्त। इस परीक्षा का परिणाम सूचित न किया गया हो तथा ऐसे उम्मीदवारों को भी जो ऐसी श्रर्हक परीक्षा में बैठना चाहते हों, ग्रायोग की इस परीक्षा में प्रवेश नहीं दिया जायेगा।

(iv) फोटोग्राफ:---उम्मीदवार को ग्रपने हाल ही के पासपोर्ट स्राकार (लगभग 5 सें० मी० - 7 में० मी०) के फोटो की दो एक जैसी प्रतियां श्रवश्य भेजनी चाहियें। इनमें से एक प्रति ग्रावेदन प्रपन्न के पहले पुष्ठ पर ग्रीर दूसरी प्रति उपस्थिति पत्नक में निर्धारित स्थान पर चिपका देनी चाहिये। फोटो की प्रत्येक प्रति के ऊपर उम्मीदवार को स्याही से हस्ताक्षर करने चाहिये।

ध्यान दें:--उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि यदि ध्रावेदन पत्न के साथ उपर्युक्त पैराग्राफ $3(\mathrm{ii}),~3(\mathrm{ii}),$ भौर 3(iv) के अन्तर्गत उल्लिखित प्रमाण पत्नों में से कोई एक संलग्न न होगा श्रौर उसे न भेजने का कोई उचित स्पष्टीकरण नहीं दिया गया हो तो म्रावेदन पत्न मस्वीकार किया जा सकता है तथा इस ग्रस्वीकृति के विरूद्ध किसी श्रपील पर विचार नहीं किया जायेगा। जो प्रमाण-पत्न श्रावेधन पत्न के साथ न भेजे गये हों उन्हें घ्रावेदन पत्न भेजने के बाद शीध ही भेज देना चाहिये और वे हर हालत में आयोग के कार्थालय में भ्रावेदन पत्न स्वीकार करने की भ्रन्तिम तारीख से एक महीने के भीतर प्रवश्य पहुंच जाना चाहिये प्रन्यथा प्रावेदन पन्न रद्द किया जा सकता है।

 यदि कोई उम्मीदवार किसी अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति का होने का दावा करे तो उसे अपने दावे के समर्थन में उस जिले के, जिसमें उनके मातापिता (या जीवित माता या पिता) श्रामतौर से रहते हों, जिला श्रधिकारी या उप मण्डल प्रधिकारी या निम्नलिखित किसी अन्य ऐसे प्रधिकारी, से जिसे सम्बद्ध राज्य सरकार ने यह प्रमाण पत्न जारी करने के लिये सक्षम अधिकारी के रूप में नामित किया हो, नीचे दिये गये फार्म में प्रमाण पत्न लेकर उनकी एक प्रभिप्रमाणित/ प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तृत करनी चाहिये। यदि उम्मीदवार के माता ग्रौर पिता दोनों की मृत्यु हो गई हो तो यह प्रमाण पक्ष उम जिले के ग्रधिकारी से लिया जाना चाहिये जहां उम्मीदवार श्रपनी शिक्षा से भिन्न किसी श्रन्य प्रयोजन से श्राम तौर पर रहता हो।

भारत सरकार के पदों पर नियुक्ति के लिये भावेदन करने वाले प्रनुसूचित जातियों भ्रौर श्रनुसूचित जनजातियों के उम्मीदवारों द्वारा प्रस्त्त किये जाने वाले प्रमाण पत्न का फार्म :---

21-466Gi1/79

प्रमाणित किया जाता है कि श्री/श्रीमती/कुमारी*---–≁–-सुपुत्न/सुपुत्नी* /श्रो−----

के/को/निवासी है
जाति/जन जाति के/की के हैं जिसे निम्निलिखित के श्रधीन श्रनु-
सूचित जाति/अनुचित जनजाति के रूप में मान्यता दी गर्ड
है।

संविधान (ग्रनुसूचित जातियां) श्रादेश, 1950* मंविधान (श्रनुसूचित जन जातियां), श्रादेश, 1950 l संविधान (श्रनुसूचित जातियां) (संघ राज्य क्षेत्र) 1951 1* आदेश, संविधान (ग्रनुसूचित जन जातियां) (संघ राज्य क्षेत्र) श्रादेश, 1951 🕸

[श्रनुसूचित जातियां श्रौर श्रनुसूचित जन जातियां सूची (भ्राशोधन), म्रादेश, 1956, बम्बई पुनर्गठन म्रिधनियम, 1960, पंजाब पुनर्गठन श्रिघिनियम 1966, हिमाचल प्रदेश राज्य श्रधिनियम, 1970 म्रौर उसरी पूर्वी क्षेत्र पुनर्गठन श्रधिनियम 1971 श्रौर भ्रनुसूचित जातियां तथा श्रनुसूचित जन जातियां श्रादेश (संशोधन) श्रधिनियम, 1976 द्वारा यथा संशोधित।

संविधान (जम्मू भ्रौर काश्मीर) श्रनुसूचित जातियां, श्रादेश., 1956 I *

संविधान (ग्रण्डमान ग्रौर निकोबार द्वीपसमूह) ग्रनु-मुचित जन जातियां ग्रादेश, 1959* ग्रनुसूचित जातियां सथा म्रनुसूचित जनजातियां भ्रादेश (संशोधन) श्रधिनियम, 1976 द्वारा यथा संशोधित।

संविधान (दादरा भौर नागर हवेली) श्रनुसूचित जातियां भ्रादेण, 1962। *

संविधान (दादरा भ्रौर नागर हवेली) श्रनुसूचित जन जातियां आदेश, 1962। *

संविधान (पांडिचेरी) ग्रनुसूचित जातियां ग्रादेश, 1964।* संविधान (अनुसूचित जन जातियां) (उत्तर प्रदेश) श्रादेश, 19671 *

संविधान (गोवा, दमन तथा दियू) अनुसूचित जातियां श्रादेश, 1968।*

(गोवा, दमन तथा दियु) श्रनुसूचित जन संविधान जातियां, श्रादेश, 1968।

श्रनमूचित जन जातियां श्रादेश, संविधान (नागालैंड) 1970 1 *

 श्री/श्रीमती/कृमारी* ———-भ्रौर/या* उनका परिवार भ्राम तौर से गांव/कस्बा*--में जिला/मण्डल*-----

संघ*	राज्य	क्षेर	त्र -	 		 में
रहते/रा	हती*	है	l			
-					हस्त	॥क्षर
						नाम
						(कार्यालय की मोहर)
स्थान–				 	•	
तारी ख				 		

राज्य*

संघ राज्य क्षेत्र

*जो शब्द लागू न हों उन्हें कृपया काट दें।

नोट:—यहां "श्रामतौर से रहते/रहती हैं" का ग्रर्थ वही होगा

जो "रिप्रेजेन्टेशन श्राफ पीपुल ऐक्ट, 1950" की
धारा 20 में है।

**ग्रनुसूचित जाति/जन जाति प्रमाण-पस्न जारी करने के लिये सक्षम ग्रिधकारी।

(i) जिला मैजिस्ट्रेट/म्रितिरिक्त जिला मैजिस्ट्रेट/कलैक्टर/डिप्टी किमक्तर/ऐशियनल डिप्टी किमक्तर/डिप्टी कलैक्टर/प्रथम श्रेणी का स्टाइपेंडरी मैजिस्ट्रेट/सिटी मैजिस्ट्रेट/सब† डिविजनल मैजिस्ट्रेट/तालुक मैजिस्ट्रेट एक्जीक्यूटिव मैजिस्ट्रेट/एक्स्ट्रा ग्रिसिस्टेंट किमक्तर।

†(प्रथम श्रेणी का स्टाइपेंडरी मैजिस्ट्रेट से कम म्रोहदे का नहीं)।

- (ii) चीफ प्रेसिडेन्सी मैजिस्ट्रेट/ऐडीशनल चीफ प्रेसिडेंसी मैजिस्ट्रेट/प्रेसिडेन्सी मैजिस्ट्रेट।
- (iii) रेबेन्यू श्रफसर, जिनका मोहदा तहसीलदार से कम न हो।
- (iv) उस इलाके का सक्ष-डिवीजनल श्रफसर जहां उम्मीदवार श्रौर या उसका परिवार श्राम तौर से रहता हो।
- (४) ऐडमिनिस्ट्रेटर/ऐडमिनिस्ट्रेटर का सचिव/डेबलपमेंट भफसर, लक्षद्वीप ।
- 5. (i) (क) नियम 4 (ख) (ii) प्रथवा 4 (ख) (iii) के अन्तर्गत श्रायु में छूट श्रीर/या नोटिस के पैरा 6 के श्रनुसार मुल्क से छूट का दावा करने वाले भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (श्रव बंगला देश) के विस्थापित व्यक्ति को निम्निलिखत प्राधिकारियों में से किसी एक से लिये गये प्रमाण-पन्न की श्रभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिये प्रस्तुत करनी चाहिये कि वह भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (श्रव बंगला देश) से वास्तविक विस्थापित व्यक्ति है शौर 1 जनवरी. 1964 शौर 25 मार्च, 1971 के बीच की स्वधि में प्रवजन कर भारत श्राया है।
 - (1) दण्डाकारण्य परियोजना के ट्रांजिस्ट केन्द्रों प्रथवा विभिन्न राज्यों में स्थित सहायना शिविरों के कैम्प कमांडेंट।
 - (2) उस क्षेत्र का जिला मैजिस्ट्रेट जहां वह इस समय निवास कर रहा है।

- (3) सम्बन्ध जिलों में शरणार्थी पुनर्वास कार्य के प्रभारी ग्रातिरिक्त जिला मैजिस्ट्रेट।
- (4) भ्रपने ही कार्यभार के श्रधीन, सम्बन्ध सब-डिवीजन का सब-डिवीजनल् श्रफसर।
- (5) उप भरणार्थी पुनर्वाम ग्रायुक्त, पश्चिमी बंगाल/ तिदेशक (पूनर्वाम), कलकत्ता।
- (ii) नियम 6(ख)(iv) ग्रथवा 6(ख)(v) के अन्तर्गत ग्रायु में छूट भीर/या नोटिस के पैरा 6 के श्रनुसार शुल्क मे छूट का दावा करने वाले श्रीलंका से प्रत्यावर्तित या प्रत्यावर्तित होने वाले मूलत: भारतीय व्यक्ति को श्रीलंका में भारत के उच्च ग्रायुक्त के कार्यालय में लिये गये इस ग्राग्य के प्रमाण/पन्न की श्रीभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिये प्रस्तुत करनी चाहिये कि वह एक भारतीय नागरिक है जो ग्रक्तूबर, 1964 के भारत/श्रीलंका समझौते के ग्रन्तर्गत 1 नवम्बर, 1964 को या उसके बाद भारत ग्राया है या ग्राने वाला है।
- (iii) नियम 4(ख)(vi) श्रथवा 4(ख)(vii) के श्रन्तगंत आयु सीमा में छूट श्रीर/या नोटिस के पैरा 6 के श्रनुसार शुक्त में छूट का दावा करने वाले बर्मा से प्रत्यावर्तित मूलतः भारतीय व्यक्ति को भारतीय राजदूनावाम, रंगून द्वारा दिये गये पहिचान प्रमाण-पन्न की श्रभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिसिपि यह दिखलाने के लिये प्रस्तुत करनी चाहिये कि वह एक भारतीय नागरिक हैं जो 1 जून, 1963 को या उसके बाद भारत श्राया है, श्रथवा जिस क्षेत्र का वह निवासी है उसके जिला मैजिस्ट्रेट से लिये गये प्रमाण-पन्न की श्रभि-प्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिये प्रस्तुत करनी चाहिये कि वह बर्मा मे श्राया हुशा वास्तविक प्रस्यावर्तित व्यक्ति है श्रीर 1 जून, 1963 को या उसके बाद भारत श्राया है।
- (iv) नियम 4(ख) (viii) प्रथवा (ख) (ix) के प्रन्तर्गत प्रायु-सीमा में छूट चाहने वाले ऐसे उम्मीदवार को जो रक्षा सेवा में कार्य करते हुए विकलांग हुआ है, महानिदेशक, पुनव सि, रक्षा मंत्रालय से नीचे दिये गये निर्धारित फार्म पर लिये गये प्रमाण-पत्न की एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिये प्रस्तुत करनी चाहिये कि वह रक्षा सेवाओं में कार्य करते हुए विदेशी शत्नु देश के साथ संघर्ष में अथवा प्रणातिग्रस्त क्षेत्र में फौजी कार्रवाई के दौरान विकलांग हुआ ग्रीर परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुआ।

उम्मीदबार द्वारा प्रस्तुत किये जाने वाले प्रमाण-पत्न का फार्म
प्रमाणित किया जाता है कि यूनिट——————
के रैंक नं०
रक्षा मेवाभ्रों में कार्य करते हुए विदेशी शत्नु देश के साथ संघर्ष में/ श्रशांतिग्रस्त* क्षेत्र में फौजी कार्रवाई के दौरान विकलांग हुए श्रौर
उस विकलांगता के परिणामस्यरूप निर्मुक्त हुए।
हस्ताक्षर -

पदनाम-

तारीख-

*जो शब्द लागुन हों उसे कृपया काट दें।

(v) नियम 4(ख)(x) या 4(ख)(xi) के अन्तर्गत आयु-सीमा में छूट चाहने वाले उम्मीदिवार को, जो सीमा सुरक्षा वल में कार्य करते हुए विक्लांग हुआ है, महानिदेणक, सीमा सुरक्षा दल, गृह मंत्रालय से नीचे निर्धारित फार्म पर लिये गये प्रमाण-पत्न की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिये प्रस्तुत करनी चाहिये कि वह सीमा सुरक्षा दल में कार्य करते हुए 1971 के भारत पाक संघर्ष के दौरान फीजी कार्रवाई में विकलांग हुआ और उसके परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुआ। उम्मीदवार द्वारा प्रस्तुत किये जाने वाले प्रसाण-पत्न का फार्म

हस्ताक्षर
पदनाम
तारीख

- (vi) नियम 4(ड)(xii) के अन्तर्गत आयु में छूट का दावा करने वाले वियतनाम से प्रत्यावर्तित मूलतः भारतीय व्यक्ति को, फिलहाल जिस क्षेत्र का वह निवासी है, उसके जिला मैंजिस्ट्रेट में लिये गये प्रमाण-पत्न की अभिप्रमाणित/ प्रमाणित प्रतिलिपि वह दिखलाने के लिये प्रस्तुत करनी चाहिये कि वह वियतनाम से आया हुआ वास्तविक प्रत्यावर्तित व्यक्ति है और वियतनाम से जुलाई, 1975 से पहले भारत नहीं आया है।
- (vii) नियम 4(ख)(xiii) के प्रन्तर्गत प्रायु में छूट चाहने वाले कीनिया, उगांडा, तथा संयुक्त गणराज्य तंजानिया से प्रव्रजन कर श्राये हुए या जाम्बिया, मलावी, जेरे तथा इथियोपिया से प्रत्यावर्तित हुए उम्मीदवार को उस क्षेत्र के जिला मैजिस्ट्रेट से जहां वह इस समय निवास कर रहा है, लिये गये प्रमाण-पत्न की एक ग्राभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिये प्रस्तुत करनी चाहिये कि वह वास्तव में उपर्युक्त देशों से प्रव्रजन कर श्राया है।
- 6. जो उम्मीदवार ऊपर पैरा 5(i), (ii) श्रौर (iii) में से किसी भी वर्ग के श्रन्तर्गत नोटिस के पैरा 6 के श्रनुसार शुरूक से छूट का दावा करता है, उसको किसी जिला श्रधिकारी या सरकार के राजपितन श्रधिकारी या संसद सदस्य या राज्य विधान मण्डल के सदस्य से, यह विखाने के लिये कि वह निर्धारित शुरूक देने की स्थिति में नहीं है, इस श्राशय का एक प्रमाण-पत्न लेकर उसकी एक श्रभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि भी प्रस्तुत करनी होगी।
- 7. जिस किसी व्यक्ति के लिये पास्रता प्रमाण-पन्न प्रावश्यक हो उसे परीक्षा में प्रवेश दिया जा सकता है किन्तु उसे नियुक्ति प्रस्ताव भारत सरकार, गृह मंत्रालय (कार्मिक तथा प्रशासनिक सुधार विभाग) द्वारा श्रावश्यक पान्नता प्रमाण-पन्न जारी कर दिये जाने के बाद ही विया जायेगा।

8. उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि वे भ्रावेदन-पल भरते समय कोई झूठा ब्यौरा न दें भ्रौर न ही किसी महस्वपूर्ण सूचना को छिपायें।

उम्मीदवारों को यह भी चेतावनी दी जाती है कि वे भ्रापने द्वारा प्रस्तुत किये गये प्रलेख प्रथवा उसकी प्रतिलिपि की किसी प्रविष्टि को किसी भी स्थिति में न तो ठीक करें न उसमें परिवर्तन करें, श्रौर न कोई फेरबदल करें श्रौर न ही फेरबदल किये गये/हाठे प्रमाण-पत्न प्रस्तूत करें। यदि ऐसे दो या श्रधिक प्रमाण-पत्नों या उनकी प्रतियों, में कोई भ्रमुद्धि श्रथवा विसंगति हो तो विसंगति के सम्बन्ध में स्पष्टी- करण प्रस्तुत किया जाये।

- 9. श्रावेदन-पत्न देर से प्रस्तुत किये जाने पर देरी के कारण के रूप में यह तब स्वीकार नहीं किया जायेगा कि ग्रावेदन-प्रपत्न ही ग्रमुक तारीख को भेजा गया था। श्रावेदन-प्रपत्न का भेजा जाना ही स्वतः इस बात का सूचक न होगा कि प्रपत्न पाने वाला परीक्षा में बैठने का पात्न हो गया हो।
- 10. यदि परीक्षा से सम्बन्ध ग्रावेदन-पत्नों के पहुंच जाने की श्राखिरी तारीख से एक महीने के भीतर उम्भीदवार को ग्रापने ग्रावेदन-पत्न की पावती न मिले तो उसे पावती प्राप्त करने के लिये ग्रायोग से तत्काल सपर्क स्थापित करना चाहिये।
- 11. इस परीक्षा के प्रत्येक उम्मीदवार को उसके आविदन-पत्न के परिणाम की सूचना यथाशी घ दे दी जायेगी। किन्तु यह नहीं कहा जा सकता कि परिणाम कब सूचित किया जायेगा। यदि परीक्षा के आरम्भ होने की तारीख से एक महीने पहले तक उम्मीदवार को अपने आविदन-पत्न के परिणाम के बारे में संघ लोक सेवा आयोग से कोई सूचना न मिले तो परिणाम की जानकारी के लिये उसे आयोग से तत्काल सम्पर्क स्थापित करना चाहिये। यदि उम्मीदवार न ऐसा नहीं किया तो वह अपने मामले में विचार किये जाने के दावे से बंधित हो जायेगा।
- 12. पिछली पांच परीक्षाभ्रों की नियमावली तथा प्रशनपत्नों से युक्त पुस्तिकार्ये प्रकाशन नियंत्रक, सिविल लाइन्स, दिल्ली-110054 के यहां बिक्री के लिये मिलती हैं और उन्हें उनके यहां से सीधे मेल श्रार्डर या नकद भुगतान द्वारा प्राप्त किया जा सकता है। केवल नकद भुगतान द्वारा इन्हें (i) किताब महल, रिवोली सिनेमा के सामने, एम्पोरिया बिल्डिंग, "सी" ब्लाक बाबा खड़क सिंह मार्ग, नई दिल्ली-110001, (ii) बिक्री केन्द्र, उद्योग भवन, नई दिल्ली-110001 तथा (iii) गवर्नमेंट श्राफ इंडिया बुक डिपो, 8 के० एस० राय रोड, कलकत्ता- 1 से भी प्राप्त किया जा सकता है। ये पुस्तिकार्ये विभिन्न मुफस्सिल नगरों में भारत सरकार के प्रकाशन एजेंटों से भी प्राप्त की जा सकती हैं।
- 13. भावेदन पत्न से सम्बन्ध पत्न-ध्यवहार—आवेदन-पत्न संबद्ध सभी पत्न भादि सचिव, संघ लोक सेवा भायोग,

धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011, को भेजे जाएं तथा उनमें नीचे लिखा ब्यौरा श्रनिवार्य रूप से दिया जाये:--

- (1) परीक्षा का नाम।
- (2) परीक्षा का महीना ग्रौर वर्ष।
- (3) रोल नम्बर ग्रथवा उम्मीदवार की जन्म तिथि, यदि रोल नम्बर सूचित नहीं किया गया हो।
- (4) उम्मीदवार का नाम पूरा तथा बड़े श्रक्षरों में।
- (5) म्रावेदन पत्न में दिया गया पत्न-व्यवहार का पता। ध्यान दें:—जिन पत्नों म्रादि में यह ब्यौरा नहीं होगा संभव उन पर ध्यान नहीं दिया जाये।

14. पते में परिवर्तन:—उम्मीदवार को इस बात की व्यवस्था कर लेनी चाहिये कि उसके आवेदन-पत्न में उल्लिखित पते पर भेजे गये पत्न आदि, श्रावश्यक होने पर, उसकी बदले हुए पते पर मिल जाया करें। पते में किसी भी प्रकार का परिवर्तन होने पर श्रायोग को उसकी सूचना, उपर्युक्त पैरा 13 में उल्लिखित व्यौरे के साथ यथाशीझ दी जानी चाहिये। यद्यपि आयोग ऐसे परिवर्तनों पर ध्यान देने का पूरा पूरा प्रयत्न करता है किन्तु इस विषय में वह कोई जिम्मेदारी स्वीकार नही करता।

SUPREME COURT OF INDIA

New Delhi, the 1st February 1980

No. F.6/80-SCA(1).—The Hon'ble the Chief India has appointed Shri R. P. Dua Stenographer Grade C of Ministry of Health and Family Welfare (Department of Health), Government of India, as an Officiating Private Secretary to the Hon'ble Judge, Supreme Court of India, with effect from the afternoon of February 1, 1980 until further orders.

> MAHESH PRASAD Dy. Registrar (Admn. J.)

CENTRAL VIGILANCE COMMISSION

New Delhi, the 30th January 1980

l Vigilance dated 15th No. N9 RCT 21.—In supersession of Central Commission Notification No. 2/33/77-Admn., dated 15th October 1977, the Central Vigilance Commissioner hereby appoints Shri S. Paul, a permanent Assistant of the Central Vigilance Commission, as Section Officer in an officiating capacity for the under mentioned periods:

26-9-77 to 24-12-77. 26-12-77 to 25-3-78. 27-3-78 to 24-6-78. 26-6-78 to 23-9-78. 25-9-78 to 23-12-78. 26-12-78 to 25-3-79. 27-3-79 to 24-6-79. 26-6-79 to 23-9-79. 25-9-79 to 23-12-79. 26-12-79 to 24-3-80.

> K. L. MALHOTRA Under Secy. for Central Vigilance Commissioner

MINISTRY OF HOME AFFAIRS DEPTI. OF PERSONNEL & A.R.

CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 30th January 1980

No. A-31015 1/75-AD-I.—In exercise of the powers conferred by rule 9(2) of the Central Civil Services (Classification, Control and Appeal), Rules 1965, Director, C.B.I. and Inspector General of Police, Special Police Establishment hereby appoints the following officials as Sr. Sc. Assistants, C.F.S.L. in the C.B.I. in a substantive capacity with effect from 7th October 1978 :-

Name, designation and Date of Birth

S/Shri

- 1. G. D. Gupta, Jr. Scientific Officer 2-6-42,
- 2. K. K. Arora, Sr. Scientific Officer 11-2-41.
- 3. N. K. Prasad, Sr. Sc. Assistant 29-2-40.

- N. K. Prasad, Sr. Sc. Assistant 29-2-40.
 K. S. Chhabra, Sr. Sc. Officer 10-5-43.
 S. C. Mittal, Sr. Sc. Officer 28-11-45.
 S. K. Mukhopadhayaya, Sr. Sc. Assistant 4-7-43.
 H. R. Aggarwel, Sr. Sc. Assistant, 24-5-47.
 D. S. Choukotra, Sr. Sc. Assistant 2-7-45.
 R. S. Kotangle, Sr. Sc. Assistant 5-9-46.
 B. D. Brahamchari, Sr. Sc. Assistant 12-6-48.
 Rup Singh, Sr. Sc. Assistant 12-4-41.

The 4th February 1980

No. A-35018/15/79-Ad-I.—Deputy Inspector General Police, Special Police Establishment, hereby appoints Mani Lal Roy Chowdhury, Sub-Inspector of Police, Shri West Special Police Establishment Division of the Central Bureau of Investigation GOW Calcutta, in a temporary capacity, with effect from the forenoon of 1st January 1980 until further orders. ther orders.

> Q. L. GROVER Administrative Officer (E) C.B.I.

OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA

New Delhi-110011, the 30th January 1980

No. 11/73/79-Ad.I-3416.-The President is pleased to uproom Shi Daniel Kent, an officer belonging to the Indian Frontier Administrative Service and at present working as Special Secretary to the Government of Nagaland, Education Department, as Director of Census Operations, Nagaland, in *ex-officio* capacity, with effect from the afternoon of 4 January 1980, until further orders.

The headquarters of Shri Kent will be at Kohima.

P. PADMANABHA Registrar General, India

DIRECTORATE OF PRINTING

New Delhi, the 30th January 1980

No. J(7)/All.—Shri K. C. John, Assistant Manager (Technical) in the Government of India Press, Rashtrapati Bhavan, New Delhi, Directorate of Printing, on attaining the age of superannuation retired from Government service on the afternoon of 31st December 1979.

> B. N. MUKHERJEE Jt. Director (Admn.)

MINISTRY OF FINANCE

(DEPARTMENT OF ECONOMIC AFFAIRS) SECURITY PAPER MILL HOSHANGABAD (MP)

Hoshangabad, the 30th January 1980

No. 7(46)/10882.—Shri A. P. Nemade is appointed in the post of Artist Engraver from the Forenoon of 26-12-79 in the Pay Scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200. He will be on probation for the period of 2 years from the date of appointment.

> S. R. PATHAK, General Manager

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT, WESTERN RAILWAY

Bombay, the February 1980

No. SA/HQ/Admn/PC/6896,—Shri M. V. Patwardhan, Permanent Audit Officer, retired from service on 31-1-1980 on attaining the age of superannuation.

> S. P. BHOBE, Audit Officer (Admn).

MINISTRY OF DEFENCE

ORDNANCE FACTORY BOARD

INDIAN ORDNANCE FACTORIES SERVICE

Calcutta, the 19th January 1980

No. 65/G/80.—On attaining the age of superannuation the undermentioned officers retired from service with effect from dates shown against each :-

Sl. No. Na	me & Designation	Date of retirement
1	2	3
Offg. D	M. Athavale, Manager Mermt, Asstt. Manager)	31-8-79 (A.N.)
Offg. Dy	G. Vidwans, 7. Manager, & Permt. Assit. Manager)	30-9-79 (A.N.)

1 2	3
3. Shri R. M. Bhise, Offg. Dy. Manager (Subst. & Permt. Foreman)	30-9-79
4. Shri L. Jones, Offg. Asstt. Manager (Subst. & Permt. A.S.H.)	31-8-79 (A.N.)
5. Shri K. S. Viswanathan, Offg. Asstt. Manager (Subst. & Permt. Foreman)	30-9-79 (A.N.)
6. Shri V. R. Oturkar, Offg. Asstt. Manager (Subst. & Permt. Foreman)	31-10-79 (A.N.)
 Shri V. Krishnamurthy, Offg. Dy-Manager (Subst. & Permt. Foreman) 	31-10-79 (A.N.)
8. Shri K. N. Srivastava, Offg. A. M. (Subst. & Permt. Staff Asstt.)	31-10-79 (A.N.)

The 24th January 1980

No. 1/80/G.—The President is pleased to appoint Dr. B. R. Chaudhuri, Offg. P.M.O. (on ad-hoc basis) on regular basis in the grade w.c.f. 14th Sep. 1979, until further order.

V. K. MEHTA Asstt. Director General, Ordnance Factories.

MINISTRY OF COMMERCE AND CIVIL SUPPLIES (DEPARTMENT OF COMMERCE)

OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS AND EXPORTS

New Delhi, the 29th January, 1980

IMPORT AND EXPORT TRADE CONTROL (ESTABLISHMENT)

No. 1/2/79-Admn(G)7586.—The President is pleased to appoint Shri J. S. Sahota, a permanent officer of the Section Officer's Grade of the CSS to officiate in Grade I of that Service for the period from 5-11-1979 to 21st December, 1979

2. The President is also pleased to appoint Shri J. S. Sahota, as Deputy Chief Controller of Imports and Exports in the Office of the Chief Controller of Imports and Exports, New Delhi for the aforesaid period.

C. S. ARYA

Dy. Chief Controller of Imports and Exports for Chief Controller of Imports and Exports

MINISTRY OF INDUSTRY

(DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT) OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER SMALL SCALE INDUSTRIES

New Delhi-110011, the 28th January 1980

No. A-19018(136)/74-Admn.(G).—The President is pleased to appoint Shri B. B. Chaterjee, Assistant Director (Gr. II) Branch Small Industries Service Institute. Agartala as Assistant Director (Gr. I) (Economic Investigation/Production Index) on ad-hoc basis in the Small Industries Service Institute, Calcutta with effect from the 24th September, 1979 (F.N.), until further orders.

The 30th January 1980

No. A-19018(444)/79-Admn.(G).—The Development Commissioner (Small Scale Industries) is pleased to appoint Shri Sirigiri Reddy E. Reddy, a permanent Small Industry Promotion Officer (Economic Investigation & Statistics) in the Small Industries Service Institute, Hyderabad as Assistant Director (Gr. 11) (Economic Investigation/Data Bank) on ad-hoc basis in the Small Industries Service Institute, Bombay with effect from the forenoon of 19th September, 1979, until further orders.

The 1st February 1980

No. A-19018(449)/79-Admn.(G).—The Development Commissioner (Small Scale Industries) is pleased to appoint Shri Muniswamy Jayaraman, a permanent Small Industry Promotion Officer (Economic Investigation/Statistics) in the Small Industries Service Institute, Madras, as Assistant Director (Gr. II) (Economic Investigation/Data Bank) on ad-hoc basis in the Small Industries Service Institute, Kanpur with effect from the forenoon of 19th September, 1979, until further orders.

The 5th February 1980

No. 12(7)/61-Admn.(G).—The President is pleased to appoint Shri S. P. Singaram, Deputy Director (Leather/Footwear) in the Office of the Development Commissioner (Small Scale Industries), New Delhi, as Director (Gr. II) (Leather/Footwear) on ad-hoc basis in the same office with effect from the forenoon of 7th January, 1980, until further orders.

No. A-19018(459)/79-Admn.(G).—The Development Commissioner (Small Scale Industries) is pleased to appoint Shri B. C. Mallik, a permanent Small Industry Promotion Officer (Economic Investigation and Statistics) in the Small Industries Service Institute, Cuttack as Assistant Director (Gr. 11) (Economic Investigation/Data Bank) on ad-hoc basis in the Small Industries Service Institute, Gauhati with effect from the forenoon of 16-10-1979, until further orders.

M. P. GUPTA Dy. Director (Admn.)

OFFICE OF THE TEXTILE COMMISSIONER Bombay-20, the 1st February 1980 ORDER

No. 18(1)/80-CLB.II.—In exercise of the powers conferred on me by Clause 12 of the Art Silk Textiles (Production and Distribution) Control Order, 1962 and with the previous sanction of the Central Government, I hereby authorise all Officers not below the rank of an Assistant Director or of an Assistant Enforcement Officer either in the Office of the Textile Commissioner at headquarters or in the regional offices to exercise on my behalf my powers under sub-clause (3) of Clause 3 of the said Order.

M. C. SUBARNA Textile Commissioner.

DEPARTMENT OF SUPPLY D'IE. GENERAL OF SUPPLY & DISPOSALS

(ADMN. SECTION A-6)

New Delhi, the 28th January 1980

No. Λ6/247(400)/62-II.—The President has been pleased to appoint Shri D. Ramanujam, Asstt, Inspecting Officer (Met) at Bhilai under the Jamshedpur Inspectorate to officiate as Asstt. Director of Inspection (Met) (Grade III of Indian Inspection Service Group 'A' Met Branch) on adhoc basis in the same office w.e.f. 3-12-79 (FN) and until turther orders.

Shri Ramanujam relinquished charge of the post of AIO (Mel) and assumed charge of the post of ADI (Met) at Bhilai under the Jamshedpur Inspectorate on 3-12-79 (FN).

K. KISHORE
Dy. Director (Admn.)
for Director General of Supplies & Disposals.

SURVEY OF INDIA

Dehra Dun, the 2nd February 1980

No. E1-5594/724-SOS.—Shri K. Ramaswamy is appointed to officiate as Assistant Stores Officer, Survey of India in the General Central Service Group 'B' (Gazetted) against a temporary post in the revised scale of pay of Rs. 550-25-750-

EB-30-900 with effect from the forenoon of 17th January 1980.

K. L. KHOSLA, Major-General Surveyor General of India.

DIRECTORATE GENERAL: ALL INDIA RADIO (CIVIL CONSTRUCTION WING)

New Delhi-110001, the 24th January 1980

No. A-35018/2/78-CW-I.—The Director General, All India Radio, New Delhi' is pleased to appoint Shri Gurbux Singh, an Assistant Engineer of CPWD as Assistant Surveyor of Works(C) CCW AIR New Delhi on deputation in the pay scale Rs. 650-30-740-35-810-FB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- with effect from the forenoon of 1-1-1980 for a period of one year in the first instance.

The Pay and Allowances of Shri Gurbux Singh will be regulated in accordance with the Ministry of Finance O.M. No. 10/24/E III/60, dated 4-5-1961 as amended from time to time.

No. A-35018/2/78-CW.I.—The Director General, All India Radio, New Delhi is pleased to appoint Shri R. P. Mathur, an Assistant Engineer of Central Public Works Department as Assistant Engineer (Civil), Civil Construction Wing, All India Radio, Calcutta on deputation in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- with effect from the forenoon of 10-12-1979 for a period of one year in the first instance.

The Pay and Allowances of Shri R. P. Mathur will be regulated in accordance with the Ministry of Finance O.M. No. 10/24/E_III/60, dated 4-5-1961 as amended from time to time

S. RAMASWAMY Engineer Officer to Addl. CE(C) for Director General.

MINISTRY OF INFORMATION & BROADCASTING DIRECTORATE OF ADVERTISING & VISUAI PUBLICITY

New Delhi, the 29th January 1980

No. A.31014/1/79-Fst.—The Director of Advertising & Visual Publicity hereby appoints the following officers in substantive canacity in the post of Senior Artist in this Directorate with effect from 21st January, 1980:—

- 1. Shri Umesh Verma.
- 2. Shri A. K. Mukherjee.
- 3. Shri S. V. Ghorpade.
- 4. Shri Ram Kishore Yadev.
- 5. Shri Samar Dutta Gunta
- 6. Shri Subrata Das.
- 7. Shri H. N. Bhattacharjee.
- 8. Shri N. B. Paunikar.

The 2nd February 1980

No A 12025/1/79-Fst —The Director of Advertising and Visual Publicity hereby appoints Shri Hardeen Singh as Senior Artist in a temporary capacity with effect from 28th January, 1980, until further orders.

J. R. LIKHI
Dv. Director (Admn),
for Director of Advertising & Visual Publicity

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES (STORE I SECTION)

New Delhi, the 17th December 1979

No A.19012/12/79-SL.—On attaining the age of superannuation Shri N J. Shastri, Assistant Denot Manager Government Medical Store Denot, Bombay retired from Service on the afternoon of the 29th November, 1979 (30th being a closed holiday).

The 29th January 1980

No. A.32014/4/79-SI—In continuation of the orders contained this Directorate notification No. A.32014/4 79 SI dated 21-7-79 the Director General of Health Services is pleased to appoint Shri K. D. Lahiri, Office Supdt. Government Medical Store Depot, Calcutta, in the post of Assistant Depot Manager in the same Depot on an ad hoc basis for a further period of six months with effect from the afternoon of 19-12-79, or till the post is filled on a regular basis whichever is earlier.

SHIV DAYAI

Dy. Director Administration (St.)

New Delhi, the 14th January 1980

No. A.19019/39/77 CGHS-I.—Consequent upon his transfer from CGHS Meerut to CGHS Kanpur, Dr. R. K. Mishra relinquished charge of the post of Homoeopathic Physician under the CGHS Meerut with effect from the afternoon of 22-6-1979 and assumed charge of the post of Homoeopathic Physician under CGHS Kanpur with effect from the forenoon of 23-6-1979.

The 28th January 1980

No. A.12023/1/79-CGHS-I.—Consequent upon his appointment under the CGHS Delhi Shri P. K. Ghei, Section Officer in the Ministry of Health and Family Welfare, assumed charge of the post of Administrative Officer, under CGHS Delhi with effect from the forenoon of 27th December, 1979.

N. N. GHOSH, Dy. Director Admn. (CGHS)

New Delhi, the 18th January 1980

No. A.22013/1/79-Admn I(Pt),—On attaining the age of superannuation Shri A. D. Sharma, a permanent Assistant in the Directorate General of Health Services and officiating as Section Officer retired from service on the afternoon of 31st December, 1979.

S. L. KUTHIALA Dy. Director Admn. (O&M)

MINISTRY OF AGRICULTURE & IRRIGATION (DEPARTMENT OF AGRICULTURE)

DIRECTORATE OF FXTENSION

New Delhi, the 17th January 1980

No. 5-65/79-Estt.(1).—The ad-hoc appointment of Shri N. Sivarama Krishnan in the post of Assistant Exhibition Officer (Grade 1) is further continued with effect from 1st March, 1979 to 29th February 1980

B. N. CHADHA, Director of Admn.

NATIONAL SUGAR INSTITUTE (DEPARTMENT OF FOOD)

Kanpur, the 30th January 1980

No. Fstt.19(6) —Shri S. K. Guota, Senior Technical Assistant at National Sugar Institute is appointed to officiate as Junior Technical Officer (Sugar Technology) on Ad-hoc basis with effect from the forenoon of 25-1-1980, till further orders.

N. A. RAMAIAH, Director

(DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY) NARORA ATOMIC POWER PROJECT

Narora, the 29th January 1980

No. NAPP/Adm/1(166)/80-S/1096.—Chief Project Engineer, Narora Atomic Power Project appoints Shri K. C. Taneja a permanent Assistant Foreman in Central Pool of Power Projects Engineering Division and officiating Scientific Officer/Engineer grade SB in the Rajasthan Atomic Power Project to officiate as Scientific Officer/Engineer grade SB in the Narora Atomic Power Project with effect from the forenoon of January 4, 1980 until further orders.

S. C. JAIN Asstt. Personnel Officer for Chief Project Engineer

DIRECTORATE OF PURCHASE AND STORES

Bombay 400 001, the 4th January 1980

No. DPS/2/1(25)/77-Adm./137.—The Director, Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy

appoints Shir. P. S. Rao, a temporary Assistant Accounts Officer in the Department of Atomic Energy to officiate as Accounts Officer II in the scale of pay of Rs. 840-40-1000-EB-40-1200 in the Kota Regional Accounts Unit of the Directorate of Purchase and Stores with effect from the forenoon of November 30, 1979 until further orders vice Shri C. K. Raghavan, Accounts Officer-II transferred to the Principal Accounts office of the Department of Atomic Energy, Bombay.

K. P. JOSEPH, Administrative Officer

RAJASTHAN ATOMIC POWER PROJECT

P.O. Anushakti, the 30th January 1980

No. RAPP/04627/1(468)/Admn/S/652,—Consequent upon his transfer to Narora Atomic Power Project, P.O. Narora, Distt. Bulandshahr (UP), Shri K. C. Taneja, a permanent Asstt. Foreman of Central Pool of Power Projects Engineering Division and officiating Scientific Officer/Engineer Grade SB in this Project relinquished charge of his post in the afternoon of 31st December, 1979.

GOPAL SINGH, Administrative Officer(F)

DEPARTMENT OF SPACE ISRO SATELLITE CENTRE

Bangalore-560 058, the 15th January 1980

No. 020/3 (061)/P/80.—Director ISRO Satellite Centre is pleased to promote the undermentioned Officers of the ISRO Satellite Centre, Bangalore of the Deapartment of Space to the posts and we f the forenoon of the dates as indicated against each in the ISRO Satellite Centre, Bangalore in an officiating capacity and until further orders:

Sl. No.	Nam	ne						Post & grade from which promoted	Post & grade to which promoted	Date
S/Shri									D i on	
 A Shivalin 	galah			-				Sci. Assistant C	Engineer SB	1-10-1979
2. S V K Sł	narma		-	-	-			Sci. Assistant C	Engineer SB	1-10-1979
3. R. C. Mah	ajan	,		_	_	-		Sci. Assistant C	Engineer SB	1-10-1979
4. M S Naga							-	Sci. Assistant C	Engineer SB	1-10-1979
5. P C Mari	muthu	-				•		Sci. Assistant C	Engineer SB	1-10-1979

S. SUBRAMANYAM Administrative Officer II

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 21st January 1980

No. A-32014/2/79-EA.—Shri H. B. Roy, Asstt. Acrodrome Officer, Calcutta Airport, Dum Dum reverted to the post of Acrodrome Assistant with effect from the 1st January, 1980.

V. V. JOHRI, Asstt. Director of Admn.

New Delhi, the 28th January 1980

No. A-32013/10/79-EI.—In continuation of this office Notification No. A-32013/10/79-EI dated 19-9-79 the Director General of Civil Aviation is pleased to sanction the continued ad-hoc appointment of Shri S. R. Bhatia. a permanent Accountant in this Department to the nost of Accountant Officer. Civil Aviation Department, New Delhi, for a further period of 14 days with effect from 20-10-79 vice Shri P. R. Loroiya and for a period of 45 days from 3-11-1979 to 17-12-1979 vice Shri S. C. Bhatia.

C. K. VATSA Assistant Director of Administration

COLLECTORATE OF CENTRAL EXCISE AND CUSTOMS

Madras-2, the 28th January 1980

No. 1/80.—The following Inspectors of Central Excise (S.G.) are appointed to officiate until further orders as Superintendent Group 'B' in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-F.B.-880-

40-1000-E.B.-40-1200. They have assumed charge as Superintendents in the places and on the dates noted against each:—

Sl. No	Name of the Of	fficer		Place of posting	Date of assumption of charge
	S/Shri			7.	
1.	O. Kripa Rao	. ,		Customs Preventive, Chidambaram, Cuddalore Division.	12-10-1979
2.	C. Balakrishnan			Divisional Office, Ramanathapuram.	30-10-1979
3.	E. P. Rowland	•		TT-LAL W. O.M.	15-12-1979
4.	K. Krishnamura	гі		City M. O. R., I.D.O., Madurai.	22-12-1979
5.	S. Gurusamy	•		Venkatachalapuram M.O.R. at Sattur, Sivakasi Division.	28-12-1979
6.	V. K. Sekaran	•		Customs Circle, Rameswaram.	28-12-197
7.	S. Guruviah			Virudhunagar M.O.R. Siyakasi Division.	31-12-1979
8.	M. S. Velu			Arumuganeri M.O.R. Tirunelveli Division.	31-12-1979
9.	A. Viswanathan			Hqrs. Office, Madurai.	2-1-198
10.	R. Ganesan			Customs Preventive,	7-1-198
11.	N. Alwar	•		Sattur M.O.R.J., Sivakasi Division.	9-1-198
12.	T. Muthiah			Hgrs. Office, Madurai.	9-1-198
13.	A. N. Dhanasing	gh		Rajapalavam M.O.R. Siyakasi Division.	, 12-1-198
14.	M. Poosamy		-	Customs Circle, Rameswaram.	19-1-198

No. 2/80.—Kum. D. Lilly, Office Superintendent, Deputy Collector's Office, Coimbatore, Madras Collectorate is appointed to officiate until further orders as Administrative Officer of Central Excise (Group 'B') in the scale of pay of

Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200. She assumed charge as Administrative Officer on 26-11-1979 at Central Excise Divisional Office, Tirunelveli.

R. JAYARAMAN, Collector

Madras-600034, the 30th January 1980

No. IV/16/384/78-Ex, Adj II.—In exercise of the powers conferred on me by sub-rule (I) of Rule 232-A of the Central Excise (seventh amendment) Rules, 1976 which came into force from 21-2-1976 it is declared that the names and adresses and other particulars specified in sub-rule (2) of the persons who have been convicted by a court under Section 9 of the Central Excise and Salt Act, 1944 and persons on whom penalty of Rs. 10,000/- or more has been imposed by an officer referred to in section 33 of the Act are as follows:—

Sl. No.	Name of the persons	Address	The provisions of the Act contravened	The amount of penalty imposed					
1	2	3	4	5					
	anardhnan and Velusamy	D No 115—West Vinayakar Koil Street, Coimbatore-28 (uthayampalayam)	Rules 65, 174 and 231 of Central Excise Rules, 1944 read with Section 259 and 260 of IPC 1860;						
Shri S	Pappammal and P Natarajan cee's power agent)	L.5 No 38/77, Gobipalayam Post Gobi Taluk	Rules 144, 151-C and 223 (1) of Central Excise Rules, 1944 and Section 9 (1) (b) and 9 (1) (bb) of Central Excises and Salt Act, 1944	Both the accused were convicted and sentenced to pay fine of Rs. 250/- each or to undergo R. I. for 2 months.					
3. Shri C	Venkatachalam	L.5 No 19/68, Dasampalayam, Puliampatty, Perier District	Rules 151 (C) of Central Excise Rules, 1944 and Section 9 (1) (b) and 9 (1) (bb) of Central Excises and Salt Act, 1944	Sentenced to undergo six months R.I.					
4. 1 Sh	ri Sathiyamoorthy	Sivam & Company Beedi factory		All the four accused were sen-					
2 Shr	ri T Paramasivam ettner of Sivam & Co)	13-Subramaniaswamy koil street,	of Central Excise Rules, 1944 Section 9 (1) (b) and 9 (1) (bb)	tenced to pay a fine of Rs. 100/- on each count (i.e. Rs.					
3 Shr	ri Sivam & Co	Vellore	of the Central Excises and	200/- each)					
	i A Thangavelu 2 No 125/74)	L 2 No 125/74, D No 25, Arumuga- Mudaliar Street, Salavanpett, Vellore	Salt Act, 1944.						
II Departmental Adjudication									
		-NIL-	•						

B. R. REDDY, Collector of Central Excise

Patna, the 2nd February 1980

No. II (7) 2-E T /79/695.—In pursuance of this office Establishment Order Nos 358/78 dated 28-12-78, 48/79 dated 31-1-79, 76/79 dated 17-2-79, 300/79 dated 1-9-79 and 381/79 dated 24-12-79 following Inspectors of Central Excise/Customs promoted to officiate as Superintendent, Group 'B' Central Excise and Customs in the scale of Rs 650-30-740-35-810-E,B-35-880-40-1000-E, B-40-1200/-plus other usual allowances as admissible under rules have assumed charge as Superintendent, Group 'B', Central Excise/Customs at the places and with effect from the dates and hours as indicated below against each:—

Sl. No.	Name								Place of posting	Date of assumption of charge
1		2	•						3	4
S/Shri 1. Kanhaiya Singh		•		•	,	-	-		Superintendent, Central Excise (P) Patna	26-2-79 (F N)

22-466GI/79

_ 1 2 _										3	4
2. Ram Ratan Sinha			•	•_			•	•		Superintendent, Central Excise, Kalyanpur Range	2-4-79 (F.N.)
3. Dharam Nath Pd .	•	٠	•	•	•	•				Superintendent, Customs, Jayanagar	6-3-79 (F,N,)
4. Baldco Prasad, No 2	•	•	•	•	•			•		Superintendent, Central Excise, Lalganj Range	27-2-79 (F.N.)
5. K. P. Choudhary .	•	•	٠	•		•			•	Superintendent (L/R), Central Excise Jamshedpur	23-3-79 (F.N.)
6. Tarakant Jha	•	•	•	-	-	-	-	•	•	Superintendent, Central Excise, Karanpura (S R P)	4-6-79 (F.N.)
7. Dinesh Jha										Superintendet, Customs, Nirmali	8-3-79 (F.N.)
8. Georje Victor J. Ekka	•	•	٠		•	•	•	•	•	Superintendent, Central Excise, Samastipur	9-3-79 (F.N.)
9. Victor Calestine Topne			-	•	٠	-		•		Superintendent, Central Excise, Hajipur Range	19-3-79 (F.N.)
10. Chandra Nath Bh g t	•	•	•	•	•	•	•	•		Superintendent, Central Excise, Tajpur Range	30-3-79 (F.N.)
11. Dwarika Pd No 1 .	•		•	•		•			•	Superintendent, Customs, Forbesganj	25-9-79 (F.N.)
12. C H Basukey			•							Superintendent, Customs, Araria	26-9-79 (F.N.)
13. Rameshwar Pd .	•			•	٠	•	•	•		Superintendent, Central Excise, Jamshedpur	17-10-79 (F.N.)
14. Mahadeo Lal .			•	٠		•	•	-		Superintendent, Central Excise, Gaya	17-9-79 (F.N.
15. Gambhir Das .	-					•	•	•		Superintendent, Customs, Birpur	31-12-79 (F.N.)

S. A. GOVINDARAJ, Collèctor

MINISTRY OF SHIPPING AND TRANSPORT DIRECTORATE GENERAL OF SHIPPING

Bombay 400038, the 30th January 1980

No. 25-ADMN(2)/79.—On the recommendations of the Union Public Service Commission, the President is pleased to appoint Shri A. Kannan as Assistant Director General of Shipping in the Directorate General of Shipping, Bombay in a temporary capacity with effect from 20th December, 1979 (F.N.) until further orders.

B. K. PAWAR Dy. Director General of Shipping

Bombay, the 1st February 1980

No. 56-SV(1)/79.—On the recommendation of the Departmental Promotion Committee, the Director General of Shipping hereby appoints Shri P. Radhakrishnan, Superintendent, T. S. "Rajendra", as Regional Officer (Sails), Jam-

nagar in a temporary capacity with effect from the 13th December, 1979.

S. M. OCHANEY Dy. Director General of Shipping

Bombay-38, the 4th February 1980

No. 11-TR(4)/73.—Shri K. Rajamani, Supervisor of Workshop Training in the Directorate of Marine Engineering Training, Calcutta relinquished charge of his post, consequent upon the acceptance of his resignation with effect from 22-1-1979 (AN).

The 4th February 1980

No. 11-TR(2)/78.—Shri Ziauddin, Lecturer-in-Applied Sciences, in the Directorate of Marine Engineering Training, Calcutta, relinquished charge of his post, consequent upon the acceptance of his resignation with effect from 30th April, 1979 (AN).

K. S. SIDHU Dy. Director General of Shipping

CENTRAL PUBLIC WORKS DEPARTMENT

OFFICE OF THE DIRECTOR-GENERAL (WORKS)

New Delhi, the 28th January 1980

No. 23/2/77-E.C. II.—The following Officers of the Central Public Works Department, on attaining the age of superannuation (58 years), have retired from Government service with effect from the date noted against each:

Sl. No.	Name of Officers and designations	Date of retirement	Present designation and last station of posting
1	2	3	4
1. Shri Supe	C. D. Dharmani, rintending Engineer (Civil)	30-11-1979 (A.N.)	Superintending Engineer, Delhi Central Circle No. V, C.P. W. D., New Delhi
2. Shri Exec	N. N. Chopra, utive Engineer (Civil)	30-11-1979 (A,N,)	Din Dayal Upadhyaya Hospital Project (Delhi Admn.), New Delhi
.Shri Exec	Kulwant Singh' utive Engineer (Civil)	31-12-1979 (A.N.)	Joint Director (Designs), N.B.O., New Delhi.

1 2	3	4
4. Shri Radhey Lal, Executive Engineer (Val.)	31-12-1979 (A.N.)	Executive Engineer (Val.) Income Tax Department, Nag- pur.
5. Shri V. K. Kishnani, Executive Engineer (Civil)	31-12-1979 (A.N.)	Executive Engineer, Mainte- nance & Norms Division, C. P. W. D., New Delhi.
6. Shri A. K. Mazumdar, Executive Engineer (Val)	31-12-1979 (A.N.)	Executive Engineer (Val.), Income Tax Department, Cal- cutta.
7. Shri U. C. Sood, Executive Engineer (Civil)	31-12-1979 (A.N.)	Executive Engineer (Civil), R. M. L. Hospital Division, C. P. W. D., New Delhi.

^{2.} Compulsory retirement – Shri R. R. Singh, Executive Engineer (Civil), P.W.D. Circle No. II (Delhi Administration), New Delhi, has been compulsorily retired from Government Service with effect from 30-11-1979 A.N., vide Ministry of Works and Housing, New Delhi, Order No C-13011/5/76/AV. III, dated 22-11-1979.

3. Voluntary Retirement under E.R. 56 (K)—Shri J. P. Jain, Executive Engineer (Civil, working as Surveyor of Works in the Office of the S.S.W. (Food), C.P.W.D., New Delhi, has retired voluntarily under FR 56 (K) from Government service with effect from 31-12-1979 (A.N.)

S. S. P. RAU, Deputy Director of Administration For Director General (WORKS)

MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS

(DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS) COMPANY LAW BOARD

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Columbia Graphophone Company of India Private Limited

Calcutta, the 29th January 1980

No. 14345/560(3).—Notice is hereby given pursuant to subsection (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Columbia Graphophone Company of India Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

N. R. SIRCAR Asstt. Registrar of Companies West Bengal.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of A. K. V. Chit Fund & Finance Private Limited

Pondicherry-1, the 1st February 1980

No. 85/80.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Company "A. K. V. Chit Fund & Finance Private Limited" unless cause is shown to the contrary will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

S. R. V. V. SATYANARAYANA Registrar of Companies, Pondicherry.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Favourite Packaging Private Limited

Ahmedabad, the 2nd February 1980

No. 2195/560.—Notice is hereby given pursuant to subsection (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Favourite Packaging Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

J. G. GATHA Registrar of Companies, Gujarat,

OFFICE OF THE COMMISSIONER OF INCOME-TAX (CADRE CONTROL AUTHORITY)

Kanpur, the 28th January 1980

ORDER

Establishment—Central Services—Group 'B'—Gazetted—Income-tax Officers—Promotion Transfer and Posting of—

No. 72.—The following Inspectors of Income-tax are appointed to officiate as Income-tax Officers (Group 'B') in the pay scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 with effect from their taking over the charge and until further orders. They will be liable to reversion in case it is subsequently found that their appointments have been made in excess of the vacancies available. Their services, on promotion are placed at the disposal of the Commissioners of Income-tax indicated against each:—

Sl. No., Name of the Official & Services placed at the disposal of C.I.T.

S/Shri

- 1. R. P. Saxena, Meerut-Meerut
- 2. S. N. Kapoor, Agra-Agra

The above officials will take over charge on or after 1st Feb. 1980 in the vacancies on account of retirement of Shri T. B. Bajaj, I.T.O. and voluntary retirement of Shri Dharam Prakash, I.T.O. on the 31st January, 1980 afternoon.

B. GUPTA
Commissioner of Income-tax,
(Cadre Control Authority)
Kanpur.

OFFICE OF THE COMMISSIONER OF INCOME-TAX DELHI-II

New Delhi, the 29th January 1980

INCOME TAX

F. No. JUR-DLI/II/78-79/42020.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 123 of the I.T. Act, 1961 (43 of 1961) and of all other enabling powers in this behalf and in modification of earlier orders on the subject the Commissioner of Income-tax Delhi-II, New Delhi hereby directs that the Inspecting Assistant Commissioners of Income-tax mentioned in col. 1 of the schedule herein below shall perform all the functions of Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax under the said Act in respect of such areas or of such persons or classes of persons of such Income for classes of income or of such cases

of classes of cases as fall within the jurisdiction of the I.T.Os. of the Districts/Circles mentioned in Col. 2 of the said schedule:

SCHEDULE

Range	Income-tax Districts/Circles	
1		
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax, Range-II-A, New Delhi.	Company Circles-V, IX and XVII, New Delhi.	
Inspecting Assistant Commissioner of Income	 Company Circles-VI, VIII and XI, New Delhi. 	
Tax, Range-II-C-cum- Estate Duty, New Delhi.	2. (i) Estate Duty-cum-Income- tax Circle, New Delhi.	
	(ii) Addl. Estate Duty-cum- Income-tax Circle, New Delhi.	

This notification shall take effect from 1-2-1980.

K. R. RAGHAVAN Commissioner of Income-Tax Delhi-II, New Delhi.

OFFICE OF THE COMMISSIONER OF INCOME-TAX BOMBAY CITY

Bombay-400 020, the 5th December 1979

No. 1122.—The following officers are hereby appointed substantively to the posts of Income-tax Officer, Group-B with effect from 1st December 1979:—

S/Shri

- 1. G. B. Daswani
- 2. N. A. Kazi
- 3. J. R. Kanekar
- 4. P. K. Kalyan (S.C.)
- 5. Mrs. M. V. Bordawekar
- 6. C. G. Nair

Sd./(KANWAL KRISHAN)
Commissioner of Income-tax,
Bombay City-VII, Bombay.

Sd./(N. THIAGARAJAN)
Commissioner of Income-tax,
Bombay City-IV, Bombay

Sd./-(G. A. JAMES) Commissioner of Income-tax, Bombay City-X, Bombay Sd./(D. N. CHOUDHRI)
Commissioner of Income-tax,
Bombay City IX, Bombay

PORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110002

New Delhi, the 4th February 1980

Ref. No. 1AC/Acq-I/2-80/993.—Whereas I, G. C. AGARWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Basement No. 3. (Basement Floor) situated at Commercial Complex Building, Greater Kailash-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on May 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (a) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

 M/s. DLF Builders, 21-22, Narindra Place, Parliament Street, New Delhi-110001.

(Transferor)

(2) M/s. Venson Shoes, Andhra Bank, Building, Ajmal Khan Road, Karol Bagh, New Delhi-110005.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Basement No. 3, Basement Floor, Commercial Complex, Greater Kailash-II, New Delhi-110048, area 1649.11 sq. ft.

G. C. AGARWAL
Competent Authority,
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I
Delhi/New Delhi

Date: 4-2-80

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110002

New Delhi, the 2nd February 1980

Ref. No. IAC/Acq-I/2-80/992,—Whereas I, G. C. AGARWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

No. G-II/58, situated at Lajpat Nagar, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on May 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Lachhman Dass, G-II/58, Lajpat Nagar, New Delhi-24,

(Transferor)

(2) Shri Bhag Singh, 4/33, Jangpura Extension, New Delhi-14. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. G-II/58 built on plot of land measuring 100 sq. yds. situated at Lajpat Nagar, New Delhi-24,

G. C. AGARWAL
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I
Delhi/New Delhi

Date: 2-2-1980

(1) C. C. Savithri, "Navika", Mannom P.O., N. Parur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri T. P. Ahamed, Development Officer, LIC of India, Alwaye.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, "ANJIPARAMBIL BLDGS", ANAND BAZAAR, COCHIN-682 016.

Cochin-682 016, the 3rd December 1979

No. REF L.C. 365/79-80.—Whereas I, K. NARAYANA MENON.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Sy. No. as per schedule situated at Alwaye

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Alwaye on 30-5-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

20 cents of land with buildings in Sy. No. 521/11/2 of Alwaye village.

K. NARAYANA MENON
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam.

Date: 3-12-79

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, "ANJIPARAMBIL BLDGS", ANAND BAZAAR, COCHIN-682 016.

Cochin-682 016, the 6th December 1979

No. REF. L.C. 368/79-80,—Whereas I, K. NARAYANA MENON,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property,

having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Sy. No. as per schedule situated at Quilon

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Quilon on 18-5-1979

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. G. Gomahy, West House, Ashramam, Quilon.

(Transferor)

(2) Shri Sivarajan, S/o Akkayyan Chettiar, Merchant, Chamkkada, Quilon.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

21½ cents of land with buildings as per schedule attached to Doc. No. 1951.

K. NARAYANA MENON
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam.

Date: 6-12-1979

Scal:

(1) Shri Mammutty, S/o Makkotha, Muttumkattil House, Punkunnam, Trichur-2. (Transferor)

(2) Shri N. Surendranathan, XXIII/297, Trichur-2.

(Transferec)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, "ANJIPARAMBIL BLDGS", ANAND BAZAAR, COCHIN-682 016.

Cochin-682 016, the 6th December 1979

No. REF. L.C. 375/79-80.—Whereas I, K. NARAYANA MENON,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Sy. No. as per schedule situated at Richur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Richar on 9-5-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby mitiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—
—366GI/79

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

101 cents of land with building as per schedule attached to Doc. No. 2766/79.

K. NARAYANA MENON
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam.

Date: 6-12-1979

FORM ITNS ...

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, "ANJIPARAMBIL BLDGS", ANAND BAZAAR, COCHIN-682 016.

Cochin-682 016, the 6th December 1979

No. REF. L.C. 376/79-80.—Whereas, I, K. NARAYANA MENON,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Sy. No. as per schedule situated at Alleppey

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Alleppey on 10-5-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act it hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shri Rajkumar Rao, Nelpuraparambu, Alleppey.

(Transferor)

(2) M/s. Shalimar Chemical Works (P.) Ltd., (by Managing Director Sri Prakruthinath Bhattarcharji, 92/E, Alipore Road, Calcutta-27.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

25½ cents of land with buildings as per schedule attached to Doc. No. 1570/79.

K. NARAYANA MENON
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam.

Date: 6-12-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, "ANJIPARAMBIL BUILDINGS", ANAND BAZAAR, COCHIN-682 016

Cochin-682 016, the 11th December 1979

Ref. No. L.C.377/79-80.—Whereas, I, K. NARAYANA MENON,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. as per schedule situated at Ernakulam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Ernakulam on 28-5-1979.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) 1. Ayyankutty, Karathattu Parambil, Ernakulam kulam.
 - 2. Kalamma, Karathattu Parambil, Ernakulam. 3. Malathy, Puthiyaparambil, Ernakulam.
 - 4. Radhakrishnan, Karathattu Parambil, Ernakulam
 - 5. Sudha, Karathattu Parambil, Ernakulam.
 (Transferors)
- (2) 1. Shri C. J. Joseph,
 - Shri George.
 Shri Thomas.
 - XLVI/249, ESI Hospital Road, Ernakulam.
 (Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

4.750 cents of lend with buildings as per schedule attached to Doc. No. 1982/79.

K. NARAYANA MENON
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam

Date: 11-12-1979

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

2220

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, "ANJIPARAMBII. BUILDINGS", ANAND BAZAAR, COCHIN-682 016

Cochin-682 016, the 11th December 1979

Ref. No. L.C. 382/79-80.—Whereas, I, K. NARAYANA MENON.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No, as per schedule situated at Ankamaly (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ankamaly on 18-5-1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I

have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Thankamma and 3 others. Grace Hill, Ankamaly.

(Transferor)

(2) Shri K. O. Oaseph and 4 others. M/s. Amla iles, Ankamaly.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and buildings as per schedule attached to Doc. No. 2260/79.

K. NARAYANA MENON
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam

Date: 11-12-1979

Scal:

(1) Shri M. K. Muraleedharan Thampy, Lake View, Muttakkattu, Venganur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Smt. P. Bhargavi Devi, School View, Sasthamangalam, Trivandrum, (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

ACQUISITION RANGE, "ANJIPARAMBIL BUILDINGS", ANAND BAZAAR, COCHIN-682 016

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Cochin-682 016, the 11th December 1979

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. L.C. 383/79-80.—Whereas, I, K. NARAYANA MENON.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. as per schedule situated at Trivandrum

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Sasthamangalam on 3-5-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

THE SCHEDULE

Land with buildings as per Doc. No. 1596/79.

K. NARAYANA MENON

Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam

Date: 11-12-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Smt. Ratmamma, Gopivilasam,

Kumarakam, Kottayam.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER

(2) Shri Abdul Khader, C/o. N. A. K. Hajee, Kalipha Bldg., SRM Road, Cochin-18.

(Transferee)

OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, "ANJIPARAMBIL BUILDINGS", ANAND BAZAAR, COCHIN-682 016

Cochin-682 016, the 11th December 1979

Ref. No. L.C. 384/79-80.—Whereas, J, K. NARAYANA MENON,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. as per schedule situated at Ernakulam

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ernakulam on 2-5-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer so agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall hhave the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

24,649 cents of land with buildings as per schedule attached to Doc. No. 1601/79.

K. NARAYANA MENON
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam

Date: 11-12-1979

(Seal) :

(1) Shri S. Neelakanta Iyer, AC, 35/323, Chenthitta, Trivandrum.

may be made in writing to the undersigned-

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961) (2) Smt. S. Rajammal, TC. 34/647, Pazhavangadi, Trivandrum. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property

GOVERNMENT OF INDIA

SIONER OF INCOME-TAX

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

ACQUISITION RANGE, "ANJIPARAMBIL BUILDINGS", ANAND BAZAAR, COCHIN-682 016

Cochin-682 016, the 31th December 1979

Ref. No. L.C. 385/79-80,--Whereas, I, K. NARAYANA MENON.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Trivandrum

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Chalai on 9-5-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

9 cents of land with buildings as per schedule attached to Doc. No. 1505/79.

K. NARAYANA MENON
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam

Date: 31-12-1979

9D(1) OF THE INCOME-

AC, 35/323, Chenthitta, Trivandrum. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Smt. S. Rajammal, TC. 34/647, Pazhavangadi, Trivandrum. (Transferce)

(1) Shri S. Kalyanarama lyer,

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, "ANJIPARAMBIL BUILDINGS", ANAND BAZAAR, COCHIN-682 016

Cochin-682 016, the 31th December 1979

Ref. No. L.C. 386/79-80.--Whereas, I. K. NARAYANA MENON.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/No. as per schedule situated at Trivandrum

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chalai on 9-5-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons with in a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

9 cents of land with buildings as per schedule attached to Doc. No. 1506/79.

K. NARAYANA MENON
Competent Authority,
Anspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam.

Date: 31-12-1979

FORM ITNS ---

(1) Shri Ahamedkutty, s/o Abdulla, Anakad House, Muttom.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) M/s. Associated Business Combines, Muttom, Alwayo (by Mrs. Gracy Paul).

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, "ANJIPARAMBIL BUILDINGS", ANAND BAZAAR, COCHIN-682 016

Cochin-682 016, the 3rd January 1980

Ref. No. 1, C. 387/79-80.—Whereas, I, K. NARAYANA MENON,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Alwaye

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Alwaye on 11-5-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the vaid property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building as per schedule attached to Doc. No. 2367/11-5-79.

K. NARAYANA MENON
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam

Date: 3-1-1980

Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

24—466GI/79

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri K. Narayanankutty,

(1) Sri Nandan K. Pisharody,

(Transferor)

"Nalanda", XI/50, Pattambi Road, Irinjalakuda,

Madathil Pisharath, Irinjalakuda.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE, "ANJIPARAMBII, BUILDINGS", ANAND BAZAAR, COCHIN-682 016

> Cochin-682 016, the 5th January 1980

Ref. No. L.C. 392/79-80.—Whereas, I, K. NARAYANA MENON.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. as per schedule situated at Irinjalakuda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act,

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at at Irinjalakuda on 18-5-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following percons namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Land and building as per schedule attached to Doc. No. 828/79.

> K. NARAYANA MENON Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ernakulam

Date: 5-1-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, "ANJIPARAMBIL BUILDINGS", ANAND BAZAAR. COCHIN-682 016

Cochin-682 016 the 8th January 1980

Ref. No. L.C. 388/79-80.—Whereas, I, K. NARAYANA MENON.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Quilon

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Quilon on 23-5-1979

for an apparent consideration which is less than

the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1972) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Rajamma Amma. Santhi Nivas, Thamarakulam, Quilon.

(Transferor)

(2) Sri S, S. T. R. M. Thankathirupathy Nadar, C/o. M/s. R. Ponnuranga Reddiar, Merchants, Quilon.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building as per schedule attached to Doc. No. 2029.

K. NARAYANA MENON
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam

Date: 8-1-1980

FORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Rajamma Amma, Santhi Nivae, Thamarakulam, Quilon.

(Transferor)

(2) Shri P. Sankaranarayanan, C/o. M/s, R. Ponnuranga Reddiar, Merchants, Quilon.

(Transferces)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, "ANJIPARAMBIL BUILDINGS", ANAND BAZAAR, COCHIN-682 016

Cochin-682 016, the 8th January 1980

Ref. No. L.C. 389/79-80.—Whereas, I, K. NARAYANA MENON.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. as per schedule situated at Quilon

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Quilon on 23-5-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said roperty may be made in writing to the andersigned....

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

I-XPI ANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building as per schedule attached to Doc. No. 2030.

K. NARAYANA MENON
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax.
Acquisition Range, Ernakulam

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice unde rsub-secsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 8-1-1980

(1) Rajamma Amma, Santhi Nivas, Thamarakulam, Quilon.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri S. S. T. R. M. Thankathirupathy Nadar, C/o. M/s. R. Ponnuranga Reddiar, Merchants, Quilon.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, "ANJIPARAMBII BUILDINGS", ANAND BAZAAR, COCHIN-682 016

Cochin-682 016, the 8th January 1980

Ref. No. L.C. 390/79-80.—Whereas, I. K. NARAYANA MENON,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sald Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Quilon

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Outloon on 23-5-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of !—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 209°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269-D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein—as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building as per schedule attached to Doc. No. 2032.

K. NARAYANA MENON
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Ernakulam

Date: 8-1-1980

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, "ANJIPARAMBIL BUILDINGS", ANAND BAZAAR, COCHIN-682 016

Cochin-682 016, the 8th January 1980

Ref. No. L.C. 391/79-80.—Whereas, I, K. NARAYANA MENON.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Quilon

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Outlon on 23-5-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Rajamma Amma, Santhi Nivas, Thamarakulam, Quilon.

(Transferor)

(2) Mrs. Soudamini, C/o. M/s. R. Ponnuranga Reddiar, Merchants, Quilon.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building as per schedule attached to Doc. No. 2072.

K. HARAYANA MENON
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ernakulam

Date: 8-1-1980

(1) Sint. Santha Sreeram & Others, Vairoli Ve'edu, Trichur.

(2) Shit T. G. Rajagopal and another, "Rasmi", Convent Road, Trichur-1.

may be made in writing to the undersigned-

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAY ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE, "ANJIPARAMBIL BUILDINGS", ANAND BAZAAR. COCHIN-682 016

> Cochin-682 016, the 9th January 1980

Ref. No. L.C. 394/79-80.—Whereas, I. K. NARAYANA MENON.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. as per schedule situated at Trichur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer

at Trichur on 2-5-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION: —The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Land and building as per schedule attached to Doc. No. 2638 of SRO, Trichur.

K. NARAYANA MENON Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ernakulam

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 9-1-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, "ANJIPARAMBIL BUILDINGS", ANAND BAZAAR, COCHIN-682 016

Cochin-682 016, the 9th January 1980

Ref. No. L.C. 395/79-80.—Whereas, I, K. NARAYANA MENON,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. as per schedule situated at Trichur

(and more fully described in the Schedule

annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering at Trichur on 23-5-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Yesodamma (by Sri Gopalakrishna Menon) and others,
 Vairoli Veedu, Trichur.

(Transferor)

(2) Shri T. G. Rajagopal and another, "Rasmi". Convent Road Trichur-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building as per schedule attached to Doc. No. 3109.

K. NARAYANA MENON
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Frankulam

Date : 9-1-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE, "ANJIPARAMBIL BUILDINGS", ANAND BAZAAR, COCHIN-682 016.

> Cochin-682 016, the 9th January 1980

Ref. N. L.C. 393/79-80. --Whereas, I. K. NARAYANA MENON.

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No as per scheduled situated at Kanyakulangara tand more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registration of Company of the Registration and Registration and Registration and Registration of Company of the Registration of Registration and Registration and Registration of Registration and Registration of Registration of Registration and Registration of Registration o

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tex under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-Tax Act, 1937 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—
25—466G1/79

(1) Shri N. Sivasankara Pillai, Sheela Bhavan, Kizhakkekara Muri, Chirayinkil. (Transferor)

(2) Smt. Lakshmikutty (for late Shri P. Kunjusankaran), Mannakori Veedu, Attipramuri, Chirayinkil.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Figure 1. The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property as per Doc. No. 943/26-5-1979 of SRO, Kanyakulangara.

K. NARAYANA MENON
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam

Date: 9-1-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

 Shri B. L., 12/276 Housing Board Colony, Wakoda Bridge, Santacruz, East Bombay-55.

(Transferor)

1. Shri R. D. Mathkari, Executive Engineer, Circle Office, Yeotmal.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, NAGPUR

Nagpur, the 16th November 1979

No. IAC/ACQ/104/79-80.—Whereas, I, S. K. BILLAIYA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'). have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 5-9-83/1, City Survey No. 19189. Sheet No. 163, Aurangabad situated at Aurangabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering at Aurangabad on 9th May, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned....

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

FXPI ANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

S. No. 5-9-83/1, City Survey No. 19189, Sheet No. 163, Umaji Colony. Pudampura, Aurangabad.

S. K. BILLAIA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range, Nagpur.

Dated: 16th November, 1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, NAGPUR

Nagpur, the 15th November 1979

No. IAC/ACQ/103/79-80.—Wretens, I, S. K. BILLAIYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Plot No. 54 House No. 83 (Old), Ward No. 6, Sheet No. 39-A, situated at Akola

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Akola on 20-5-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Smt. Vijayagauri Ambalal Bækhtaria, Khetangalli, Akola.
 (Transferor)
- Shri Maganlal Bhimjibhai Patel.
 Shri Atul Maganlal Patel, Old Bhaji Bazar, Akola. (Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the sald immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 54, House No. 83 (Old) Ward No. 6, Shet No. 39-A, Kirana Bazar, Tajanpeth, Akola. Dated: 15th November, 1979

S. K. BILLAIA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax.
Acquisition Range, Namely

Date: 15th November 1979

 Smt. Sushilabai W/o Sugandhrao Patil, Padampura, Aurangabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

 Shri Zulfequar Hussain S/o Abdul Hussain, Auganabad.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, NAGPUR

Nagpur, the 17th November 1979

No. IAC/ACQ/105/79-80.—Whereas, I, S. K. BILLAIYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Plot No. 34, Municipal No. 5-10-3, Part of City Survey No 19316, situated at Aurangabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Aurangabad on 22nd May, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth Tax Act, 1951 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 34, of Survey No. 9, Municipal No. 5-10-3, Part of City Survey No. 19316, Sheet No. 164, Rajnagar, Padampura, Aurangabad.

S. K. BILLAIA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range, Naspur.

Date: 17th November, 1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE, NAGPUR

Nagpur, the 26th November 1979

No. IAC/ACQ/106/1979-80.—Whereas I, S. K. BILLAIYA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Iucome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing

House No. 157-A and 157-B, in Circle No. 9/14 Ward No. 28, Itwari, Nagpur situated at Nagpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nagpur on May, 1979...

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Art, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely.—

- Annaji Pandurang Anantwar, Laxmikant, Dhananjai, & Mukunda S/o of Anaaji Anantwar
- Pandurang Jairam Anantwar, All resident of Circle No. 9/14, Nagpur.

(Transferors)

 Dalpatlai Mobanlei Mehta, Circle No. 8/13, Nagpur. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Grante.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 157-A and 157-B, Circle No. 9/14 and in Ward No. 28, Itwarl, Nagpur,

S. K. BILLAIA.
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax.
Acquisition Range, Nagpur.

Date . 26-11-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECITING ASSIT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 29th December 1979

No. Ref. No. ASR/79-80/279.—Whereas, I, M. J.: MAHAJAN IRS

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

One plot of land in Shastri Nagar situated at Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at SR Amritsar on May, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sh. Bhagat Ram s/o Shri Bhajan Lal r/o 93-Green Avenue, Amritsar.

(Transferor)

(2) Sh. Jugal Kishores S/o Shri Jai Kishan Dass, r/o 46 Keneddy Avenuc, Amritsar.

(Transferec)

(3) As at sr. No.2 above and tenant(s) if any
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot of land measuring 252.4 sq. mtrs. situated in Tung Bala Urban (Shastri Nagar) Amritsar, as mentioned in the sale deed No. 430/1 dated 15-5-79 of the registering Authority Amritsar.

M. L. MAHAJAN, IRS.

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 29-12-1979.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 29th December 1979

Ref. No. ASR/79-80/280.—Whereas I, M. J. MAHAJAN IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

One plot of land situated at Shastri Nagar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar on May 1979

for an apperent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of · ·-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shmt. Samitra Devi w/o Sh. Bhagat Ram r/o 93, Green Avenue Amritsat. through Sh. Om Parkash General Attorney,

(Transferor)

(2) Sh. Jugal Kishore S/o Sh. Jai Kishan Dass 10 46 Keneddy Avenue, Amritsar.

(Transferee)

- (3) As at sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person(s) interested in the property
 (Person whom the undersigned knows
 to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPIANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot of land measuring 255.4 sq mtrs situated in Tung Bala urban (Shastri Nagar) Amritsar as mentioned in sale deed No. 428/1 dated 15-5-79 of registering authority Amritsar.

M. L. MAHAJAN
Competent Authority,
Inspecting Asistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 29-12-1979.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsur, the 29th December 1979

Ref. No. ASR/79-80/281.—Whereas I, M. L. MAHAJAN IRS..

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No.

One plot of land in Shastri Nagar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR. Amritsar on May, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shmt. Madhu Arora w/o Sh. Banwari Lal r/o 340 Shastri Market, Amritsar.

(Transferor)

- (2) Sh. Jugal Kishore s/o Shri Jai Kishan Dass v/o 46, Keneddy Avenue Amritsar.

 (Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any
- (4) Any other person(s) interested in the property.
 (Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot of landmeasuring 190.2 sq. mtrs situated in Tung Pala Urban (Shastri Nagar, Amritsar) as mentioned in the sale deed No. 429/I dated 15-5-1979 of the registering authority, Amritsar.

M. L. MAHAJAN IRS.
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Amritsar

Date: 29-12-1979

2241

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 9th January 1980

Ref. No. ASR/79-80/282.—Whereas I, M. L. MAHAJAN IRS.,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Kothi No. 44 Keneddy Avenue Amritsar.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act,

1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at SR., Amritsar on May, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—
26—466GI/79

 Sh. Dina Nath Kapur s/o Sh. Ghasita Mal r/o 44 Keneddy Avenue Amritsar.

(Transferor)

(2) Smt. Sunita Devi, w/o Sh. Raj Kumar, Shmt. Shobha Madan w/o Sh. Ashok Kumar, Brij Mohan, Sham Sunder, Prem Kumars s/o Sh. Kishore Chand, Bazar Tahli Sahib, Amritsar.

(Transferee)

- (3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any (Person(s) in occupation of the Property).
- (4) Any other person(s) interested in the property.
 (Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FYPIANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One kothi No. 44 situated in Keneddy Avenue (areas 370 sq. mtrs) as mentioned in the sale deed No. 509/I dated 23-5-79 of the registering authority Amritsar.

M. L. MAHAJANS, IRS,
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Amritsar

Date: 9-1-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 11th January 1980

Ref. No. ASR/79-80/283.—Whereas I, M. L. MAHAJAN IRS..

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

One plot of land at Dasaundha Singh Road, Amritsar. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR. Amritsar on May, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Vijay Kumar Jain s/o Shri Shio Bhagwan r/o House No. 1521/2 Ram Gali Katra Ahluwal Mukhtar Aam Sanab Sh. Mohindra Kumar Jain Amritsar.

(Transferor)

- (2) Shmt. Kamal Arora w/o Sh. Bakshi Ram r/o House No. 550 Katra Karam Singh, Amritsar. (Transferec)
- (3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any (Person(s) in occupation of the Property).
- (4) Any other person(s) interested in the property.

 (Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot measuring 406 sq. mtrs situated at Dasaundha Singh Road Amritsar, as mentioned in the sale deed No. 553/1 dated 25-5-79 of the registering authority, Amritsar.

M. L. MAHAJAN, IRS,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tex,
Acquisition Range,
Amritsar,

Date: 11-1-1980

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 11th January 1980

Ref. No. ASR/79-80/284.—Whereas, I, M. L. MAHAJAN, IRS..

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

H. No. 55/1/Gali Jailwali Hall Gate, Amritsar

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at SR. Amritsar in May 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of

the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Ast, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely:—

- (1) Sh. Walati Ram Sh. Darbari Lal ss/o Masat Ram & Shri Om Parkash Shri Harbans Lal, Shri Ganpat Rai, Shri Tarlok Chand ss/o Shri Chanan Lal r/o Village Vaneke Teh, Ajnala Distt, Amritsar.

 (Transferor)
- (2) Sh. Om Parkash s/o Shri Milkhi Ram r/o Katra Baggian, Amritsar.
- (3) As at Sr. No. 2 above and all the tenant(s) in the property.
 (Person(s) in occupation of the Property).
- (4) Any other person(s) interested in the property.

 (Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property).

 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One house (area 408 sq. mtrs) situated in Gall Jaiwali House No. 55/1 as mentioned in the sale deed No. 465/I dated 18-5-79 of the registering authority Amritsar.

M. L. MAHAJAN, IRS.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Amritsar.

Date: 11-1-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 11th January 1980

Ref. No. ASR/79-80/285_-Whereas I, M. L. MAHAJAN, IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

One plot at Dasaundha Singh Road, Amritsar.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at SR. Amritsar on May, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, to the following persons, namely:—

 Sh. Som Nath s/o Shri Ram Dhan Mal r/o Kothi No. 95 Dayanand Nagar, Amritsar.

(Transferor)

- (2) Smt. Dhani Dai w/o Sh. Sita Ram r/o Dasaun@has Singh Road, Amritsar.

 (Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any (Person(s) in occupation of the Property).
- (4) Any other person(s) interested in the property. (Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot measuring 218.85 sq. mtrs situated at Dasaundha Singh Road, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 616/I dated 31-5-79 of the registering authority, Amritsar.

M. L. MAHAJAN, IRS.

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax

Acquisition Range,

Amritsar.

Date: 11-1-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX AC1, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 11th January 1980

Ref. No. ASR/79-80/286.—Whereas, I, M. L. MAHAJAN, IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to

believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. One building at Ktr. Khajana Amritsar.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto, has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR. Amritsar on May 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

 Shri Hira Lal Kapur s/o Shri Veeru Mal Kapur r/o Nai Sarak Katra Khajana Amritsar through Sh. Roshan Lal s/o Shri Harnam Dass r/o Tunda Talab, Amritsar (Mukhtar Aaam)

(Transferor)

(2) Smt. Pritam Devi wd/o Sh. Kasturi Lal τ/o 23 Shivala Road, Amritsar.

(Transferee)

- (3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any (Person(s) in occupation of the Property)
- (4) Any other person(s) interested in the property.

 (Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the publication of this notice in the Official Gazette, whichever period expire later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One building No. 68/9 situated at Katra Khajana (1/3 share) as mentioned in the sale deed No. 604/I dated 31-5-79 of the registering authority, Amritsar.

M. L. MAHAJAN, IRS.
Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Amritsar.

Date: 11-1-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 11th Junuary 1980

Ref. No. ASR/79-80/287.--Whereas, I, M. L. MAHAJAN, IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

One building situated at Katra Khajana, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR, Amritsar on May, 1979

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax, Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Hira Lal s/o Sh. Veeru Mal, r/o Nai Sarak, Kattu Khajana, Amritsar, through Sh. Roshan Lal s/o Sh. Harnam Dass, r/o Tunda Talab, Amritsar (Mukhtar Aam)

 (Transferor)
- (2) Sh. Sudershæn Lal, Surinder Pal sa/o Paras Ram, Rajinder Pal, Kakumat Rai ss/o Sudershan Lal r/o Khaperkherl Tehsil, Amritsar.

(Transferce)

- (3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any.

 [Person(s) in occupation of the property]
- (4) Any other person(s) interested in the property.

 [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

One building No. 68/9, situated in Katra Khajana (1/3 share) Amritsar as mentioned in the sale deed No. 584/I dated 28-5-79 of the registering authority, Amritsar.

M. L. MAHAJAN, IRS.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date: 11-1-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 11th January 1980

Ref No. ASR /79-80/288.—Whereas, T M. Τ., MAHAJAN, IRS being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing One building situated at Katra Khajana, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR, Amritsar on May, 1979 for an apparent consideration which the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the sideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1952 (27 of 1957).

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sh. Hira Lal Kapur s/o Sh. Veru Mal, r/o Nai Sarak, Katta Khajana, Amritsar, through Sh. Roshan Lal s/o Sh. Harnam Dass, r/o Tunda Talab, Amritsar (Mukhtar Aam)

 (Transferor)
- (2) Smt. Miya Devi d/o Sh. Dhani Ram, r/o Purani Lakkar Mandi, Amritsar.

(Transferee)

(3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any.

[Person(s) in occupation of the property]

(4) Any other person(s) interested in the property.

[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One building No. 68/9 situated in Katra Khazana Amritsar as mentioned in the sale deed No. 586/29-5-79 of the registering authority Amritsar.

M. L. MAHAJAN, IRS.
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date: 11-1-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE. AMRITSAR

Amritsar, the 11th Junuary 1980

Ref. No. ASR/79-80/289.—Whereas I, M. L. MAHAJAN, IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Agrl. land in Vill. Naushera Dhala, Teh. ASR.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

SR Tarn Taran in May 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which cught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby invitate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Guljar Singh, Gajan Singh, ss/o Mehar Singh, r/o Chahl, Teh. Tarn Taran.

(Transferor)

(2) Sh. Mukhtar Singh s/o Santokh Singh, r/o Tharu, Tehsil Tarn Taran.

(Transferce)

- (3) As at Sr. No, 2 above and tenant(s) if any.
 [Person(s) in occupation of the property]
- (4) Any other person(s) interested in the property.

 [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this actice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 80 kanals 2 marlas, situated in vilage Nausherhra Dhalla, Teh. Amritsar as mentioned in the sale deed No. 201/9-5-79 of the registering authority, Tarn Taran.

M. L. MAHAJAN,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritser.

Date 15-1-1980 Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 15th January 1980

Ref. No. ASR/79-80/290.—Whereas I, M. L. MAHAJAN, IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agrl. land situated at Vill. Jhabal Manon,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jhabhal kalan in May, 1979

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—

27—366GI/79

 S. Hira Singh s/o Labh Singh, r/o Jhabhal Manon, and Sh. Surjit Singh, Gurmeet Singh, etc. ss/o Umrao Singh, r/o Vill. Chabhal Manon.

(Transferor)

(2) Sh. Manpreet Singh s/o Salwinder Singh, r/o Vill. Chabhal Manon.

(Transferee)

- (3) As at Sr. No. above and tenant(s) if any.
 [Person(s) in occupation of the property]
- (4) Any other person(s) in the property.

 [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 40 kanals 1 marlas, situated in Village Chabhal Manon as mentioned in the sale deed No. 202/dated 9-5-79 of the registering authority, Chabhal Manon.

M. L. MAHAJAN
Competent Authority.
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Amritsar

Date: 15-1-1980

FORM ITNS———
NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 11th January 1980

ASR/79-80/291.--Whereas, Ref. No. MAHAJAN, IRS being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. One godown, situated at Tarn Taran (and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at SR Tarn Taran in May, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair

marked value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely.

Sh. Kishan Chand Ram Chand ss/o
 Hisham Dass,
 r/o Tarn Taran.

(Transferor)

(2) Sh. Harish Kuma'r s/0₁ Sh. Bihari, Lal r/o Joshi Colony, Amritsar.

(Transferee)

- (3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any.
 [Person(s) in occupation of the property]
- (4) Any other person(s) interested in the property.

 [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION: --The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said. Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One godown No. 289/636 & 269/569, situated at Tarm as mentioned in the sale deed No. 1278 of 25-5-79 of the registering authority, Tarn Taran.

M. L. MAHAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date 15-1-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 11th January 1980

Ref. No. ASR/79-80/292.—Whereas, I, M. L. MAHAJAN, IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Agrl. land, situated at Vill. Jaunike, Teh. Tarn Taran, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

SR Tarn Taran in May, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sh. Gurcharan Singh 5/0 Jagir Singh, r/o Vil. Jaunike, Teh. Tarn Taran.

(Transferor)

(2) Sh. Darshan Singh etc. etc. ss/o Surjan Singh, r/o Vill. Jaunike, Teh. Tarn Taran.

(Transferee)

- (3) As at S_f. No. 2 above and tenant(s) if any. [Person(s) in occupation of the property]
- (4) Any other person(s) interested in the property.

 [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricul. land measuring 39 kanals 8 marlas, situated in village Jaunike, Teh. Tarn Taran as mentioned in the sale deed No. 1379 dated 28-5-79 of the registering authority, Tarn Taran.

M. L. MAHAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Amritsar

Date: 11-1-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 11th January 1980

Ref. No. ASR/79-80/293,—Whereas I, M. L. MAHAJAN, IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No., situated at

One building, situated at Katra Sher Singh, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at SR Amritsar in June 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sh. Ved Parkash s/o Sh. Hans Raj, r/o Katra, Sher Singh, Amritsar.

(Transferor)

(2) Smt. Pritam Kaur w/o Sh. Hardev Singh, r/o 346 new Jawahar Nagar, Jullundur City.

(Transferee)

- (3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any.
 [Person(s) in occupation of the property]
- (4) Any other person(s) interested in the property.

[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'sald Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One building 1/3 share No. 2089 to 2091 & No. 1501 to 1505/12-11 old and No. 2112, 2113/12, situated at Katra Sher Singh, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 856/1 dated 16-6-79 of the registering authority, Amritsar.

M. L. MAHAJAN, IRS
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date: 11-1-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 11th January 1980

Ref. No. ASR/79-80/294.--Whereas I, M. L. MAHAJAN IRS.,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. One building No. 2089 to 2091 & No. 1501 & 1505/X11-11 old and No. 2112, 2113/12, situated at Ktr. Sher Singh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at SR. Amritsar in May 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 209D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Bhag Mal s/o Shri Hans Raj r/o Ktr. Sher Singh, Amritsar.
 - (Transferor)
- (2) S. Bhupinder Singh s/o S. Hardev Singh r/o 346 New Jawahar Nagar, Jullundur city.

(Transferee)

- (3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any.

 [Person(s) in occupation of the property]
- (4) Any other person(s) interested in the property.

 [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One building 1/3 share No. 2089 to 2091 & No. 1501 & 1505/12-11 old and No. 2112, 2113/12 situated in Ktr. Sher Singh, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 529 dated 24-5-79 of the registering authority Amritsar.

M. L. MAHAJAN, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Amritsar.

Date:11-1-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 11th January 1980

Ref. No. ASR/79-80/295.—Whereas I, M. L. MAHAJAN IRS.,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. One shop No. 39/I, situated at Hall Bazar, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR, Amritsar in May 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sald instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the fellowing persons, namely:—

- S. Joginder Singh & Surinder Singh ss/o Inder Singh, r/o Inder Niwas, Mall Road, Amritser.
 - (Transferor)
- M/s. Punjab Chemical & Biological Agency; Hall Bazar, Amritsar. (Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any.
 Shanti Sarup Sareen, Advocate.

 [Person(s) in occupation of the property]
- (4) Any other person(s) interested in the property.

 [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to be undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One shop No. 39/I-MCA Hall Bazar, Amritsar (Area 72 sq. mtrs). as mentioned in the sale deed No. 320/I dated 4-5-79 of the registering authority, Amritsar.

M. L. MAHAJAN, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
3, Chanderpuri Tylor Road,
Acquisition Range, Amritsar

Date: 11-1-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 14th January 1980

Ref. No. ASR/79-80/296.—Whereas, I, M. L. MAHAJAN IRS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot of land in Basant Avenue, situated at Amritsar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at ASR on May, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Ravi Mohan s/o Shri Mulukh Raj Nayyar, R/o Maqbul Road, through the court of Shri M. L. Singla Sr. Sub Judge, Amritsar.

(Transferor)

(2) (1) Shri Diwan Singh,
 (2) S. Bhupinder Singh ss/o Shri Iiwan Singh,
 R/o Cooper Road, Amritsar.

(Transferce)

- (3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any.
 [Person(s) in occupation of the property]
- (4) Any other person(s) interested in the property.

 [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to be undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot of land measuring 1760 sq. yds. situated in Basant Avenue, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 401 dated 14-5-1979 of the registering authority, Amritsar.

M. L. MAHAJAN, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
3, Chanderpuri Tylor Road,
Acquisition Range, Amrits.

Date: 14-1-1980

FORM ITNS .

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 11th January 1980

Ref. No. ASR/79-80/297.—Whereas, I, M. L. MAHAJAN IRS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 1/3rd share in shop No. 2568/3 in Ktr. Ahluwelia, situated at Amritsar.

(and more fully described in the schedule tennexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at ASR on May, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the arcresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) (1) Shri S. Faqir Chand s/o Shri Rameshwar Dass,
 - R/o Moga Mukhtar aam,

 (2) Shri Mangat Rai s/o Shri Rameshwar Dass,
 R/o Moga.

(Transferor)

(2) Shrimati Lalita P. Goenka w/o Shri Parshotam Lal R/o Mall Road, opposite Nirmala Swai Ashram, Amritsar.

(Transferee)

- (3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any.

 [Person(s) in occupation of the property]
- (4) Any other person(s) interested in the property.

 [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/3 share in shop No. 2568/3 situated in Ktr. Ahluwalia Bazar Bikanerian Amritsar as mentioned in the safe deed No. 486/I dotted 21-5-79 of the registering authority Amritsar.

M. L. MAHAJAN, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
3, Chanderpuri Tylor Road,
Acquisition Range, Amritsar

Date : 11-1-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 11th January 1980

Ref. No. ASR/79-80/298.—Whereas, I, M. L. MAHAJAN IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 1/3rd share in shop No. 2568,

situated in Ktr. Ahluwalia, Bazar Bekanerian, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at ASR on May, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following sersons, namely:—
28—466GI/79

(1) (1) Shri Banwari Lal s/o Shri Kidar Nath, R/o Moga through, Shri Barhma Nand s/o Shri Banarasi Dass, R/o Ktr. Ahluwalia, Amritsar,

(Transferor)

- (2) Shrimati Lalita P. Goenku d/o Shri Parshotam Lal A/o Ahluwalia now Mall Road, opposit Nirmala Swami Ashram,
 - (Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any.

 [Person(s) in occupation of the property]
- (4) Any other person(s) interested in the property.

 [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/3 share in shop No. 2568, situated in Katra Ahluwalia, Bazar Bekanerian. Amritsar, as mentioned in the sale deed No. 498/I dated 22-5-1979 of the registering authority Amritsar.

M. L. MAHAJAN, IRS
Competent Λuthority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date : 11-1-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 11th January 1980

Ref. No. ASR/70-80/299.--Whereas, I, M. L. MAHAJAN IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 1/3rd share in shop No. 2568, situated at Katra Ahluwalia, Amritsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at ASR Amritsar on May, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

- (1) Shri Barhma Nand s/o Shri Banarsi Dass, R/o Ktr. Aluwalia, Amritsar.
 - (Transferor)
- (2) Smt. Lalita P. Goenka w/o Shri Parshotam Lal, R/o Mall Road, opposite Nirmal Swami Ashram,
 - (Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any. [Person(s) in occuptation of the property]
 (4) Any other person(s) interested in the property.
 [Person(s) whom the undersigned knows
 - to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/3 share in shop No. 2568, situated in Ktr. Ahluwalia Bazar Bikanerian Amritsar as mentioned in the sale deed No. 499/I dated 22-5-1979 of the registering authority Amritsar.

> M. L. MAHAJAN, IRS Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Chanderpuri Tylor Road, Acquisition Range, Amritsar

Date: 11-1-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 15th January 1980

Ref. No. ASR/79-80/300.—Whereas, I. M. I. MAHAJAN IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. One property at Kot Bhagat Singh situated at Amritsar, (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Amritsar on May 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Gurdip Singh s/o Gurbachan Singh, R/o Kot Bhagat Singh, Amritsar.

(Transferor)

- (2) Shri Arganjan Singh s/o Puran Singh, House No. 2457 Gali No. 3, Kot Bhagat Singh Sultanwind Road, Amritsar.
 (Transferred)
- (3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any.

 [Person(s) in occupation of the property]
- (4) Any other person(s) interested in the property.

 [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One property/house No. 2457 situated at Kot Bhagat Singh Sultanwind Road, Amritsar, as mentioned in the sale deed No. 468/I dated 18-5-1979 of the registering authority Amritsar.

M. L. MAHAJAN, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
3, Chanderpuri Tylor Road,
Acquisition Range, Amritsar

Date: 15-1-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 15th January 1980

Ref. No. ASR/79-80/301.—Whereas, I, M. L. MAHAJAN IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hercinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. One property at Kot Bhagat Singh situated at Amritsar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Amritsar, on June 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to belive that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets, which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Krishan Kaur w/o S. Gurbachan Singh, R/o Kot Bhagat Singh Amritsar. (Transferor)
 - **V**-

(Transferee)

- (2) Shri Arganjan Singh s/o S. Putan Singh, r/o House No. 2457, Gali No. 3, Bhagat Pura Sultanwind Road, Amritsar,
- (3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any.
 [Person(s) in occupation of the property]
- (4) Any other person(s) interested in the property.

 [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One property/house No. 2457, situated in Kot Bhagat Singh, Sultanwind Road, Amritsar, as mentioned in the sale deed No. 972/I dated 27-6-1979 of the registering authority, Amritsar.

M. L. MAHAJAN, IRS
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
3, Chanderpuri Tylor Road,
Acquisition Range, Amritsar

Date: 15-1-1980

Sed t

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 9th January 1980

Ref. No. ASR/79-80/302.—Whereas, I, M. L. MAHAJAN IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. One plot at Radha Swami Road, situated at Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at SR Amritsar, in May 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269-D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Romesh Kumar s/o Shri Keshav Dev Ganeriwala,
R/o Building Road, Bander Road, Shanta Kruj
Bombay through Smt. Lalita Goenka w/o Shri
Parshom Krishan Goenka,
R/o Radhaswami Road, Amritsar,

(Transferør)

- (2) Shri Rakesh Kapur w/o Shri Jagdish Chand Kapur, R/o Dhab Rhatikan, Amritsar.

 (Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any.
 [Person(s) in occupation of the property]
- (4) Any other person(s) interested in the property.

 [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

 Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—
 - (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
 - (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot measuring 250 sq. yds. situated at Radha Swami Road. Amritsar as mentioned in the sale deed No. 318/1 dated 25-5-1979 of the registering authority, Amritsar.

M. L. MAHAJAN, IRS
Competetive Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
3, Chanderpuri Tylor Road,
Acquisition Range, Amritsar

Date: 9-1-1980

Soal:

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 9th January 1980

Ref. No. ASR/79-80/303.--Whereas, I, M. L. MAHAJAN IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/aud bearing

One plot at Radha Swami Road, Amritsar situated at Amritsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar, in May 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Lalita Devi Goenka w/o Shri Parshotam Krishan, R/o Mall Road, Amritsar,

(Transferor)

- (2) Shri Romesh Kapur w/o Jagdish Chand Kapur, R/o Dhab Khatikan, Amritsar.
- (3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any.
 [Person(s) in occupation of the property]
- (4) Any other person(s) interested in the property
 [Person(s) whom the undersigned knows
 to be interested in the property]
 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot measuring 250 sq. mtrs. situated at Radha Swami Road. Amritsar as mentioned in the sale deed No. 319/I dated 3-5-1979 of the Registering Authority, Amritsar.

M. L. MAHAJAN, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
3, Chanderpuri Tylor Road,
Acquisition Range, Amritsar

Date: 9-1-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE,

Amritsar, the 9th January 1980

Ref. No. PTA/179/79-80.—Whereas I, M. L. MAHAJAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. One plot at Radha Swami Road, situated at Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at

SR Amritsor, in May 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

- (1) Shri Umesh Kumar s/o Shri Keshav Dev Ganeri-R/o Sri Building Road, Bander Road, Shanta Kruj, Bombay through Smt. Lalita Goenka w/o Shri Parshotam Krishna Goenka,
 - R/o Radhaswami Road, Amritsar.

 (1) Smt. Sunita w/o Shri Rakesh Kumar and

 (2) Smt. Promila w/o Shri Romesh Kapur,

 R/o Dhab Khatikan Amritsar c/o Mehta School.
- (3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any.
- [Person(s) in occupation of the property]
 (4) Any other person(s) interested in the property.
 [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot measuring 208 1/3 sq. mtrs. situated at Radha Swami Road. Amritsar as mentioned in the sale deed No. 369/I dated 9-5-1979 of the registering authority Amritsar.

> M. L. MAHAJAN, IRS Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, 3. Chanderpuri Tylor Road, Acquisition Range, Amritsar

Date: 9-1-1980

Seal ;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 9th January 1980

Ref. No. ASR/79-80/305 - Whereas, I. M. L. MAHAJAN IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. One plot at Radha Swami Road, Amritsar situated at Amritsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at SR Amritster, in May 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the obect of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property gy the issue of this notice under sub section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Smt. Lalita Goenka Devi Goenka, w/o Shri Parshotam Krishan Goenka, R/o Mall Road, Amritsar,

(Transferor)

- (2) Smt. Swaran Kapur w/o Shri Jagdish Chand, R/o Dhab Khatikan c/o Mehto School, Amritsar. (Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any.
- [Person(s) in occupation of the property]
 (4) Any other person(s) interested in the property.
 [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned--

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot measuring 208 1/3 sq. mtrs. situated at Radha Swami Road (Mall Road) Ampitsar as mentioned in the sale deed No. 368/I dated 4-5-1979 of the registering authority, Amritsar.

> M. L. MAHAJAN, IRS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, 3, Chanderpuri Tylor Road. Acquisition Range, Amritsan

Date: 9-1-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 11th January 1980

Ref. No. ASR/79-80/306.—Whereas, I. M. L. MAHAJAN

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. One property at Race Course Road, situated at

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar,

for an apparent consideration

which is less than the fair market value

of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, on the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

29-466G1/79

(1) Smt. Maan Kaur Bawa wd/o S. Nanak Singh, R/o Dasaundha Singh Road, Amritsar.

(Transferor)

 (2) (1) S. Dia Singh.
 (2) Shri Parabjit Singh ss/o Shri Ghania Singh,
 R/o Village Thath Garh Teh. Taran Taran, Amritsar.

(Transferee)

(3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any. [Person(s) in occupation of the property]

(4) Any other person(s) interested in the property.

[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned -

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from a service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One kothi No. 2 situated on Race Course Road (area 837.35 sq. mtrs.) as mentioned in the sale deed No. 449/I dated 12-5-1979 of the registering authority, Amritsar.

> M. L. MAHAJAN, IRS Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, 3, Chanderpuri Tylor Road, Acquisition Range, Amritsar

Date: 11-1-1980

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 11th January 1980

Ref. No. TT/79-80/307.--Whereas I, M. L. MAHAJAN IRS.

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. one Godown, situated at Taran Taran Sirhali Road, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at SR. Taran Taran on May 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the libility of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transferor; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Shri Kishan Chand Ram Chand ss/o L. Bishan Dass, r/o Taran Taran.

 (Transferor)
- (2) Nand Rani wd/o L. Onkar Nath r/o Katra Bhai Sant Singh, Amritsar.
- (3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any.
 [Person(s) in occupation of the property]
- (4) An other person(s) interested in the property.

 [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shal have the same meaning as given in that Chapted.

THE SCHEDULE

One godown No. 289/636 & 269/569 situated at Taran Taran, Sirhali Road, as mentioned in the sale deed No. 1280 of 25-5-79 of the registering authority Taran Taran,

M. L. MAHAJAN, IRS
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Amritsar.

Date: 11-1-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 11th January 1980

Ref. No. ASR/79-80/308.—Whereas I, M. L. MAHAJAN IRS.,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agricultural land situated in Village Rakh Jhete (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at SR Baba Bakala on May 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the fiability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Isher Kaur wd/o Vir Singh r/o Bundala Teh, Amritsar. (Transferor)
- (2) Shri Suba Singh s/o Gujjar Singh r/o Jandiala Guru Teh. Amritsar.

(Transferce)

- (3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any. [Person(s) in occupation of the property].
- (4) Any other person(s) interested in the property. (Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazotte or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immeovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land 229 kanals (1/4 share 57 kanals 5 marlas) situated in Village Rakh Jhete, Teh. Amritsar as mentioned in the sale deed No. 265 dated 3-5-79 of the registering authority, Baba Bakala.

M. L. MAHAJAN, IRS.
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 11-1-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 11th January 1980

Ref. No. TT/79-80/309.—Whereas I, M. L. MAHAJAN IRS..

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Godown No. 289/636 & 269&569 at Goindwal Road, situated at Taran Taran sirhali Road,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at SR., Taran Taran in May, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sh. Kishan Chand Ram Chand ss/o Bishan Dass Taran Taran. (Transferor)
- (2) Shmt. Raj Rani w/o Lala Bihari Lal, Amritsar. (Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any. (Person in occupation of the property).
- (4) Any other person(s) interested in the property.
 (Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One godown No.289/636 & 269/569 situated at Goindwal Road, Taran Taran, as mentioned in the sale deed No. 1279 of 25-5-79 of the registering authority, Taran Taran.

M. L. MAHAJAN IRS.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Amritaar.

Date: 11-1-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 17th January 1980

Ref. No. Baba Bakala/79-80/310,---Whereas I, M. L. MAHAJAN IRS.,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sald Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Agrl. land 78 kanals 8 marlas Village Rakh Jhete (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at at Sub Tehsil Baba Bakala

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Shri Gurcharan Singh Gurbax Singh 55/0 Dhanna Singh r/0 Bombay through Sh. Dhana Singh r/0 Amritsar city.

 (Transferor)
- (2) Shri Balkar Singh so Darshan Singh 7/0 Village Thathi, Teh. Amritsar. (Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any (Person in occupation of the property).
- (4) Any other person(s) interested in the property.

 (Person whom the understand knows to the

(Person whom the undersigned knows to the interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agrl. land measuring 78 kanals 8 marlas situated in Village Rakh Jhete, Teh. Amritsar as mentioned in the sale deed No. 318/dated 15-5-79 of the registering authority Sub-Teheil Baba Bakala.

M. L. MAHAJAN IRS.

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.

Acquisition Range,
Amritsar.

Date: 17-1-1980

(1) Sri Tarachand Agarwal.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Sri Surendra Agarwal.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV 54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD

Calcutta-16, the 19th November 1979

Ref. No. Ac-90/Acq.R-IV/Cal/79-80,---Whereas, I, S. K. DASGUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Ward No. XVI situated at Shyama Prosad Mukherjee Road, Siliguri,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Siliguri on 3-5-1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate preceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring .085 acre with building situated at holding No. 162, Ward No. XVI, Shyama Prosad Mukherjee Road, Siliguri, Dt. Darjeeling, more particularly as per deed No. 2858 of 1979.

S. K. DASGUPTA
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV
Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date: 19-11-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-IV 54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD

> Calcutta-16, the 19th November 1979

Ref. No. Ac-89/Acq.R-IV/Cal/79-80.—Whereas, I, S. K. DASGUPTA,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Ward No. XVI situated at Shyama Prosad Mukherjce Road, Siliguri,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Siliguri on 5-5-1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957. (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Sri Tarachend Agarwal.

(Transferor)

(2) Sri Rabindra Agarwal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the 'service 'of notice 'on respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 0.85 acre with building situated at holding No. 162, Ward No. XVI, Shyama Prosad Mukherjee Road, Siliguri, Dt. Darjeeling, more particularly as per deed No. 2947 of 1979.

S. K. DASGUPTA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV
Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date: 19-11-1979

Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OPFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV 54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD

Calcutta-16, the 26th November 1979

Ref. No. Ac-92/Acq.R-IV/Cal/79-80.—Whereas, I, S. K. DASGUPTA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

No. situated at Thana—Barasat, Mouza—Banamahpur.

tand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sub-Registrar, Barasat on 30-5-1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transferor; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sri Deba Brata Sadhukhan, Sri Swapan Sadhukhan and Sri Naba Kumar Sadhukhan

(Transferor)

(2) Sri Sunil Kumar Das and Srimoti J. Das.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 03½-dec. with building situated at 37/B, K.N.C. Road, Thana Barasat, Mouza Barnamahpur, Dt. 24-Prgs., Kh. 298, 299, New 498, plot 469 more particularly as per deed No. 3541 of 1979.

S. K. DASGUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV
Rafi Ahmed Kidwai Rood, Calcutta-16

Date: 26-11-1979.

(1) Sri Balei Chand Ghosh.

(Transferor)

(2) Sri Ajit Kumar Ghatak,

(Transferec)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV 54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD

Calcutta, the 29th November 1979

Ref. No. Ac-46/R-II/Cal/79-80.—Whereas, I, S. K. DASGUPTA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 153, situated at Mouza-East Kulia,

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Distt. Registrar, Alipore on 31-5-79,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer 4s agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer and/or
- (2) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:

30—466GI/79

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (2) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:---The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE -

Land measuring 2-cottahs, 3-chittaks and 11-sq. ft. under Mouza East Kulia, Touji No. 2833, Holding No. 61 under Calcutta Corporation, 153, Beliaghata Main Road, Calcutta-

S. K. DASGUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV
Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date: 29-11-1979

(1) Sri Mohendra Kumar Sethi.

(Transferor)

(2) Sri Pukhraj Sethi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE 1

Calcutta, the 30th November 1979

Ref. No. Sl. 519/TR-22/C-22/Cal-1/79-80.—Whereas, I. V. S. JUNEJA,

being the Competent Authority under section 269B of Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/-and bearing

No. 55, situated at Nalini Sett Road, Calcutta,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act,

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 9-5-1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforeside exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or the assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

may be made in writing to the undersigned...

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Undivided 1/4th share of six storeyed building being premises No. 55 Nalini Sett Road, Calcutta together with land measuring 4 cottahs 43 sq. ft. registered before the Registrar of Assurances, Calcutta vide Deed No. I-2561 dated 9th May 1979.

I. V. S. JUNEJA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-1, Calcutta
54. Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date: 30-11-1979

(1) Smt. Kanika Sinha Roy.

(Transferor)

(2) Smt. Pranati Baneriec.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE II

Calcutta, the 18th December 1979

Ref. No. Ac-50/R-II/Cal/79-80.—Whereas, I, S. K. DASGUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. P-39, situated at Rastraguru Avenuc, Calcutta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 14-5-1979,

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferror to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of thes aid Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the
 (b) date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 6-cottahs 304-sq. ft. situated at P-39, Rastraguru Avenue, Calcutta-28 being municipal Holding No. 3 within the south Dum Dum Municipality.

S. K. DASGUPTA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Calcutta

Date: 18-12-1979.

2276

FORM ITNS-

(1) Govinda Chandra Dutta.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Tapan Kumar Sikdar.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
ACQUISITION RANGE IV

Calcutta, the 19th December 1979

Ref. No. Sl. 520/TR-27/C-27/Cal-1/79-80.—Whereas, I, S. K. DASGUPTA,

being the Competent Authority under Stetion 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (horeinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 28 situated at Creek Lane, Calcutta,

(and more fully described in the Schedule annexed

hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 18-5-1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

I:XPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land measuring 2K-2Ch-24 Sft. situated at 28, Creek Lane, Calcutta before the Registrar of Assurances, Calcutta vide Deed No. I-2735, dated 18-5-1979.

S. K. DASGUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range-IV, Calcutta

Date: 19-12-1979.

(1) Mohamed Ashrof.

(2) Shri Gulum Rasul,

(Transferor)

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGF-I CALCUTTA

Calcutta, the 31st December 1979

Ref. No. St. 522/TR-29/79-80.—Whereas, I, I. V. S. JUNEJA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,090/- and bearing

No. 24/2 situated at Shariff Lane, Calcutta-16, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 22-5-79.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Tan paise share of four storied building being premises No. 24/2, Shariff Lane. Calcutta along with land measuring 6K 3Ch 5 Sft. registered before the Registrar of Assurances, Calcutta vide Deed No. 2810 dated 22-5-1979,

I. V. S. JUNEJA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Calcutta
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date: 31-12-1979.

FORM TINE-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (1) Shri Mohemed Ashrof.

(Transferor)

(2) Mst. Humaira Khatoon.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calculta, the 31st Occomber 1979

Ref. No. Sl.523/TR-30/79-80.—Whereas, I, I. V. S. JUNEJA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 24/2 situated at Sharif Lane, Calcutta-16, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 22-5-1979.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, ramely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Twenty paise share of four storied building being premises No. 24/2, Shariff Lane, Calcutta along with land measuring 6K 3Ch 5 sft. registered before the Registrar of Assurances, Calcutta vide Deed No. 2809, dated 22-5-1979.

I. V. S. JUNEJA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Calcutta
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date: 31-12-1979.

(1) Shri Mohamed Ashrof.

(Transferor)

(2) Shri Abdul Quaiyum.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX,

ACOUISITION RANGE-L CALCUTTA

Calcutta, the 31st December 1979

Ref. No. Sl. 524/TR-31/79-80. Whereas. I. V. S. JUNEJA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hercinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

24/2 situated at Shariff Lane, Calcutta-16,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 22-5-1979.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax. Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shell have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Ten paise share of four storied building being premises No. 24/2, Shariff Lane, Calcutta along with land measuring 6K 3Ch 5 Sft. registered before the Registrar of Assurances, Calcutta vide Deed No 2808, dated 22-5-1979.

I. V. S. JUNEJA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I. Calcutta
54, Rafi Ahmed Kidwai Read, Calcutta-16

Date: 31-12-1979.

(1) Mohamed Ashrof

(Transferor)

(Transferce)

(2) Ali Hasan,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 31st December 1979

Ref. No. Sl. 525/TR-32/79-80.—Whereas. I. V. S. JUNEJA,

being the Competent Authority under Section of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 24/2, situated at Shariff Lane, Calcutta-16,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 22-5-1979,

for an apparent consideration which is less than the fair markt value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Ten paise share of four storied building being premises No. 24/2, Shariff Lane, Calcutta along with land measuring 6K 3Ch 5 Sft. registered before the Registrar of Assurances, Calcutta vide deed No. 2807 dated 22-5-1979.

I. V. S. JUNEJA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Calcutta-16.

Date: 31-12-1979.

(1) Mohamed Ashrof

(Transferor)

(2) Mohemed Alimuddin

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, CALCUTTA

Calcutta, the 31st December 1979

Ref. No. Sl. 526/TR-33/79-80.—Whereas, I, I. V. S. JUNFJA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 24/2 situated at Shariff Lane, Calcutta-16 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Calcutta on 22-5-1979

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
31—466GI/79

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA in the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Twenty five paise share of four storied building being premises No. 24/2, Shariff Lane, Calcutta along with land measuring 6K 3Ch 5 Sft. registered before the Registrar of Assurances, Calcutta vide deed No. 2806 dt. 22-5-79.

I. V. S. JUNEJA
Competent Authority
Inspecting Assett. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Calcutta-16.

Date: 31-12-1979

(1) Mohamed Ashrof

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mohamed Osman

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE IV, CALCUTTA

Calcutta, the 31st December 1979

Ref. No. Sl.527/TR-34/79-80.—Whereas, I, I. V. S. JUNEJA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 24/2 situated at Shariff Lane, Calcutta-16 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Calcutta on 22-5-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Twenty five paise share of four storied building being premises No. 24/2 Shariff Lane, Calcutta along with land measuring 6K 3Ch 5Sft. registered before the Registrar of Assurances, Calcutta vide Deed No. 2805 dt. 22-5-79.

I. V. S. JUNEJA,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range IV,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-16.

Date: 31-12-1979

(1) Ganesh Chandra Roy

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Amal Bardhan Bimal Bardhan Kajal Bardhan Sajal Bardhan

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, CALCUTTA

Calcutta, the 31st December 1979

Ref. No. Sl.521/TR-25/Cal-1/79-80.—Whereas, I, I. V. S. JUNEJA,

1. V. S. JUNEJA, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No 1, situated at Gangaram Palit Lane, Calcutta, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Calcutta on 9-5-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to belive that the fair value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such

apparent consideration and that the consideration for such

transfer as agreed to between the parties has not been truly

stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assests which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Old dilapidated building being premises No. 1 Gangaram Palit Lane, Calcutta on an area of 5K 12Ch 16 sft. registered before the Registrar of Assurances, Calcutta vide Deed No. I-2564 dated 9-5-1979.

I. V. S. JUNEJA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-16.

Date: 31-12-1979

FORM ITNS----

(1) Sri Biren Roy, Trustee Biren Roy Trust, Behala.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri Basab Bhattacharjee.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CALCUTTA

Calcutta, the 5th January 1980

Ref. No. 655/Acq.R-III/79-80/Cal.—Whereas, I, I. V. S. JUNEJA,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 49, situated at Lake Place, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act

1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Alipore on 28-5-79

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of1 957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the sid Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that entire ground floor of the building situated at premises No. 49, Lake Place, Calcutta containing an area of 3 cottahs 11 chittacks 26 sq. ft.

I. V. S. JUNEJA,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-16.

Date: 5-1-1980

FORM ITNS----

(1) Sri Biren Roy, Trustee Biren Roy Trust, Behala.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43.OF 1961)

(2) Chandrika Bhattacharjee

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE IV, CALCUTTA

Calcutta, the 5th January 1980

Ref. No. 656/Acq.R-III/79-80/Cal.—Whereas, 1, 1. V. S. JUNEJA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 49, situated at Lake Place, Calcutta

(and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Alipore on 28-5-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market vaue of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that entire 1st floor of the building situated at premises No. 49, Lake Place, Calcutta containing an area of 3 cottahs 11 chittacks 26 sq.ft.

1. V. S. JUNEJA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range IV,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-16.

Date : 5-1-199°

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE IV, CALCUTTA

Calcutta, the 5th January 1980

Ref. No. 657/Acq.R-III/79-80/Cal.---Whereas, I. I. V. S. JUNEJA,

being the Component Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 49, situated at Lake Place, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Aliporc on 28-5-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sri Biren Roy, Trustee Biren Roy Trust, Behala.

(Transferor)

(2) Dwaipayan Bhattacharjee.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquistion of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

All that entire 2nd floor of the building situated at premises No. 49. Lake Place, Calcutta containing an area of 3 cottahs 11 chittacks 26 sq.ft.

I. V. S. JUNEIA, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range IV, 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date: 5-1-1980

 M/s. Premsukhdass Manickchand, 195/1/1, Mahatma Gandhi Road, Calcutta-7.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Santimoy Banerjec 8/1, Grove Lane, Calcutta-26.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CALCUTTA

Calcutta, the 5th January 1980

Ref. No. 654/Acq.R-III/79-80/Cal.—Whereas, I, I. V. S. JUNEJA

being the Competent Authori, y under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 47, situated at Kali Prosanna Roy Lane. Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration

Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 8-5.79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquistion of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of vacant land admeasuring 4 Cottahs 11 chittacks 15 sq. ft. situated at 47, Kali Prosanna Roy Lane, Calcutta.

I. V. S. JUNEJA.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range,
54, Rafl Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-16.

Date: 5-1-1980

(1) Sri Jogeswar Mukherjee.

(Transferor)

(2) Smt. Joba Dey.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV

54. RAFI AHMED KIDWAI ROAD, CALCUTTΛ-16

Calcutta-16, the 7th January 1980

Ref. No. Ac-93/R-IV/Cal/79-80.—Whereas, I, S. K. DASGUPTA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Dag No. 1319 situated at Mouza Kona, P.S. Liluah,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer

at Calcutta on 15-5-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 11-khs., 7-chs. and 4 sq. ft. situated at Kona, P.S. Liluah, Dt. Howrah, Dag No. 1319, Kh. No. 725/1, JL No. 7, more particularly as per Deed No. 2677 of 1979.

S. K. DASGUPTA Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-1V 54, Rafi Ahmed Kidwai Road Calcutta-16

Date: 7-1-1980

FORM: ITNS

(1) Sri Ashir Kumar Mukherjee.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sm. Nivanani Kumar.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-IV

54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD, CALCUTTA-16

Calcutta-16, the 7th January 1980

Ref. No. Ac-94/R-IV/Cal/79-80.--Whereas, I. S. K. DASGUPTA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinsafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. 9, situated at G. N. Mitra Road, Burdwan

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act,

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Burdwan on 2-5-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269D of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—32—466GL/79

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring .044 Dec. situated at 9, G. N. Mitra Road, Mouza Sadhanpur, Burdwan, more particularly stated as per Deed No. 3245 of 1979.

S. K. DASGUPTA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-IV
54, Rafi Ahmed Kidwai Road
Calcutta-16

Date: 7-1-1980

(1) Smt. Aruna Alta and Sri Apurba Alta.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) S/Shri Gurdas Ghosal, Sisir Kumar Ghosal and Mrinal Kanti Ghosal. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA-16

Calcutta-16, the 7th January 1980

Ref. No. Ac-95/R-IV/Cal/79-80.—Whereas, I, S. K. DASGUPTA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

123, situated at Benaras Road, P.S. Golabari, Howrah (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Howrah on 11-5-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 6-khs. and 12-chs. situated at 123, Benaras Road, P.S. Golabari, Howrah, more particularly stated as per Deed No. 740 of 1979.

S. K. DASGUPTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-IV, Calcutta-16

Date : 7-1-1980

(1) Sri Sasadhar Chakraborty.

(Transferor)

(2) Sri Basudeb Layek.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA-16

Calcutta-16, the 10th January 1980

Ref. No. Ac-96/Acq.R-IV/Cal/79-80---Whereas, I, S. K. DASGUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 3956 situated at P.S. Hirapore, Distt. Burdwan (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Asansol on 7-5-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferr to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Undivided 1/3rd share of land measuring 3.83-cottahs with building situated at Mouza Narsingh Bandh, P. S. Hirapore, Dt. Burdwan, more particularly stated as per Deed No. 2571 of 1979.

S. K. DASGUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-IV, Calcutta-16

Date: 10-1-1980

(1) Hussain Bibi.

(2) Golam Nabi & Shamsunnessa.

(Transferor)

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 15th January 1980

Ref. No. Ac-53/R-II/Cal/79-80—Whereas, I, K. SINHA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. 16/B, situated at Ibrahim Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 22-5-79 for an apparent consideration which is less than the Pair market value of the aforesaid property and I have

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 5K-2Ch-3.5Sft. along with one störled brick build house situated at 16/B, Ibrahim Road, Cal-23.

K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistent Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Calcutta-16

Date: 15-1-1980

 Sri Biren Roy, Trustee Biren Roy Trust, Behala.

(Transferor)

(2) Dwaipayan Bhattacharjee.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 5th January 1980

Ref. No. 657/Acq. R-JII/79-80/Cal.—Whereas, I, I. V. S. JUNEJA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 49, situated at Lake Place, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Alipore on 28-5-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifeen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that entire 2nd floor of the building situated at premises No. 49, Lake Place, Calcutta containing an area of 3 cottahs 11 chittacks 26 sq. ft.

I. V. S. JUNEJA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Calcutta

Date: 5-1-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OF 1961)

(Transferor)

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIDNER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 5th January 1980

Ref. No. 656/Acq . R-III/79-80/Cal.—Whereas, I, I. V. S. ${\tt ;UNEJA}$

peing the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 49, situated at Lake Place, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1098) in the office of the Registering Officer at Alipore on 28-5-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferecfor the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealthtax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(1) Srl Biren Roy, Trustee, Biren Roy Trust, Behala.

(2) Chandrika Bhattacharjee.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

All that entire Ist floor of the building situated at premises No. 49 Lake Place, Calcutta containing an area of 3 cottahs 11 chittacks 26 sq. ft.

I. V. S. JUNEJA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV, Calcutta
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date: 5-1-1980.

FORM ITNS----

(1) Sri Biren Roy, Trustee, Biren Roy Trust, Behala.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri Basab Bhattacharjee.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 5th January 1980

Ref. No. $655\frac{1}{2}$ Acq. R-1II/79-80/Cal,—Whereas, f, I. V, S. JUNEJA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 49, situated at Lake Place, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Alipore on 28-5-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that entire ground floor of the building situated at premises No. 49, Lake Place, Calcutta containing an area of 3 cottahs 11 chittacks 26 sq. ft.

I. V. S. JUNEJA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Calcutta
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date: 5-1-1980,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Santimoy Banerjee,

Calcutta-7.

(1) M/s. Premsukhdass Manickchand, 195/1/1, Mahatma Gandhi Road,

(Transferor)

(2) Santimoy Banerjee, 8/1, Grove Lane, Calcutta-26.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 5th January 1980

Ref. No. 654/Acq. R-III/79-80/Cal.—Whereas, I, I. V. S. JUNEJA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 47, situated at Kali Prosanna Roy Lane, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 8-5-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weath-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of vacant land admeasuring 4 cottahs 11 chittacks 15 sq. ft. situated at 47, Kali Prosanna Roy Lane, Calcutta.

I. V. S. JUNEJA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV, Calcutta
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date: 5-1-1980.

(1) Sm. Dipali Basu.

(Trahsferor)

(2) 5

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Sri Pravash Kumar Mukherjee.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 21st January 1980

Ref. No. 660/Acq. R-III/79-80/Cal.—Whereas, I, I. V. S. IIINEIA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 8B, situated at Prince Golam Md. Road, Calcutta (and more fully described in the scheduled annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Alipore on 30-5-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269°C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act to the following persons, namely:—
33—466GI/79

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned....

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that entire first floor and common passage at premises No. 8/A, Prince Golam Md. Road, Calcutta-26.

I. V. S. JUNEJA Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Calcutta 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date: 21-1-1980

(1) Sri Tarak Nath Dey.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Smt. Amita Mukherjee.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 21st January 1980

Ref. No. 659/Acq. R-III/79-80/Cal.—Whereas, I I. V. S. JUNEJA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 8B, situated at Prince Golam Md. Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at Alipore on 30-5-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferer to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquistion of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building with land containing an area of one cottah nine chittacks situated at 8B, Prince Golam Md. Road, Calcutta 26.

I. V. S. JUNEJA Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-IV, Calcutta 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date: 21-1-1980

PORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 21st January 1980

Ref. No. 658/Acq. R-III/79-80/Cal.—Whereas, 1 I.V.S. JUNEJA
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 8A, situated at Prince Golam Md. Road, Calcutta (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Alipore on 30-5-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the

aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the equisition of the aforesaid property by the issue of "this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Sri Mukul Kumar Sarkar.

(Transferor)

(1) Sri Pravash Kumar Mukherjee.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA, of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

All that entire ground floor with common passage at premises No. 8A, Prince Golam Md. Road, Calcutta-26.

I. V. S. JUNEJA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV, Calcutts
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date: 21-1-1980

(1) Shri Jai Arachsha Kalabhai; Aganiyad, Surat.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Shri Chhimkabhai Chimanbhai Patel; Dr. Sarasvala Building. Near Ichhanath Mahadev. Surat-Dumas Road, Surat.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380 009, the 27th December 1979

Ref. No. P.R. No. 845 Acq. 23/19-7/79-80,—Whereas, I, S. N. MANDAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property,

having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 78, Hisa 2 paiki 405 sq. yds. lands situated at Moje Umra

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 1-5-1979

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing S. No. 78, situated at Umra, admeasuring 594 sq. yds., July registered on 1-5-1979 vide No. 3211.

S. N. MANDAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II.
Ahmedabad.

Date: 27-12-1979

(1) Shri Shantilal Morarji Naik, Navsari.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) 1. Ashokkumar Rasiklal Saraiya;2. Vinaben Ashokkumar Saraiya;Ashanagar, Navsari.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380 009, the 31st December 1979

Ref No. P.R. No. 846 Acq. 23/7-4/79-80.—Whereas, 1 S. N. MANDAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Rev. Sur. No. 273, 273/3, Tika No. 56, S. No. 2926 situated at Santh Kuva Gate, Nag Talav, Navsari

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at

Navsari on 7-5-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property situated at R.S. No. 273, 273/3 Tika No. 56, C. S. No. 2926 House No. 843, Ward No. 6, Near Sandhkuva, Nagtalao. Navsari registered on 7-5-1979 at Navsari vide No. 705.

S. N. MANDAL Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II. Ahmedabad.

Date: 31st December, 1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1981 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF TE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380 009, the 1st January 1980

Ref. No. P.R. No. 847 Acq. 23/7-4/79-80.—Whereas, I S. N. MANDAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter

referred to ns the 'sald Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. City Survey No. 81 and S. No. 3976 situated at Ward No. 1, Navsari

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Navsari on 22-5-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties, has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Thakorbhai Kevalbhai Patel;
 Organiser and Karta of Ambikanagar Housing Park;
 Sagrampura, Shivadas Zaverini Sheri,
 Surat.

(Transferor)

(2) J. Gaupatram Manishankar Mehta;
 2. Ashalata Ganpatram Mehta;
 Nuvsari, Bulsar District

(Transferee)

Objections, if any, to the question of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property being building with an area of 875.9 sq. ft. at Navsari City Dargah Road, Jamasp Road, Ambikanagar Housing Park bearing City Sur. No. 81 and S. No. 3976 and fully described as per sale deed No. 769 registered in the office of Sub-Registrar, Navsari on 22-5-1979.

S. N. MANDAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range-II.
Ahmedabad.

Date: 1st January, 1980.

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 00

Ahmedabad-380 009, the 27th December 1979

Acq. 23-[-2369(909)/16-6/79-80,-Whereas, J. S. N. MANDAI.

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing No. 123, Plot No. 267 (Building) situated at Near Ranchhodnagar Road, Rajkot

(and more fully described in the

Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act 1908) (16 of 1908)

in the office of the Registering Officer at

Rajkot on May 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) J. & Co.—thro' partners:
(1) Jayantilal Mohanlal Anadkat
(2) Jemnadas Mohanlal Anadkat

(i) Mansukhlal Jayantilal Anadkat (4) Beaharlal Jayantilal Anadkat

(5) Vinodraj Jaminidas Anadkot,

All at 6, Lati Plot, Rajkot.

(Transferor)(s)

(2) Smt. Taraben Mahendrakumar Vasant, "Sohini", 1. Ramkrishnanagor, Rajkot.

(Transferec)(s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respoetive persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said insmovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION: -The terms and expressions used herein 28 are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building standing on land 396-6-0 sq. yd. bearing S. No. 123, Plot No. 267, Paiki, situated near Ranchhodnagar Society, Surendranagar Road, Rajkot, duly registered by Registering Officer, Rajkot, vide sele-deed No. 2682/11-5-1979 ie, property as fully described therein,

> S. N. MANDAI, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-1. Ahmedahad.

Date: 27-12-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 27th December 1979

No. Acq. 23-I-2323(910)/11-1/79-80.—Whereas. I, S. N. MANDAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Plot No. 358, (Building) situated at Gandhigram, Junagadh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Junagadh on 11-5-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shri Nalinkumar Maganlal Raja, 114E, R. K. Vadi,
 V. P. Road, Bombay-4.

(Transferor)

(2) Shri Natverlal Kuberdas Thakkur, Opp.: Best English School, Behind Vakil's Bungalow, Junagadh.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building standing on land 1508 sq, ft. bearing Plot No. 358, situated at Gandhigram, Junagadh, duly registered by Registering Officer, Junagadh, vide sale-deed No. 693' 11-5-1979 i.e. property as fully described therein

S. N. MANDAL,
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-1,
Ahmedabad

Date: 27-12-1979

Seal ·

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 27th December 1979

No. Acq. 23-I-2358(911)/16-6/79-80.—Whereas, I. S. N. MANDAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 326—Plot No. 3, situated at Near Atika Rubber Factory, Rajkot

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajkot on 7-5-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—
34—466GI/79

(1) Shri Sukhdevbharathi Ranchhod & Others, Gundawadi Main Road, Goswamy Bhuwan, Rajkot.

(Transfevor)(s)

(2) Shri Ramshanker Surve, Swashraya Society, Mavdi Plot, Rajkot.

(Transferee)(5)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open plot of land admeasuring 1395-0-0 sq. yd. bearing S. No. 326—Plot No. 3, situated near Atika Rubber Factory, Rajkot vide sale-deed No. 2521/7-5-1979 duly registered by Registering Officer, Rajkot i.e. property as fully described in the sale-deed as mentioned.

S. N. MANDAl,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I.
Ahmedabad.

Date: 27-12-1979

(1) Shri Shantllal Fulchand Vasa, Power of attorney holder of Shri Jayantilal Fulchand, Grain Market, Jamnagar,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) 1. Shri Mangaldes Sundarji, Smt. Lalita Mangaldas, Vandi-Fali, Jam-Khambhaliya.

(Transferees)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RÅNGE I, 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 27th December 1979

No. Acq. 23-I-2452(912)/10-1/79-80.--Whereas, I, S. N. MANDAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. S. No. 39. Plot No. 31, situated at Nehru Road, Patel Colony, Jamnagar,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jamnagar on 19-5-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the sald Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned -

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An open plot of land admeasuring 578.11 sq. mtrs. bearing S. No. 39, Plot No. 31, situated at Nehru Roed, Patel Colony, Jamnagar and as fully described in the sale-deed registered vide Registration No. 9290, dated 19-5-1979.

S. N. MANDAL. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I. **Ahmedaba**d

Date: 27-12-1979

 Shatrudhandas Lalchand Keshwani, Upleta.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION -269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) Shri Gameti Gafar Haji Ali Sama,
 Shri Gameti Yunus Haji Ali Sama Bada Bajrang Road, Upleta.

(Transferees)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380 009, the 27th December 1979

No. Acq. 23-I-2378(913)16-7/79-80.—Whereas, I, S. N. MANDAL.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 199, situated at Bada Bajrang Road, Upleta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Upleta in May 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of --

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act,
 in respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The building standing on land admeasuring 300 sq. yds. bearing Plot No. 199, situated at Bada Bajrang Road, Upleta and as fully described in the sale-deed registered vide R. No. 565 of May, 1979.

S. N. MANDAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Ahmedabad.

Date: 27-12-1979

(1) Shri Shatrudhandas Lalchand Keshwani, Upleta.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) Hajiyani Noorbei Haji Ali Sama, Bada Bajrang Road, Upleta.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 27th December 1979

No. Acq. 23-1-2378(914)/16-7/79-80.—Whereas, I, S. N. MANDAL,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 199, situated at Bada Bajrang Road, Upleta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Upleta in May, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for which transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act., 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A building standing on land 225-sq. Yds, bearing Plot No. 199, situated at Bada Bajrang Road, Upleta and as fully described in the sale-deed registered vide R. No. 566 of May, 1979.

S. N. MANDAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Ahmedabad.

Date: 27-12-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE J, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 27th December 1979

No. Acq. 23-1-2394(918)/ 1/79-80.—Whereas, I. S. N. MANDAL.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

S. No. 209/1, 209/2, & 209, Hissa 'A', T.P.S. 14, F.P. 269/A, sub-Plot No. 4 & 5 i.e. (land open with some dilapidated structures) situated at Shahibaug, Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ahmedahad on 10-5-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Bharatkumar Chinubhai Banker, Madhuvan, Daffnala, Shahibaug, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Shahibaug Rameshwar Co. Op. H. Soc. Ltd. through: Chairman: Shri Natverlal Mohanlal Chokshi, 12, Vrandavan Colony, Shahibaug, Ahmedabad-4.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open plot adm. 1120.75 sq. mtrs. with some structure like compound wall, old open well & old tennis Court in a dilapidated condition, bearing S. Nos. 209, 209/1 & 209/2—F.P. No. 269-A—sub-plot No. 4 & 5 situated at Shahibaug, Ahmedabad, duly registered by Registering Officer, Ahmedabad vide sale-deed No. 4239/10-5-1979 i.e. property as fully describer therein.

S. N. MANDAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I.
Ahmedabad.

Date: 31-12-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 2nd January 1980

Ref. No. P.R. No. 848 Acq.23/19-8/79-80.—Whereas, I, S. N. MANDAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Nondh No. 299-A situated at Baranpuri Bhagal, Near Vegetable Market, Ward No. 5, Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 3-5-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the sald Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) 1. Jitendra Rangildas;

Baranpuri Bhagal, Bhajiwali Pole, Surat.

Surya Baba Kantilal Patel;

Parijat Bldg., Marine Drive, Bombay. Ashokkumar Babardas;

Sayedpura, Kachiya Sheri, Surat. 4. Amritlal Bhaichanddas Patel; State Bank Colony, Athwa Lines, Surat.

(Transferor)

(2) Smt. Taraben Gamanlal; Baranpuri Bhagal, Surat.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building bearing Nondh No. 299-A situated at Baranpuri Bhagal, Near Vegetable Market, Ward No. 5, Surat and fully described as per sale-deed No. 1861 registered in the office of the Sub-Registrar, Surat on 3-5-1979.

> S. N. MANDAL, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 2-1-1980.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 27th December 1979

Ref. No. P.R. No. 859 Acq.23/19-8/79-80.—Whereas, I.S. N. MANDAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Ward No. 11, Nondh No. 299 (Southern Portion thereof) situated at Bhaga Talav, Main Road, Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 15-5-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Shri Mohanlal Hargovandas Topiwala; Bhaga Talav, Surat.
 - Shri Shantilal Parbhudas Topiwala: Maikur.

(Transferors)

- (2) Partners of the Bombay Repowering Sorvices;
 - 1. Amarsingh Kurthar Singh;
 - 2. Charansingh Kartharsingh:
 - 3. Nagindas Jethalal Mehta;
 - 4. Sarala Kartharsingh; A-6, Daruwala Bldg., Surat.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Southern portion of the building with an area of 140 sq. yds. situated in Ward No. 11, Nondh No. 299, on the Bhaga Talav Main Road, Surat city and fully described as per sale-deed No 1736 registered in the office of Sub-Registrar, Surat on 15-5-1979.

S. N. MANDAI.,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 2nd January, 1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) Shri Vinodchandra Rasiklal Vyas; Pankaj Nivas, Seth Faliya; Bharuch.

(Transferor)

(2) Rajnikant Kantılal Desai; Anavil Street, Vijalput, Navsari Taluka.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 2nd January 1980

Ref. No. P.R. No. 850 Acq.23/7-4/79-80,—Whereas, I, S. N. MANDAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

House No. 58 and 69 (New), situated tat Kaliyawadi, Vijalpur, Navsari Taluka (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Navsari on 7-5-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the days of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at Kaliyawadi, Vijalpur Navsari Taluka, bearing house No. 58 (old) 69 (new) and fully described as per sale-deed No. 703 registered in the office of Sub-Registrar, Navsari on 7-5-1979.

S. N. MANDAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date: 2-1-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Shri Chandrakant Chunilal Vakharia;
 Shri Chandrikaben Chandrakant Vakharia;
 Faram Mahollo, Rustampura, Surat.
 (Transferor)

(2) 1. Shri Natverlal Rangildas Gilitwala;
2. Shri Kanchanlal Rangildas Gilitwala;
3. Shri Ashokkumar Rangildas Gilitwala;
2/4141, Anavil Sheri, Sagrampura, Surat.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 5th January 1980

Ref. No. P.R. No. 851 Acq.23/19-8/79-80.—Whereas, I, S. N. MANDAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

City S.No. 426 village Khatodara situated at Khatodara, Taluka Choryasi, Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Surat on 18-5-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
35—466GI/79

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Ast, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building bearing City S. No. 426, situated at village Khatodara, Taluka Choryasi, Dist. Surat duly registered with registering authority at Surat on 18-5-1979 vide No. 1980.

S. N. MANDAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date: 5-1-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-Π, ΛΗΜΕDΑΒΑD-380 009

Ahmedabad-380009, the 25th January 1980

Rcf. No. P. R. No. 929 Acq. 23-I-2324/11-1/79-80/2399.—Whereas, I. S. N. MANDAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 24-1, 27, 28/2 & S.No. 32 situated at Village Chobari, Dist. Junagadh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Junagadh on May, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I, have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—-

(1) Aher Bhada Arjan; Village Chobari, Dist. Junagadh.

(Transferor)

(2) Shri Jagdish Pethalji; Buker Falia, Junagadh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land bearing S. Nos. 24-1, 27, 28-2, & S.No. 32—admeasuring A-3-26 Guntha 5-37 Area 4-00 and Acre 8-04 G. total acre 21-29 G respectively situated at village Chobari, Dist. Junagadh duly registered by Sub-Regr. Junagadh vide sale-deed No. 666/7-5-1979 i.e. property as fully described therein.

S. N. MANDAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date: 25-1-1980

(1) Sri Kripa Ram,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 57, RAMTIRATH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 9th November 1979

Ref. No. P-72/Acq.—Whereas, I, A. S. BISEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. house situated at Mohalla Daulat Bagh, Deputy Ganj, Moradabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Moradabad on 13-7-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(2) Smt. Prabha Agarwal.

(Transferce)

 Seller. (Person in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chaper XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One house situated at Moh. Daulatbagh, Deputy Ganj, Moradabad and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and Form 37G No. 1955 which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Moradabad on 13-7-1979.

A. S. BISEN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Lucknow

Date: 9-11-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Krlpa Ram.

(Transferor)

(2) Shri Ram Mohan.

(Transferce)

(3) Seller.
(Person in occupation of the property).

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE 57, RAMTIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 9th November 1979

Ref. No. R-135/Acq.—Whereas, I, A. S. BiSEN, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,600/- and bearing

No. House, situated at Moh. Daulatbagh, Deputy Ganj, Moradabad

(and more fully described in the

Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Moradabad on 13-7-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One house situated at Moh. Daulatbagh, Deputy Ganj, Moradabad and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and Form 37G No. 1954 which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Moradabad on 13-7-1979.

A. S. BISEN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow

Date: 9-11-1979

FORM ITNS .

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE 57, RAMTIRATH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 15th December 1979

Ref. No. B-86/Acq.-Whoreas, I, A. S. BISEN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Block No. 35/B-13 situated at Civil Lines, Rampur Bagh, Bareilly

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bareilly on 6-6-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

- (1) (1) Shri Dhanvir Singh, (2) Smt. Chet Kaur, (3) Smt. Charanjeet Garg,

 - (4) Smt. Jagdish Kapur,
 - (5) Shri Mukhtarkhas Gurdeo Singh,
 - (6) Smt. Prakash Kaur.

(Transferor)

- (2) (1) Shri Bimal Srivastava,

 - (2) Sanjeev Srivastava,
 (3) Master Sanjay Srivastava, and
 (4) Master Prajay Srivastava.

(Transferee)

(3) Sellers. (Person in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An open plot of land Block No. 35/B-13, situated at Civil Lines, Rampur Bagh, Bareilly admeasuring 612,5 sq. yds. and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and Form 37G No. 2521/79 which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Barcilly on 6-6-1979,

> A. S. BISEN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknow

Date: 15-12-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
57. RAMTIRATH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 15th December 1979

Ref. No. B-87/Acq.—Whereas, I, A. S. BISEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, plot having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Khasra No. 225 situated at Mauza Maduwadeeh, Parg. Dehat Amanat, Dist. Varanasi

(and more fully described in the Schedule annexed herete), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Varanasi on 24-5-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other asset which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Smt. Jasoda Devi.

(Transferor)

(2) (1) Shri Bagwati Pd.,

(2) Shri Raja Ram,(3) Shri Shyam Lal, and

(3) Shri Shyam Lai, an (4) Shri Amar Nath.

(Transferce)

(3) Seller.

(Person in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (2) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazetts or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open plot of land Khasra No. 225 measuring .98 Decimal or 3967 sqm. situate at Mauza Maduwadeeh, Pargana Dehat Amanut Dist, Varanasi and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and Form 37G No. 3951 which have duly been registered in the office of the Sub Registrar, Varanasi on 24-5-1979.

A. S. BISEN
Competent Authority,
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow

Date: 15-12-1979

(1) Shri Kunwar Ajai Singh,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Shri Dharam Prakash.(3) Shri Dharam Prakash.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER

(Person in occupation of the property).

OF INCOME-TAX,

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

ACQUISITION RANGE 57, RAMTIRATH MARG, LUCKNOW

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Lucknow, the 15th December 1979

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. D-36/Acq.—Whereas, I, A. S. BIESN, being the competent authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in

that Chapter.

No. Nil, Building land etc. situated at Moh. Bazar Katra Narpatganj, Moradabad

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Moradabad on 15-5-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Building including shops, tinshed etc. etc. and land measuring 119.94 sqm. situate at Bazar Katra Narpatganj, Dist. Moradabad and all that description of the property which is mentioned in the sale-deed and Form 37G No. 948/79 which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Moradabad on 15-5-1979.

A. S. BISEN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 15-12-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE
57, RAMTIRATH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 15th December 1979

Ref. No. M-108/Acq.—Whereas, I, A. S. BJSEN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Building and land measuring 1463.30 sqm. situated at Village Dehri Pargana Mustahkam Dist. Moradabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Moradabad on 2-5-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of::--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Prem Kumar Rastogi,

(Transferor)

(2) Shri Mohammad Faroog.

(Transferee)

(3) Seller.

(Person in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquistion of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building alongwith land measuring 1463.30 sqm. situate at Village Dehri, Pargana Mustahkam, Dist. Moradabad and all that description of the property which is mentioned in the sale-deed and Form 37G No. 2533/79 which have duly been registered in the office of the Sub Registrar, Moradabad on 2-5-1979.

A. S. BISEN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow

Date: 15-12-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE 57, RAMTIRATH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 18th December 1979

Ref. No. N-30/Acq.—Whereas, I, A. S. BISEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Rice Mill Building and land etc., situated at Moh. Bindki Rohna, Bindki, Distt. Fatehpur (U.P.)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Fatehpur (U.P.) on 30-5-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--36-466GI/79

- (1) (1) Shri Nebhan Das, (2) Shri Rawal Das, and (3) Shri Pheru Mal.

(Transferor)

(2) (1) Shri Narendra Kumar, and (2) Shri Surendra Kumar.

(Transferee)

(3) Sellers.

(Person in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquistion of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Rice Mill Building, Godowns, Bunglow (Gaddi), rooms, chabutra, boundry wall etc. and land of plots No. 323, 320, and 318 etc. etc. situate at Mohalla Bindki Kohna, Bindki, Dist. Fatchpur, U.P. and all that description of the property which is mentioned in the 37G Form No. 575 and sale-deed which have duly been registered at Bahi No. 1, Jild 497, Page 147/151 Sl. No. 575 in the office of the Sub Registrar, Fatchpur U.P. on 30-5-1979.

A. S. BISEN Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Lucknow

Date: 18-12-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE 57, RAMTIRATH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 15th December 1979

Ref. No. M-110/Acq.--Whereas, I, A. S. BISEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 1-A, in the campus of Waldorf Hotel situated at Malli Tal. Nainital area messuring 537.50 sq. ft (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering at Nainital on 9-5-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- Shri Ram Prakash.
 - Shri Suraj Autar,
 - Shri Vishnu Autar, (4) Shri Om Autar,

 - (5) Shri Anil Kumar,
 (6) Shri Rakesh Kumar,
 (7) Shri Rajeev Kumar, and
 (8) Shri Ashok Kumar Goel.

(Transferor)

(2) Shri Masood Ahmad.

(Transferee)

(3) Sellers. (Person in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Description of Plot No. 1-A situate in campus of Waldorf Hotel, Mallital, Dist. Nainital shown by red-shaded in siteplan attached and bounded as below measuring 537.50 sft. (49.953 sqm.)

Fast-Plot No. 3 of Hotel Waldorf to be sold to Mohd. Shahid.

West-Municipal Road to Post Office.

North-Plot No. 2 sold to Rais Ahmad.

South-Plot No. 1 of Hotel Waldorf to be sold to Masood Ahmad.

and all that description of the property which is mentioned in the sale-deed and Form 37G No. 259/59 which have duly been registered in the office of the Sub Registrar, Nainital on 9-5-1979.

> A. S. BISEN Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Lucknow

Date: 15-12-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE 57, RAMTIRATH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 15th December 1979

Ref. No. M-109/Acq.-Whereas, 1, A. S. BISEN, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 3, area 2081 sft. situated in the campus of Hotel Waldrof, Mallital, Nainital

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Nainital on 9-5-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the sald Act in respect of any income arising from the transfer; and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- (1) Shri Ram Prakash,
 - Vishnu Autar, Shri Suraj Autar,
 - Shri Om Autar.
 - Shri Anil Kumar,
 - (6) Shri Rajcev Kumar, and
 - (7) Shri Rajeev Kumar, and (8) Shri Ashok Kumar Goel.

(Transferor)

(2) Shri Mohammad Shahid.

(Transferee)

(3) Vendors. (Person in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Plot No. 3 situate in the campus of Hotel Waldorf, Mallital, Nainital, measuring 2081.10 aft. and all that doscription of the property which is mentioned in the sale-deed and Form 37G No. 258/79 which have duly been registered in the office of the Sub Registrar Nainital on 9-5-1979.

> A. S. BISEN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknow

Date: 15-12-1979

Soal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE 57, RAMTIRATH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 18th December 1979

Ref. No. S-184/Acq.-Whereas, I, A. S. BISEN, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

building No. 4 and land plot survey No. 131, 00.589 Acres situated at Ranikhet, Cantt. Board, Sadar Bazar, Dist. Almora (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ranikhet on 5-6-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Shri Prem Lal,

- Shri Chiranji Lal
- (3) Shri Jwala Prasad
- Shri Laxmi Narain, (5) Shri Shiv Narain, and(6) Shri Nand Lal.

(Transferor)

(2) (1) Shri Surendra Lal Sah,

(2) Shri Suneel Kumar,

(3) Shri Ashok Sah, and(4) Shri Manoj Kumar (Minor).

(Transferce)

(3) Sellers.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House building No. 42, Cantt. Ranikhet, including skating hall, bulrard room, restaurant, kitchen, office room and other rooms, fittings and fixtures and plot of land of Survey No. 131, Ranikhet Cantonment measuring 00.589 acre etc. and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and Form 37G No. 528, 79/1 which have the sale deed and form 37G No. 528, 79/1 which have the sale deed and Form 37G No. 528, 79/1 duly been registered in the office of the Sub Renikhet on 5-6-1979. Registrar.

> A. S. BISEN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Lucknow

Date: 18-12-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE ROHTAK

Rohtak, the 1st January 1980

Ref. No. BGR/1/79-80.—Whereas, I, G. S. GOPALA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Rohtak,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Factory building with land situated at 23/7 Mile Stone on Mathura Road, situated at Ballabgarh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Ballabhgarh in May, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Om Prakash Dinodia s/o Shri Gulzari Lal, House No. D-402, Defence Colony, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. G. S. Industries, GL-I, Ansal Bhawan, 16, Kasturba Gandhi Marg, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Factory building with land situated at 23/7 Mile Stone on Delhi Mathura Road, Ballabhgarh and as described more in the sale deed registered at No. 707 dated 8-5-1979 with the Sub Registrar, Ballabhgarh.

G. S. GOPALA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Date: 1-1-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Madhava Banerji s/o late Shri Kalyan Kumarji, Gaura Baboo ka Ahata, Station Road, Jaipur. (Transferor)

(2) Shri Chander Prakash Dewada s/o. Shri Mangllal Dewada, Gora ka Bag, Station Road, Jaipur. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaiput, the 2nd January 1980

Ref. No. Raj/AC(Acq.)/625.—Whereas, 1, M. R. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing number

No. - sitated at Jaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 26-5-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said. Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property known as Gora Baboo ka Bagh station Rd., Jaipur and more fully described in the sale deed registered by S. R. Jaipur vide registration No. 1221 dated 26-5-79.

M. R. AGGARWAL,

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tak

Acquisition Range, Jaipur.

Date: 2-1-80.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 2nd January 1980

Ref. No. Raj/AC(Acq.).-Whereas, J. M. R. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Plot No. 36 situated at Kotah

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Kotah on 31-7-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fiften per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of -

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

- (1) Shri Pialadh Kumar Jindal s/o Shri Svikishan Jindal Agarwal resident of Shopping Center, Kotah.
- (2) Smt. Tara Bai w'o Shri Asgar Ali Bohra, resident of Bohra Tipta, Radha Vilas, Kotah.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned -

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of house property situated at plot No. 36 Shopping Center Kotah and more fully described in the sale deed registered by S.R. Kotah vide registration No. 1019 dated 31-7-79. 31-7-79.

> M. R. AGGARWAL. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jaipur.

Date: 2-1-1980

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 2nd January 1980

Ref. No. Raj/AC(Acq.).—Whereas, I, M. R. AGGARWAL.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Plot No. 36 situated at Kotah

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Kotah on 31-7-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Praladh Kumar Jindal s/o Shri Srikishan Jindal Agatwal resident of Shoping Center, Kotah.

(Transferor)

(2) Shri Asgar Ali s/o Shri Fajal Hussain Bohra R/o Radha Vilas Mohala Tipta Bohra, Kotah.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of house property situated at plot No. 36 Shoping Center Kotah and more fully described in the sale deed registered by S. R. Kotah vide registration No. 1018 dated 31-7-79.

M. R. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur.

Date: 2-1-1980

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 2nd January 1980

Ref. No. Raj/AC(Acq.).—Whereas, I, M. R. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Plot No. 36 situated at Kotah

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Kotah on 31-7-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act, 1922 (11 of 1922) or the said Λct, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—37—466GI/79

(1) Shri Praladh Kumar Jindal 8/0 Shri Srikishan Jindal Agarwal R/0 Shoping Center, Kotah.

(Transferor)

(2) Shri Tafjul Hussain s/o Shri Asgar Ali Radha Vilas, Mohala Bohra Tipta, Kotah.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned---

- (a) by any of the aforcsaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of house property situated at plot No. 36 Shoping Center Kotah and more fully described in the sale deed registered by S. R. Kotah vide registration No. 1020 dated 31-7-79.

M. R. AGGARWAL
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur.

Date: 2-1-80,

Seai :

FORM ITNS- .. -

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 16th January 1980

Ref. No. Raj/AC(Acq.).--Whereas, I, M. R. AGGARWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25000/and bearing No.

No. K-23A situated at Jaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 8-5-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Anand Kishore Mathur, Prem Kishore Mathur, Rajkishore Mathur and Mahender Kishore Mathur sons of late Shri Kishorilal Mathur plot No. K/23 Malviya Marg C-Scheme, Jaipur.

(Transferor)

(2) Shri Prakash Chander Mathur s/o. Shri Nand Kishore Rai Shive Sadan M.L.A. Colony, Jaipur.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land bearing No. K-23A Malviya Marg, C-Scheme Inipur and more fully described in the conveyance deed registered by S. R. Jaipur vide registration No. 1117 dated 8-5-79.

M. R. AGGARWAL Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acqisition Range, Jaipur.

Date: 16-1-80

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 16th January 1980

Ref. No. Rnj/AC(Aeq.).—Whereas, I, M. R. AGGARWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. K-23B sitated at Jaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Jaipur on 2-6-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Anand Kishore Mathur, Prem Kishore Mathur, Raj Kishore Mathur & Mahender Kishore Mathur sons of late Shri Kishorilal Mathur plot No. K/23 Malviya Marg C-Scheme, Jaipur.

(Transferor)

(2) Shri Prakash Chander Mathur s/o. Shri Nand Kishore Rai Katra and Svs. Deepak Mathur, Ashoke Mathur and Sudan Mathur members of HUF Shiv Sadan M.L.A. Colony, Jaipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land bearing No. K-23B Malviya Marg C-Scheme Jaipur and more fully described in the sale deed registered by S. R. Jaipur vide registration No. 1300 dated 2-6-79.

M. R. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acqisition Range, Jaipur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 16-1-80

Scal ;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 15th January 1980

Ref. No. Raj/AC(Acq.)/629.—Whereas, I, M. R. AGGARWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Plot No. B-20 situated at Jaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jaipur on 26-5-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been duly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the trasferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, the pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri D. C. Narula s/o. Shri Hiralal Plot No. 4 site 8 Firojpur Cantt (PUNJAB).
 - (Transferor)
- (2) Shri Dr. Sunderlal Grover s/o. Shri Manoharlal Grover Rajapark Adarsh Nagar, Jaipur. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned...

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Northern portion of plot No. B-20 Raja Park Adarsh Nagar, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by S.R. Jaipur vide registration No. 1180 dated 26-5-79.

M. R. AGGARWAL
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Date: 15-1-80

Scal:

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 15th January 1980

Ref. No. Raj/AC(Acq.) /630.—Whereas, J, M. R. AGGARWAL

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reasons to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Plot No. B-20 situated at Jaipur

(and more fully described in the schedule annexed thereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of (1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 26-5-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri D. C. Narula s/o Shri Hiralal, Plot No. 4 site 8 Firojpur Cantt (PUNJAB).

 (Transferor)
- (2) Shri Dilip Singh and Jagjit Singh sons of Shri Malik Singh plot No. 429 Raja Park Gali No. 3 Adrash Nagar, Jaipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said. Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Southern portion of Plot No. B-20 Raja Park, Adarsh Nagar, Jaipur and more full ydescribed in the sale deed registered by S. R. Jaipur vide registration No. 1181 dated 26-5-79.

M. R. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, aipur.

Date: 15-1-80

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 3rd November 1979

Ref. No. KNL/9 & 10/79-80.—Whereas, I, G. S. GOPALA. Inspection Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Rohtak,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 25,000/-and bearing No.

Building No. XVIII-823 situated at G.T. Road, Karnal (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

Karnal in June, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:—

- (1) 1. Sh. Harbanss Lal S/O Sh. Rahu Ram
 - 2. Sh. Rajinder Kumar S/O Sh. Harbans Lal both R/O of Ashoka Colony, Karnal
- (2) M/S. Mool Chand & Sons c/o M/S. National Tractors & Implements, G.T. Road, Karnal.
- (3) M/S. Globe Tractors, G.T. Road, Karnal. (Person in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being building No. XVIII-823 situated on G. T. Road, Karnal and as more described in sale-deeds registered at No. 1482 & 1483 dated 4-6-1979 with the Sub-Registrar, Karnal.

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak.

Date: 3-11-79

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 1st January 1980

Ref. No. KTL/1/79-80.—Whereas, I, G. S. GOPALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Double Storeyed shop No. 69 (MCK No. 1362/XVII) situated at Mandi Jawahar Ganj, Kalthal

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at

Kaithal in May, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Sushil Kumar Jain s.'o 5h. Laja Ram Jain,

(Transferor)

(2) Shri Rajesh Kumar s/o Shri Bimal Kumar s/o Satya Parkash C/o Satya Parkash, Sanjeev Kumar, Mandi Jawahar Ganj, Kaithal. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing No. MCK/XVII/1362 (Shop No. 69) situated in Mandi Jawahar Ganj, Kaithal and as more described in the Sale-deed registered with the Sub-Registrar, Kaithal at No. 313 dated 18-5-1979.

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak.

Date: Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

r one many the many the second second

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 23rd January 1980

Ref. No. DBW/5/79-80.—Whereas J, G. S. GOPALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Shop Lot No. SCF-68 at Nai Mandi situated at Kalanwali (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dabwali in May, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

- (1) Smt. Shanti Devi w/o Sh. Amar Nath, Smt. Nirmla Devi w/o Sh. Nohar Chand R/o Kalanwali P.O. Kalanwali, Teh. Dabwali.
 - (Transferor)
- (2) S/Sh. Gurmakh Singh, Kirpal Singh, Ishar Singh, Ss/o Sh. Ratan Singh R/o Kalanwali Teh. Dabwali Distt. Sirsa.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Property bearing Shop Lot No. SCF-68 SCII situated at Nai Mandi, Kalanwali and as more mentioned in the Sale deed registered at Sr. No. 370 dated 22-5-1979 with the Sub Registrar, Dabwali.

> G. S. GOPALA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Rohtak.

Date: 23-1-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 23rd January 1980

Ref. No. FTB/5/79-80.—Whereas, I, G. S. GOPALA, Inspection Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Rohtak,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property,

having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Land measuring 49 Kanal situated at Chankothi Teh. Fatehabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Fatehabad in May, 1979

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
38—466GI/79

- (1) Shri Batna Singh S/o Shri Sohan Singh R/o Vill. Chankothi Teh. Fatehabad. (Transferor)
- (2) Sh. Satnam Dass S/O. Diwan Chand Smt. Subhai Bai W/O. Sh. Diwan Chand Vill. Banawali Sotar, Teh. Fatchabad.

 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said Immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property land measuring 49 kanals situated in Village Chankothi Teh. Fatchabad and as more mentioned in the Sale-deed registered at Sr. No. 816 dated 24-5-1979 with the Sub-Registrar, Fatchabad.

G. S. GOPALA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak.

Date: 23-1-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 23rd January 1980

Ref. No. DBW/1/79-80.—Whereas, I, G. S. GOPALA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Rohtak,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Land measuring 88 kanals 1 marla situated at Village Ginderan, Teh. Dalwali

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dabwali in May, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sh. Jugal Kishore S/O. Sh. Wasdev R/O. H. No. 130, Shivaji Park, New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Jai Karan Dass, Mohan Lal Ss/o. Shri Bhoma Ram, Sahib Ram, S/o. Sh. Hardial Vill. Member Khera Teh. Dabwali.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gravette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property land measuring 88 Kanals 1 marla situated in village Ginderan Teh. Dabwali and as more mentioned in Sale-deed Registered at Sr. No. 339 dated 17-5-1979 with Sub-Registrar, Dabwali.

G. S. GOPALA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak.

Date: 23-1-80.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 23rd January 1980

Ref. No. KNL/24/79-80.—Whereas, I, G. S. GOPALA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Rohtak,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Shop No. 9, Sardan Vallabh Bhai Patel Market situated at Karnal

(and more fully described

in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Karnal in August, 1979

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties

has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer. and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

- (1) 1. Sh. Dhani Dass S/o Gordhan Dass R/o A-92,
 - Model Town, Karnal. Sh. Raj Bakash S/o. Sh. Lal Chand R/o B-223 Model Town, Karnal.

(Transferor)

(2) S/Sh. Hans Raj, Mulakh Raj Ss/o Shri Ram Chand R/o, 78 Dayal Singh Colony, Karnal City. (Transferoe)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing Shop No. 9 situated in Sardar Vallabh Bhai Patel Whole Sale Cloth Market, G.T. Road, Karnal City and as more mentioned in Sale-deed registered at Sr. No. 2875 dated 9-8-1979 with the Sub Registrar, Karnal.

G. S. GOPALA Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range, Rohtak.

Date: 23-1-80.

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 23rd January 1980

Ref. No. SPT/4/79-80.—Whereas, I, G. S. GOPALA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Rohtak,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that

the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House No. 14/15 Malik Colony, situated at Sonepat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sonepat in May, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (a) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate, proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Smt. Sudershan Kumari W/o. Shri Sohan Lal, 37-R. Model Town. Sonepat. (Transferor)

(2) Sh. Subhash Chand Arora S/O. Sh. Ved Parkash Arora, R/o 14/15. Maljk Conoy, Sonepat. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property House No. 14/15 situated in Malik Colony, Sonepat and as more mentioned in the sale-deed registered at Sr. No. 1088 dated 31-5-1979, with the Sub-Registrar, Sonepat.

G. S. GOPALA Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Robtak.

Date: 23-1-80,

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 2nd February 1980

Ref. No. KNI./6/79-80.—Whereas, f, G. S. GOPALA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Rohtak,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Shop No. 48 situated at Nai Mandi Karnal

(and more fully described in the

schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Karnal in June, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said, instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Pares Ram & Jai Parkash Sons of Shri Hari Ram, Railway Road, Karnal. (Transferor)

(2) Sh. Ram Kanwar S/o Sh. Payara Jul S/o. Sh. Tulc Ram, New Mandi Karnal. (Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Guzette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing Shop No. 48 situated in Nai Mandi-Karnal and as more mentioned in sale-deed registered at No. 962 dated 21-6-1979 with the Sub Registrar, Karnal.

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Runge, Robbak.

Date: 2-2-1980.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 2nd February 1980

Ref. No. KTI./2/79-80.—Whereas, f. G. S. GOPALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

Shop bearing No. 1504 situated at in Jawahargang Mandi, Kaithal

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kaithal on May, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in the pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sh. Prem Chand S/o Sh. Om Parkash, Smt. Savitri Devi W/o Sh. Om Parkash R/o Kaithal. (Transferor)
- (2) Sh. Padam Kumar S/o, Sh. Payare Lal Sh. Susil Kumar S/o Sh. Padam Kumar, R/o Kalthal. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned --

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property shop bearing No. 1504 situated in Mandi Jawaharganj Kaithal and as more mentioned in the sale-deed registered at Sr. No 469 dated 26-5-1979 with the Sub-Registrar, Kaithal.

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak.

Date: 2-2-1980.

(1) Smt. Leela Rai Wd/o Sh. Malik Maharaj Anand. R/O. 30-C, M.T. Yamunanagar. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sh. Naresh Chander Garg S/O. Sh. Kanti Chander Garg, 26-C, M.T. Yamunanagar.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 2nd February 1980

Ref. No. JDR/4/79-80.—Whereas, I, G. S. GOPALA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Rohtak,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Residential House No. 26-C situated at Model Town, Yamunanagar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Jugadhari in June, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afoesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing residential House No. 26-C situated in Model Town, Yamunnagar and as more mentioned in the sule-deed registered at Sr. No. 1530 dated 25-6-1979 with the Sub Registrar, Jagadhari.

G. S. GOPALA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak.

Date: 2-2-1980.

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 2nd February 1980

Ref. No. KNL/3/79-80.---Whereas, I, G. S. GOPALA. Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Rohtak,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaster referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Shop situated at Karnal

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Karnal in May, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 S/Sh. Asha Nand & Nanak Chand S/o. Shri Jodha Ram R/O. Karnal.

(Transferor)

(2) Sh. Ram Dass S/O. Shri Bela Ram, R/O. Karnal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this hotice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms und expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property shop situated at Karnal and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 765 dated 18-5-1979 with the Sub-Registrar, Karnal.

G. S. GOPALA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak.

Date: 2-2-1980.

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 4th February 1980

Ref. No. BGR/13-79-80.—Whereas I, G. S. GOPALA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, DLF Colony Rohtok

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House No. 3-G/200, N.I.T., situated at Faridabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ballabhgarh in May, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—39—466GI/79

(1) (1) Smt. Chander Mukhi D/O Late Sh. Attar Chand.
 (2) Shri Bharat Bhushan S O Sh. Attar Chand.
 R/O Faridabad.

Transferor

(2) Shri Subhash Chand Hans S/O Sh. Bela Ram R/O House No. 3-G'200, NIT, Faridabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shal have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being a residential House No. 3-G/200, situated in NIT, Faridabad and as more mentioned in the Sale-deed registered at No. 1312 dated 26-5-1979 with the Sub-Registrar, Ballabhgarb.

G. S. GOPALA.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income Tax, Acquisition Range, Rohtak.

Date: 4-2-1980

Scal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMP TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 4th February 1980

Ref. No. BGR/14/79-80.—Whereas I, G. S. GOPALA, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceedings Rs. 25,000/- and bearing

House No. 84 Sector 7A, situated at Faridabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ballabgarh in May, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sh. Amarjit Singh S/O Shri Mohan Singh, 10, Dr. Sundri Mohan Avenue, Calcutta. (Transferor)
- (2) S/Sh. Garib Singh & Hari Singh sons off Shri Vishan Singh House No. 84, Sector 7-A, Faridabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing residential house No. 84 situated in Sector 7-A, Faridabad and as more mentioned in the sale-deed registered at No. 1388 dated 29-5-1979 with the Sub-Registrar, Ballabhgarh.

G. S. GOPALA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income Tax, Acquisition Range, Rohtak.

Date: 4-2-1980

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 4th February 1980

Ref. No. NNL/1/79-80.—Whereas I, G. S. GOPALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hercinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Land measuring 3000 sq. yards situated at Purani Mandi, Narnaul

(and more fully described in the Schedule annexed hereas) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Narnaul in May, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Λct, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 S/Sh. Ram Chander, Narain Parshad, Hira Lal sons of Shri Chuni Lal, Jangra Brahaman R/O Narnaul.

(Transferor)

(2) Shri Harphool S/O Shri Shiv Ram, Purani Mandi, Narnaul.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:---The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 3000 sq. yards situated at Purani Mandi, Narnaul and as more mentioned in the sale-deed registered at No. 228 dated 9-5-1979 with the Sub-Registrar, Narnaul.

G. S. GOPALA, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax, Acquisition Range, Rohtak.

Date: 4-2-1980

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 4th February 1980

Ref. No. PNP/1/79-80.—Whereas I, G. S. GOPALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Land measuring 62 Bighas 4 Bishwa situated at Pattil Rajputan (Panipat)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Panipat in May, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfered for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealthtax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Bimla Choudhary Wd/o Sh. Lachhman Dass R/O House No. 188 Model Town, Penipet. (Transferor)
- (2) Shri Hirde Ram S/O Shri Lachhman Ram R/O House No. 421/8, Panipat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 62 Bighas 4 Bishwa situated at Patti Rajputan (Panipat) and as more mentioned in the Sale-deed registered at Sr. No. 637 dated 24-5-1979 with the Sub-Registrar, Panipat.

G. S. GOPALA, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax, Acquisition Range, Robtak.

Date: 4-2-1980

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) S/Sh. Harbans Singh & Jagdish Singh sons of Shri Umda Singh S/O Sh. Bakhtawar Singh R/O Thaidhar Teh & Distt. Gurgaon.

(Transferor)

(2) I. S.Sh. Shiv Lal & Badan Singh sons of Sh. Musse S/O Sh. Wazir
2. Sh. Beg Raj S/O Chhajan
3. Sh. Duli S/O Sh. Pehlad R/O Vill Bahdshapur Thedhar Teh. & Distt. Gurgaon.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 4th February 1980

Rcf. No. GRG/8/79-80.—Whereas I, G. S. GOPALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agricultural land measuring 70 kanals 12 madas situated at Vill. Badshapur Thethar (Gurgaon)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Gurgaon in May, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 70 K. 12 marlas at Vill. Shiwana Thethar (Gurgaon) and as more mentioned in the Sale-deed registered at No. 550 dated 16-5-1979 with the Sub-Registrar, Gurgaon.

> G. S. GOPALA, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax, Acquisition Range, Rohtak.

Date: 4-2-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohlak, the 4th February 1980

Ref. No. GRG/11/1979-80.—Whereas I, G. S. GOPALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Kothi No. 24-L, New Colony, situated at Gurgaon (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gurgaon in May, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Kanhaya Lal Poswal S/O Shri Mam Chand, R/O 47 M.L.A. Flat Chandigarh.

(Transferor)

Shri Bishan Singh S/O Anokh Singh
 Shri Satvinder Singh S/O Sh. Vishan Singh R/O Kothi No. 24-L, New Colony, Gurgaon.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property Kothi bearing No. 24-L, situated in New colony, Gurgaon and as more described in sale deed registered at Sl. No. 739 dated 26-5-1979 with the Sub-Registrar, Gurgaon.

G. S. GOPALA, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax, Acquisition Range, Rohtak.

Date: 4-2-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 4th February 1980

Ref. No. SRS/5/79-80.—Whereas I, G. S. GOPALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the having a market immovable property fair exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Shop situated Malgodam Road, situated at Sirsa (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 cf 1908) in the office of the Registering Officer at Sirsa in May, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in

respect of any income aising from the transfer;

exceeds the apparent consideration therefor by more than

fifteen per cent of such apparent consideration and that the

consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of trans-

fer with the object of :-

and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Shri Kashmiri Lal S/O Shti Bhaju Eam S/O Shri Ram Chand R/O Sitsa.

(Transferor)

- (2) (1) Sh. Mohan Lal & Mool Chand sons of Sh. Prem Chand.
 - (2) S/Sh. Hans Raj, Mulakh Raj, Sohan Lal Ss/o Sh. Mehanga Ram.
 - Smt. Ganga Devi W/O Sh. Desraj S/O Mebanga Ram.
 - (4) Smt. Lejwanti W/O Sh. Jai Chand S/O Mehanga Ram.

R/O Vill. Saharani Teh. Sirsa.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property shop situated on Malgodam Road, Sirsa and as more mentioned in the Sale-deed registered at No. 801 dated 19-5-1979 with the Sub-Registrar, Sirsa.

G. S. GOPALA.
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income Tax, Acquisition Range, Robtak.

Date: 4-2-1980

Sen1:

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX.

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 4th February 1980

Ref. No. SRS/7/79-80,—Whereas I, G. S. GOPALA. being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land measuring 104 k. 6 marlas situated at Vill. Kuta Badh-Teh. Sirsa

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sirsa in May, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) S Sh Hari Kishan Lal, Bhoj Raj, Des Raj & Sheokat Ram sons of Sh. Hakam Chand R/O Vill. Ratta Khera Teh, Susa.

(Transferor)

(2) 1. S/Sh. Dev Chand, Devi Ram S/O Khiali Ram.
2. Sh. Nihal Chand S/O Sh. Dev Chand R/O of Vill. Menna Khera Teh & Distt. Sirsa. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 104 K, 6 marlas situated at village Kuta-Badh Teh. Sirsa and as mentioned more in the Sæle-deed registered at st. No. 1092 dated 29-5-1979 with the Sub-Registrar, Sirsa.

G. S. GOPALA.
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income Tax, Acquisition Range, Robtak.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following

Date: 4-2-1980

Seal;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I.

MADRAS-600 006.

Madras-600 006, the 11th February 1980

Ref. No. 61/JUNE/79.—Whereas, I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961). (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 7, situated at Kondi Chetty Street, Madras-600 001, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSRO I, Madras North (Doc. No. 2668/79) on June 79 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) on the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—40—466GI/79

(1) Armenian Church represented by the trustees Armenian Association, Armenian Street, Madras-1.

(Transferor)

(2) Shri Imtan M. Abdul Hussein & Shri Saifuddin Hassan Ali, 25, Armenian Street, Madras-600 001.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Document No. 2668/79 JSRO I, Madras North. Land & Building at Door No. 7, Kondi Chetty Street, Madras-600 001.

O. ANANDARAM.
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range-I,
Madras-600 006.

Date: 11-2-1980,

Scal;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi-110002, the 18th January 1980

Ref. No. IAC/Acq-I/1-80/988.—Whereas, I, G, C. AGARWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. S-11 situated at Greater Kailash-I, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on 8-5-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with he object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely;—

(1) Shri Manjit Singh R/o 36, Double Storey, New Rajinder Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Harbans Lal Mehra, R/o 20/80, Shakti Nagar Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned ---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by early other person Interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One and a half storeyed building constructed on plot of land measuring 500 sq. yds. bearing No. 11, Block No. "S" situated in the residential colony known as Greater Kailash-I New Delhi bounded as under:—

Fast: Plot No. S-13. West: Plot No. S-9. North: Road. South: Service Lane.

G. C. AGARWAI..

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax

Acquisition Range-I
Delhi/New Delhi.

Date: 18-1-1980

 Shri Om Parkash Girdhar, S/o Shri Kundan Lal Girdhar, R/o A-9, NDSE I, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Brig. Ramesh Chander Ghai, S/o Shri Roop Lal Ghai, R/o D-371, Defence Colony, New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,

4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi-110002, the 18th January 1980

Ref. No. IAC/Acq.-I/1-80/989.—Whereas, I, G. C. AGARWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. M-50, situated at Greater Kailash-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 9-5-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in resect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A freehold residential plot of land bearing No. 50, Block No. M, measuring 250 sq. yds. situated in the residential colony known as Greater Kailash-II, New Delhi bounded as under:—

North: Service Lane South: Plot No. M-52 East: Service Lane. West: Road.

G. C. AGARWAI.,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 18-1-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

M/s. Laxmi & Co. a unit of M/s. Montary Enterprises Pvt. Ltd., 16, Marina Arcade, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Rank Pharmaceuticals Pvt. Ltd., E-43, Greater Kailash, New Delhl.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-I, 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi-110002, the 19th January 1980

Ref. No. IAC/Acq/I/1-80/990.—Whereas, I, G. C. AGARWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 10 situated at Golf Links New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on May 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesa'd persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A two and a half storeyed house built on plot of land measuring 1250 sq. yds. situated at No. 10, Golf Links, New Delhi.

G. C. AGARWAL,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi.

Date: 19-1-1980.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 21st January 1980

Ref. No. Acq.23-I-2428(928)/1-1/79-80.—Whereas, J. S. N. MANDAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 475 Paiki Sub-Plot No. 2-A, 2-B, 3-A, 3-B, 4-A & 4-B situated at (T.P.S. 28) Wadej, Ahmedabad

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on May, 1979

for an apparent consideration which is ess than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, is pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquistion of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Lalbhai Chunilal Patel, Ellisbridge, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Baljit Co. Op. Hous. Soc. Ltd. C/o 10, Manek Avenue Co. Op. Hous. Soc. Ltd., Navrangpura, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquistion of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gaette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing S. No. 475—Paiki Sub-Plot No. 2-A, 2-B, 3-A, 3-B, 4-A and 4-B—adm. 3327 sq. yds. situated at Wadel, Ahmedabad duly registered by Registering officer, Ahmedabad vide sale-deed No. 9716/21-10-1978 (37-G form received in the second fortnight of May, 1979 from Sub-Registrar, A'bad) i.e. property as fully described therein.

S. N. MANDAL,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Ahmedabad.

Date: 21-1-1980

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION NOTICE

INDIAN FOREST SERVICE EXAMINATION, 1980 F.13/1/79-E.I(B)

New Delhi, the 23rd February 1980

A competitive examination for recruitment to the Indian Forest Service will be held by the Union Public Service Commission at AHMEDABAD, ALLAHABAD, BANGALORE, BHOPAL, BOMBAY, CALCUTTA, CHANDIGARH, COCHIN, CUTTACK, DELHI, DISPUR, (GOUHATI), HYDERABAD, JAIPUR, JAMMU, LUCKNOW, MADRAS, NAGPUR, PANAJI (GOA), PATNA, PORT BLAIR, SHILLONG, SIMLA, SRINAGAR and TRIVANDRUM commencing on the 10th August 1980 in accordance with the Rules published by the Ministry of Home Affairs (Department of Personnel and Administrative Reforms) in the Gazette of India dated the 23rd February 1980.

THE CENTRES AND THE DATE OF COMMENCEMENT OF THE EXAMINATION AS MENTIONED ABOVE ARE LIABLE TO BE CHANGED AT THE DISCRETION OF THE COMMISSION. CANDIDATES ADMITTED TO THE EXAMINATION WILL BE IN FORMED OF THE TIME TABLE AND PLACE OR PLACES OF EXAMINATION (See Annexure, para 11),

- 2. The approximate number of vacancies to be filled on the results of this examination is 100 (including 15 vacancies reserved for Scheduled Castes and 8 vacancies for Scheduled Tribes candidates). This number is liable to alteration,
- 3. A candidate seeking admission to the examination must apply to the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011, on the prescribed form of application. The prescribed form of application and full particulars of the examination are obtainable from the Commission by post on payment of Rs. 2.00 which should be remitted to the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011, by Moncy Order, or by Indian Postal Order payable to the Secretary, Union Public Service Commission, at New Delhi General Post Office. Cheques or currency notes will not be accepted in lieu of Moncy Orders, Postal Orders. The form can also be obtained on cash payment at the counter in the Commission's Office. This amount of Rs. 2.00 will in no case be refunded.

NOTE.—CANDIDATES ARE WARNED THAT THEY MUST SUBMIT THEIR APPLICATIONS ON THE PRINT-ED FORM PRESCRIBED FOR THE INDIAN FOREST SERVICE FXAMINATION, 1980. APPLICATIONS ON FORMS OTHER THAN THE ONE PRESCRIBED FOR THE INDIAN FOREST SERVICE EXAMINATION, 1980 WILL NOT BE ENTERTAINED.

4. The completed application form must reach the Secretary. Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011, on or before the 21st April, 1980 (5th May, 1980) in the case of candidates residing abroad or in the Andaman & Nicobar Islands or in Lakshadweep from a date prior to 21st April 1980 accompanied by necessary documents. No application received after the prescribed date will be considered.

A candidate residing abroad or in the Andaman & Nicobar Islands or in Lakshadweep may at the discretion of the Commission be required to furnish documentary evidence to show that he was residing abroad or in the Andaman & Nicobar Islands or in Lakshadweep from a date prior to 21st April, 1980

5. Candidates seeking admission to the examination must pay to the Commission with the completed application form, a fee of Rs. 48.00 (Rs. 12.00 in the case of candidates belonging to the Scheduled Castes and Scheduled Tribes) through crossed Indian Postal Orders payable to the Secretary, Union Public Service Commission at the New Delhi General Post Office or crossed Bank Draft from any branch of the State Bank of India payable to the Secretary, Union Public Service Commission at the State Bank of India, Main Branch, New Delhi.

Candidates residing abroad should deposit the prescribed fee in the office of India's High Commissioner, Ambassador or Representative abroad, as the case may be, for credit to account head "051—Public Service Commission—Examination Fees" and attach the receipt with the application.

APPLICATIONS NOT COMPLYING WITH THE ABOVE REQUIREMENT WILL BE SUMMARILY REJECTED. THIS DOES NOT APPLY TO THE CANDIDATES WHO ARE SEEKING REMISSION OF THE PRESCRIBED FEE UNDER PARAGRAPH 6 BELOW.

- 6. The Commission may at their discretion remit the prescribed fee where they are satisfied that the applicant is a bona fide displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangla Desh) and had migrated to India during the period between 1st January 1964 and 25th March 1971, or is a bona fide repatriate of Indian origin from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963, or is a bona fide repatriate of Indian origin from Sri Lanka and has migrated to India on or after 1st November, 1964, or is a prospective repatriate of India origin from Sri Lanka under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964, and is not in a position to pay the prescribed fee.
- 7. A refund of Rs. 30.00 (Rs. 800 in the case of candidates belonging to Scheduled Castes and Scheduled Tribes) will be made to a candidate who has paid the prescribed fee and is not admitted to the examination by the Commission.

No claim for a refund of the fee paid to the Commission will be entertained, except as provided above nor can the fee be held in reserve for any other examination or selection

8. NO REQUEST FOR WITHDRAWAL OF CANDIDATURE RECEIVED FROM A CANDIDATE AFTER HE HAS SUBMITTED HIS APPLICATION WILL BE ENTERTAINED UNDER ANY CIRCUMSTANCES.

R. S. AHLUWALIA,
Deputy Secretary,
Union Public Service Commission.

ANNEXURE

INSTRUCTIONS TO CANDIDATES

1. Before filling in the application form the candidates should consult the Notice and the Rules carefully to see if they are eligible. The conditions prescribed cannot be relaxed.

BEFORE SUBMITTING THE APPLICATION THE CANDIDATE MUST SELECT FINALLY FROM AMONG THE CENTRES GIVEN IN PARAGRAPH I OF THE NOTICE THE PLACE AT WHICH HE WISHES TO APPEAR FOR THE EXAMINATION. ORDINARILY NO REQUEST FOR A CHANGE IN THE PLACE SELECTED WILL BE ENTERTAINED.

2. The application form and the acknowledgement card must be completed in the candidate's own handwriting. An application which is incomplete or is wrongly filled in is liable to be rejected.

All condidates, whether already in Government Service or in Government owned industrial undertakings or other similar organisations or in private employment, should submit their applications direct to the Commission. If any candidate forwards his application through his employer and it reaches the Union Public Service Commission late, the application, even if submitted to the employer before the closing date, will not be considered.

Persons already in Government Service whether in a permanent or temporary capacity or as workcharged employees other than casual or daily-rated employees are, however, required to submit an undertaking that they have informed in writing their Head of Office/Department that they have aplied for the examination.

- 3. A candidate must send the following documents with his application—
 - (i) CROSSED Indian Postal Orders or Bank Draft for the prescribed fee or attested/certified copy of certificate in support of claim for fee remission (See paras 5 and 6 of Notice and para 6 below).
 - (ii) Attested/Certified copy of Certificate of Age.

- (iii) Attested/Certified copy of Certificate of Educational qualification.
- (iv) Two identical copies of recent passport size (5 cm. x 7 cm. approx) photograph of the candidate, one of which should be pasted on the first page of the application form and the other copy on the Attendance Sheet in the space provided therein.
- (v) Two self-addressed unstamped envelopes of size approximately 11.5 cms x 27.5 cms.
- (vi) Attested/Certified copy of certificate in support of claim to belong to Scheduled Caste/Scheduled Tribe, where applicable (See para 4 below).
- (vii) Attested/Certified copy of certificate in support of claim for age concession where applicable (see para 5 below).
- (viii) Attendance sheet (attached with the application form) duly filled.

NOTE.—CANDIDATES ARE REQUIRED TO SUBMIT ALONG WITH THERE APPLICATIONS ONLY COPIES OF CERTIFICATES MENTIONED AT ITEMS (ii), (iii), (vi) AND (vii) ABOVE ATTESTED BY A GAZETTED OFFICER OF GOVERNMENT OR CERTIFIED BY CANDIDATES THEMSELVES AS CORRECT CANDIDATES WHO QUALIFY FOR INTERVIEW FOR THE PERSONALITY TEST ON THE RESULTS OF THE WRITTEN PART OF THE FXAMINATION WILL BE REQUIRED TO SUBMIT THE ORIGINALS OF THE CERTIFICATES MENTIONED ABOVE. THE RESULTS OF THE WRITTEN EXAMINATION ARE LIKELY TO BE DECLARED IN THE MONTH OF NOVEMBER, 1980. THEY SHOULD KEEP THE ORIGINALS OF THE CERTIFICATES IN READINESS FOR SUBMISSION AT THE TIME OF INTERVIEW. THE CANDIDATURE OF CANDIDATES, WHO FAIL TO SUBMIT THE REQUIRED CERTIFICATES IN ORIGINAL AT HAT TIME. WILL BE CANCELLED AND THE CANDIDATES WILL HAVE NO CLAIM FOR FURTHER CONSIDERATION.

Details of the documents mentioned in items (i) to (iv) above are given below and in para 6 and those of items (vi) and (vii) are given in paras 4 and 5:—

(i) (a) CROSSED Indian Postal Orders for the prescribed fee-

Each Postal Order should invariably be crossed and completed as follows:--

"Pay to the Secretary, Union Public Service Commission at New Delhi General Post Office."

In no case will Postal Orders payable at any other Post Office be accepted. Defaced or mutilated Postal Orders will also not be accepted.

All Postal Orders should bear the signature of the issuing Post Master and a clear stamp of the issuing Post Office.

Candidates must note that it is not safe to send Postal Orders which are neither crossed nor made payable to the Secretary. Union Public Service Commission at New Delhi General Post Office.

(b) CROSSED Bank Draft for the prescribed fce-

Bank Draft should be obtained from any branch of the State Bank of India and drawn in favour of Secretary, Union Public Service Commission navable at the State Bank of India, Main Branch. New Delhi and should be duly Crossed.

In no case will Bank Drafts drawn on any other Bank be accepted. Deficed or mutilated Bank Drafts will also not be accepted.

(ii) Certificate of Age.—The date of birth accepted by the Commission is that entered in the Matriculation Certificate or in the Secondary School Leaving Certificate or in a certificate recognised by an Indian University as equivalent to Matriculation or in an extract from a Register of Matriculates maintained by a University, which extract must be certified by

the proper authority of the University. A candidate who has passed the Higher Secondary Examination or an equivalent examination may submit at attested/certified copy of the Higher Secondary Examination Certificate or an equivalent Certificate.

The expression Matriculation/Higher Secondary Examination Certificate in this part of the instructions includes the alternative certificates mentioned above.

Some times the Matriculation/Higher Secondary Examination Certificate does not show the date of birth or only shows the age by completed years or completed years amonths. In such cases a candidate must send in addition to the attested/certified copy of the Matriculation/Higher Secondary Examination Certificate an attested/certified copy of a certificate from the Headmaster/ Principal of the institution from where he passed the Matriculation/Higher Secondary Examination showing the date of his birth or his exact age as recorded in the Admission Register of the institution.

Candidates are warned that if the date of birth stated in the application is inconsistent with that shown in the Matriculation Certificate/Higher Secondary Examination Certificate and no explanation is offered, the application may be rejected.

Note 1. A candidate who holds a completed Secondary School Leaving Certificate need submit an attested/certified copy of only the page containing entries relating to age.

NOTE 2.—CANDIDATES SHOULD NOTE THAT ONCE A DATE OF BIRTH HAS BEEN CLAIMED BY THEM AND ACCEPTED BY THE COMMISSION FOR THE PURPOSE OF ADMISSION TO AN EXAMINATION, NO CHANGE WILL ORDINARILY BE ALLOWED AT A SUBSEQUENT EXAMINATION.

(iii) Certificate of Educational Qualification.—A candidate must submit an attested/certified copy of a certificate showing that he has one of the qualifications prescribed in Rule 5. The certificate submitted must be one issued by the authority (i.e. University or other examining body) awarding the particular qualification. If an attested/certified copy of such a certificate is not submitted, the candidate must explain its absence and submit such other evidence as he can to support his claim to the requisite qualifications. The Commission will consider this evidence on its merits but do not bind themselves to accept it as sufficient.

If the attested/certified copy of the University Certificate of passing the degree examination submitted by a candidate in support of his educational qualifications does not indicate the subjects of the examination an attested/certified copy of a certificate from the Principal/Head of Department showing that he has passed the qualifying examination with one or more of the subjects specified, in Rule 5 must be submitted in addition to the attested/certified copy of University Certificate.

Note.—Candidates who have appeared at an examination the passing of which would render them educationally qualified for the Commission's examination but have not been informed of the result as also the candidates who intend to appear at such a qualifying examination will *NOT* be eligible for admission to the Commission's examination.

- (iv) Photographs.—A candidate must submit two identical copies of recent passport size (5 cm. \times 7 cm. approximately), photograph, one of which should be pasted on the first page of the application form and the other copy on the Attendance Sheet in the space provided therein. Each copy of the photograph should be signed in ink on the front by the candidate.
- N.B.—Candidates are warned that if an application is not accompanied with any one of the documents mentioned under paragraph 3(ii), 3(iii) and 3(iv) above without a reasonable explanation for its absence having been given the application is liable to be rejected and no appeal against its rejection will be entertained. The documents not submitted with the application should be sent soon after the submission of the application and in any case they must reach the Commission's office within one month after the last date for receipt of applications. Otherwise the application is liable to be rejected.
- 4. A candidate who claims to belong to one of the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes should submit in sup-

port of his claim an attested/certified copy of a certificate in the form given below from the District Officer or the Sub-Divisional Officer or any other officer as indicated below, of the district in which his parents (or surviving parent) ordinarily reside, who has been designated by the State Government concerned as competent to issue such a certificate; if both his parents are dead the officer signing the certificate should be of the district in which the candidate himself ordinarily resides otherwise than for the purpose of his own education.

The form of the certificate to be produced by Scheduled Castes and Scheduled Tribes candidates applying for appointment to posts under the Government of India;

This is to certify that Shri/Shrimati/Kumari*-

This is to certify that Shri/Shrimati/Kumari* son/daughter* of
the Constitution (Scheduled Castes) Order, 1950* the Constitution (Scheduled Tribes) Order, 1950* the Constitution (Scheduled Castes) (Union Territories)
the Constitution (Scheduled Castes) Order, 1950* the Constitution (Scheduled Tribes) Order, 1950* the Constitution (Scheduled Castes) (Union Territories)
the Constitution (Scheduled Tribes) Order, 1950* the Constitution (Scheduled Castes) (Union Territories)
the Constitution (Scheduled Castes) (Union Territories)
the Constitution (Scheduled Tribes) (Union Territories) Order, 1951*
[as amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes lists (Modification) Order, 1956, the Bombay Reorganisation Act, 1960, the Punjab Reorganisation Act, 1966, the State of Himachal Pradesh Act, 1970 the North Eastern Areas (Reorganisation) Act, 1971 and the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Order (Amendment) Act, 1976].
the Constitution (Jammu and Kashmir) Scheduled Castes Order, 1956*
the Constitution (Andaman and Nicobar Islands) Scheduled Tribes Order, 1959 as amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Orders (Amendment) Act, 1976.*
the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Castes Order, 1962*
the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Tribes, Order, 1962*
the Constitution (Pondicherry) Scheduled Castes Order, 1964*
the Constitution (Scheduled Tribes) (Uttar Pradesh) Order, 1967*
the Constitution (Goa, Daman and Dlu) Scheduled Castes Order, 1968*
the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Tribes Order, 1968*
the Constitution (Nagaland) Scheduled Tribes Order, 1970*.
2. Shri/Shrimati/Kumari* and/or* his/her* family ordinarily, reside(s) in village/town* of
of the State/Union Territory* of
Place (with seal of Office)
Date State/Union Territory*
*Please delete the words which are not applicable.
Note.—The term "ordinarily reside(s)" used here will have the same meaning, as in Section 20 of the Repre-

sentation of the People Act, 1950.

**Officers competent to issue Caste/Tribe certificates.

- (i) District Magistrate/Additional District Magistra Collector/Deputy Commissioner/Additional Deputy Commissioner/Deputy Collector/1st Class Stipe diary Magistrate/City Magistrate/Sub-Division Magistrate/Taluka Magistrate/Executive Magistrate Extra Assistant Commissioner. †(Not below the rank of 1st Class Stipendian Magistrate).
- (ii) Chief Presidency Magistrate/Additional Chie Presidency Magistrate/Presidency Magistrate.
- (iii) Revenue Officer not below the rank of Tehsildar.
- (iv) Sub Divisional Officer of the area where the candidate and/or his family normally resides.
- (v) Administrator/Secretary to Administrator/Development Officer (Lakshadweep).
- 5. (i) A displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangla Desh) claiming age concessions under Rule 4 (b)(ii) or 4(b)(iii) and/or remission of fee under paragraph 6 of the Notice should produce an attested/certified copy of a certificate from one of the following authorities to show that tan (now Bangla Desh) and had migrated to India during the period between 1st January, 1964, and 25th March, 1971; he is a bona fide displaced person from erstwhile Fast Pakis-
 - (1) Camp Commandant of the Transit Centres of the Dandakaranya Project or of Relief Camps in various States:
 - (2) District Magistrate of the Area in which he may, for the time being be resident;
 - Additional District Magistrates in charge of Refugee Rehabilitation in their respective districts;
 - (4) Sub-Divisional Officer within the Sub-Division in his charge.
 - (5) Deputy Refugee Rehabilitation Commissioner, West Bengal/Director (Rehabilitation), in Calcutta.
- (ii) A repatriate or a prospective repatriate of Indian origin from Sri Lanka claiming age concession under Rule 4 (b)(iv) or 4(b)(v) and/or remission of fee under paragraph 6 of the Notice should produce an attested/certified copy of a certificate from the High Commission for India in Sri Lanka to show that he is an Indian citizen who has migrated to India on or after 1st November, 1964 or is to migrate India under the India Caulon Agrament of October 1965 to India under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964
- (iii) A repatriate of Indian origin from Burma claiming age concession under Rule 4(b)(vi) or 4(b)(vii) and/or remission of fee under paragraph 6 of the Notice should produce an attested/certified copy of the identity certificate issued to him by the Embassy of India, Rangoon, to show that he is an Indian citizen who has migrated to India on or after the large 10(2) or an extractal/certified copy of the contractal/certified to India on or after the large 10(2) or an extractal/certified copy of the contractal con 1st June, 1963, or an attested/certified copy of a certificate from the District Magistrate of the area in which he may be resident to show that he is a bona fide repatriate from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963.
- (iv) A candidate diabled while in the Defence Service claiming age concession under Rule 4(b)(viii) or 4(b)(lx) should produce an attested/certified copy of a certificate is the form prescribed below from the Director General Resettle ment, Ministry of Defence, to show that he was disabled while in the Defence Services in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed area and release. as a consequence thereof.

The form of the certificate to be produced by the candidate.

- Shri -Certified that Rank No. of Unit was disabled while in the Defence Services in operations during hostilities with a foreign country/in a disturbed areas and was released as a result of such disability.

Signature———
Designation
Date-

^{*}Strike out whichever is not applicable.

(v) A candidate disabled while in the Border Security Force claiming age concession under Rule 4(b)(x) or 4(b) (xi) should produce an attested/certified copy of a certificate in the form prescribed below from the Director General, Border Security Force, Ministry of Home Affairs, to show that he was disabled while in the Border Security Force in operations during Indo-Pak hostilities of 1971 and was released as a consequence thereof.

The form of certificate to be produced by the candidate.

Signature.....
Designation.....
Date.....

- (vi) A repatriate of Indian origin who has migrated from Vietnam claiming age concession under Rule 4(b) (xii) should produce an attested/certified copy of a certificate from the District Magistrate of the area in which he may for the time being be resident to show that he is a bona fide repatriate from Vietnam and has migrated to India from Vietnam not earlier than July, 1975.
- (vii) A candidate who has migrated from Kenya, Uganda and the United Republic of Tanzania or who is repatrlate of Indian origin from Zambia, Malawi, Zaire and Echiopia, claiming age concession under Rule 4 (b) (xiii) should produce an attested/certified copy of a certificate, from the District Magistrate of the area in which he may, for the time being be resident, to show that he is a bona fide migrant from the countries mentioned above.
- 6. A candidate belonging to any of the categories referrel to in paragraph 5(i), (ii) and (iii) above, and seeking remission of the fee under paragraph 6 of the Notice should also produce an attested/certifled copy of a certificate from a District Officer or a Gazetted Officer of Government or a Member of the Parliament or State Legislature to show that he is not in a position to pay the prescribed fee.
- 7. A person in whose case a certificate of eligibility is required may be admitted to the examination but the offer of appointment shall be given only after the necessary eligibility certificate is issued to him by the Government of India, Ministry of Home Affairs (Department of Personnel & Administrative Reforms).
- Candidates are warned that they should not furnish any particulars that are false or suppress any material information in filling in the application form.

Candidates are also warned that they should in no case correct or alter or otherwise tamper with any entry in a document or its copy submitted by them nor should they submit a tampered/fabricated document. If there is any inaccuracy or any discrepancy between two or more such documents or its copies, an explanation regarding the discrepancy may be submitted.

The fact that an application form has been supplied on a certain date will not be accepted as an excuse for the late

- submission of an application. The supply of an application form does not *lpso facto* make the receiver eligible for admission to the examination.
- 10. If a candidate does not receive an acknowledgement of his application within a month from the last date of receipt of applications for the examination, he should at once contact the Commission for the acknowledgement.
- 11. Every canddiate for this examination will be informed at the earliest possible date of the result of his application. It is not, however, possible to say when the result will be communicated. But if a candidate does not receive from the Union Public Service Commission a communication regarding the result of his application one month before the commencement of the examination he should at once contact the Commission for the result. Failure to comply with this provision will deprive the candidate of any claim to consideration.
- 12. Copies of pamphlets containing rules and question papers of five preceding examinations are on sale with the Controller of Publications, Civil Lines, Delhi-110054 and may be obtained from him direct by mail orders or on cash payment. These can also be obtained only against cash payment from (i) the Kitab Mahal, Opposite Rivoli Cinema, Emporia Building, 'C' Block, Baga Kharag Singh Marg, New Delhi-110001, (ii) Sale counter of the Publications Branch, Udvog Bhawan New Delhi-110001, and (iii) the Government of India Book Depot, 8, K. S. Roy Road, Calcutta-1. The pamphlet are also obtainable from the agents for the Government of India Publications at various mofussil towns.
- 13. Communications regarding Applications.—AII CC MUNICATIONS IN RESPECT OF AN APPLICATI SHOULD BE ADDRESSED TO THE SECRETAL UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION, DHOLPU HOUSE, SHAHJAHAN ROAD, NEW DELHI-110011, AN SHOULD INVARIABLY CONTAIN THE FOLLOWIP. PARTICULARS:—
 - 1. NAME OF EXAMINATION.
 - 2. MONTH AND YEAR OF EXAMINATION
 - 3. ROLL NUMBER OR THE DATE OF BIRTH OF CANDIDATE IF THE ROLL NUMBER HAS NOT BEEN COMMUNICATED.
 - 4. NAME OF CANDIDATE (IN FULL AND IN BLOCK CAPITALS).
 - 5. POSTAL ADDRESS AS GIVEN IN APPLICATION

N.B.—COMMUNICATIONS NOT CONTAINING THE ABOVE PARTICULARS MAY NOT BE ATTENDED TO.

14. Change in address.—A. CANDIDATE MUST SEE THAT COMMUNICATIONS SENT TO HIM AT THE ADDRESS STATED IN HIS APPLICATION ARE REDIRECTED, IF NECESSARY. CHANGE IN ADDRESS SHOULD BE COMMUNICATED TO THE COMMISSION AT THE EARLIEST OPPORTUNITY GIVING THE PARTICULARS MENTIONED IN PARAGRAPH 13 ABOVE. ALTHOUGH THE COMMISSION MAKE EVERY EFFORT TO TAKE ACCOUNT OF SUCH CHANGES THEY CANNOT ACCEPT ANY RESPONSIBILITY IN THE MATTER.